विद्याविनियोगाद्विकासः

IIM AHMEDABAD

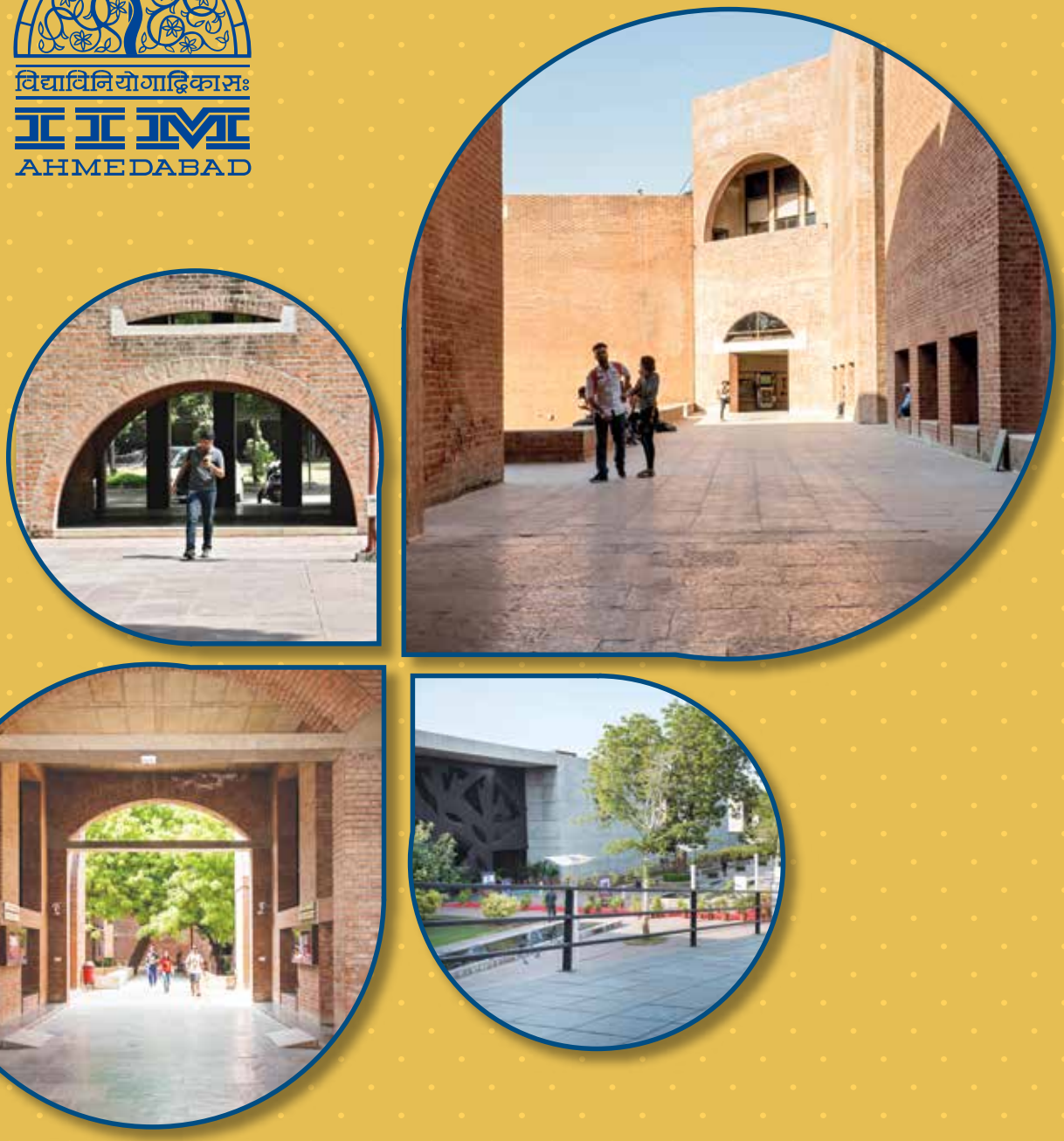

57 वाँ

वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2018-19

संस्थापक प्रणेता

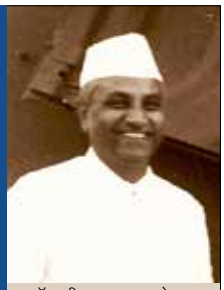
डॉ. जीवराज एन. मेहता

कस्तूरभाई लालभाई

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

पूर्व अध्यक्ष

डॉ. जीवराज एन. मेहता

श्री प्रकाश टंडन

श्री एस.एल. किर्लोस्कर

श्री केशव महिन्द्रा

श्री वी. कृष्णमूर्ति

श्री ए.पी. वेंकटेश्वरन

प्रोफेसर एस.के. खन्ना

डॉ. आई. जी. पटेल

श्री एन.आर. नारायण मूर्ति

डॉ.विजयपत सिंघानिया

श्री ए. एम. नायक

श्री पंकज पटेल

वर्तमान अध्यक्ष

श्री कुमार मंगलम बिड़ला

वर्तमान निदेशक

एर्रोल डिसूज़ा

पूर्व निदेशक

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

प्रोफेसर रवि जे. मथाई

डॉ. सैम्युअल पॉल

प्रोफेसर वी. एस. व्यास

डॉ. आई. जी. पटेल

प्रोफेसर एन. आर. शेठ

प्रोफेसर पी. एन. खांडवाला

प्रोफेसर जहर साहा

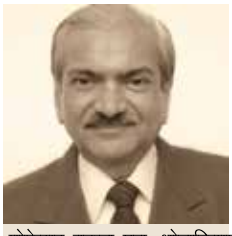
प्रोफेसर बकुल एच. धोलकिया

प्रोफेसर समीर के. बरुआ

प्रोफेसर आशीष नन्दा

57वाँ

वार्षिक प्रतिवेदन
2018-19

विद्याविनियोगाद्विकासः

IIM AHMEDABAD

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT AHMEDABAD

विषयसूची

1. वर्ष का सिंहावलोकन 5

2. कार्यक्रम 7

2.1 स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी). 7

2.2 खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम) 11

2.3 कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) 13

2.4 ईपीजीपी 15

2.5 प्रबंधन में पीएच.डी. कार्यक्रम 16

2.6 स्थानन. 17

2.7 दीक्षांत समारोह 20

2.8 सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम. 22

2.9 प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम. 22

2.10 कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम 23

3. अनुसंधान एवं प्रकाशन 24

3.1 विकल्पः निर्णय निर्माताओं का जर्नल 25

4. केस केंद्र 27

5. विक्रम साराभाई पुस्तकालय 28

6. अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह 31

6.1 नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र 31

6.2 लैंगिक केंद्र 32

6.3 भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र 32

6.4 कृषि प्रबंध केंद्र 33

6.5 स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र 34

6.6 सार्वजनिक प्रणाली समूह 35

6.7 रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केन्द्र 36

6.8 जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक प्रणाली स्कूल 36

7. अनुशासनिक विषयक्षेत्र 38

7.1 व्यापार नीति 38

7.2 संचार 39

7.3 अर्थशास्त्र 40

7.4 वित्त एवं लेखा 41

7.5 मानव संसाधन प्रबंधन 42

7.6 सूचना प्रणालियाँ 43

7.7 विपणन 44

7.8 संगठनात्मक व्यवहार 45

7.9 उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके 46

8. मान्यता और रैंकिंग 48

9. पूर्वछात्र गतिविधियाँ 51

10. अभिलेखागार 56

11. संचार विभाग 57

12. सहायता अनुदान 58

13. बुनियादी ढाँचे का विकास 59

14. राजभाषा कार्यान्वयन 60

15. कार्मिक 61

16. खेल एवं मनोरंजन गतिविधियाँ समिति (सारा) 63

17. छात्र गतिविधियाँ 64

18. परिसर में स्थायित्व 74

19. कल्याण गतिविधियाँ 76

परिशिष्ट 81

दृष्टि एवं सामरिक प्राथमिकताएँ

आईआईएमए का लक्ष्य समाज में प्रगतिशील तथा स्थायी प्रभाव का निर्माण करते हुए एक प्रमुख वैश्विक प्रबंधन स्कूल के रूप में प्रबंध शिक्षा एवं शिक्षण के क्षेत्र में अपनी पहचान को जारी रखना है। संस्थान निम्नलिखित पहलुओं पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत करता है ।

उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, विशिष्ट एवं प्रभावशाली शिक्षण तथा विभिन्न विषयों के लिए ज्ञाननिर्माण में सार्थक योगदान को प्रोत्साहित करके छात्रवृत्ति में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।

संस्थानों एवं उद्यमी संगठनों के अग्रणियों को शिक्षित तथा पोषित करना एवं उच्चगुणवत्ता की प्रतिभा और मूल्य निर्माण में उनके प्रयासों का समर्थन करना।

सरकार, व्यवसायिकों एवं गैर-सरकारी उद्यमों सहित स्पेक्ट्रम में पूर्व छात्रों तथा प्रमुख हितधारकों, निर्णय निर्माताओं और अग्रणियों के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से नीति एवं शिक्षण की दुनिया को प्रभावित करना।

आईआईएमए एक उच्च प्रदर्शन वाले काम के माहौल पर जोर देकर अपनी दृष्टि का समर्थन करता है, जो अपने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के बीच स्वायत्तता, रचनात्मकता और सहयोग की संस्कृति द्वारा समर्थित है। जैसा कि संस्थान अपने उद्देश्यों में संलग्न है, यह सुनिश्चित करेगा कि इसकी अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियाँ विभिन्न क्षेत्रों को संबोधित करती रहें जो समाज के विभिन्न वर्गों के लिए चिंता का विषय हैं।

1. वर्ष का सिंहावलोकन

पिछले दीक्षांत समारोह के बाद से आए छात्रों के नए बैच को नए संकायों (इन संकायों के जुड़ने के बाद संकायों की संख्या में दस प्रतिशत वृद्धि हुई है) का साथ मिला है। सभी संकाय सदस्य विभिन्न सम्मेलनों में अपने शोध प्रस्तुत करते हुए नए अकादमिक पाठ्यक्रम बनाने में गहराई से लगे रहते हैं। पेश किए गए नए ऐच्छिक पाठ्यक्रमों में से कुछ डिजिटल और सोशल मीडिया विपणन, सीईओ बनाना, भीतरी रंगमंच: स्वयं से भीड़ंत, अनुप्रयुक्त मूल्य निवेश, गेम थ्योरी तथा प्रयोग परीक्षण और मितव्ययी नवप्रवर्तन के लिए समुदायों तथा कॉर्पोरेशनों को जोड़ना हैं।

वर्ष के दौरान तिरेपन नए केस और उनके शिक्षण नोट पंजीकृत किए गए। इन केसों में भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुँह के कैंसर से बचे लोगों के जीवन की गुणवत्ता, रेकेम आरपीजी लिमिटेड के रणनीतिक परिवर्तन, बॉट गो, पेटीएम, और तेजी से बढ़ते हाइपरमार्केट के लिए ग्राहक वफादारी कार्यक्रम का डिजाइन जैसे मुद्दों और संस्थाओं को शामिल किया गया है।

शीर्ष प्रबंधन पत्रिकाओं में संकाय प्रकाशनों में काफी वृद्धि हुई है। कुछ पत्रिकाओं में संकाय सदस्यों के लेख प्रकाशित किए गए हैं, उनमें निम्नलिखित शामिल हैं : जर्नल ऑफ़ ऑपरेशन्स मैनेजमेंट (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय का "प्रतीक्षा कराना कितना वाजिब? रेस्तराँ में ग्राहकों को प्रतीक्षा करवाने से उनके व्यवहार तथा राजस्व पर क्या प्रभाव आता है"), जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज़ (प्रोफ़ेसर अमित कर्णा का "क्या समय के साथ विविधीकरण फर्म प्रदर्शन संबंध बदल जाता है? एक वृहद विश्लेषणात्मक समीक्षा"), जर्नल ऑफ बिजनेस एथिक्स (प्रोफ़ेसर चिरंतन चटर्जी का "हितधारक अभिविन्यास और बाजार प्रभाव: भारत से साक्ष्य", प्रोफ़ेसर प्रेमिला डीक्रूज़ और प्रोफ़ेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा का शानदार कर्तव्य निभाते हुए भारतीय "सुरक्षा गार्डों का अनिश्चितता के साथ अंतराफलक"), उत्पाद एवं संचालन प्रबंधन (प्रोफ़ेसर चिरंतन चटर्जी का जब एक बड़ा झटका आयाभारत के इन्फ्लूएंजा वैक्सीन की माँग के झटके और बाजार की संरचना पर एक प्राकृतिक प्रयोग।), एमआईटी स्लोअन मैनेजमेंट रिव्यू (प्रोफ़ेसर अमित कर्णा की "विविध कंपनियों के लिए एक नई पुस्तक"), जर्नल ऑफ़ द एकेडमी ऑफ़ मार्केटिंग साइंस (प्रोफ़ेसर सौरव बोराह का एक उभरते बाजार में ग्राहक मंथन को कम करने के लिए सेवा पुनर्प्राप्ति रणनीतियों के लाभ), जर्नल ऑफ़ इंटरनेशनल बिजनेस स्टडीज (प्रोफ़ेसर सौरव बोराह का "एक फर्म के समग्र खरीदार आपूर्तिकर्ता नेटवर्क की संरचनात्मक विशेषताओं को समझना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्रदर्शन पर इसके प्रभाव" और प्रोफ़ेसर शुभदीप रॉय का "उभरते बाजारों में प्रसिद्ध हस्तियों का समर्थन ब्रांडों के साथ या उपभोक्ताओं के साथ समर्थन करना?"

कार्यकारी शिक्षा में संकायों की भागीदारी भी काफी बढ़ी है। वर्ष के दौरान, आईआईएमए ने 21 देशों के 7,000 प्रतिभागियों के लिए 200 से अधिक कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं। ये सभी कार्यक्रम दोहराए नहीं गए थे – फिनटेक, अनुसंधान एवं विकास प्रबंधन और मानव संसाधन विश्लेषिकी जैसे विषयों पर दस नए मुक्त नामांकन वाले कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए थे। हमने कुल 300 प्रशिक्षण दिनों में, रूब-रू निर्देश के साथ ई-लर्निंग के संयोजन से पाँच मिश्रित शिक्षण कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों की पेशकश की।

फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा प्रयुक्त मानदंड में बदलाव से अधिकारियों के लिए हमारे एक साल के पूर्णकालिक कार्यक्रम की रैंकिंग देखी गई। हालांकि, *फाइनेंशियल टाइम्स* की एक समग्र रैंक है, जो बी-स्कूल कार्यक्रमों के पोर्टफोलियो की

गुणवत्ता को ध्यान में रखती है और यहाँ हम भारत के अन्य प्रबंध संस्थानों से आगे हैं और एशिया प्रशांत क्षेत्र में चौथे स्थान पर हैं। एफ़.टी. ने हमें वर्ष 2018 में विश्व में उद्यमिता के लिए शीर्ष 50 एमबीए और प्रबंधन मास्टर्स रैंकिंग में शीर्ष 20 एमबीए में भी स्थान दिया है।

खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय कार्यक्रम ने प्रथम स्थान पर बने रहना जारी रखा। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क द्वारा घोषित भारतीय रैंकिंग में वर्ष 2018 के लिए प्रबंधन श्रेणी में हम प्रथम स्थान पर बने रहना जारी रखना चाहते हैं।

डॉक्टरेट कार्यक्रम ने हमारे विजिटिंग चेयर प्रोफ़ेसर पदों के तत्वावधान में कई शोध कार्यशालाओं और पाठ्यक्रमों का आयोजन किया। शैक्षणिक वर्ष के दौरान, शिकागो बूथ के प्रोफ़ेसर प्रदीप चिंतागुंटा मार्केटिंग में एचयूएल चेयर प्रोफ़ेसर थे, इनसीड के रणनीति में लालभाई चेयर प्रोफ़ेसर के लिए प्रोफ़ेसर फनीश पुरानम, नेतृत्व में चंद्रिका टंडन चेयर प्रोफ़ेसर के लिए प्रोफ़ेसर जोनाथन गोस्लिंग और वित्त में एडलवाइस चेयर प्रोफ़ेसर के लिए प्रोफ़ेसर नागपूर्णानंद प्रभाला थे।

परिसर में कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जैसे कि विकास के लिए आईसीटी, जमीनी स्तर पर रचनात्मकता और नवप्रवर्तन, स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन सेवाओं में उन्नति और अर्थशास्त्र एवं वित्त में नेटवर्क साइंस, जिनमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों के शोधकर्ताओं ने भाग लिया। उत्तरी अमेरिका की उपभोक्ता अनुसंधान सोसाइटी संस्था ने अपने सम्मेलन का आयोजन परिसर में किया जिसमें विपणन और उपभोक्ता व्यवहार में अग्रणी शोधकर्ताओं ने अकादमिक पत्र प्रस्तुत किए।

छात्रों ने द रेड ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन किया, जिसके 16 कार्यक्रमों में 30000 से अधिक दर्शकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें गूगल और डिजिटल मार्केटिंग, डिजिटल बैंकिंग और नवप्रवर्तन, सामाजिक उद्यमों के निर्माण, डिजाइन सोच आदि पर कार्यशालाएँ शामिल थीं। वक्ताओं में माननीय रक्षा मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण, सुप्रीम कोर्ट के वकील श्याम दीवान, सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर, पत्रकार राजदीप सरदेसाई, और माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के अध्यक्ष अनंत माहेश्वरी आदि शामिल थे। एक साल के पूर्णकालिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने अपने *कोन्नेक्सियोन* को द रेड ब्रिक समिट 2018 में रणनीति, विपणन और उद्यमिता पर पैनल चर्चा का ब्रांड बनाया।

आईआईएमएएसआरके वार्षिक व्याख्यान प्रोफ़ेसर पार्थ दासगुप्ता द्वारा दिया गया था; उनके व्याख्यान का शीर्षक "मानव कल्याण और आर्थिक लेखा (ह्यूमन वेल बीइंग एंड इकोनॉमिक अकाउंटिंग)" था। भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने प्रोफ़ेसर अनिल गुप्ता तथा प्रोफ़ेसर विजय शेरी चंद के सहयोग में भारत में समावेशी विकास के लिए सार्वजनिक नीति पर एक पाठ्यक्रम पढ़ाया। अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं में पंद्रहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष शामिल थे।

इस वर्ष संस्थान ने अपने दीर्घकालिक कार्यक्रमों, कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों, और परामर्श एवं अनुसंधान परियोजनाओं से 75.8 करोड़ रुपए का अधिशेष अर्जित किया। अगले कुछ वर्षों में, संस्थान अवसंरचना में काफी निवेश करेगा नए छात्रावास, कक्षाएँ, संकाय तथा कर्मचारी आवास, और एक खेल संकुल जैसे कि यह अपनी पेशकशों को बढ़ाना चाहता है और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए अनिवार्य आरक्षण से निपटना चाहता है। हमें अगले कुछ वर्षों में अधिशेष की आवश्यकता होगी यदि हम इन विस्तार गतिविधियों को फलीभूत होते देखना चाहते हैं।

वित्तीय वर्ष के दौरान सबसे अधिक पारिश्रमिक पाने वाले संस्थान के पाँच कर्मचारी थे - प्रोफ़ेसर नेहारिका वोहरा, प्रोफ़ेसर शैलेश गाँधी, प्रोफ़ेसर संजय वर्मा, प्रोफ़ेसर सुनील माहेश्वरी, और प्रोफ़ेसर अमित कर्णा। संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में उनके योगदान को इस प्रतिवेदन में अन्यत्र सूचीबद्ध किया गया है। इस वित्तीय वर्ष के दौरान संस्थान में आठ संकाय सदस्य और पाँच अधिकारी शामिल हुए।

संस्थान लगातार अपने छात्रों और अधिकारियों के शैक्षिक अनुभवों की गुणवत्ता बढ़ाने और प्रबंधन शिक्षण को आकार देने का प्रयास लगातार जारी रखता है। यह ज्ञान के विकास में योगदान करने और सरकारों, व्यवसायों और नागरिकों को फलने फूलने में सक्षम बनाने के लिए कार्रवाई करने योग्य अंतर्दृष्टि उत्पन्न करना चाहता है। तेजी से बदलते विश्व में संस्थान अपनी शिक्षा को एक अनुकरणीय तरीके से सेवा करने के लिए अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाकर प्रबंधन शिक्षा में सबसे आगे रहने का प्रयास करता है।

2. कार्यक्रम

सन् 1961 में स्थापित, संस्थान ने सन् 1964 में पहले स्नातकोत्तर कार्यक्रम की पेशकश की और सन् 1966 में पहला बैच स्नातक हुआ । इसके बाद, इसने अधिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न सामाजिक ज़रूरतों को पूरा किया। वर्तमान में, संस्थान चार दीर्घकालिक शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है। प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) (एमबीए के समकक्ष); खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएफ़एबीएम) (एमबीए के समकक्ष); कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स); प्रबंधन में स्नातकोत्तर ईकार्यक्रम (ईपीजीपी) (एमबीए के समकक्ष); और प्रबंधन में पीएच.डी. कार्यक्रम।

2.1 स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी)

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) का 55वाँ बैच 399 छात्रों के साथ 21 जून, 2018 को शुरु हुआ। इसके प्रथम वर्ष के अंत में, 2017-19 बैच के 399 छात्र दूसरे वर्ष में आगे बढे।

कार्यक्रम का दूसरा वर्ष 393 छात्रों के साथ, 5 जून, 2018 को शुरू किया गया। दूसरे वर्ष के अंत में, (डबल डिग्री सहित) 398 छात्र संतोषजनक शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करके स्नातक हुए।

इसके विवरण **परिशिष्ट क1** में दिए गए हैं।

श्रेणी के अनुसार छात्रों के विवरण इस प्रकार हैं :

छात्र	सामान्य	एनसी-ओबीसी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	कुल
प्रथम वर्ष	188	104	56	34	17	399
द्वितीय वर्ष	177	111	58	34	13	393

पूर्वतैयारी (प्रीपरेटरी) कार्यक्रम

पूर्वतैयारी कार्यक्रम उन छात्रों के लिए है, जो कार्यक्रम में प्रवेश लेने जा रहे हैं लेकिन उन्हें संचार एवं गणितीय कौशलों को मजबूत करने की आवश्यकता है। नियमित सत्र के शुरू होने से पहले, इसका आयोजन ऑनलाइन किया गया था। इस कार्यक्रम से पैंसठ छात्र लाभान्वित हुए थे।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम 25 से 27 जून, 2018 के दौरान आयोजित किया गया था। इसमें निदेशक, डीन (कार्यक्रम) और पीजीपी अध्यक्ष के द्वारा संबोधन के उपरांत, पीजीपी कार्यकारी समिति और संस्थान के प्रशासन, कंप्यूटर सेवाओं तथा पुस्तकालय की सुविधाओं के साथ ही उनके उपयोग से संबंधित जानकारियों पर संवाद किया गया था। केस तैयारी तथा केस पद्धति पर एक विस्तृत सत्र का भी आयोजन नए छात्रों के लिए किया गया था जिससे छात्र केसों से परिचित हो सकें जो उनके लिए

एक प्रमुख शैक्षणिक साधन है। दूसरे सत्र की शुरुआत में एक अनुवर्ती सत्र का आयोजन किया गया था।

ट्यूटोरियल

प्रथम वर्ष के कुछ पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षकों द्वारा ट्यूटोरियल की पेशकश की गई थी जिससे छात्रों को इस कार्यक्रम की आवश्यकताओं में मदद मिल सके।

पाठ्यक्रम

पीजीपी समीक्षा समिति द्वारा नवीनतम अनुसंधान के साथ तालमेल रखने के लिए समयसमय पर पाठ्यक्रम को संशोधित किया जाता है।

समीक्षा के तहत इस वर्ष, प्रथम वर्ष के छात्रों ने तीन सत्रों में विस्तारित 35 अनिवार्य पाठ्यक्रम (23.80 क्रेडिट) लिए। दूसरे वर्ष में, छात्रों को वैकल्पिक पाठ्यक्रम के न्यूनतम 19 क्रेडिट और अधिकतम 22 क्रेडिट पूरे करने थे।

दूसरे वर्ष के दौरान, कुल 135 पाठ्यक्रमों को वैकल्पिक रूप में पेश किया गया जिनमें से 19 वैकल्पिक पाठ्यक्रमों को पहली बार पेश किया गया था। उन्नीस पाठ्यक्रमों को 2 अनुभागों में पेश किया गया, और 3 पाठ्यक्रमों को 3 अनुभागों में पेश किया गया था। एक सौ सत्ताईस परियोजना पाठ्यक्रम भी पेश किए गए। वर्ष के दौरान समय सारिणी में 185 पाठ्यक्रम कक्षाएँ व स्थलों को प्रबंधित करने की जरूरत पड़ी थी।

नए पाठ्यक्रम

दूसरे वर्ष में निम्नलिखित नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए गए थे

- अनुप्रयुक्त मूल्य निवेश
- ब्रांड प्रबंधन
- व्यावसायिक लापरवाही, दायित्व और कानून
- व्यापार वार्ता
- परामर्श और व्यावसायिक सेवा फर्म
- निगम से संबंधित शासन प्रणाली
- उपभोक्ता निर्णय निर्माण के वर्णनात्मक मॉडल
- डिजिटल और सोशल मीडिया विपणन
- व्यापार और नीति निर्णय निर्माण के प्रयोग
- वह खेल जो लोग खेलते हैं : व्यवहार और प्रायोगिक अर्थशास्त्र
- आंतरिक रंगमंच : स्वयं से सामना
- बड़े डेटा पर अंत:विषय परिप्रेक्ष्य
- सीईओ का सृजन
- परियोजनाओं में मानव पूंजी का प्रबंधन
- प्रचार रणनीति
- भारत के समावेशी विकास के लिए सार्वजनिक नीति
- भारतीय स्कूल शिक्षा में दूसरी पीढ़ी की चुनौतियाँ
- नए भगवान को समझना: डिजिटलाइजेशन, फिनटेक, और एसोसिएटेड टेक्नोलॉजी, रेगुलेशन और एडॉप्शन
- नेटवर्क के साथ काम करना

दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम और एकसत्रीय विनिमय कार्यक्रम

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों में शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदानप्रदान विकसित करने के लिए, संस्थान निम्नलिखित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ स्नातकोत्तर स्तर पर दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम चला रहा है

- ईएससीपीयूरोप बिजनेस स्कूल
- ईएसएसईसी बिजनेस स्कूल
- यूरोपीय बिजनेस स्कूल
- एचईसी प्रबंध स्कूल
- बोकोनी विश्वविद्यालय
- कोलोन विश्वविद्यालय

वर्ष 2018-19 के शैक्षणिक वर्ष के दौरान संस्थान से कुल नौ द्वितीय वर्ष के छात्रों ने बोकोनी विश्वविद्यालय, और एचईसी प्रबंध स्कूल के दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रमों में भाग लिया। इसी समय, बोकोनी विश्वविद्यालय से सात, एचईसी से एक, और ईएसएसईसी बिज़नेस स्कूल से एक छात्र ने 2018-19 के पीजीपी के दूसरे वर्ष में दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम में हमारे संस्थान में भाग लिया।

एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

पीजीपी के अंतर्राष्ट्रीयकरण को आगे बढ़ाने के लिए और छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन उपलब्ध कराने की दृष्टि से संस्थान कई अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूलों के साथ एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम के लिए सहयोग कर रहा है। वर्ष के दौरान, 122 एकसत्रीय विनिमय छात्रों ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया, जबकि विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों से एक सत्रीय अध्ययन के लिए 69 छात्र आईआईएमए में आए।

इसके विवरण **परिशिष्ट क2 और क3** में देखे जा सकते हैं।

छात्रवृत्तियाँ

संस्थान शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर एक बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है। संस्थान व्यक्तिगत और संस्थानगत स्थापित कई पुरस्कारों के अलावा, जरूरत के आधार पर छात्रवृत्तियाँ भी प्रदान करता है।

उद्योग छात्रवृत्तियाँ

चालीस छात्रों को वर्ष के दौरान शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर उद्योग योग्यता छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ

आदित्य बिड़ला समूह ने निम्नलिखित छात्रों को वर्ष 2017-18 के लिए प्रत्येक को 175000/ रुपए की छात्रवृत्ति राशि के लिए चुना।

पीजीपी 1	पीजीपी 2
पांडे नीरज राजेन्द्र	आयूष गर्ग
ग्लोरिया परेरा	प्रांजल मिश्रा

आईआईएमए की विशेष आवश्यकताआधारित छात्रवृत्तियाँ (एसएनबीएस)

संस्थान ने इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान एसएनबीएस के तहत 2,45,60,000 रुपए की आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियाँ प्रदान की। ये छात्रवृत्तियाँ 50,000/ रुपए से लेकर 2,45,000/ रुपए तक थी। इन छात्रवृत्तियों को प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण पाठ्यक्रम के अनुसार निम्न प्रकार है

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या	राशि (रु.)
पीजीपी-द्वितीय	75	9205000
पीजीपी-एफ़एबीएमद्वितीय	11	1290000
पीजीपी-प्रथम	79	11645000
पीजीपी-एफ़एबीएम-प्रथम	15	2420000
कुल	**180**	**2,45,60,000**

उपर्युक्त में से, 1680000 रुपए पूर्वछात्र छात्रवृत्ति के माध्यम से दिए गए थे और 10000 रुपए तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन द्वारा दिए गए थे।

आईआईएमए निर्गमन छात्रवृत्तियाँ

पीजीपी 2015-17 बैच के दो छात्रों को, जिन्होंने 2017 में स्नातक होने पर उद्यमी बनने का विकल्प चुना था उन्हें मासिक रूप से प्रत्येक को 40,000 रुपए की वृत्ति निर्गमन छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की गई। इनकी पहचान सीआईआईई द्वारा की गई थी और इन दोनों को दो साल तक यह वृत्ति मिलना जारी रहेगा।

पीजीपी-एफएबीएम 2015-17 बैच के एक छात्र को प्रति वर्ष के हिसाब से दो वर्ष के लिए 2,40,000 रुपए की राशि दी गई थी, जो एक गैर-लाभकारी संगठन में शामिल होने के लिए निर्गमन छात्रवृत्ति के रूप में थी।

भारत सरकार : शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना

अनुसूचित जाति: प्रथम वर्ष के छात्रों से प्राप्त दस आवेदनों को छह नवीकरण आवेदन पत्रों के साथ सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय को भेजा गया था। इन छात्रों के लिए अनुदान की प्रतीक्षा है। पिछले वर्ष के लिए प्राप्त छात्रवृत्तियों को संबंधित छात्रों में वितरित किया गया।

अनुसूचित जनजाति: सात आवेदनों को चार नवीकरण आवेदन पत्रों के साथ जनजातीय मामलों के मंत्रालय को भेजा गया था। इन छात्रों के लिए अनुदान की प्रतीक्षा है।

दिव्यांग: पाँच आवेदनों को दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग में भेजा गया था। ये छात्रवृत्तियाँ इस विभाग द्वारा सीधे ही लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी गई थी।

अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय-चार आवेदनों को तीन नवीकरण आवेदनों के साथ अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को भेजा गया था। ये छात्रवृत्तियाँ इस मंत्रालय द्वारा सीधे ही लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी गई थी।

अन्य एजेंसियों द्वारा संस्थापित छात्रवृत्तियाँ

- वृंदा अरुण लोहिया को 1,50,000 रुपए की ओ.पी. जिंदल छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- पीजीपी द्वितीय वर्ष के शुभम गोयल को 1,00,000 रुपए की टी. थॉमस छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- आईडीएफसी प्रथम छात्रवृत्तियाँ प्रत्येक को 100000 रुपए के हिसाब से वर्ष 2018-20 बैच के पीजीपी 1/एफ़एबीएम 1 के निम्नलिखित सात छात्रों को प्रदान की गई
  - सौम्य कुशवाहा
  - दिप्ती सिंघल
  - अंजू साई ईश्वरी
  - माधव भारद्वाज
  - मुहम्मद शाहीन ई.पी.
  - अविनाश
  - कवनीत सिंह
- एबी इनबेव विविधता एवं समावेशन छात्रवृत्ति प्रत्येक को 1,00,000 हिसाब से वर्ष 2018-20 बैच के पीजीपी 1 की निम्नलिखित दो छात्राओं को दी गई
  - जिशा कृष्णन
  - दिव्यांशी चौधरी
- तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन (टीआरएमएफ़) की 80,000 रुपए की छात्रवृत्ति पीजीपी द्वितीय वर्ष के छात्र अतुल आनंद को प्रदान की गई।

कई पीजीपी पूर्वछात्रों ने उदारता से जरूरतमंद छात्रों का समर्थन करने के लिए संस्थान में आर्थिक योगदान दिया है। जबकि निधि में से कुछ पूँजी का उपयोग एसएनबीएस के लिए तथा कुछ पूँजी का उपयोग एसएनबीएस पुरस्कार विजेताओं को टॉपअप छात्रवृत्तियों के रूप में किया गया।

नीचे दी गई तालिका में इन छात्रवृत्तियों का विवरण है :

प्रायोजक	राशि (रु.)	प्राप्तकर्त्ता	कक्षा / बैच
पेरी विश्वनाथ छात्रवृत्ति, कक्षा 2001	5,00,000 5,00,000	मोक्ष गर्ग राडा मनोज कुमार	पीजीपी-द्वितीय / 2017-19
पीजीपी 1983 (एमसीएम)	30,000 75,000 75,000	मरम महीधर पवित्रा देवी ए. नवीन चंगोईवाला	पीजीपी-द्वितीय / 2017-19

एसएनबीएस के साथ विलय की गई छात्रवृत्तियों का विवरण

प्रायोजक	राशि (रु.)	कक्षा / बैच
वारबर्ग पिंकस	16,80,000	पीजीपी 1 / पीजीपी 2 और एफ़एबीएम 1 / एफ़एबीएम 2
तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन	10,000	पीजीपी 1

इन सभी छात्रवृत्तियों के प्राप्तकर्ताओं के नाम **परिशिष्ट क 4** में दिए गए हैं।

पुरस्कार

श्री एस. के. सेठ स्मृति पुरस्कार

यह पुरस्कार श्रीमती शांति शेठ द्वारा संस्थापित अपने पति स्व. श्री एस.के. शेठ, संस्थान के प्रथम पुस्तकालयाध्यक्ष की स्मृति में पीजीपी कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार शुभम गोयल को दिया गया।

एस. उमापति पुरस्कार

यह पुरस्कार स्वर्गीय एस. उमापति के भाई द्वारा, किसी एक छात्र की शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए संस्थापित है, और यह संस्थान के साथ सहयोग की उनकी स्मृति में पीजीपी प्रथम वर्ष के श्रेष्ठ छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार शुभम गोयल को दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ पीजीपी ऑलराउंडर के लिए कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार

कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार, स्वर्गीय श्री कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास के मातापिता द्वारा किसी असाधारण छात्र के बहुमुखी प्रदर्शन को पहचान दिलाने एवं संस्थान के साथ श्रीनिवास की स्मृति को सम्मानित करने के लिए स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार अपराजिता शर्मा को दिया गया।

शैक्षिक प्रदर्शन के लिए देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्वर्ण पदक

यह पुरस्कार, भारत के प्रथम राष्ट्रपति, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति में कामधेनु फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया था। यह उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के दोनों वर्षों में सर्वोच्च ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार शुभम गोयल को दिया गया।

महिला ऑल राउंडर पुरस्कार

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता पुरस्कार, इस संस्थान के पूर्वछात्र श्री अरुण दुग्गल की पत्नी सुश्री रीता दुग्गल द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को पहचान देने हेतु स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार अपराजिता शर्मा को दिया गया।

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता स्वर्ण पदक क्वेजल फाउंडेशन द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को पहचान देने हेतु स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार अपराजिता शर्मा को दिया गया।

श्रीमती जे. नगम्मा स्मृति पुरस्कार: यह पुरस्कार श्रीमती जे. नगम्मा की स्मृति में उनके पुत्र श्री प्रमोद कुंजू (पीजीपी 1999) द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए स्थापित किया गया था। यह उस छात्र को दिया जाता है जो पीजीपी प्रथम वर्ष के कार्यक्रम में सर्वोच्च सीजीपीए (संचयी ग्रेड बिंदु औसत) अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार शुभम गोयल को दिया गया।

अन्य पुरस्कार

प्रोफ़ेसर अभिनंदन जैन विपणन गोल्ड मेडल की स्थापना प्रोफ़ेसर अभिनंदन जैन द्वारा की गई थी। यह उस एक छात्र को दिया जाता है जो विपणन पाठ्यक्रमों में उत्कृष्टता दिखाता है। इस वर्ष यह पुरस्कार यशस्वी अजीत जोशी को दिया गया।

श्री जी.सी. मित्तल उद्यमिता आर्थिक सहायता: यह सहायता श्री अंकित मित्तल (पीजीपी 2005) द्वारा उन छात्रों के लिए स्थापित की गई थी जो स्वयं का उद्यम शुरू करना चाहते हैं। इस वर्ष, यह सहायता अंचल तात्या को दी गई।

उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार यह श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा स्थापित किया गया है और एक ऐसे छात्र को दिया जाता है जो खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार अपराजिता शर्मा और आयूष अग्रवाल को दिया गया था।

सजीव सिरपाल शैक्षणिक एवं सृजनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार: यह सुश्री कनक सिरपाल (1984) एवं उनके मित्रों द्वारा श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में छात्रों में शिक्षाविदों एवं सृजनात्मकता की पहचान करने के लिए दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार अक्षिता अग्रवाल और प्रत्यूषा पांडेय को दिया गया।

आईआईएमएमैवरिक्स सहायता सीआईआईई द्वारा स्थापित की गई थी। इस वर्ष, यह सहायता अंचल तात्या और मिकुल पटेल को दी गई।

प्रवेश

पीजीपी 2018-2020 बैच में शामिल हुए छात्रों का विवरण इस प्रकार से हैं:

श्रेणी	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	139	49	188
नॉनक्रीमी ओबीसी	83	21	104
अनुसूचित जाति	34	22	56
अनुसूचित जनजाति	25	9	34
दिव्यांग	13	4	17
कुल	**294**	**105**	**399**

कंप्यूटर आधारित सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट) 2018 का आयोजन 25 नवंबर, 2018 को किया गया था। जून 2019 से शुरू होने वाले स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए 194205 आवेदन प्राप्त हुए। इस वर्ष के और पिछले वर्ष के तुलनात्मक आंकड़े **परिशिष्ट क5** में दिए गए हैं।

साक्षात्कार के चरण तक की प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अधिक विवरण **परिशिष्ट क6** में दिए गए हैं।

2.2 खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम)

खाद्य, कृषि-व्यवसाय, ग्रामीण, तथा संबद्ध क्षेत्रों में संगठनों की चुनौतियों से निपटने के लिए युवाओं को गतिशील व्यावसायिक प्रबंधकों, अग्रणियों, तथा उद्यमियों के रूप में तैयार करने के लिए खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम को बनाया गया है।

उद्देश्य

कार्यक्रम का उद्देश्य खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय, ग्रामीण और, संबद्ध क्षेत्रों के लिए सक्षम पेशेवर प्रबंधकों के रूप में युवा पुरुषों और महिलाओं को तैयार करना है। बढ़ती हुई पर्यावरणीय चिंताओं एवं उच्चतम बाजारोन्मुख माहौल में चुनौतियाँ बढ़ने से कृषि-खाद्य उद्योग नीतियों में परिवर्तन करने और उन परिवर्तनों का प्रबंधन करने के लिए जोशीले ढंग से प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता है। यह कार्यक्रम छात्रों को नेतृत्व और बदलावों के प्रबंधन के कठिन कार्य के लिए तैयार करता है।

प्रवेश

संस्थान को वर्ष 2018-20 बैच में प्रवेश के लिए 125451 आवेदन प्राप्त हुए। एक कठिन चयन प्रक्रिया के बाद, जिसमें सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट), समूह चर्चा, एवं साक्षात्कार शामिल थे, इस कार्यक्रम में 46 छात्रों को प्रवेश मिला।

इसके विवरण **परिशिष्ट ख1 और ख2** में दिए गए हैं।

तैयारी कार्यक्रम

चयनित छात्रों को उनके मूलभूत कौशलों के ज्ञान को मजबूत करने हेतु 11 जून से 19 जून, 2018 तक चलाए गए प्रारंभिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कहा गया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए बैच के लिए 25 से 27 जून, 2018 के दौरान एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यकारी समिति के साथ बातचीत और संवाद हुए तथा संस्थान की कंप्यूटर एवं पुस्तकालय सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को केस पद्धति शिक्षण से परिचित कराने के लिए केस तैयारी तथा केस चर्चा पर एक सत्र का आयोजन किया गया।

पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यक्रम का दूसरा वर्ष (2017-19) 45 छात्रों के साथ, 05 जून, 2018 को शुरु हुआ। प्रथम वर्ष (2018-80) के अंत में, 45 छात्र प्रथम वर्ष से दूसरे वर्ष में पदोन्नत हुए।

इसके विवरण **परिशिष्ट ख3** में दिए गए हैं।

पाठ्यचर्या

इस कार्यक्रम का प्रथम वर्ष पीजीपी के साथ समान ही रहता है। छात्रों ने 32 अनिवार्य पाठ्यक्रम (23.30 क्रेडिट्स) लिए जो तीन सत्रों में विस्तारित थे। द्वितीय वर्ष में, कृषि व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं को समाहित करते हुए छह क्षेत्र विशेष अनिवार्य पाठ्यक्रम और 22 ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए। दूसरे वर्ष के छात्रों को न्यूनतम 17 क्रेडिट और अधिकतम 20 क्रेडिट के लिए पंजीकरण करना जरूरी था। उन्हें अन्य कार्यक्रमों के किसी भी सत्र में 3.5 क्रेडिट अंकों के लिए पंजीयन करने की अनुमति दी गई।

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीणों के जीवन से संपर्क साधने, ग्रामीणों से बातचीत करना सीखने और ग्रामीण परिवेश, समाज, संस्थानों, एवं अर्थव्यवस्था से परिचित होने का एक मौका प्रदान कराना है। 23 मार्च से 1 अप्रैल, 2018 के दौरान इस ग्रामीण मॉड्यूल का पहला चरण आयोजित किया गया। छात्रों को सात समूहों में विभाजित किया गया। दूसरा चरण 7 से 16 दिसंबर, 2018 के दौरान छह समूहों के साथ आयोजित किया गया था।

पुरस्कार एवं आईछात्रवृत्तियाँ

पुरस्कार एवं आईछात्रवृत्तियों के विवरण **परिशिष्ट ख4** में दिए गए हैं।

विनिमय कार्यक्रम

पीजीपी-एफ़एबीएम के द्वितीय वर्ष के दो छात्रों को ईएसएसईसी एमएस कृषिव्यवसाय स्कूल भेजा गया और दो

छात्रों को नार्वेजियन इकोनोमिक्स स्कूल जहाँ इन्होंने सितंबर से दिसंबर 2018 तक का एक सत्र बिताया।

स्थानन

अंतिम स्थानन एक दिन में सफलतापूर्वक पूरा हुआ। 2019 के बैच में खाद्य, कृषि व्यवसाय और संबद्ध क्षेत्रों में नौकरी के अवसरों के साथ 45 छात्रों को प्रस्तुत किया गया था। इस प्रक्रिया में कुल 30 कंपनियों ने भाग लिया और छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भूमिकाएँ दी गई। गोदरेज एग्रोवेट, पीआई इंडस्ट्रीज, जैन इरिगेशन, पायनियरिंग वेंचर्स, निंजाकार्ट, और वे कूल ने प्रत्येक की तरफ से तीन-तीन प्रस्ताव दिए।

2.3 कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स)

पीजीपीएक्स 2018-19 कार्यक्रम की शुरूआत 23 छात्राओं सहित 138 छात्रों के साथ 12 अप्रैल, 2018 से हुई।

पीजीपीएक्स बैच 2018-19 का प्रोफ़ाइल **परिशिष्ट ग1** में दिया गया है।

कार्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम

पीजीपीएक्स कार्यक्रम की संरचना लगभग छह खंडों में की गई है - प्रेरण, घटकों का निर्माण, शीर्ष प्रबंधन की तैयारी, अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन, ऐच्छिक, और कैपस्टोन। नए ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के विवरण **परिशिष्ट ग2** में दिये गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम (विदेशी संस्थानों में दो सप्ताह का शैक्षिक प्रशिक्षण)

अंतरराष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम तीसरे सत्र के दौरान 10 से 21 सितंबर, 2018 के दौरान आयोजित किया गया था। छात्रों ने समूहों में इस प्रकार यात्रा की:

- बोलोग्ना बिजनेस स्कूल (6 छात्र)
- हांगकांग का चीनी विश्वविद्यालय (36 छात्र)
- चूंगचींग बिजनेस स्कूल विश्वविद्यालय (1 छात्र)
- कैनफील्ड मैनेजमेंट स्कूल (6 छात्र)
- इकोले सुपरियर द कॉमर्स द पेरिस (45 छात्र)
- लुकास ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, सैन जोस स्टेट यूनिवर्सिटी (4 छात्र)
- मास्को अंतरराष्ट्रीय हायर बिजनेस स्कूल (8 छात्र)

- स्टेलिनबोश बिजनेस स्कूल युनिवर्सिटी (2 छात्र)
- वारविक बिजनेस स्कूल (29 छात्र)

पाठ्यक्रम आवश्यकताओं के अनुसार दो सप्ताह के निमज्जन कार्यक्रम की समानता के लिए छात्रों ने ई-एमबीए कंसोर्टियम स्कूलों में भी एक सप्ताह की परियोजना पर भारतीय दूतावास-बीजिंग, भारतीय दूतावास-मास्को, भारतीय दूतावास-रोम, भारतीय महावाणिज्य दूतावास-केप टाउन, भारतीय महावाणिज्य दूतावास-सैन फ़्रांसिस्को और भारतीय उच्चायोग-लंदन में भी काम किया और निमज्जन कार्यक्रम में भाग लिया।

वारविक बिजनेस स्कूल के 14 विनिमय छात्रों के लिए "डूइंग बिजनेस इन इंडिया" मॉड्यूल का आयोजन किया गया था।

ईएससीपी के 16 विनिमय छात्रों के लिए एक अन्य मॉड्यूल का आयोजन किया गया था। आईआईएमए के ई-एमबीए इंटरनेशनल वीक में, छह अलगअलग स्कूलों और विविध देशों से आए 13 छात्रों ने भाग लिया था। इस सप्ताह का विषय 'भारत में व्यापार करना' और 'बढ़ती अर्थव्यवस्था में तलाश' पर आधारित था।

अकादमिक प्रदर्शन और छात्रवृत्तियाँ

सभी 137 पीजीपीएक्स छात्र सफलतापूर्वक स्नातक हुए। निम्नलिखित छात्रों को पुरस्कार एवं प्रशस्तिपत्र दिए गए

- पीजीपीएक्स टॉपर को स्वर्ण पदकरोनित भट्टाचार्य।
- शीर्ष सात छात्रों के लिए प्रत्येक को 30,000 रु. का नकद शैक्षिक मेरिट पुरस्कार : रोनित भट्टाचार्य, कौस्तूभ कोरडे, तेजेश इती, कार्तिक आर.एन., आरुष धवन, अनिरुद्ध हरलालका, आशीष देसवाल।
- श्री अरुण दुग्गल (अध्यक्ष - श्री राम कैपिटल लिमिटेड, आईआईएमए के आगंतुक संकाय और 1974 बैच के पूर्वछात्र) द्वारा प्रायोजित 2,00,000 रुपए का सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्टता पुरस्कार सौरभ जैन को दिया गया।
- शापूरजी पालोनजी उभरते सितारे शैक्षणिक योग्यता पुरस्कार रोनित भट्टाचार्य को दिया गया।
- आईआईएमवैरिक्स पुरस्कार विकास गुलिया को दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता

पीजीपीएक्स कार्यक्रम ने फाइनेंशियल टाइम्स एफ़टी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2019 में विश्व स्तर पर अपना सर्वश्रेष्ठ स्थान बनाए रखा। यह कार्यक्रम कैरियर प्रगति में विश्वभर में पाँचवें स्थान पर तथा समग्र दृष्टि से 47वें स्थान पर रहा।

पीजीपीएक्स छात्र गतिविधियाँ

एग्ज़्यूबरेन्स 2018

एग्ज़्यूबरेन्स 18, पीजीपीएक्स के आधिकारिक सांस्कृतिक महोत्सव का उद्घाटन संस्करण पीजीपीएक्स सांस्कृतिक समिति द्वारा 1 जुलाई, 2018 को रवि जे. मथाई सभागार में आयोजित किया गया।

कोनेक्सियन 2018

इस वर्ष कोनेक्सियन 2018 को द रेड ब्रिक समिट 2018 (टीआरबीएस) की पैनल चर्चा श्रृंखला का ब्रांड बनाते हुए ऊँचाइयों पर ले जाया गया। दो दिनों में विस्तारित इन चार पैनल सत्रों के कारण अग्रणी, शिक्षाविद, तथा बी-स्कूल के छात्र व्यापार के भविष्य पर चर्चा में जीवंत एवं दिलचस्प आइडिया साझा करने के लिए एकसाथ आगे आए। रणनीति, विपणन और उद्यमिता के विषयों के इर्दगिर्द इन सत्रों का आयोजन किया गया।

पीजीपीएक्स पूर्वछात्र मिलनएक्सप्रेशन 2018

एक्सप्रेशन 2018, एक्स 1 से एक्स 12 तक के पूर्वछात्रों, संकायों, पीजीपीएक्स कर्मचारियों, और वर्तमान बैच की एक अद्भुत मुलाकात थी। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफ़ेसर सरल मुखर्जी द्वारा भीड़ का समन्वय विषय पर मास्टरक्लास से हुई और एक नेटवर्किंग सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रिभोज के साथ समाप्त हुई। पूर्वछात्रों और वर्तमान छात्रों के बीच संबंध पहले से कहीं ज्यादा मजबूत बन गए हैं।

पीजीपीएक्स वक्ता श्रृंखला

वक्ता श्रृंखलाएँ पीजीपीएक्स छात्रों की एक पहल है जहाँ वरिष्ठ कंपनी अग्रणियों और प्रख्यात नागरिकों को छात्रों के साथ अपने अनुभवों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस वर्ष पंद्रह वक्ताओं को परिसर में आमंत्रित किया गया था। इनके विवरणों के लिए **परिशिष्ट ग 3** देखें।

पूर्वउन्मुखीकरण कार्यक्रम / ज्ञान हस्तांतरण

वर्ष 2019-20 बैच के लिए तीन दिवसीय पूर्वउन्मुखीकरण कार्यक्रम 1 से 3 मार्च, 2019 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 90 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में पीजीपीएक्स 2018-19 बैच के साथ ज्ञान हस्तांतरण, पीजीपीएक्स 2019-20 बैच का स्वागत, विभिन्न समितियों की भूमिकाएँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रिभोज शामिल थे।

वर्ष 2019-20 के लिए प्रवेश

पीजीपीएक्स 2019-20 के लिए कुल 887 आवेदन प्राप्त हुए (प्रथम दौर में 455, और दूसरे दौर में 432)। इनमें से साक्षात्कार

के लिए 571 आवेदनों को लघुसूचीबद्ध किया गया (प्रथम दौर में 296 और दूसरे दौर में 275)। साक्षात्कार के बाद 169 उम्मीदवारों को अंतिम प्रस्ताव दिए गए (प्रथम दौर में 93 और दूसरे दौर में 76), और 59 प्रतीक्षासूची में थे (प्रथम दौर में 26 और दूसरे दौर में 33) जिनमें से 8 सक्रिय थे। अंत में, 140 उम्मीदवार (पिछले वर्ष के स्थगित 4 सहित) कार्यक्रम में शामिल हुए, जिनमें से 32 महिलाएँ हैं। सात उम्मीदवारों ने अपने प्रवेश को अगले बैच के लिए स्थगित कर दिया है।

2.4 ईपीजीपी

प्रबंधन में ईमोड स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी) एक दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम है (तीन साल में पूरा करने की सुविधा है) जो एक मिश्रितसीखने वाले मोड में पेश किया गया है। वर्ष 2017 में इस कार्यक्रम की शुरुआत के साथ, संस्थान ने पूरे भारत में अपनी पहुँच का विस्तार किया है, ताकि प्रतिभागी अपनी पसंद के स्थान पर कार्यक्रम को आगे बढ़ा सकें। ईपीजीपी 2017-19 और 2018-20 बैचों के लिए, आईआईएमए ने ह्यूजेस ग्लोबल एजुकेशन इंडिया लिमिटेड (https://www.hugheseducation.com/). के साथ साझेदारी की है। ईपीजीपी 2019-21 बैच के लिए वीसीनाउ (https://vcnow.in) को प्रौद्योगिकी भागीदार नियुक्त किया गया है।

उद्देश्य

कार्यक्रम का उद्देश्य कनिष्ठ, मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कामकाजी व्यावसायियों और उद्यमियों को उच्च गुणवत्ता युक्त प्रबंधन शिक्षा

प्रदान करना है जो अपने संगठनों को अगले स्तर पर ले जाने के लिए आवश्यक कौशल और रणनीतियों की माँग रखते हैं।

यह पाठ्यक्रम सीधे संपर्क और प्रौद्योगिकी सक्षम संपर्क के माध्यम से 850 से अधिक घंटों के कक्षा सत्रों में प्रदान किया जाता है, और एक नवप्रवर्तक पाठ्यक्रम के माध्यम से यह नई अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक ज्ञान और नेतृत्व कौशल प्रदान करता है।

शिक्षा शास्त्र

वितरण चैनलों की तकनीकी क्षमताओं का उपयोग करते हुए शिक्षण दृष्टिकोण अत्यधिक संवादात्मक है। शिक्षाशास्त्र व्याख्यानों, केस अध्ययनों, ऑनलाइन व्याख्यानों, परियोजनाओं, सहकर्मियों से सीखना, स्वशिक्षण और अनुकार का मिश्रण है। प्रौद्योगिकी सेवा भागीदार ऑनलाइन कक्षाएँ, उपस्थिति, प्रश्नोत्तरियाँ, आदि के संचालन में निर्बाध तकनीकी सहायता सुनिश्चित करता है।

पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम को कार्यरत व्यावसायियों और उद्यमियों की सीखने की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इसे ईपीजीपी समिति द्वारा समयसमय पर संशोधित किया जाएगा ताकि नवीनतम शोध, नीति परिवर्तन और प्रासंगिक विकास के साथ तालमेल बना रहे।

पहले वर्ष में, पाठ्यक्रम में प्रतिभागियों को निम्नलिखित के साथ 16 क्रेडिट पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं:

- सामान्य प्रबंधन अभिविन्यास
- नेतृत्व क्षमता
- प्रबंधकीय निर्णय लेने की क्षमता
- आर्थिक और नियामक प्रवृत्तियों की समझ
- प्रबंधन के कार्यात्मक क्षेत्रों की समझ
- विविध विश्लेषणात्मक उपकरण और तकनीक

मुख्य पाठ्यक्रमों के पूरा होने पर, प्रतिभागियों को अपने दूसरे वर्ष में विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में 15 क्रेडिट के ऐच्छिक चुनने की आवश्यकता होती है। इनमें शामिल हैं -

- मानव संसाधन प्रबंधन
- सूचना प्रणाली प्रबंधन, साथसाथ पारकार्यात्मक क्षेत्र
- विपणन, वित्त
- संचालन प्रबंधन
- रणनीति

छात्र प्रोफाइल

बैच 2017-19

प्रथम ईपीजीपी बैच में देश के 13 शहरों के 49 छात्र (47 पुरुष और दो महिला) हैं। एक तिहाई छात्रों के पास 36 साल का अनुभव है, 20 प्रतिशत के पास 7 से 10 साल का कार्यानुभव है, और 47 प्रतिशत उम्मीदवारों के पास 10 साल से अधिक का कार्यानुभव है।

बैच 2018-20

इस बैच में पूरे भारत के 15 शहरों के छात्र हैं और मिश्रित उम्र (25 से 50 वर्ष के बीच), लिंग और उच्च गुणवत्ता वाले काम और उद्यमिता अनुभव का प्रतिनिधित्व करते हैं। बैच में 54 पुरुष और आठ महिलाएँ हैं। ईपीजीपी कार्यक्रम का लचीलापन विविध कैरियर और उद्यमी पृष्ठभूमि वाले प्रतिभाशाली व्यावसायियों को आकर्षित करने में सक्षम रहा है। वे ऑटोमोबाइल, वित्तीय सेवाओं, बैंकिंग, बिजली, ईकॉमर्स और आईटी जैसे उद्योगों से आए हैं। उनके पास औसतन नौ साल का काम / उद्यमिता का अनुभव है।

इनके विवरण **परिशिष्ट घ** में दिये गए हैं।

2.5 प्रबंधन में पीएच.डी. कार्यक्रम

पीएच.डी. कार्यक्रम का उद्देश्य प्रबंधन के विशष क्षेत्र में जटिल मुद्दों पर अनुसंधान की पहचान करने और उसे अंजाम देने के कौशल से छात्रों को सज्जित करना है।यह कार्यक्रम शैक्षणिक और कॉर्पोरेट दोनों जगत के विचारशील अग्रणियों को दृढ़ता से तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएच.डी. छात्रों का स्थानन शिक्षण, अनुसंधान और परामर्श पदों पर विश्व स्तरीय संगठनों में किया जाता है। मार्च 2019 में स्नातक हुए 13 छात्रों सहित अब तक कुल 378 छात्र पीएच.डी. स्नातक हुए हैं। इस वर्ष पीएच.डी. स्नातक होने वाले छात्रों के विवरण **परिशिष्ट ङ 1** में दिए गए हैं।

प्रवेश और अभिविन्यास

संस्थान को 2018 बैच में प्रवेश के लिए 877 आवेदन प्राप्त हुए। एक गहन चयन प्रक्रिया के बाद जिसमें लिखित परीक्षा, विषयक्षेत्रों और पीएच.डी. कार्यकारी समिति द्वारा साक्षात्कार शामिल थे, इस कार्यक्रम में 29 छात्र शामिल हुए। नए बैच के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम 30-31 मई, 2018 को आयोजित किया गया था।

पाठ्यक्रम

पीएच.डी. कार्यक्रम में तीन चरण होते हैं : कोर्स का काम, व्यापक परीक्षा और शोधप्रबंध। पाठ्यक्रम के पहले दो वर्षों के दौरान, 58

पीएच.डी. / मुख्य विषयक्षेत्र और 50 पीएच.डी. / विषयक्षेत्र के वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं। कोर्स के काम के लिए दो ट्रैक उपलब्ध हैं। ट्रैक 1 में छात्रों को 30.5 क्रेडिट पूरा करना आवश्यक है और ट्रैक 2 में छात्रों को दो साल के कोर्स के दौरान 34 क्रेडिट पूरा करना आवश्यक है।

पुरस्कार

प्रोफ़ेसर तीरथ गुप्ता मेमोरियल श्रेष्ठ शोधप्रबंध अवार्ड, शोधप्रबंध प्रस्ताव के लिए भारतीय औद्योगिक वित्तपोषण निगम-इंडस्ट्रियल फ़ाइनेंस कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया (आईएफ़सीआई) अवार्ड, और प्रथम वर्ष में चौधरी पद्मनाभन पंत श्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन अवार्ड विजेताओं के नाम **परिशिष्ट ङ 2** में दिए गए हैं।

सम्मेलन / पीएच.डी. वार्तालाप / शोधपत्र प्रकाशन

पीएच.डी. छात्रों द्वारा आयोजित सम्मेलन / पीएच.डी. वार्तालाप में प्रतिभागिता और प्रकाशन से संबंधित विवरण **परिशिष्ट ङ 3** में दिये गए हैं।

पिछले 10 वर्षों की पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम, पीजीपीएक्स, और पीएच.डी. कार्यक्रमों के छात्रों की संख्या **परिशिष्ट च** में दी गई है।

2.6 स्थानन

पीजीपी की 2019 की कक्षा के लिए अंतिम स्थानन प्रक्रिया फरवरी 2019 में सफलतापूर्वक पूरी हो गई थी। कई डोमेन की कंपनियों ने छात्रों के अंतिम स्थानन में तीन समूहों में भाग लिया था, जिनमें 23 से अधिक कॉहोर्ट्स में छात्रों का स्थानन किया गया।

स्थानन प्रक्रिया

स्थानन प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की गई थी। पहला चरण पार्श्व प्रक्रिया का था जिसमें कंपनियों ने पूर्व कार्यानुभव वाले छात्रों का साक्षात्कार लिया और उन्हें मध्यस्तर के प्रबंधकीय पदों की पेशकश की। दूसरे चरण में, पेशकश किए गए प्रोफाइल के आधार पर कंपनियों को कॉहोर्ट्स में समूहबद्ध किया गया था, और कॉहर्ट्स के समूहों को परिसर में कई क्लस्टरों में आमंत्रित किया गया था। पिछले वर्षों की तरह, छात्रों को हाथ में एक प्रस्ताव देने के साथ बाद के क्लस्टर में अपनी पसंद की कंपनियों में सपने के लिए आवेदन करने का लचीलापन प्रदान किया गया। इस साल 143 सपनों के आवेदन किए गए। इससे छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्रों में करियर बनाने का लचीलापन और विकल्प मिला। छात्रों को अपने उद्यमशील विचारों पर नवप्रवर्तन, उद्यमायन, एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) की मेंटरशिप के तहत काम करने का अवसर मिला।

कार्यक्षेत्रीय अवलोकन

स्थानन प्रक्रिया में विभिन्न क्षेत्रों और भूभागों की कंपनियों ने भाग लिया। प्रबंधन परामर्श डोमेन में भर्तीकर्त्ताओं में एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, ए.टी. किआर्नी, बैन एंड कंपनी, मैकिन्से एंड कंपनी, मॉनिटर डेलॉइट, ओलिवर विमन, और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, तथा अन्य शामिल थीं। निवेश बैंकिंग और बाजार क्षेत्र में प्रमुख नियोक्ताओं में बार्कलेज, सिटी, क्रेडिट सुइस, गोल्डमैन सैक्स, एचएसबीसी और जेपी मॉर्गन शामिल हैं। इस वर्ष, निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी (पीई/वीसी) भर्तीकर्ता सहकर्मियों ने 200 प्रतिशत की वृद्धि देखी और इसमें मैट्रिक्स पार्टनर्स और एसएआईएफ़ पार्टनर्स जैसे भर्तीकर्ता शामिल थे। बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा नियोक्ताओं में अमेरिकन एक्सप्रेस और फिनआईक्यू जैसी कंपनियाँ शामिल थीं। बिक्री और विपणन भूमिकाओं में एचयूएल, नेस्ले, पी एंड जी, रेकिट बेंकिज़र और विप्रो कंज्यूमर केयर जैसे नियमित नियोक्ताओं द्वारा पेशकश की गई। सामान्य प्रबंधन दल ने आदित्य बिड़ला समूह, सी.के. बिड़ला, आरपीजी समूह और टाटा प्रशासनिक सेवा

अन्य सहित की तरफ से प्रतिभागिता देखी गई। उपभोक्ता सेवाओं के सदस्यों में एतिहाद एयरवेज, इंडिगो और टाटा स्काई जैसी कंपनियों से भागीदारी देखी गई। कंज्यूमर टेक कॉहोर्ट ने माइक्रोसॉफ्ट, ओला, ओयो रूम्स, पेटीएम, उबर और जोमैटो अन्य सहित जैसी कंपनियों की भागीदारी देखी। पार्श्व प्रक्रिया में भाग लेने वाली कंपनियों में फ्लिपकार्ट, लोढ़ा समूह, माइक्रोसॉफ्ट, ई.वाई. पार्थेनन, उबेर और विप्रो ग्लोबल शामिल थे।

शीर्ष भर्तीकर्त्ता

वर्ष 2019 की स्थानन प्रक्रिया में एक सौ उनतीस कंपनियों ने भाग लिया; इनमें से 33 नए भर्तीकर्ता थे। परिसर पर सबसे अधिक जिन कंपनियों ने पेशकश रखी उनमें एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, द बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और फ्लिपकार्ट शामिल थीं। एक्सेंचर स्ट्रैटेजी ने सबसे अधिक संख्या में, याने 24, (पूर्वस्थानन पेशकश सहित) पेशकश रखीं, और उसके बाद बीसीजी द्वारा 20 पेशकश आईं। निवेश बैंकों में, एवेंडस सबसे बड़ा भर्तीकर्ता था, जिसने नौ प्रस्ताव दिए, और इसके बाद जेपी मॉर्गन ने आठ प्रस्तावों के साथ निकटता बनाई। बिक्री और विपणन डोमेन में, एचयूएल ने सबसे अधिक 5 पेशकश रखीं, उसके बाद मोंडेलेज़ और विप्रो कंज्यूमर केयर ने तीनतीन पेशकश रखीं। नौ प्रस्तावों के साथ, आदित्य बिड़ला समूह सामान्य प्रबंधन दल में सबसे बड़ा भर्तीकर्ता था। खुदरा बी2बी और बी2सी कॉहोर्ट में, फ्लिपकार्ट ने सबसे अधिक 14 पेशकश रखी, इसके बाद अमेजन ने 11 पेशकश रखी। उपभोक्ता टेक कॉहोर्ट में, पेटीएम ने 10 प्रस्तावों के साथ सबसे अधिक भर्ती की, इसके बाद माइक्रोसॉफ्ट ने आठ प्रस्ताव पेश किए।

नए लोगों के साथ नए संबंध बनाना

पीजीपी की पहुँच को और मजबूत करने के उद्देश्य से, विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियों को स्थानन के लिए आमंत्रित किया गया था। जैसा कि परिशिष्ट च में देखा जा सकता है, सभी सूचीबद्ध कंपनियाँ अपने संचालन क्षेत्रों में राष्ट्रीय और / या अंतरराष्ट्रीय स्तर की अग्रणी कंपनियाँ हैं।

विवरणों के लिए **परिशिष्ट छ** देखें।

पीजीपी 2017-19 बैच के लिए कुल स्थानन

अंक विवरण 2017-19 बैच के लिए स्थानन में भाग लेने वाले 388 छात्रों को कुल 477 से अधिक नौकरी के प्रस्ताव दिए गए थे।

पूर्वनियुक्ति प्रस्ताव (पीपीओ)

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर, और छात्रों के स्वप्नवत आवेदनों के बाद, 122 पूर्वस्थानन प्रस्ताव (पीपीओ) स्वीकार किए गए।

पार्श्व स्थानन

बैच के लगभग 45 प्रतिशत छात्र पार्श्व स्थानन के लिए योग्य थे और प्रौद्योगिकी, परामर्श, फार्मास्यूटिकल्स तथा विश्लेषिकी जैसे विविध क्षेत्रों से आईं 36 से अधिक कंपनियों ने उनकी नियुक्ति की। पार्श्व स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से तिहत्तर छात्रों ने प्रस्ताव स्वीकार किए।

उद्यमिता

इस वर्ष दो पीजीपी छात्रों ने सीआईआई समर्थन से अपने उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना। ऐसे उद्यमियों के उत्साह के जवाब में, स्थानन समिति उन्हें दो साल का स्थानन अवकाश दे रही है।

पीजीपी-ग्रीष्मकालीन स्थानन:

ग्रीष्मकालीन स्थानन में कुल 398 छात्रों ने भाग लिया।

पीजीपी-एफ़एबीएम अंतिम स्थानन 2019

पीजीपी-एफ़एबीएम छात्रों के लिए अंतिम स्थानन फरवरी 2019 में सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। 45 छात्रों के बैच को खाद्य, कृषि व्यवसाय और अन्य क्षेत्रों में नौकरी के अवसरों के साथ प्रस्ताव दिए गए थे। भर्तीकर्त्ताओं और प्रतिभागियों ने समान रूप से सुदृढ़ प्रक्रिया की सराहना की, और अवसरों के साथ प्रतिभा का मिलान किया।

क्षेत्र विशेष ज्ञान और प्रबंधकीय क्षमता के आला संयोजन को उद्योग जगत द्वारा खूब सराहा गया। छात्रों को इक्यावन प्रस्ताव दिए गए। गोदरेज एग्रोवेट, पीआई इंडस्ट्रीज़, जैन इरिगेशन, पायनियरिंग वेंचर्स, निन्ज़कार्ट और वेकूल जैसी कंपनियों ने तीन-तीन प्रस्ताव दिए। पहली बार भर्ती करने वालों में अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई), आरबीएल बैंक और रिलायंस फाउंडेशन शामिल थे। नियमित भर्तीकर्ताओं ने कई प्रस्ताव रखे। भर्ती-कर्त्ताओं में कृषि-व्यवसाय डोमेन जैसे कि एग्रोस्टार, ग्रामोफोन और अवर फूड्स जैसी आगामी स्टार्टअप व बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भी शामिल थीं। छात्रों ने वित्त, बिक्री और विपणन, आपूर्ति श्रृंखला, संचालन, कमोडिटी ट्रेडिंग, परियोजना प्रबंधन और परामर्श में कई भूमिकाओं के अवसरों की खोज की।

पीजीपी-एफ़एबीएम को विश्व भर के एमबीए कार्यक्रम में (पिछले आठ वर्षों में सात बार) (कृषि-व्यवसाय) / खाद्य उद्योग प्रबंधन वैश्विक रैंकिंग में एडुनिवर्सल, पेरिस द्वारा प्रथम स्थान दिया गया है।

पूर्वस्थानन प्रस्ताव (पीपीओ)

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर, सात कंपनियों द्वारा नौ पूर्वस्थानन प्रस्ताव दिए गए थे, जिनमें से सभी को स्वीकार किया गया था।

नए संबंधों का निर्माण

पीजीपी-एफ़एबीएम की पहुँच को और मजबूत करने के उद्देश्य से, विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियों को स्थानन के लिए आमंत्रित किया गया।

पीजीपी-एफ़एबीएम ग्रीष्मकालीन स्थानन (2018-20 बैच)

ग्रीष्मकालीन नियुक्ति प्रक्रिया नवंबर 2018 में सफलतापूर्वक पूरी हो गई थी।

पीजीपीएक्स अंतिम स्थानन 2019

पीजीपीएक्स स्थानन नवंबर 2018 में रोलिंग के आधार पर शुरू हुआ। प्रतिभागियों को मध्यम से लेकर वरिष्ठ स्तर के पदों के लिए चुना गया। पीजीपीएक्स स्थानन में प्रतिभागियों और संभावित नौकरी / भूमिका के बीच एक अच्छी उपयुक्तता सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

स्थानन के समय में कई क्षेत्रों से विविध पूल के नियोक्ता आकर्षित हुए। इस वर्ष की भर्ती सूची में टेकनोलोजी कंपनियाँ, कंपनियों के संगठन, रियल्टी और अवसंरचना कंपनियाँ, बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थान, विनिर्माण, बिजली और ऊर्जा कंपनियाँ, सरकारी सेवाएँ, स्टार्टअप्स और कई पहली बार भर्तीकर्ता शामिल थे।

पीएच.डी. कार्यक्रम स्थानन : एक अवलोकन

पीएच.डी. कार्यक्रम स्थानन प्रक्रिया का उपयोग करते हुए सार्वजनिक प्रणाली समूह विषयक्षेत्र से एक उम्मीदवार था। छात्र व्यापक अनुसंधान हितों और पृष्ठभूमि के साथ गठबंधन विशिष्ट और आला भूमिकाओं की तलाश में था।

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप मोर्चे पर, चार छात्रों को संस्थान में एक संकाय सदस्य के माध्यम से एकोले-आईआईएम अहमदाबाद के सहयोग से एक प्रस्ताव मिला। एक छात्र को नीति आयोग से एक प्रस्ताव मिला।

अन्य पहलें

- ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप संक्षिप्त विवरण सत्रों का आयोजन पीजीपी तथा पीजीपी-एफ़एबीएम के दूसरे वर्ष के छात्रों द्वारा प्रथम वर्ष के छात्रों को डोमेन और भूमिकाओं के लिए जिनमें वे नियुक्त होने वाले हैं उस पर एक संक्षिप्त विचार देने के लिए होता है।
- इंटर्नशिप योजना सत्र का आयोजन पीजीपी-एफ़एबीएम स्थानन समिति के छात्रों द्वारा उद्योग व्यवसायियों की सहायता से किया जाता है, जो छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के

लिए अधिक जागरूक बनाने के लिए क्या करना व क्या नहीं करना चाहिए बताते हैं।

- पीजीपी स्थानन समिति के छात्रों द्वारा आयोजित विविध क्षेत्रीय वार्ता, जिसमें विविध क्षेत्रों में कार्यरत पूर्वछात्र वर्तमान छात्रों के साथ अपनी कॉर्पोरेट यात्रा साझा करते हैं।
- पीजीपी और पीजीपी-एफ़एबीएम स्थानन समिति के छात्रों द्वारा नियमित भर्तीकर्ताओं में शहरों को जोड़ने की पहल का आयोजन किया गया तथा आला क्षेत्रों की कंपनियों के साथ संबंध स्थापित करने के बारे में जागरूकता पैदा की गई।
- स्थानन प्रक्रिया स्वचालन को छात्र स्थानन समिति की उत्पादकता बढ़ाने के क्रम में एक क्लाउड-आधारित सॉफ्टवेयर प्लेटफार्म की सदस्यता लेकर अंजाम दिया गया और पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम, तथा पीजीपीएक्स छात्रों की स्थानन प्रक्रिया की समग्र क्षमता की उत्पादकता बढ़ाई गई।
- भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संस्थान के मार्गदर्शन के तहत मैत्री 2018, वार्षिक बी-स्कूल कॉन्क्लेव की अवधारणा आयोजित की गई थी जिससे सामान्य क्षेत्रों की पहचान और विचार-विमर्श किया जा सके, नियुक्ति में गुमराह होने से बचा जा सके और परिचालन प्रक्रिया की दक्षता को बढ़ाने के सर्वोत्तम तरीकों और विचारों का आदान-प्रदान किया जा सके।
- पीजीपीएक्स छात्रों को बेहतर कैरियर विकल्प चुनने और उनकी प्रोफ़ाइल, कौशल और आकांक्षाओं से मेल खाते हुए सही काम का चयन करने के लिए कैरियर सलाहकार और परामर्श सेवाएँ प्रदान की गईं।

2.7 दीक्षांत समारोह

संस्थान का चौवनवाँ दीक्षांत समारोह 16 मार्च, 2019 को आयोजित किया गया। इसमें प्रोफ़ेसर कौशिक बसु, अर्थशास्त्र के प्रोफ़ेसर और इंटरनेशनल स्टडीज़ के कार्ल मार्क्स प्रोफ़ेसर, कॉर्नेल विश्वविद्यालय ने दीक्षांत भाषण दिया। इस दीक्षांत समारोह में 13 पीएच.डी. कार्यक्रम के छात्रों को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) की डिग्री से सम्मानित किया गया; 398 पीजीपी छात्रों को व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर डिग्री से सम्मानित किया गया; 45 पीजीपी-एफ़एबीएम छात्रों को व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन) डिग्री से सम्मानित किया गया; और 137 पीजीपीएक्स छात्रों को व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर डिग्री से सम्मानित किया गया।

निम्नलिखित छात्रों को उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद पदक से सम्मानित किया गया:

पीजीपी

- शुभम गोयल
- अडवाणी मनीष सुरेश
- क्षितिज जैन

पीजीपीएफ़एबीएम

- मोक्षा

पीजीपीएक्स

- रोनित भट्टाचार्य

शुभम गोयल

अडवाणी मनीष सुरेश

क्षितिज जैन

मोक्षा

रोनित भट्टाचार्य

2.8 सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम

सशस्त्र सेना बल कार्यक्रम (एएफ़पी) एक पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है और हर साल अक्टूबर से मार्च तक आयोजित किया जाता है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से सशस्त्र सेना बलों के अ0धिकारियों के लिए बनाया गया है जिसमें उन्हें समकालीन वैश्विक प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराया जाता है और उन्हें कॉर्पोरेट कैरियर के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षाशास्त्र और कठोर अध्ययन पाठ्यक्रम विश्लेषणात्मक और प्रबंधकीय कौशल को सामने लाते हैं जो कॉर्पोरेट शिक्षकों में सफलता के लिए आवश्यक हैं। पहला एएफ़पी कार्यक्रम 2006 में पेश किया गया था। इसकी स्थापना के बाद से, लगभग 841 प्रतिभागियों ने यह कार्यक्रम पूरा किया है।

संस्थान अधिकारियों के चयन के लिए एक परीक्षा आयोजित करता है। अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की सूची पुनर्वास महानिदेशालय को भेजी जाती है। इस वर्ष लिखित परीक्षा के माध्यम से चुना गया यह चौथा बैच था। आम तौर पर, बैच का आकार लगभग 60 होता है।

14वें एएफ़पी का आयोजन 8 अक्टूबर, 2018 से 22 मार्च, 2019 तक किया गया था। इसमें थल सेना, नौसेना और वायु सेना से सात महिला अधिकारियों सहित 59 प्रतिभागी थे।

वर्ष 2018-19 बैच के लिए अट्ठाईस पाठ्यक्रम तीन सत्रों में पेश किए गए थे। प्रतिभागियों के लिए अमूल डेयरी और चॉकलेट प्लांट का क्षेत्रीय दौरा आयोजित किया गया था।

एएफ़पी स्थानन समिति स्थानन गतिविधियों का संचालन करती है और संस्थान अवसंरचना सुविधाएँ प्रदान करता है। वर्ष 2018-19 बैच के लिए समिति अपने इच्छित कार्यात्मक क्षेत्रों में अधिकारियों की नियुक्ति कराने में सक्षम रही। जो स्थानन समिति के माध्यम से नियुक्ति चाहते थे उन 49 प्रतिभागियों में से, 38 की नियुक्ति की गई थी। एएफ़पी स्थानन गतिविधि में 27 कंपनियों ने भाग लिया।

2.9 प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़डीपी) 15 सप्ताह का एक आवासीय कार्यक्रम है, जिसे विशेष रूप से प्रबंधन शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए तैयार किया गया है। 40वाँ एफ़डीपी कार्यक्रम 14 मई से 31 अगस्त 2018 तक आयोजित किया गया था, और इसे दो मॉड्यूल में प्रस्तुत किया गया था।

मॉड्यूल 1 (अध्यापन शास्त्र और अनुसंधान मॉड्यूल) 14 मई से 6 जुलाई, 2018 के दौरान, और मॉड्यूल 2: (सामान्य प्रबंधन मॉड्यूल) 9 जुलाई से 31 अगस्त, 2018 तक।

चयन प्रक्रिया के बाद, दोनों मॉड्यूल में शामिल करने के लिए 30 उम्मीदवारों का चयन किया गया था। ग्यारह प्रतिभागियों ने केवल मॉड्यूल 1 में भाग लिया और बाकी ग्यारह ने केवल मॉड्यूल 2 में भाग लिया। प्रतिभागियों में उन्नीस महिला संकाय सदस्य थीं। अपीजय ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट द्वारा स्थापित सुरेंद्र पाल फेलोशिप की ब्याज आय से, 47848 की कुल फैलोशिप अठारह स्व-प्रायोजित पूर्णकालिक एफ़डीपी प्रतिभागियों को उपलब्ध कराई गई थी। क्षेत्रीय प्रबंधन अध्ययन अनुसंधान अनुदान को उन तीन प्रतिभागियों को दिया गया, जो गुजरात आधारित अनुसंधान अध्ययन पर काम करना चाहते थे।

40वें एफ़डीपी को शिक्षाशास्त्र और अनुसंधान पद्धति में पाठ्यक्रम सामग्री को बढ़ाने के साथ-साथ वर्तमान विषयों पर कई अतिथि सत्रों को शामिल करके सुदृढ़ किया गया है। मूल सामान्य प्रबंधन में एक बुनियादी आधार प्रदान करने के अलावा, प्रतिभागियों को विशेष विषयों पर तीन उप-मॉड्यूलों में से एक को चुनने की अनुमति दी जाती है, जो समकालीन तरीकों और अनुसंधान क्षेत्रों का परिचय देते हैं। उपमॉड्यूल के तीन विशेष विषय हैं; विपणन, संगठन व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन, और सामान्य प्रबंधन (जिसमें वित्त, संचालन, रणनीति और संबद्ध अन्य जैसे विषयक्षेत्र शामिल हैं)। प्रतिभागियों ने अमूल और अरविंद मिल्स के क्षेत्रीय दौरे भी किए।

2.10 कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

वर्ष 2018-19 में, संस्थान ने मुक्त नामांकन कार्यक्रम (ओईपी) के तहत 63 कार्यक्रम, अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) के तहत 128 कार्यक्रम और 5 मिश्रित शिक्षा कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इन कार्यक्रमों ने सरकारी विभागों सहित निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों से कुल 6770 कार्यकारी अधिकारियों को आकर्षित किया। कार्यकारी शिक्षा में वर्ष 2018-19 के दौरान 12 विषयक्षेत्रों में से आठ विषयक्षेत्रों के लिए नौ नए मुक्त नामांकन कार्यक्रम पेश किए गए।

वर्ष 2018-19 में, एक सौ अट्ठाईस (7 दीर्घकालिक सहित) अनुकूलित कार्यकारी कार्यक्रमों की पेशकश 4622 प्रतिभागियों के समक्ष की गई थी।

मिश्रित शिक्षण मॉडल के तहत, एनआईआईटी, ह्यूजेस ग्लोबल एजुकेशन और यूनिफ़ाइड कॉलेबरेशन के माध्यम से ई-लर्निंग कार्यक्रमों के रूप में पाँच कार्यक्रम पेश किए गए। 102 प्रतिभागियों के साथ अप्रैल 2018 में त्वरित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (एजीएमपी), 62 प्रतिभागियों के साथ जून 2018 में उन्नत व्यापार विश्लेषिकी में कार्यकारी कार्यक्रम (ईपीएबीए), 52 प्रतिभागियों के साथ जुलाई 2018 में व्यापार वित्त में कार्यकारी कार्यक्रम (ईपीबीएफ), 150 प्रतिभागियों के साथ जुलाई 2018 में वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम (एसएमपी) बैच 2, और 141 प्रतिभागियों के साथ सितंबर 2018 में वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम (एसएमपी) बैच 3 शुरू हुए।

इनके विवरण **परिशिष्ट ज** में दिए गए हैं।

3. अनुसंधान एवं प्रकाशन

परियोजना / गतिविधि की स्थिति का प्रकार	स्थिति			
	चालू परियोजनाएं	शुरूकी गई परियोजनाएँ	पूर्ण हो चुकी परियोजनाएँ	वापस ली गई परियोजनाएँ
बड़ी अनुसंधान परियोजना	-	1	-	-
लघु अनुसंधान परियोजना	39	6	8	2
मूलधन परियोजना	28	20	8	-
पूर्ण हुई इंटर्नशिप परियोजनाएँ	36			
अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ	40			
आधार पत्र	16			

उपरोक्त परियोजनाओं / गतिविधियों का विवरण नीचे दिये गए हैं :

शुरू की गई परियोजनाएँ :

बड़ी अनुसंधान परियोजनाएँ :

- अनिश्चितताओं के तहत नेटवर्क अंतक्रिया और किलेबंदी योजना: मॉडल और समाधान दृष्टिकोण (प्रोफ़ेसर अंकुर सिन्हा और सचिन जायसवाल)

लघु अनुसंधान परियोजनाएँ :

- विश्वसनीय सुविधा स्थान की समस्या : बेन्डर्स अपघटन आधारित सटीक समाधान दृष्टिकोण (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- बहुस्तरीय नेटवर्क पर व्यापक अर्थशास्त्र गतिशीलता (प्रोफ़ेसर अनिंद्य चक्रवर्ती)
- उपभोक्ता व्यवहार पर सेलिब्रिटी सहनिर्माण का प्रभाव (प्रोफ़ेसर शुभदीप रॉय)
- एंडोमेंट इफेक्ट्स और अल्टीमेटम गेम्स (प्रोफ़ेसर विश्वनाथ पिंगाली और जीवंत रामपाल)
- लांछन चाहक और उत्पादकों के उपभोग और उत्पादन के तरीके (प्रोफ़ेसर अक्षया विजयालक्ष्मी)
- प्लेटफ़ॉर्म इकोनॉमी में काम के अनुभव (प्रोफ़ेसर प्रेमिला डी'क्रूज़ और अर्नेस्टो नोरोन्हा)

मूल धन परियोजनाएँ

- एक ही अवधि में एकसाथ वितरण और पिकअप समस्या (प्रोफ़ेसर प्रहलाद वेंकटेशन)
- बाजार धारणाओं पर विनियमन का प्रभाव : संबंधित पार्टी लेनदेन पर आधारित साक्ष्य (प्रोफ़ेसर नमन देसाई)
- निर्भरता संरचनाओं के विश्लेषण के लिए पारस्परिक जानकारी का उपयोग करना (प्रोफ़ेसर अप्रतिम गुहा)
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सफर यात्राओं के लिए सार्वजनिक परिवहन मोड की पसंद का विश्लेषण (प्रोफ़ेसर संदीप चक्रवर्ती और अरुणा दिव्या टी.)
- भारत में परमाणु ऊर्जा पर संसदीय चर्चा का एक दशकीय अध्ययन (2005-2015) (प्रोफ़ेसर एम.पी. राम मोहन)
- भारत में भीतरी और बाहरी एम एंड ए के निर्धारक (प्रोफ़ेसर चित्रा सिंगला)
- संदेश प्रभाव पर शीत संवेदनाओं का प्रभाव (प्रोफ़ेसर अक्षया विजयालक्ष्मी)
- भारत के खाद्य और भूमि उपयोग में परिवर्तन के आधारभूत परिदृश्य की समीक्षा : एक एसडीजी 2030 एजेंडा (प्रोफ़ेसर रंजन कुमार घोष)
- अच्छा काम करते हुए अच्छा करना : भारत में ईसाई मिशन अस्पतालों पर एक अध्ययन (प्रोफ़ेसर आदित्य मोसेस)
- भारत में ई-रिक्शा: भारत में विद्युतीकृत वाहनों की वृद्धि में भूमिका (प्रोफ़ेसर सरल मुखर्जी)
- उपभोक्ता वाहनों के लिए ऐड-ऑन के रूप में डिजाइनिंग वारंटियाँ (प्रोफ़ेसर अरुणा दिव्या टी.)
- भारतीय बाजारों के संदर्भ में बहु-स्तरीय विपणन (एमएलएम) मॉडल के निर्वाह की जाँच (प्रोफ़ेसर अरिंदम बनर्जी)

- मध्यस्थता पुरस्कारों में रुचि के बारे में गंभीरता ((प्रोफ़ेसर अनुराग के. अग्रवाल)
- परिवार फर्म की रणनीति और प्रदर्शन पर टीएमटी की शक्ति संरचना का प्रभाव (प्रोफ़ेसर चित्रा सिंगला)
- फेडरल बैंक खुदरा शाखाओं में संलग्नता और सेवा का समापन (प्रोफ़ेसर मिगुएल सर्रियन)
- महत्वपूर्ण अन्य लोगों की रूबरू कार्यस्थल पर बदमाशी : एक साहित्यिक समीक्षा (प्रोफ़ेसर प्रेमिला डीक्रूज़)
- ग्रामीण सड़क संपर्क निवेश के आर्थिक प्रभाव : भारत की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पर एक केस अध्ययन (प्रोफ़ेसर संदीप चक्रवर्ती)
- सीईओ उत्तराधिकार और रणनीतिक परिवर्तन : बाजार प्रतिक्रिया में परिवर्तन की भूमिका (प्रोफ़ेसर अमित कर्णा)
- अपशिष्ट संघर्ष : शहरी अपशिष्ट प्रबंधन में औपचारिकता बढ़ाने में अपशिष्ट बीनने वालों की एकता की स्थिति (प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन)
- सार्वजनिक खरीद : वार्ता और पुन:मध्यस्थता (प्रोफ़ेसर अनुराग अग्रवाल)

पूर्ण हुई परियोजनाएँ :

लघु अनुसंधान परियोजनाएँ :

- पाबंदी जोखिम के तहत हब-एंड-स्पोक नेटवर्क डिज़ाइन (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- बहुउद्देश्यीय पदानुक्रमित अनुकूलन समस्याओं को सुलझाने के लिए एल्गोरिथम विकास (प्रोफ़ेसर अंकुर सिन्हा)
- विभिन्न मैपिंग के अनुमोदन के माध्यम से द्विस्तरीय अनुकूलन समस्याएँ (प्रोफ़ेसर अंकुर सिन्हा)
- स्टोकेस्टिक डिमांड के साथ कम माँग वाले भागों के लिए सेवा हिस्सों के रसद का नेटवर्क डिज़ाइन (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- मल्टीएजेंटइकोनॉमी में प्रसंभाव्य गतिशीलता : ग्रैन्युलर नेटवर्क्स की भूमिका (प्रोफ़ेसर अनिंद्य चक्रवर्ती)
- कार्यस्थल पर बाहरी बदमाशी (प्रोफ़ेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा और प्रेमिला डीक्रूज़)
- नीति जनादेश के लाभ : लाभ उठाने की लागत, ये लाभ कौन उठाता है और कैसे (प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन)
- भारत के लिए एक मजबूत सार्वजनिक जुड़ाव मॉडल की पहचान - परमाणु ऊर्जा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने के साथ (प्रोफ़ेसर एम.पी. राम मोहन)

मूल धन परियोजनाएँ :

- संपत्ति पुनर्मूल्यांकन और कमाई प्रबंधन (प्रोफ़ेसर नमन देसाई)
- लेखा परीक्षा समिति की उपस्थिति और आय गुणवत्ता के बीच संबंध (प्रोफ़ेसर नमन देसाई)
- मूल्य निर्धारण सदस्यताआधारित उत्पाद और सेवाएँ (प्रोफ़ेसर अरुणा दिव्या)
- माता-पिता की शैली के लिए माता-पिता के रूप में एलओसी (प्रोफ़ेसर अक्षया विजयालक्ष्मी)
- हिंसक-विनोदी विज्ञापन : हिंसा के प्रभाव के रूप में अपील (प्रोफ़ेसर अक्षया विजयालक्ष्मी)
- उपभोक्ता खोज, उपभोग और उत्पाद समीक्षा ऑनलाइन की खोज (प्रोफ़ेसर अरुणा दिव्या)
- मानव संसाधन प्रबंधन में सोशल मीडिया की भूमिका की खोज (प्रोफ़ेसर प्रोमिला अग्रवाल और बीजू वर्की)
- समृद्धि और फील्ड एजेंट प्रदर्शन : पश्चिमी भारत में एक लैब-इन-फील्ड से साक्ष्य (प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन)

वापस ली गई परियोजनाएँ :

अनुसंधान परियोजना :

- मेट्रो परिचालन योजना के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली (प्रोफ़ेसर सुंदरवल्ली नारायणस्वामी)
- भारत में सामुदायिक, नेटवर्क और व्यावसायिक प्रदर्शन (प्रोफ़ेसर वेगर्ड इवरसेन)

वर्ष के दौरान, संकाय सदस्यों ने विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक उत्पादन प्रस्तुत किए।

इसके विवरण **परिशिष्ट झ, ञ और ट** में दिए गए हैं।

3.1 *विकल्प :* निर्णय निर्माताओं का जर्नल

विकल्प : निर्णयकर्ताओं का जर्नल भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद का सहकर्मी समीक्षित एक तिमाही शैक्षणिक प्रकाशन है। वर्तमान में इसके प्रकाशन के 44वें वर्ष में; विकल्प को सेज पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित और विपणन किया जाता है।

विकल्प के प्रकाशन अंकों में निम्नलिखित विशेषताओं का अनुसरण किया जाता है। शोध लेख:अनुभवजन्य या सैद्धांतिक अनुसंधान से प्रबंधन ड्राइंग में महत्वपूर्ण समस्याओं को हल करने के लिए गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करना। परिप्रेक्ष्य: प्रबंधन के एक विशिष्ट उप क्षेत्र में ज्ञान का संश्लेषण प्रस्तुत करना जो प्रबंधकों और नीति निर्माताओं को कार्रवाई के लिए कहता है। शैक्षिक वार्ता: एक समकालीन विषय पर चर्चा / बहस। केस प्रबंधनशिक्षा के लाभ के लिए अनुदेशात्मक केसों के रूप में वास्तविक जीवन प्रबंधकीय निर्णय

संदर्भ। निदान : वास्तविक जीवन के प्रबंधकीय केस का विश्लेषण। विकल्प में पुस्तक समीक्षाएँ भी शामिल की जाती हैं।

विकल्प संपादकीय सलाहकार बोर्ड में विश्व स्तर पर पाठकों की एक विस्तृत श्रृंखला के बीच संवाद और जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के लिए दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों के प्रमुख विद्वान शामिल हैं।

विकल्प ने अपने अंतरराष्ट्रीय पाठकों का तेजी से विस्तार किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिमी यूरोप और दक्षिण अमेरिका के पाठकों का 50 प्रतिशत से अधिक योगदान है। वर्ष के दौरान विकल्प में प्रकाशित लेखों का पूर्णपाठ डाउनलोड 1,50,000 से अधिक हो गया है।

वर्ष के दौरान, विकल्प को कुल 225 हस्त-लिखित रचनाएँ प्राप्त हुई जिनमें से 25 समीक्षा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं। तीन वर्षों की अवधि में विकल्प की औसत स्वीकार्यता दर लगभग 7 प्रतिशत रही है।

विकल्प का सेज के प्लेटफॉर्म (http://vik.sagepub.com) पर एक ब्रांडेड होम पेज है जहाँ शोधकर्ता संग्रह की गई सामग्री सहित जर्नल की सामग्री खोजने में सक्षम हैं। ***विकल्प*** के पास फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर एक समर्पित, सक्रिय प्रोफ़ाइल है। विकल्प को स्कोपस, प्रोक्वेस्ट, भारतीय प्रशस्ति पत्र सूचकांक, जेगेट, और इब्स्को में भी अनुक्रमिक किया गया है।

4. केस केंद्र

आईआईएमए का केस केंद्र केस लेखन और शिक्षण को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल है। यह केंद्र विभिन्न प्रकार के पाठकों में केसों के वितरण के प्रबंधन के साथ-साथ, केस लेखकों को संपादकीय उपलब्ध कराने और उन्हें वित्त पोषण में सहायता प्रदान करता है। वर्ष के दौरान, केस केंद्र ने 111 विषयों का पंजीकरण किया जिनमें 53 केस, 52 शिक्षण नोट्स और 4 तकनीकी नोट्स, 1 अभ्यास, और 1 उपसंहार/परिशिष्ट पूरक शामिल हैं। पिछले पाँच वर्ष के दौरान पंजीकृत केसों/ तकनीकी नोटों/अभ्यासों/ ए.वी. केसों/अध्यापन नोटों का सारांश निम्न अनुसार है :

प्रकार	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
केस	49	86	34	46	53
श्रव्य दृश्य केस	1	2	0	3	0
तकनीकी टिप्पणी	23	17	6	7	4
अभ्यास	0	3	1	0	1
उपसंहार / पूरक	0	1	0	0	1
खेल	0	1	0	0	0
शिक्षण नोट	47	93	36	48	52
कुल	**120**	**203**	**77**	**104**	**111**

केस केंद्र आईआईएमए केसों को विभिन्न प्रबंधन संस्थानों, शिक्षकों, कॉर्पोरेट प्रशिक्षकों और व्यक्तियों को भी बेचता है। इस वर्ष, केस केंद्र ने 65,02,546 रुपए का कुल राजस्व प्राप्त किया, इसमें गैर-अनुबंध उपयोगकर्ताओं के माध्यम से हुई बिक्री 29,77,251 रुपए और केस केंद्र के साथ जिन संस्थानों का वार्षिक अनुबंध है उनके माध्यम से (750,000 रुपए के आंतरिक उपयोग शुल्क सहित) हुई बिक्री के 27,18,600 रुपए (इसमें पिछले वर्ष दर्ज हुए तीन-वर्षीय अनुबंध वाले संस्थान शामिल नहीं हैं) और वितरण सहयोगियों से प्राप्त 806695 रुपए की रॉयल्टी समाहित है।

वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान, अन्य शैक्षणिक संस्थानों (खुदरा + वार्षिक अनुबंध समझौता)/ और अन्य (व्यक्तियों/कॉर्पोरेटों/गैर-आईआईएमए संकायों) द्वारा उपयोग किए जाने वाले केसों का संक्षिप्त सारांश इस प्रकार है:

संस्थान	प्रतियों की संख्या का योग
संस्थान के भीतर खरीदे गए केस	69857
शैक्षणिक संस्थानों (खुदरा + वार्षिक अनुबंध समझौता) द्वारा खरीदे गए केस	51358
अन्यों (व्यक्ति, कोर्पोरेट, तथा गैरआईआईएमए संकाय सहित) द्वारा खरीदे गए केस	2181

केस केंद्र ने दुनिया भर में केस वितरण नेटवर्क को विस्तारित करने के लिए साझेदारी स्थापित की है। छत्तीस केसों और शिक्षण नोटों को हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग के माध्यम से, 76 केसों और शिक्षण नोटों को द केस सेंटर-यूके (पहले ईसीसीएच के रूप में जाना जाता था) के माध्यम से, 41 केसों और शिक्षण नोटों को आईवी (आईवीईवाई) पब्लिशिंग के माध्यम से और 89 केसों और शिक्षण नोटों को सेज प्रकाशन के माध्यम से वितरित किया गया।

हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग के सहयोग से केस केंद्र ने दो केस पद्धति शिक्षण संगोष्ठियाँ आयोजित की।

यह केस केंद्र हर वर्ष सर्वश्रेष्ठ लेखक के लिए "फिलिप थॉमस मेमोरियल केस अवार्ड" प्रदान करता है। इस वर्ष, प्रोफ़ेसर अरिंदम बनर्जी ने अपने केस मनपसंद बेवरेजेस लिमिटेड: "सतत् विकास के लिए चपल क्षमताएँ" के लिए पुरस्कार प्राप्त किया।

कैंस पद्धति शिक्षण संगोष्ठी, 12-13 दिसम्बर, 2018

5. विक्रम साराभाई पुस्तकालय

विक्रम साराभाई पुस्तकालय, सेवाओं की विस्तृत श्रृंखलाओं के माध्यम से सूचनाओं को सर्वाधिक विस्तृत संभव पहुँच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके द्वारा प्रस्तुत सेवाओं की श्रेणी में यह प्रतिबद्धता दिखाई देती है। इसकी वेबसाइट http://library.iima.ac.in/ विभिन्न ऑनलाइन डेटाबेसों के साथ जुड़ी हुई है, जो इस संस्थान के और पुस्तकालय के भीतर नेटवर्क किए हुए किसी भी कम्प्यूटर से उपलब्ध है। वि.सा.पु. ने अपने संसाधनों तक पहुंचने के लिए एंड्रॉइड ऐप भी लॉन्च किया है। यह पुस्तकालय, दोनों (मुद्रित व अमुद्रित) प्रकार की सामग्रियों के संग्रह एवं इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों के चयन, प्राप्ति, संगठन, संरक्षण, आरक्षित, रखरखाव करने में तथा इन तक की पहुँच को सुगम बनाने के अपने प्रयासों को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ता है, जो इसके सदस्यों की आवश्यकता है। विक्रम साराभाई पुस्तकालय को टीसीएस फाउंडेशन से प्राप्त वित्त पोषण द्वारा संरक्षित किया गया और 26 नवंबर, 2018 से इसने अपने संरक्षित भवन में काम करना शुरू कर दिया।

संसाधन

विवरण	वर्ष 2018-19 के दौरान जोड़ी गई मदों की संख्या	31.03.2019 को मदों की संख्या
पुस्तकें	2,215	1,99,010
पत्रिकाओं के जिल्दबंद भाग	324	53,129
आधारपत्र	16	3,834
शोध प्रबंध	286	636
परियोजना प्रतिवेदन	127	2,282
सीडी / डीवीडी	21	2,551
जर्नल के लिए वर्तमान सदस्यता	236	29458
समाचार पत्र	-	25

ई-संसाधन

पुस्तकालय के पास अपने उपयोगकर्ताओं को नवीनतम विद्वत्तापूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए अनेक कंपनियों और उद्योगों के डेटाबेस, ग्रंथसूची संबंधी डेटाबेस और ई-जर्नल्स मँगाने के लिए उपभोक्ता सदस्यता है।

कंपनी और उद्योग डेटाबेस

एसीई इक्विटी (ऑफलाइन), एसीई नॉलेज एंड रिसर्च, एसीई म्यूचुअल फंड (ऑफ़लाइन), ब्लूमबर्ग, कैपिटलाइन (ऑफ़लाइन), कैपिटलाइन (ऑनलाइन), सीएमआईई-पीएसीई, सीएमआईई-प्रोवेस डीएक्स, सीएमआईई-प्रोवेस आईक्यू, कम्प्युस्टेट (उत्तरी अमेरिका विश्वविद्यालय पैकेज), कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, क्रिसिल रिसर्च, सीआरएसपी (सुरक्षा मूल्य अनुसंधान केंद्र), डीआईओएन इनसाइट, ईएमआईएस इंटेलिजेंस (आईएसआई इमर्जिंग मार्केट्स (एशिया), यूरोमोनीटर पासपोर्ट, एफ़आईजी-मार्केट इंटेलीजेंस प्लैटफॉर्म (एसएनएल), फ्रॉस्ट एंड सुलिवान ग्रोथ पार्टनरशिप सर्विसेज, गार्टनर, इंडियन बोर्ड, इंफ्रालाइन-कोयला क्षेत्र, इनफ़्रालाइन-तेल और गैस क्षेत्र, इनफ़्रालाइन विद्युत क्षेत्र, संस्थागत शेयरधारक सेवा (आईएसएस), मार्केटलाइन एड्वांटेज, नैसकॉम सदस्य निर्देशिका, सीकएडगर, स्टेटिस्ता, थॉमसन रॉयटर्स ईकॉन, थॉमसन रॉयटर्स एलपीसी, ट्रेसएक्सएन, वेंचर इंटेलिजेंसएम एंड ए डील डेटाबेस, वेंचर इंटेलिजेंसप्राइवेट इक्विटी डील डेटाबेस, वेंचर इंटेलिजेंसरियल एस्टेट डील डेटाबेस, डब्ल्यूएआरसी (वर्ल्ड एडवर्टाइज़िंग रिसर्च सेंटर), और डब्लूआरडीएस

अर्थशास्त्र और सांख्यिकी डेटाबेस

सीईआईसी डेटाबेस, सीएमआईई कैपएक्स, सीएमआईई-कैपएक्स डीएक्स, सीएमआईईकॉमोडिटीज़, सीएमआईईआर्थिक आउटलुक, सीएमआईईउद्योग आउटलुक, सीएमआईई भारतीय राज्य, सीएमआईई ट्रेड डीएक्स, कॉमस्कोर वेब व्यवहार डेटाबेस (2017), डेटास्ट्रीम, जिला मेट्रिक्स, डीएसआई डेटा सेवा एवं सूचना,

ईपीडब्ल्यूआरएफ़ आर्थिक और बाजार समीक्षा एवं अनुसंधान, ईपीडब्लूआरएफ़ इंडिया टाइम सीरीज़, इंडियास्टैटडॉटकॉम, और एमआईसीए इंडियन मार्केटिंग इंटेलिजेंस, ओईसीडी एवं आईए स्टेटिस्टिक्स।

डेटासेट्स

एएसआई-यूनिट स्तर डेटा (1974-2015), सीडीपी ग्लोबल डेट ासेट, भारत की जनगणना सीडी (1991, 2001 एवं 2011), काउंटरपॉइंट मोबाइल हैंडसेट डेटा (भारत एवं बांग्लादेश) (भारत का जनवरी 2017 से मई 2018 एवं बांग्लादेश का जनवरी 2016 से मार्च 2018), दैनिक वर्षा डेटा-अहमदाबाद स्टेशन (1975-2006 एवं 2012), 10 स्टेशनों के लिए दैनिक सतह डेटा (भारत) (2004-2011), डीजीसीआईएस मासिक समय श्रृंखला डेटा (जनवरी 2002 से अगस्त 2017), भारत का जिला जीडीपी (2001-2002 से 2015-2016), जिला वार मासिक वर्षा डेटा (1901-2010), आईएमएस एंटी टीबीडेटा, मौसम संबंधी डेटा (अहमदाबाद एवं गाँधीनगर) (2014-2016), मासिक भूतल डेटा (1961-2014), एनएसई-सीएम एवं एफ़एओ (1999-2018), एनएसएस डेटा (राउंड नं 5171) (1994-2014), और यूसीएलए-लोपकी दिवालियापन अनुसंधान डेटाबेस

विधिक डेटाबेस

एआईआर आपराधिक कानून (1950-2017), एआईआर हाईकोर्ट (1950-2017), एआईआर प्रिवी काउंसिल (1900-1950), एआईआर सुप्रीम कोर्ट (1950-2017), कुल्वर मध्यस्थता कानून, लेक्सिसनेक्सिस अकादमिक, और वेस्टलॉ इंडलॉ सहित

अनुसंधान सहायता उपकरण / डेटाबेस

साहित्यिक चोरी से बचना, सीओएस पत्रों को आमंत्रित किया, ईबीएससीओ अमेरिकी डॉक्टरेट शोध प्रबंध, 1933-1955, ईबीएससीओ रिसर्च स्टार्टर्स व्यवसाय, ग्रामरली, प्रोक्वेस्ट शोध प्रबंध एवं पूर्ण शोध प्रबंध-मानविकी और सामाजिक विज्ञान संग्रह, सेज अनुसंधान पद्धति ऑनलाइन, और स्किवल वित्तपोषण (संस्थागत: वित्तपोषण), स्कोपस

समाचार पत्र और पत्रिकाएँ

एफ़टीडॉटकॉम, मैग़जतर, न्यूयॉर्क टाइम्स / एनवाईटाइम्सडॉटकॉम, दी इकोनोमिस्ट (1997 से), वॉल स्ट्रीट जर्नल, इब्स्को न्यूज़वायर, इब्स्को रीजनल बिज़नेस न्यूज़

अभिलेखीय संग्रह

बिजनेस स्टैंडर्ड न्यूज़पेपर आर्काइव (1997 से), सीएलओसीकेएसएस, एफ़टी आर्काइव (1888-2016), इंडिया बिज़नेस इनसाइट, मेकिंग ऑफ़ द मॉडर्न वर्ल्ड, प्रोक्वेस्ट टाइम्स ऑफ़ इंडिया आर्काइव (1838-2008), दी इकोनॉमिस्ट-हिस्टोरिकल आर्काइव (1843-2015)

ई-पुस्तके

बिज़नेस एक्स्पर्ट प्रेस ईबुक्स, ईबुकसेन्ट्रल (ईब्रेरी-पूर्ण शैक्षणिक), ईबीएससीओ ईपुस्तकें, एमरेल्ड ईपुस्तकें, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ईलाइब्रेरी, ओईसीडी आईलाइब्रेरी (पुस्तकें, शोधपत्र एवं सांख्यिकी), ओयूपी ई-पुस्तकें, सेज ईपुस्तकें, टेलर एंड फ्रांसिस ई-पुस्तकें, विश्व बैंक-ईलाइब्रेरी, और विश्व ईबुक लाइब्रेरी

ईजर्नल्स

एबीआई / इन्फॉर्म कंप्लीट (डेटलाइन, वैश्विक, व्यापार और उद्योग) (1971 - वर्तमान), अकादमिक सर्च प्रीमियर, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, बिजनेस सोर्स अल्टिमेट, एमरेल्ड इनसाइट, विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि आलेख, आईईईई एक्सप्लोर, आईजीआई ग्लोबल, इंडियन जर्नल्स डॉट कॉम, इनफ़ॉर्म्स पब्सऑनलाइन, जेएसटीओआर, नेचर-अंतर्राष्ट्रीय साप्ताहिक जर्नल ऑफ साइंस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, प्रोजेक्ट एमयूएसई, प्रोक्वेस्ट इकॉनलिट,

प्रोक्वेस्ट साइकार्टिकल्स, सेज जर्नल, साइंस डायरेक्ट (एल्सवियर), स्प्रिंगर लिंक, टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन, विले ऑनलाइन लाइब्रेरी

अन्य डेटा

विश्व बैंक डेटा, ब्रिटानिका का विश्वकोष, द केईएन, पावर लिंगो एफ़एक्स25

विशेष अनुसंधान उपकरण

आंतरिक उपयोगकर्ताओं के लिए ईबीएससीओ डिस्कवरी, ईबीएससीओ ए टू जेड, और रिमोटएक्सएस

सेवाएँ

- संचलन
- पठन सुविधा
- ईमेल चेतावनी सेवा
- संदर्भ और सूचना
- स्कैनिंग
- डेटाबेस खोज सेवा
- दस्तावेज़ वितरण
- अंतर-पुस्तकालयी ऋण
- फोटोकॉपी
- अनुक्रमण और ग्रंथसूची
- सारांशकरण
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- सूचना साक्षरता कार्यक्रम
- ऑनलाइन सार्वजनिक सुविधा कैटलॉग
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- अनुसंधान सहायता
- ई बुक रीडर लेंडिंग सेवा
- पुस्तक ड्रॉपबॉक्स सुविधा
- 3डी प्रिंटर सुविधा
- विषय आधारित पुस्तक प्रदर्शनी
- ऑनलाइन चैट सुविधा
- नेत्रहीन सदस्यों के लिए जेएडब्ल्यूएस बातचीत सॉफ़्टवेयर तथा एसएआरए सीई पुस्तक स्कैनर
- नेत्रहीन सदस्यों के लिए केआईबीओ सॉफ़्टवेयर
- लाइब्रेरी वीआर एप्लीकेशन
- स्वयं पुस्तक जारी/वापसी/नवीकरण के लिए कियोस्क

संस्थागत भंडार

आईआईएमए संस्थागत भंडार को संस्थान के विद्वानों के उत्पादों को इकट्ठा करने, संरक्षित करने और वितरित करने के लिए बनाया गया है। यह विद्वानों के संचार को सुविधाजनक बनाने और संस्थागत ज्ञान को संरक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है।

वर्तमान में इस भंडार में 17000 से अधिक वस्तुएँ हैं जिनमें संकाय प्रकाशन, शोध प्रबंध और शोध निबंध, छात्र परियोजनाएँ, आधार पत्र, संस्थान समाचार आदि शामिल हैं।

प्रकाशन

यह पुस्तकालय वर्ष 1998 से दो त्रैमासिक सूचना बुलेटिन प्रकाशित कर रहा है

- प्रबंधन में वर्तमान विषयवस्तु - विपणन
- प्रबंधन के वर्तमान सूचकांक - विपणन

इस पुस्तकालय ने शोधकर्ताओं को व्यवसाय / प्रबंधन संबंधित अनुसंधान की सहायता / सुविधा के लिए निकमैन (राष्ट्रीय प्रबंध सूचना केन्द्र) की सदस्यता शुरू की है।

6. अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह

6.1 नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र

नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग तथा गुजरात सरकार के सहयोग से स्थापित नवप्रवर्तन और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाला एक अद्वितीय केंद्र है। सीआईआईई केन्द्र का संचालन सीआईआईई की पहलों के माध्यम से होता है, जो 25 कंपनियों का एक अनुभाग है और इसमें निवेशक, उद्यमी, नवप्रवर्तक, सेवा प्रदाता तथा पारिस्थितिकी तंत्र के अन्य हितधारक साथ मिलकर उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए निकटता से काम करते हैं।

सीआईईई की वर्ष 2002 से उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र में एक सक्रिय भूमिका रही है और स्वास्थ्य, ऊर्जा, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि तथा उन्नत प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तन जैसे अन्य विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय स्टार्टअपों की उद्यमशील भावना को पहचानने और पोषण करने में समर्थक रहा है।

छात्रों की सहभागिता

मौजूदा आईआईएमेवरिक्स कार्यक्रम और घर-पर-उद्यमी (ईआईआर) कार्यक्रम जारी रखने के अलावा, सीआईआईई ने अपने ईआईआर कार्यक्रम का विस्तार किया ताकि गहनतकनीकी दायरे को ध्यान में रखकर पूर्वस्नातक इंजीनियरिंग कॉलेज स्नातकों को शामिल किया जा सके। यह कार्यक्रम आईआईएमेवरिक्स फैलोशिप की तर्ज पर चयनित स्टार्टअपों को वित्तीय और परामर्श का समर्थन प्रदान करता है।

अनुसंधान और केस अध्ययन

शिक्षण संसाधन तथा केस

एक शिक्षण मॉड्यूल वित्तीय समावेशन और आजीविका के लिए समाधान निर्माण के पैमाने पर स्टार्टअप के लिए डिज़ाइन किया गया था। यह मॉड्यूल गोटूमार्केट रणनीतियों और ग्राहक केंद्रितता पर लक्षित था। सीआईआईई ने इस मॉड्यूल में परीक्षण किए गए दो केसों को भी विकसित किया। इसके अलावा, एक केस-बॉटगो-केस केंद्र में पंजीकृत किया गया था।

अनुसंधान अध्ययन

दिसंबर 2018 में, सीआईआईई ने तेल अवीव में प्रबंधन लघु सम्मेलन की अकादमी में एक परिसंवाद पैमाने के लिए 'स्टार्टअप: एक अस्थिर व्यावसायिक वातावरण में संगठनात्मक चुनौतियों से मुकाबला' का आयोजन किया। पैनल ने 'तेजी से विकसित पारिस्थितिकी तंत्र में इनक्यूबेटरों की भूमिकाक्या उन्हें अप्रासंगिक हो जाना चाहिए?' पर ध्यान केंद्रित किया।

सीआईआईई ने अपना शोध जारी रखा और कुछ एफ़पीएम छात्रों को उनकी शोध में समर्थन किया। इसने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में छह फैलोशिपों का भी समर्थन किया। मार्च 2019 में दो अध्ययन संपन्न हुए और उनकी रिपोर्ट अभी संपादित की जा रही है।

पारिस्थितिकी तंत्र विकास गतिविधियाँ

- **भारत नवप्रवर्तन वृद्धि कार्यक्रम (आईआईजीपी) 2.0 : 2018 संस्करण**

  आईआईजीपी 2.0 : 2019 विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार; लॉकहीड मार्टिन; और टाटा ट्रस्ट्स की एक अनूठी त्रिपक्षीय पहल है। सीआईआईईआई आईयूएसएसटीएफ़, एफ़आईसीसीआई, तथा आईआईटी मुंबई जैसे अन्य भागीदारों के साथ इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन में मदद करता है। कार्यक्रम में ऐसे नवप्रवर्तन की पहचान करने, समर्थन करने, उसमें तेजी लाने, तथा इनक्यूबेट करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था जो औद्योगिक और सामाजिक समस्याओं को प्रभावित कर सकते हैं।

- **क्षेत्र केंद्रित त्वरक कार्यक्रम : शेल्टरटेक एक्सलरेटर**

  शेल्टरटेक एक्सेलरेटर, सीआईआईई और मानवता निवास टेरविलेगर नवप्रवर्तन केंद्र शेल्टर (टीसीआईएस) के बीच सहयोग में एक कार्यक्रम, स्टार्टअप और नवाचारों की पहचान करने के लिए आयोजित कार्यक्रम है जो भारत में किफायती आवास परिदृश्यों को सकारात्मक रूप से विघटित कर सकता है।

- **अक्षय ऊर्जा और क्लीनटेक सेक्टर और इन्फ्यूज में गतिविधियाँ**

  इनफ़्यूज़ उद्यम निधि ने सौर, ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा विश्लेषिकी, तथा ग्रीन केमिकल्स जैसे 14 स्टार्टअप क्षेत्रों में सक्रिय समर्थन किया है। आईएनएफ़यूएसई-इनफ़्यूज़ की छह पोर्टफोलियो कंपनियों ने नए या मौजूदा निवेशकों से अनुवर्ती निवेश का पालन किया, और इनफ़्यूज़ ने इनमें से कुछ में भाग लिया।

- **पोर्टफोलियो झलकियाँ**

  यह वर्ष सीआईआईईआई पोर्टफोलियो कंपनियों में निवेश गतिविधियों का बोलबाला था। सीआईआईईआई ने 16 नई पोर्टफोलियो कंपनियों में निवेश किया, जिनमें से 9 त्वरक कार्यक्रम पावर ऑफ आइडिया 2017 से थी। लगभग 7 कंपनियों ने बाहरी वीसीएफ, एंजेल फंड और निवेशक सहायता संघ से धन जुटाना समाप्त किया। ये सौदे सीआईआईईई के साथ संबंधों और प्रीसीरीज़ एराउंड द्वारा सहनिवेश पर किए गए थे।

स्टार्टअप ओएसिस में गतिविधियाँ

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) और अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफ़आईडी) ने विकास के लिए 'नवप्रवर्तक उद्यम एवं प्रौद्योगिकी' (इन्वेंट) कार्यक्रम शुरू किया है। इन क्षेत्रों में सामाजिक उद्यमियों का समर्थन करने के लिए, आठ कम आय वाले राज्यों, विशेष रूप से राजस्थान और मध्य प्रदेश में कार्यक्रम के लिए स्टार्टअप ओएसिस कार्यान्वयन एजेंसियों में से एक है।

इन्नोसिटी

इन्नोसिटी विशेष रूप से टीयर 2 और 3 शहरों के लिए डिज़ाइन किए गए स्थानीय स्टार्टअपों को आकर्षक बनाने और समर्थन देने के लिए एक ऑनडिमांड, सहारा देने वाला और तकनीक-सक्षम कार्यक्रम है। कार्यक्रम को मौजूदा नेटवर्कों के माध्यम से स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को एकीकृत करने और उत्प्रेरित करने के लिए ऑन-डिमांड और नियमित समर्थन के लिए स्टार्टअप संस्थापकों के संरक्षक और निवेशक के रूप में डिज़ाइन किया गया है।

सीएसआर पहल

कैटालिटिक कैपिटल टीम स्टार्टअप को उत्प्रेरित करने और भारत में विघटनकारी उद्यमशीलता को परिभाषित करने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करने के लिए सीआईआईईई के कल्याण कार्य को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

2018-19 के दौरान रणनीतिक पहलें जिनको मूर्त स्वरूप दिया गया

- **वित्तीय समावेशन लैब** भारत समावेशन पहल के तहत जे.पी. मॉर्गन चेस द्वारा समर्थित है। सीआईआईईई द्वारा किए गए फिनटेक अनुसंधान अध्ययन के आधार पर लैब डिजाइन को पहले वर्ष के लिए सघन बनाया गया है। समावेश के लिए फिनटेक सॉल्यूशंस में तीन वर्षों की अवधि में 60 स्टार्टअप्स को पोषित करने की योजना है।
- **वैश्विक समस्या समाधानकरण ऊष्मायन कार्यक्रम** सीआईएससीओसीस्को सीएसआर द्वारा समर्थित है और उत्पाद एकीकरण के लिए 10 कनेक्टिविटी (आईओटी) आधारित स्टार्टअपों की सहायता करेगा। यह कार्यक्रम क्लीनटेक, हेल्थटेक, एग्रिटेक तथा सिविकटेक क्षेत्रों में स्टार्टअपों की देखभाल करेगा।
- **भारत समावेशन पहल (बीआईआई)** बिल तथा मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और माइकल तथा सुसान डेल फाउंडेशन द्वारा समर्थित यह पहल सार्वजनिक वस्तुओं एवं गरीबों के लिए वित्तीय समावेशन, संपत्ति निर्माण, और आजीविका पर लक्षित अभिनव उद्यमी गतिविधियों के निर्माण और उसे बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रयास है।

अन्य पहलें

सीआईआईईई ने भारत नवप्रवर्तन कोष (बीआईएफ़) की स्थापना स्वास्थ्य देखभाल, ऊर्जा, कृषि, तथा डिजिटल प्रौद्योगिकी जैसे बड़े उभरते क्षेत्रों में गहरे तकनीक नवाचारों का समर्थन करने के लिए की है।

निधि-सीओई की स्थापना

सीआईआईईई को निधि की स्थापना के लिए डीएसटी से मंजूरी मिली जो सीआईआईईई भवन तथा वर्तमान सुविधाओं के विस्तार सहित आवर्ती और पूंजीगत व्यय के लिए वित्त पोषण सहायता के साथ उत्कृष्टता केंद्र सेंटर ऑफ एक्सीलेंस है।

6.2 लैंगिक केंद्र

महिलाओं से जुड़ी छात्रवृत्ति और लैंगिक समानता के मुद्दों को बढ़ावा देने के लिए अक्टूबर 2018 में जेंडर सेंटर लैंगिक केंद्र की स्थापना की गई थी। इस केंद्र के वेब पेज में लैंगिक संबंधित कार्यों में शामिल सदस्यों की जानकारी दी गई है। सदस्यों द्वारा आयोजित लिंग संबंधित अनुसंधानों के बारे में चर्चा की सुविधा के लिए यह केंद्र मासिक बैठकों की मेजबानी करता है। केंद्र की एक वार्ता श्रृंखला शुरू करने की योजना है जहाँ सदस्य और छात्र अपने काम की अधिक औपचारिक लेकिन छोटी प्रस्तुतियाँ कर सकते हैं। केंद्र की योजना भारत की प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित करने की भी है, जिन्होंने लैंगिक समानता पर काम किया हो।

6.3 भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र

संस्थान में वर्ष 2014 में स्थापित भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी) एक स्वतंत्र प्रबुद्ध मंडल है जो स्वर्ण और स्वर्ण बाज़ारों पर अनुसंधान और नीति परामर्शन पर ध्यान केंद्रित करता है। इस केंद्र की स्थापना संस्थान के सहयोग में विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) द्वारा की गई थी। यह केंद्र भारत में स्वर्ण उद्योग पर अनुसंधान आयोजित करता है। यह केंद्र संस्थान के तत्वावधान में अनुभवी शोधकर्ताओं और स्वर्ण उद्योग विशेषज्ञों की मजबूत नींव पर बनाया गया है।

शांघाई गोल्ड एक्सचेंज के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा आईजीपीसी का दौरा

आईजीपीसी को स्वर्ण नीति अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया

आईजीपीसी नीति निर्माताओं और उद्योग हितधारकों दोनों के साथ भारत और विदेशों में नई अनुसंधान परियोजनाओं, स्वर्ण उद्योग के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी से जुड़ा हुआ था। आईजीपीसी ने उद्योग, नीति निर्माताओं, तथा अंतरराष्ट्रीय विद्वानों की सक्रिय भागीदारी के साथ नई दिल्ली में स्वर्ण और स्वर्ण बाजार पर अपने प्रमुख वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया।

गतिविधियाँ और प्रतिभागिता

- बुलियन फेडरेशन ग्लोबल कन्वेंशन, 27-29 जुलाई, 2018, नई दिल्ली।
- भारत अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण सम्मेलन, 3-5 अगस्त, 2018, कोच्चि। आईजीपीसी ने वर्ष 2017-18 के लिए स्वर्ण नीति अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार प्राप्त किया।
- कीमती धातु निवेश संगोष्ठी, 3-4 अक्टूबर, 2018, पर्थ, ऑस्ट्रेलिया
- भारतीय स्वर्ण एवं आभूषण शिखर सम्मेलन, 23-24 नवंबर, 2018, नई दिल्ली
- वैश्विक स्वर्ण डोर फोरम, 12 मार्च, 2019, नई दिल्ली
- भारतीय अंतरराष्ट्रीय बुलियन समिट, 14-15 मार्च, 2019, मुंबई

6.4 कृषि प्रबंध केंद्र

संस्थान में कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) एक अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान केंद्र है जो खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण और संबद्ध क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त, नीति तथा समस्या सुलझाने के अनुसंधान से जुड़ा हुआ है। यह इन क्षेत्रों / विषय क्षेत्रों की शिक्षण, प्रशिक्षण तथा परामर्शन गतिविधियों में भी शामिल है। इस केंद्र में पाँच मुख्य और तीन सहायक संकाय सदस्य हैं।

अनुसंधान परियोजनाएँ

पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएँ

- उत्पादन, बाजार और व्यापार: भारत में दालों के उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारकों का एक विस्तृत विश्लेषण
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का प्रदर्शन मूल्यांकन
- भारत के वायदा बाजारों में किसानों की भागीदारी: संभावना, अनुभव, और बाधाएँ

अध्यापन

सीएमए के संकायों ने विभिन्न कार्यक्रमों में निम्नलिखित पाठ्यक्रम पेश किए :

पीजीपी-एफ़एबीएम, पीजीपी, पीजीपीएक्स, तथा ईपीजीपी

अनिवार्य

- कृषि-व्यवसाय उद्यमशीलता
- कृषि-व्यवसाय नेतृत्व
- कृषि और खाद्य नीति
- कृषि वित्त
- कृषि परिचय
- कृषि-व्यवसाय परियोजनाओं का प्रबंधन
- कृषि आदानों का विपणन
- ग्रामीण, सामाजिक, और संस्थागत पर्यावरण
- रणनीतिक खाद्य विपणन

ऐच्छिक

- कृषि बाजार और मूल्य निर्धारण
- कृषि वायदा, विकल्प, और जोखिम प्रबंधन
- अंतर्राष्ट्रीय कृषि-खाद्य व्यापार

- ग्रामीण विपणन
- मूल्य श्रृंखला प्रबंधन : कृषि-व्यवसाय में अनुप्रयोग

पीएच.डी. कार्यक्रम (खाद्य एवं कृषिव्यवसाय)

अनिवार्य

- कृषि विकास नीति
- कृषि प्रबंधन - 1
- कृषि प्रबंधन - 2
- कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखला प्रबंधन और विकास

ऐच्छिक

- नए संस्थागत अर्थशास्त्र की नींव

अन्य कार्यक्रम

सशस्त्र बल कार्यक्रम

ऐच्छिक

- खाद्य और कृषिव्यवसाय

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- कृषि आदान विपणन, 21-26 जनवरी, 2019
- अनुबंध खेती का प्रबंधीकरण, 11-15 फरवरी, 2019

कृषि-आर्थिक नीति सार और कृषि-आर्थिक चेतावनी

केंद्र ने कृषि-आर्थिक नीति सार और कृषि-आर्थिक चेतावनी से प्रत्येक में छह संस्करण प्रकाशित किए।

सम्मेलन

दूसरा "भारत आउटलुक कृषि मंच 2018" 10-11 सितंबर, 2018 को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर (एनएएससी), नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। यह मंच "किसान लाभ और समृद्धि को सक्षम करने" के विषय के आसपास राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के उभरते कृषि आर्थिक मुद्दों के लिए समझ विकसित करने पर केंद्रित है।

कृषि आर्थिक नीति और अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन 10-11 जनवरी, 2019 को संस्थान में आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य कृषि मंत्रालय और किसान कल्याण के तहत 15 कृषि आर्थिक अनुसंधान केंद्रों/इकाइयों (एईआरसी/यूएस) के राष्ट्रीय नेटवर्क को हाल की नीतियों, कार्यक्रमों तथा सरकारी योजनाओं तथा कृषि में आड़े आ रही वर्तमान समस्याओं तथा चुनौतियों पर उनके अनुसंधान प्रस्तुत करने तथा चर्चा करने के लिए एकसाथ लाना था।

6.5 स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस)

आईआईएमए-सीएमएचएस संगोष्ठी श्रृंखला

सीएमएचएस ने अगस्त 2014 से प्रति माह एक संगोष्ठी के साथ एक संगोष्ठी श्रृंखला की शुरूआत की।

- पीएलएचआईवी के लिए विवाह पोर्टल का शुभारंभ 21 अगस्त, 2018 को।
- सभी पहलों में से एक थी पीएलएचआईवी के लिए एक विवाह वेब पोर्टल विकसित करना।
- रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन तथा सीआईएमएस अस्पताल अहमदाबाद के साथ सहयोग से 29 सितंबर से 2 अक्टूबर 2018 तक चलाए गए अंगदान अभियान के दौरान अंगदान के बारे में जागरूकता पर 1 अक्टूबर, 2018 को वार्ता।
- 21 जनवरी, 2019 सोमवार को डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा पर गोल मेज पैनल चर्चा।
- 28 फरवरी, 2019 को "डॉक्टर-रोगी संचार: मुद्दे और चुनौतियाँ" पर पैनल चर्चा।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

"आईआईएमए अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रबंधन सेवाओं में प्रगति (आईसीएएचएमएस 2019)" पर चौथा सम्मेलन 16 से 17 फरवरी, 2019 के दौरान आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन का उद्देश्य अत्याधुनिक अनुसंधान, नए विचार, बहस के मुद्दों और स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति को संबोधित करना था। वक्ताओं में शिक्षाविद, चिकित्सक, नीति निर्माता, आदि शामिल थे। इसमें लगभग 35 पोस्टर्स और नौ शोधपत्र प्रस्तुत किए गए थे।

मुख्य संबोधन

- डॉ. अरविंद श्रीनिवासन, अरविंद आई केयर।
- जयंती रवि, गुजरात सरकार।
- विनोद पॉल, सदस्य, नीति आयोग।
- भरत गढ़वी, सीईओ, एचसीजी अस्पताल।

पैनल चर्चाएँ

- भारत में सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य देखभाल
- भारत पैनल सदस्यों में नर्सिंग व्यवसाय की दुर्दशा
- भारत में स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान में नैतिक दुविधाएँ
- भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए तकनीकी उन्नति और इनका कार्यान्वयन
- आयुष्मान भारत और भारत में निजी हेल्थकेयर के लिए इसके निहितार्थ

- भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य: एक बहु-हितधारक परिप्रेक्ष्य

कार्यशालाएँ

- प्रारंभिक बचपन का विकास
- भारत में क्षय रोग को खत्म करने की दिशा में योजना

आमंत्रित वार्ता

- "व्यवसायी लोगों में स्वास्थ्य समस्याएँ और तनाव प्रबंधन" विषय पर मुकेश भाटिया, भाटिया मेडिकल कोचिंग इंस्टीट्यूट द्वारा।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- नैदानिक प्रयोगशाला प्रबंधन
- स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन के लिए डेटा विश्लेषण
- अस्पताल प्रबंधन

आईसीएमआर, आईआईटी-ख़डगपुर, आईआईएम अहमदाबाद मेडटेक इंटर्नशिप प्रोग्राम

अठारह इंटर्न्स ने आईसीएमआर-सीएमएचएस इंटर्नशिप में भाग लिया था, जो 21-28 मई, 2018 के दौरान आयोजित किया गया था।

सहयोग

यह केंद्र अहमदाबाद नगर निगम और भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिष्ठान के साथ विभिन्न परियोजनाओं पर सहयोग कर रहा है।

6.6 सार्वजनिक प्रणाली समूह

सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी) सामरिक सार्वजनिक प्रबंधन, सार्वजनिक तथा सामाजिक नीति पर अत्याधुनिक अनुसंधान, प्रशिक्षण, और संगठनात्मक कार्य को संभालता है। इस समूह का उद्देश्य ऐसे अनुसंधान को बढ़ावा देना है जो सार्वजनिक प्रणालियों के प्रभावी प्रबंधन की अवधारणाएँ तथा सिद्धांत उत्पादित करेंगे और साथ-साथ नीति बनाने के आधार पर सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं को विद्वानों की तरह समझ एवं स्पष्ट अभिव्यक्ति प्रदान करेंगे। यह समूह प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान, और मानविकी में व्यापक अनुशासनात्मक पृष्ठभूमि और विषयों को एकीकृत करता है।

वर्तमान अनुसंधान हितों में दीर्घकालिक उत्सर्जन परिदृश्य और मॉडलिंग सहित ऊर्जा एवं जलवायु में परस्पर परिवर्तन, पर्यावरण एवं स्थिरता, वैश्विक पर्यावरण वार्ता और जोखिम मूल्यांकन; प्राथमिक, द्वितीयक, व तृतीयक स्वास्थ्य क्षेत्रों को समाहित करते हुए अस्पताल एवं स्वास्थ्य प्रणालियाँ; शहरी प्रबंधन, परिवहन एवं विमानन प्रबंधन, बुनियादी ढाँचे का विकास एवं पुनर्वास; सार्वजनिक वित्त, शिक्षा नीति, व सामुदायिक विकास; सार्वजनिक प्रणालियों में संचालन अनुसंधान, प्रभाव आकलन तथा दूरसंचार शामिल हैं।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य विषय

- व्यापार, पर्यावरण और स्थिरता
- सरकारी प्रणालियाँ और नीति प्रक्रियाएँ
- व्यापार का सामाजिक सांस्कृतिक माहौल

वैकल्पिक विषय

- कार्बन वित्त
- व्यापार और नीति निर्णय निर्माण के लिए प्रयोग
- सुशासन और गरीबी में रहने वाले लोग
- अवसंरचनात्मक विकास और वित्त पोषण
- शहरी परिवहन प्रबंधन में नवाचार
- बुद्धिमत्तापूर्ण परिवहन प्रणालियाँ
- बडे डेटा पर अंतर्विषयक परिपेक्ष्य
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- ऊर्जा व्यवसाय प्रबंधन
- जोड़-तोड़, कल्पित कथा, और विपणन
- विकास के लिए भागीदारी रंगमंच
- संगठनों में सत्ता और राजनीति
- सार्वजनिक नीति
- नेटवर्क सोसायटी में व्यापार और मानव विकास को समझने के लिए गुणवत्तात्मक अनुसंधान के तरीके
- रेल परिवहन योजना और प्रबंधन
- शोध यात्रा : जमीनी स्तर से शिक्षण
- सामाजिक उद्यमिता : नवप्रवर्तक सामाजिक परिवर्तन
- परिवर्तनकारी सामाजिक आंदोलन
- शहरी अर्थशास्त्र और व्यापार माहौल

पीजीपी-एफ़एबीएम

- स्थायित्व प्रबंधन

एफ़पीएम

अनिवार्य विषय

- नीति विश्लेषण और अनुसंधान के तरीके
- सार्वजनिक वित्त
- जन प्रबंधन
- सार्वजनिक नीति

ऐच्छिक विषय

- ऊर्जा और पर्यावरण नीति
- व्याख्यात्मक अनुसंधान के तरीके
- सार्वजनिक प्रणाली में ओआर अनुप्रयोग
- सामाजिक नीति अनुसंधान में मौलिक अनुमान के लिए मात्रात्मक तरीकों का उपयोग करना

पीजीपीएक्स

- अवसंरचना विकास और सार्वजनिक निजी भागीदारी
- सत्ता तथा राजनीति और सार्वजनिक नीति
- सामाजिक उद्यमिता : नवप्रवर्तक सामाजिक परिवर्तन

ई-पीजीपी

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट स्थायित्व

ऐच्छिक

- परिवहन का प्रबंधीकरण : व्यापार मॉडल और नीति उपकरण

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- सतत वित्त

6.7 रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केन्द्र (आरजेएमसीईआई)

वर्ष के दौरान, आरजेएमसीईआई ने प्रौद्योगिकी के संयोजन पर अपने शोध को मजबूत किया और गुजरात सरकार के लगभग 19000 विज्ञान और गणित में स्कूली शिक्षकों के लिए दो महीने के दीर्घकालिक कार्यक्रम के साथ सार्वजनिक प्रणाली में ऑनलाइन व्यावसायिक विकास के लिए शिक्षक संचालित नवप्रवर्तनों पर आधारित एक पाठ्यक्रम मजबूत किया। अनुसंधान का उद्देश्य सार्वजनिक प्रणाली में शिक्षकों के ऑनलाइन सीखने के व्यवहार को समझना और भौतिक समायोजन के लिए ऑनलाइन शिक्षण का हस्तांतरण है। स्कूल के प्रधानाचार्यों के लिए 2017 के कार्यक्रम के बाद नेतृत्व व्यवहार में बदलाव का आकलन भी पूर्ण हो गया। स्कूली माहौल और शिक्षा के अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन पर भी अनुसंधान जारी रहा। इंपोस्टर फेनोमेनन पर नया काम शुरू किया गया था।

पाठ्यक्रम

आरजेएमसीईआई ने संस्थान में स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. कार्यक्रमों में पढ़ाना जारी रखा। पाठ्यक्रम में शैक्षिक सिद्धांत, नीति विश्लेषण, शैक्षिक नवप्रवर्तन, नवप्रवर्तन और उद्यम, शिक्षा का अर्थशास्त्र, और अनुसंधान के तरीके शामिल हैं। स्कूल के प्रधानाचार्यों के लिए एक सप्ताह के कार्यक्रम का 19वाँ संस्करण, *बदलते परिवेश में स्कूलों के लिए रणनीतिक नेतृत्व,* अक्टूबर 2018 में आयोजित किया गया। आरजेएमसीईआई ने अरुणाचल प्रदेश सरकार के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूलों के लगभग 120 प्रधानाचार्यों के लिए दो सप्ताह के कार्यक्रमों का आयोजन फरवरी 2019 में किया। आरजेएमसीईआई ने संस्थान में कृषि प्रबंध केंद्र-आईआईएमए के साथ मिलकर जनवरी 2019 में सृष्टि द्वारा आयोजित ज़मीनी स्तर पर सृजनात्मकता एवं नवप्रवर्तनों पर चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए भी सह-मेजबानी की।

अन्य उपलब्धियाँ

आईजेएमसीईआई अपने इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर तक पहुँच गया जब पीएच.डी. के पहले बैच के दो सदस्य छात्रों ने मार्च 2019 में उपाधि हासिल की। पीएच.डी. कार्यक्रम का फलना-फूलना जारी है और वर्ष के अंत तक नौ छात्र आ चुके थे। वर्ष के दौरान, इस केंद्र के प्राथमिक सदस्यों ने चार सहकर्मी-समीक्षा लेखों को आगे बढ़ाया। बारह सम्मेलन शोधपत्र या तो व्यक्तिगत रूप से या सह।-लेखकों द्वारा प्रस्तुत किए गए थे। आरजेएमसीईआई के काम के बारे में अधिक विवरण https://www.iima.ac.in/web/areas-and-centres/areas-and-groups/rjmcei पर उपलब्ध हैं।

6.8 जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक प्रणाली स्कूल

वर्ष 2018-19 में जेएसडब्ल्यू स्कूल ने सार्वजनिक नीति में दीर्घकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की व्यवहार्यता अध्ययन का दायित्व लिया, सार्वजनिक नीति व्यवसायियों के लिए एक वर्ष का कार्यक्रम और सार्वजनिक नीति में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए दो साल के मास्टर कार्यक्रम को देखा गया। इस अध्ययन को श्री मनोज श्रीवास्तव जो इस स्कूल में सम्मानित फेलो हैं उनकी मदद से किया गया, और अध्ययन निष्कर्ष यह निकाला गया है कि इस तरह के कार्यक्रमों से जुड़े जोखिम इस समय अधिक थे। केंद्र ने सिफारिश की है कि स्कूल में दीर्घावधि के कार्यक्रमों के विचार को पुनर्लोकित करने से पहले, केंद्र और राज्य की सेवाओं से प्रत्यक्ष सार्वजनिक नीति/नागरिक केंद्रित सेवाओं के व्यवसायियों के लिए अल्पकालिक कार्यक्रम शुरू करने चाहिए।

इस वर्ष "भारत के समावेशी विकास के लिए सार्वजनिक नीति" विषय पर एक नये पाठ्यक्रम की शुरूआत हुई, जिसमें भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने 20 कक्षा सत्रों में से 12 में व्याख्यान दिए। 17 नवंबर, 2018 के उनके आखिरी व्याख्यान को एक सार्वजनिक व्याख्यान में बदल दिया गया था। आईआईएमए ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी के सहयोग से केस अध्ययन विकसित करने की संभावनाओं का पता लगाया था। दस विचारों को लघुसूचीबद्ध किया गया था, और चार की विस्तार से खोजबीन की गई। वर्ष के दौरान आयोजित जेएसडब्ल्यू-एसपीपी संगोष्ठी श्रृंखला पाँच संगोष्ठियों के साथ जारी रही। जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल कार्यकारी शिक्षा विभाग के माध्यम से पेश किए जाने वाले कुछ कार्यक्रमों की सह-ब्रांडिंग की संभावना की भी तलाश कर रहा है। स्कूल के लिए वास्तविक परिसर का कार्य प्रगति पर है। ये भवन वर्ष 2020 के अंत तक तैयार हो जाने चाहिए।

7. अनुशासनिक विषय-क्षेत्र

संस्थान में नौ अनुशासनिक क्षेत्र हैं - व्यापार नीति, संचार, अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, मानव संसाधन प्रबंधन, सूचना प्रणाली, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार तथा उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके जो कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों की पेशकश के अलावा, पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम, एफ़पीएम, पीजीपीएक्स, ईपीजीपी, एफ़डीपी, सशस्त्र सेनाबल कार्यक्रम में विभिन्न अनिवार्य एवं ऐच्छिक पाठ्यक्रम भी साथ में पेश किए जाते हैं।

7.1 व्यापार नीति

व्यापार नीति विषय-क्षेत्र के संकाय प्रतिस्पर्धी और कॉर्पोरेट रणनीतियों, डिजाइन सोच, उद्यमशीलता, नवाचार, नेतृत्व, व्यापार के कानूनी पहलू, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रबंधन, और कार्रवाई अनुसंधान क्षेत्रों के शिक्षण और अनुसंधान में रुचि रखते हैं। ये संस्थान की विभिन्न लघु और दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों, सलाहकार सेवाओं, प्रकाशन, और प्रशासनिक गतिविधियों के शिक्षण में शामिल हैं।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- व्यापार के कानूनी पहलू
- रणनीतिक प्रबंधन
- रणनीति कैपस्टोन

ऐच्छिक

- व्यापार एवं बौद्धिक संपदा
- व्यापार कराधान
- व्यापार, सरकार और कानून
- क्षमता, सामर्थ्य और कॉर्पोरेट रणनीति
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- उद्यमिता और नई उद्यम योजना
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विवाद समाधान
- नेतृत्व : दृष्टि, अर्थ, और वास्तविकता
- प्रबंधन में राज़ की बातें
- उभरते बाजारों की रणनीति

नए ऐच्छिक पाठ्यक्रम

- व्यापार में लापरवाही, आर्थिक दायित्व और कानून
- परामर्श और व्यावसायिक सेवा फर्म

पीजीपी-एफ़एबीएम

ऐच्छिक

- खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय अंतरराष्ट्रीय रणनीतियाँ और संगठन

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- व्यवसाय अनुकार कार्य : कैपस्टोन
- कॉर्पोरेट शासन प्रणाली
- नेतृत्व मूल्य और नैतिकता
- व्यापार के कानूनी पहलू
- विलय और अधिग्रहण
- रणनीतिक प्रबंधन

ऐच्छिक

- अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- अग्रणी व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ
- नई और छोटी कंपनियों का प्रबंधन
- रणनीति निष्पादन : उच्च निष्पादन निर्माण की कला एवं विज्ञान

एफ़पीएम

अनिवार्य

- कार्रवाई अनुसंधान प्रणालीविज्ञान में उन्नत संगोष्ठी
- अंतर्राष्ट्रीय सामरिक प्रबंधन के प्रतिष्ठान
- सामरिक प्रबंधन 1
- सामरिक प्रबंधन 2

ऐच्छिक

- कॉर्पोरेट शासन प्रणाली
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- उद्यमिता पर संगोष्ठी

ईपीजीपी

अनिवार्य

- व्यापार के कानूनी पहलू
- सामरिक प्रबंधन

ऐच्छिक

- व्यापार में लापरवाही, दायित्व और कानून
- उद्यमिता एवं सृजनात्मकता

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- अनुबंध प्रबंधन
- डिज़ाइन सोच
- पारिवारिक व्यवसाय : संगठन, रणनीतियाँ, अंतरराष्ट्रीयकरण और उत्तराधिकार
- नवप्रवर्तन, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन
- 21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व
- विकास के लिए रणनीतियाँ
- अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जीतने के लिए रणनीतियाँ
- रणनीति कार्यान्वयन
- परिवर्तनकारी नेतृत्व
- प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियों और संबंधितता की राजनीति पर कार्य सम्मेलन
- संगठनात्मक विषाक्तता, स्वास्थ्य और ज्ञान के संकेत पर कार्यशाला
- युवा उद्यमी कार्यक्रम

एफ़डीपी

- उन्नत रणनीति प्रबंधन
- रणनीति निर्माण और कार्यान्वयन

एएफ़पी

- व्यापार विवाद समाधान
- उद्यमिता
- अग्रणी व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ
- व्यापार के कानूनी पहलू
- रणनीतिक प्रबंधन

7.2 संचार

संचार विषय-क्षेत्र में तीन प्राथमिक सदस्य हैं, दो माध्यमिक सदस्य, और दो सहायक संकाय सदस्य हैं। यह विषय-क्षेत्र संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों में कई अनिवार्य/मूल और ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम

पीजीपी/पीजीपी-एफ़एबीएम

अनिवार्य

- प्रबंधकीय विश्लेषण और संचार
- साक्षात्कार और प्रस्तुतियों पर कार्यशाला
- लिखित विश्लेषण और संचार

ऐच्छिक

- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का संचार
- टीम और नेतृत्व प्रभावशीलता के लिए संचार कौशल
- मुश्किल संचार
- प्रबंधकीय संचार
- मीडिया और समाज : अर्थशास्त्र, राजनीति, नीतिशास्त्र, और समूह संचार की तकनीकें
- प्रेरक संचार
- डिजिटल युग में सामरिक संचार
- अग्रणियों के लिए सामरिक वार्ता कौशल

पीजीपीएक्स

मुख्य

- प्रबंधन संचार

ऐच्छिक

- प्रेरक प्रबंधक

ईपीजीपी

मुख्य

- प्रबंधकीय संचार 1
- प्रबंधकीय संचार 2

ऐच्छिक

- संचार कॉरपोरेट साख
- अंतरसांस्कृतिक संचार क्षमता

एएफ़पी

- प्रबंधकों के लिए संचार

एफ़डीपी/एफ़पीएम

- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

परियोजना पाठ्यक्रम

- भगवद् गीता से कॉर्पोरेट संचार की अंतर्दृष्टि (2018-19)

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- कॉरपोरेट प्रतिष्ठा का संचार
- लोगों को साथ लेकर : अनुनय द्वारा प्रबंध
- जीतने की कगार : अग्रणियों के लिए संचार रणनीतियाँ

अनुसंधान और प्रकाशन

विभिन्न लघु और दार्घावधि के कार्यक्रमों में अध्यापन के अलावा, विषय-क्षेत्र के संकाय शोध, प्रकाशन, और प्रशासनिक गतिविधियों में शामिल रहे। शिक्षण और अनुसंधान के हितों में प्रबंधकीय और कॉर्पोरेट संचार, प्रतिष्ठा प्रबंधन, सामाजिक मीडिया, रणनीतिक संचार, लैंगिक मुद्दे, अंतरसांस्कृतिक संचार एवं समाज और संस्कृति शामिल हैं।

7.3 अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- वृहत् अर्थशास्त्र एवं नीति
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- आर्थिक विकास नीति और वृद्धि
- खाद्य गुणवत्ता का अर्थशास्त्र
- खुशी का अर्थशास्त्र
- संगठन का अर्थशास्त्र
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- खेल सिद्धांत और अनुप्रयोग
- जनता के खेल : व्यावहारिक एवं प्रयोगात्मक अर्थशास्त्र
- वैश्विक वित्त और व्यापार
- पाँच शताब्दियों में व्यवसाय और अर्थशास्त्र के लिए हिचहाइकर की मार्गदर्शिका-अ
- पाँच शताब्दियों में व्यवसाय और अर्थशास्त्र के लिए हिचहाइकर की मार्गदर्शिका-ब
- भारतीय अर्थव्यवस्था और वर्तमान समाज
- बड़े डेटा पर अंतर्विषयक परिप्रेक्ष्य
- प्रबंधकीय अर्थमिति
- बड़े पैमाने पर परिवर्तन : अर्थशास्त्र एवं वित्त
- मौद्रिक सिद्धांत और नीति
- विश्व अर्थव्यवस्था : व्यवसाय, सरकार और नीति

एफ़पीएम

अनिवार्य

- अर्थमिति 1
- बृहत अर्थशास्त्र 1
- बृहत अर्थशास्त्र 2
- अर्थशास्त्रियों के लिए गणित
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र 1
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र 2

ऐच्छिक

- कम्प्यूटेशनल अर्थशास्त्र पर एक पाठ्यक्रम
- उन्नत वृहत् अर्थशास्त्र
- डेटा आवरणकरण विश्लेषण
- विकेंद्रीकरण और सार्वजनिक नीति
- विकास अर्थशास्त्र
- अर्थमिति 2
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- नए संस्थागत अर्थशास्त्र की नींव (एफ़एबी-ईसीओ संयुक्त विषय-क्षेत्र)
- नेटवर्क और ग्रैन्युलैरिटी
- संगठनात्मक अर्थशास्त्र
- सार्वजनिक वित्त (पीएसजी-इको संयुक्त विषय-क्षेत्र)
- समय श्रृंखला विश्लेषण

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- कंपनियाँ और बाजार
- मुक्त अर्थव्यवस्था वृहत् अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- खेल सिद्धांत और प्रयोग
- तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारतीय अर्थशास्त्र
- अंतरराष्ट्रीय अ र्थशास्त्र और राजनीतिक माहौल

एफ़डीपी

- अर्थशास्त्र मॉड्यूल

ईपीजीपी

अनिवार्य

- बृहत् अर्थशास्त्र
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- अंतरराष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार

एएफ़पी

अनिवार्य

- बृहत् अर्थशास्त्र
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- रणनीतिक निर्णय निर्माण के लिए खेल सिद्धांत
- अवसंरचना प्रबंधन

7.4 वित्त एवं लेखा

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट वित्त
- लागत प्रबंधन एवं नियंत्रण प्रणालियाँ
- वित्तीय बाज़ार
- वित्तीय रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण

ऐच्छिक

- वैकल्पिक निवेश और बचाव निधि
- प्रयुक्त मूल्य निवेश*
- संपत्ति समर्थित सुरक्षा
- व्यावहारिक वित्त
- बिटकॉइन और ब्लॉकचेन
- कॉरपोरेट शासन प्रणाली (नया)
- वित्तीय विवरण विश्लेषण
- कंपनियों का वित्तपोषण
- नियत आय प्रतिभूतियाँ
- धोखाधड़ी जोखिम आकलन और सुशासन तंत्र
- वायदा, विकल्प व जोखिम प्रबंधन
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त में समस्याएं
- विलय, अधिग्रहण, एवं कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- सूक्ष्मवित्त प्रबंधन
- आधुनिक निवेश एवं पोर्टफोलियो प्रबंधन
- वित्त में अनुकूलन तरीके
- स्थांतरित मूल्य निर्धारण के सिद्धांत
- मात्रात्मक और एल्गोरिदमिक व्यापार
- प्रतिभूति विनियमन
- वित्त में स्टोकेस्टिक हिसाब
- संरचित उत्पाद
- कंपनियों का मूल्यांकन

*अकादमिक वर्ष में नए ऐच्छिक शुरू किये गए

ईपीजीपी

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट वित्त
- लागत एवं नियंत्रण प्रणालियाँ
- वित्तीय बाजार
- वित्तीय रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण

ऐच्छिक

- कॉरपोरेट शासन प्रणाली
- वित्तीय विवरण विश्लेषण

एफ़पीएम

- परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण (मुख्य-एफ़)
- व्युत्पन्न मूल्य निर्धारण (ऐच्छिक)
- अनुभवजन्य परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण (मुख्य-एफ़)
- लेखा परीक्षा और कॉर्पोरेट प्रशासन में अनुभवजन्य अनुसंधान (मुख्य-ए)
- वित्त के प्रतिष्ठान (मुख्य)
- गणितीय वित्त (ऐच्छिक)
- लेखाकरण तथा बाज़ारों में संगोष्ठी पाठ्यक्रम (ऐच्छिक)

- कॉर्पोरेट वित्त पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम (मुख्य-एफ़)
- अनुभवजन्य कॉरपोरेट वित्त पर संगोष्ठियाँ (ऐच्छिक)

पीजीपीएक्स

- कॉर्पोरेट वित्त (अनिवार्य)
- वित्त कार्यप्रणाली का प्रभावी प्रबंधन (वैकल्पिक)
- वित्तीय बाजार (अनिवार्य)
- वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण (अनिवार्य)
- वित्तीय विवरण विश्लेषण (वैकल्पिक)
- संगठनात्मक कार्यनिष्पादन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मैट्रिक्स (अनिवार्य)
- निजी इक्विटी वित्त (वैकल्पिक)
- सामरिक लागत प्रबंधन (अनिवार्य)
- सामरिक जोखिम प्रबंधन (वैकल्पिक)

एफ़डीपी

- वित्त और/या लेखाकरण में समकालीन प्रथाएँ या अनुसंधान विषय-क्षेत्र
- लागत लेखाकरण के मूल सिद्धांत और वित्तीय लेखाकरण के मूल सिद्धांत

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- उन्नत कॉर्पोरेट वित्त
- व्यापार वित्त में कार्यकारी कार्यक्रम
- व्यापार का वित्तीय विश्लेषण
- निवेश निर्णय और व्यवहार वित्त
- अनुभवी सनदी लेखापाल के लिए प्रबंधन और वित्त-प्रथम मॉड्यूल
- विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन
- सामरिक लागत प्रबंधन

7.5 मानव संसाधन प्रबंधन

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- मानव संसाधन प्रबंधन 1
- मानव संसाधन प्रबंधन 2
- कार्यस्थल गतिशीलता और कर्मचारी सामूहिक प्रबंधन (फ्लेक्सी कोर)
- प्रतिभा और योग्यता प्रबंधन (फ्लेक्सी कोर)

ऐच्छिक

- व्यापार और समाज
- व्यापार में कायापलट और संगठनात्मक परिवर्तन
- जनता के खेल : मानव संसाधन प्रबंधन का मनोविज्ञान
- वैश्विक नेतृत्व और प्रभावी जन प्रबंधन
- सेवा क्षेत्र में मानव संसाधन प्रबंधन
- सीईओ का निर्माण
- सेवा क्षेत्र में कंपनियों का प्रबंधन
- परियोजनाओं में मानव पूँजी का प्रबंधन
- अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन के लिए व्यक्तिगत योग्यताएँ
- सामरिक विकल्प, आचरण और नैतिकता: भगवत गीता से सबक

ईपीजीपी

- व्यापार में कायापलट और संगठनात्मक परिवर्तन
- मानव संसाधन प्रबंधन 1
- मानव संसाधन प्रबंधन 2
- सेवा क्षेत्र में कंपनियों का प्रबंधन
- मोल भाव की प्रयोगशाला
- भगवद् गीता को समझना

पीजीपी-एफ़एबीएम

- विश्लेषण एवं क्षमता निर्माण

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

ऐच्छिक

- व्यापार कायापलट और संगठनात्मक परिवर्तन
- भारत में मानव संसाधन के तरीके : एक व्यवसायी का परिप्रेक्ष्य
- सेवा क्षेत्र में कंपनियों का प्रबंधन
- मोल भाव की प्रयोगशाला
- भगवत गीता से सबक : प्रबंधकों की दुविधाएँ

एफ़पीएम

अनिवार्य

- मानव संसाधन प्रबंधन में मूल पाठ्यक्रम
- रोजगार संबंध प्रबंधन में अनुसंधान की नींव 1
- मानव संसाधन प्रबंधन में अनुसंधान की नींव 1

ऐच्छिक

- मानव संसाधन प्रबंधन में अनुसंधान की नींव 2
- मानव संसाधन प्रबंधन में गुणात्मक तरीके
- मानव संसाधन प्रबंधन में मात्रात्मक तकनीकें
- मानव संसाधन प्रबंधन के सैद्धांतिक आधार

एफ़डीपी

- मानव संसाधन प्रबंधन (मुख्य)
- समकालीन मानव संसाधन विकास अनुसंधान पर परिप्रेक्ष्य (वैकल्पिक)

एएफ़पी

- मानव संसाधन प्रबंधन
- स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन
- आंतरिक प्रतिभा और नेतृत्व का विकास
- मानव संसाधन लेखा परीक्षा - सामरिक मा.सं.प्रबंधन के लिए आधार तैयार करना
- प्रबंधकीय प्रभावशीलता
- प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए कार्यनिष्पादन प्रबंधन
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन
- 21वीं सदी में प्रतिभा प्रबंधन

7.6 सूचना प्रणालियाँ

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- इंटरनेट : सक्षम व्यवसाय
- प्रबंधकीय कंप्यूटिंग
- सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यापार को बदलना

ऐच्छिक

- बड़े डेटा विश्लेषिकी
- ई-गवर्नेंस में परामर्शन : दृष्टि से कार्यान्वयन तक
- डेटा माइनिंग एवं व्यापारिक सूचना
- निर्णय निर्धारण के लिए डेटा दृश्यावलोकन
- सूचना प्रणालियों का सामरिक प्रबंधन
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ

एफ़पीएम

- डाटा खनन एल्गोरिदम एवं अनुप्रयोग
- डाटा संरचनाएँ और प्रोग्रामिंग
- डेटाबेस प्रबंधन प्रणालियाँ
- एफपीएम प्रेरण अवधि के दौरान एक्सेल कार्यशाला
- व्याख्यात्मक डेटा प्रत्यक्षीकरण
- सूचना प्रणाली के लिए रूपरेखा
- अनिश्चितता के तहत बहु-मानदंड निर्णय निर्माण के लिए ज्ञान प्रणालियाँ
- नेटवर्क और वितरण सिस्टम
- प्रणाली विश्लेषण और डिजाइन

पीजीपीएक्स

- निर्णय लेने के लिए डेटा प्रत्यक्षीकरण
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ

ई-पीजीपी

- प्रबंधकीय कंप्यूटिंग
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ
- सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यवसायों को बदलना

सशस्त्र सेनाबल कार्यक्रम

- एमआईएस और प्रबंधकीय कंप्यूटिंग

एफ़डीपी

- प्रबंधन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- बड़े डेटा विश्लेषिकी
- डेटा संचालित संगठन के लिए प्रभावी डेटा प्रत्यक्षीकरण
- सूचना प्रौद्योगिकी परियोजनाओं का प्रबंधन

- सीआईओ (मुख्य सूचना अधिकारियों) के लिए सामरिक सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधन

7.7 विपणन

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- विपणन-1
- विपणन-2
- विपणन-3
- व्यापार अनुसंधान के तरीके

ऐच्छिक

- विज्ञापन और बिक्री संवर्धन प्रबंधन
- ब्रांड प्रबंधन
- व्यवसाय से व्यवसाय तक विपणन
- उपभोक्ता व्यवहार
- ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ
- उपभोक्ता निर्णय निर्माण के वर्णनात्मक मॉडल
- डिजिटल और सोशल मीडिया विपणन
- नवप्रवर्तन, जीवंत
- बाजार अनुसंधान और सूचना प्रणालियाँ
- उच्च प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन की दुनिया में विपणन प्रबंधन
- मोबाइल विपणन अनिवार्यताएँ
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार
- मूल्य निर्धारण
- प्रचार रणनीति
- विनियमन और अभिग्रहण
- सांकेतिकता : मीडिया और ब्रांड संचार के लिए रणनीतियाँ
- रणनीतिक विपणन
- विपणन में रणनीतिक मॉडल
- नए भगवान की समझ : डिजिटलाइझेशन, फ़िनटेक तथा संबंधित प्रौद्योगिकी

एफ़पीएम

अनिवार्य

- विपणन में व्यवहारिक विज्ञान के अनुप्रयोग
- विपणन रणनीति
- विपणन सिद्धांत और समकालीन मुद्दे
- विपणन प्रबंधन में पठन संगोष्ठी
- विपणन में मात्रात्मक मॉडलों पर संगोष्ठी

ऐच्छिक

- प्रयोग करते हुए पढ़ाई
- तंत्रिका विज्ञान, व्यवहार सिद्धांत और विपणन अनुप्रयोग
- गुणात्मक विधियाँ
- बीओपी में संगोष्ठी
- विपणन और अर्थशास्त्र में विकल्प मॉडलों पर संगोष्ठी

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- ग्राहक मूल्य आकलन और सृजन
- ग्राहक मूल्य वितरण और प्रबंधन

ऐच्छिक

- उच्च प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन की दुनिया में विपणन प्रबंधन
- मूल्य निर्धारण
- विपणन डेटा विश्लेषिकी के तरीकों पर संगोष्ठी
- सामरिक विपणन

एफ़डीपी

- पिरामीड के निम्न स्तर तक के लिए व्यवसाय रणनीतियाँ
- विपणन विश्लेषिकी और उपभोक्ता प्रतिक्रिया मॉडलिंग
- विपणन निर्णय मॉडल
- विपणन प्रबंधन
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार

एएफ़पी

- ग्राहक संबंध प्रबंधन
- विपणन प्रबंधन 1
- विपणन प्रबंधन 2

ई-पीजीपी

अनिवार्य

- विपणन प्रबंधन 1
- विपणन प्रबंधन 2

ऐच्छिक

- ब्रांड प्रबंधन
- ग्राहक संबंध प्रबंधन
- मूल्य निर्धारण
- प्रचार रणनीति

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- लाभ के लिए मूल्य निर्धारण
- विपणन में तंत्रिका विज्ञान
- डिजिटल तथा सोशल मीडिया विपणन
- ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ
- व्यवसाय से व्यवसाय तक विपणन
- विपणन निर्णयों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण
- फ़िनटेक : व्यापार मॉडल, विपणन रणनीति तथा व्यूह-कौशल
- बिक्री बल प्रदर्शन सुधार

अनुसंधान और संगोष्ठियाँ

इस विषय-क्षेत्र के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर अनुसंधान किए। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं / पुस्तकों और कई प्रकाशित पत्रों में प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने निष्कर्षों को साझा किया तथा सम्मेलनों और कार्यशालाओं में प्रस्तुतियों को आमंत्रित किया। अनुसंधान का ध्यान उपभोक्ता व्यवहार, ब्रांडिंग, विज्ञापन, बिक्री संवर्धन, खुदरा बिक्री, सूचना उत्पादों और सेवाओं, पिरामिड तल, और सेवा केंद्रित रणनीति जैसे विषयों पर केंद्रित था। इन पद्धतिशास्त्रों में दोनों-गुणात्मक और उन्नत मात्रात्मक तकनीकें शामिल थीं।

7.8 संगठनात्मक व्यवहार

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- व्यक्तिगत गतिशीलता
- पारस्परिक और समूह प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक गतिशीलता

ऐच्छिक

- संगठनात्मक परिवर्तन सहनिर्माण
- समकालीन भारतीय कार्यस्थल : उम्दा काम और विविधता
- भूमिकाओं और पहचान में अन्वेषण
- कॉर्पोरेट नीतियों पर लैंगिक नजर
- उच्च प्रदर्शक टीमें : एक यात्रा
- आंतरिक रंगमंच : स्वयं से भीड़ंत
- कॉर्पोरेट सामाजिक गैर-जिम्मेदारियों की जाँच
- मोल भाव की रणनीतियाँ
- संगठन में सत्ता और राजनीति
- परिवर्तनशील सामाजिक आंदोलन

एफ़पीएम

- उन्नत सूक्ष्म संगठनात्मक व्यवहार
- मात्रात्मक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उन्नत तकनीकें
- संगठनात्मक व्यवहार में आदर्श और परिप्रेक्ष्य
- अनुसंधान का प्रास्पण और प्रकाशन
- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके : डेटा इकट्ठा करना और विश्लेषण करना
- सूक्ष्म संगठनात्मक व्यवहार
- संगठनात्मक संरचना और प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक सिद्धांत और इसके सामाजिक संदर्भ
- मनोविज्ञान 1 तथा 2
- अनुसंधान के तरीके 1
- प्रबंधन में अनुसंधान के लिए सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ
- संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग

पीजीपीएक्स

- नेतृत्व कौशल
- मोल भाव की रणनीतियाँ
- संगठनात्मक व्यवहार 1 - मॉड्यूल 1
- संगठनात्मक व्यवहार 1 - मॉड्यूल 2
- अभिविन्यास
- कार्यनिष्पादन तक की संभावना

ईपीजीपी

- कैंपस मॉड्यूल
- संगठनात्मक व्यवहार 1 सूक्ष्म (अनिवार्य)
- संगठनात्मक व्यवहार 2 बृहद (अनिवार्य)

एफ़डीपी

- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके
- अनुसंधान के तरीके
- संगठनात्मक व्यवहार के लिए विशेषीकृत मॉड्यूल
- संगठनात्मक व्यवहार को समझना

एएफ़पी

- व्यापार अनुसंधान का परिचय
- संगठनात्मक व्यवहार
- गुणात्मक अनुसंधान

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- व्यवसायी महिलाओं के बीच नेतृत्व क्षमताओं और संभावनाओं का विकास
- पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण
- नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन
- मोल भाव विश्लेषण
- अनुसंधान एवं विकास प्रबंधन

7.9 उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- विनिर्माण संचालन प्रबंधन (फ़्लेक्सीकोर)
- संचालन प्रबंधन 1 एवं 2
- मात्रात्मक तरीके 2
- मात्रात्मक तरीके 1ए
- मात्रात्मक तरीके 1 बी
- सेवा संचालन प्रबंधन (फ़्लेक्सीकोर)

ऐच्छिक

- डेटा विश्लेषण के उन्नत तरीके
- डेटा विश्लेषण की बेयसियन पद्धति
- व्यापार विश्लेषिकी
- भीड़ समन्वय
- धीमी और तीव्र : प्रणालियाँ, रणनीति, तथा बाधाएँ
- व्यवसायकर्मी के लिए पूर्वानुमान तकनीक
- संचालन रणनीति
- डेटा विश्लेषण में सांख्यिकीय तरीके
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- आपूर्ति श्रृंखला सोच : मूल्य निर्माण और अनुकूलन
- निर्णय लेने की कला और शिल्प
- परियोजनाएँ क्यों असफल होती हैं? अनिश्चितता, जटिलता और परियोजनाओं में जोखिम
- नेटवर्कों के साथ कार्य करना

पीजीपी-एफ़एबीएम

- खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- डेटा का विश्लेषण
- माँग को पूरा करने के लिए संचालन डिजाइनिंग
- निर्णयों के लिए मॉडलिंग
- सेवा स्तरों को स्थापित करना और वितरित करना

ऐच्छिक

- व्यापार विश्लेषिकी
- भीड़ का समन्वयन
- व्यापार के लिए डेटा विज्ञान
- धीमी और तीव्र : प्रणालियाँ, रणनीति, तथा बाधाएँ
- संचालन प्रबंधन पर परिप्रेक्ष्य
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- जोखिम को समझना और आकलन करना
- "आर" प्रोग्रामिंग (एसएमडीए छात्रों के लिए पूर्व-आवश्यक अनिवार्य)

एफ़पीएम

अनिवार्य

- प्रबंधन में उन्नत संभावना
- अनुप्रयुक्त प्रतिगमन विश्लेषण
- रेखीय बीजगणित
- संचालन प्रबंधन
- संचालन अनुसंधान

ऐच्छिक

- अनुप्रयुक्त सांख्यिकीय अनुमान
- उन्नतोदरता और अनुकूलन
- संचालन प्रबंधन के लिए खेल सिद्धांत
- रेखांकन एवं नेटवर्क
- बड़े पैमाने पर अनुकूलन
- गैर-रेखीय अनुकूलन
- वास्तविक विश्लेषण
- सांख्यिकी 2
- स्टोकास्टिक प्रक्रियाएँ
- प्रणाली विश्लेषण और अनुकरण
- समय श्रृंखला विश्लेषण

ईपीजीपी

- व्यवसाय विश्लेषिकी
- संचालन प्रबंधन 1
- संचालन प्रबंधन 2
- संभाव्यता सांख्यिकी - 1
- संभाव्यता सांख्यिकी - 2
- मात्रात्मक तकनीक (निर्णय निर्माण)

एफ़डीपी

- संचालन प्रबंधन
- संचालनों में समकालीन अभ्यासों अथवा अनुसंधान विषयक्षेत्रों के परिचय में विशेष विषय
- सांख्यिकी डेटा विश्लेषण

सशस्त्र सेनाबल कार्यक्रम

- व्यापार सांख्यिकी और अनुसंधान के तरीके
- निर्णय मॉडलिंग
- रसद और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- संचालन प्रबंधन
- परियोजना प्रबंधन

अनुसंधान

रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, बंदरगाह संचालन, गोदाम डिजाइन, सेवा प्रणाली डिजाइन, सुविधा स्थान, राजस्व प्रबंधन, स्टोकास्टिक अनुकूलन, बड़े पैमाने पर अनुकूलन, अपघटन तकनीक, नेटवर्क अनुकूलन और मेटा-हेरिस्टिक्स, नेटवर्क विश्वसनीयता, द्विस्तरीय अनुकूलन, संचालन विपणन मिलन बिंदु पर खेल सैद्धांतिक मॉडल, वित्त में सांख्यिकीय मॉडलिंग, विरल आंकड़ों के विश्लेषण, सर्वेक्षण पद्धति और सांख्यिकीय अनुमान अनुसंधान के विषय-क्षेत्र हैं।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- प्रबंधन में उन्नत विश्लेषिकी
- संचालनों के मूल सिद्धांत
- ऑनलाइन ईईपी : उन्नत व्यापार विश्लेषिकी
- परियोजना प्रबंधन
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- सामरिक विश्लेषिकी: मात्रात्मक डेटा पर कार्यक्रम
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- गोदाम डिजाइन और प्रबंधन

8. मान्यता और रैंकिंग

रैंकिंग और सर्वेक्षण

संस्थान ने वर्ष के दौरान रैंकिंग के लिए 18 राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय बी-स्कूल सर्वेक्षणों में भाग लिया। संस्थान ने सभी प्रमुख और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में शीर्ष स्थान बनाए रखना जारी रखा। हालिया अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में आईआईएमए का स्थान यह दर्शाता है कि संस्थान के कार्यक्रम और छात्र उच्च गुणवत्ता वाले हैं और वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हैं।

एफ़.टी. कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2018 (अनुकूलित एवं मुक्त कार्यक्रम)

संस्थान को फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2018 (अनुकूलित कार्यक्रम) के लिए मई 2018 में 57वें स्थान पर रखा गया था। पिछले साल की रैंकिंग की तुलना में संस्थान 6 स्थान आगे बढ़ा है। आईआईएमए को फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2018 (मुक्त कार्यक्रम) में 66वाँ रैंक मिला है और यह स्थान बरकरार रखा है।

प्रबंध में एफ़टी मास्टर्स रैंकिंग 2018

संस्थान को प्रबंधन में एफ.टी. (फाइनेंशियल टाइम्स) मास्टर्स रैंकिंग 2018 में वैश्विक रूप से 100 पूर्वानुभव एमबीए स्तर के कार्यक्रमों में 19वें स्थान पर रखा गया था। आईआईएमए के स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी) को चार मानदंडों - 'वर्तमान वेतन (यूएस डॉलर)', 'भारित वेतन (यूएस डॉलर)', 'तीन महीने में रोजगार' के 'अवसर और डॉक्टरेट संकाय' पर पहला स्थान मिला।

आईआईएमए 'अर्थशास्त्र के लिए शीर्ष' के तहत सूचीबद्ध शीर्षस्थ 10 कार्यक्रमों में तीसरे स्थान पर रहा था।

दी इकोनॉमिस्ट कौन-सा एमबीए रैंकिंग 2018

संस्थान को इकोनॉमिस्ट कौन-सा एमबीए रैंकिंग 2018 में 87वाँ स्थान प्राप्त हुआ। यह *इकोनॉमिस्ट* एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया 2018 क्षेत्रीय रैंकिंग में 8वें स्थान पर था। संस्थान के प्रमुख कार्यक्रम को अन्य 100 बी-स्कूलों के साथ सूचीबद्ध किया गया था जिसमें संयुक्त राज्य से 53 बी-स्कूल और यूनाइटेड किंगडम से 15 बी-स्कूल शामिल थे। यह इकलौता भारतीय बी-स्कूल है जिसे *इकोनोमिस्ट* द्वारा रैंकिंग में स्थान दिया गया है।

संस्थान ने नौकरी चाहने वाले स्नातकों को यहाँ से स्नातक होने के बाद तीन महीनों में नौकरी की पेशकश के प्रतिशत पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, 'वेतन वृद्धि, पूर्वछात्र, प्रतिशत' में दूसरा स्थान, 'मुक्त नए करियर अवसर' में चौथा स्थान, और 'करियर सेवा के पूर्वछात्र रेटिंग' में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया।

क्यू.एस. वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2019

आईआईएमए के पीजीपीएक्स कार्यक्रम को 251 एमबीए कार्यक्रमों में से क्यू.एस. (क्वेक्वारेल्ली साइमंड्स) वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2019 में 48वाँ स्थान मिला।

संस्थान एशिया रैंकिंग में पाँचवें स्थान पर रहा। आईआईएमए ने तीसरे क्रम के क्षेत्रीय रैंक के साथ "उद्यमिता एवं पूर्वछात्र नतीजे" में, 'रोजगार' में चौथे स्थान पर और 'निवेश पर प्रतिफल' में पाँचवें स्थान पर मजबूत प्रदर्शन दिखाया।

प्रबंधन में क्यूएस मास्टर्स रैंकिंग 2019

आईआईएमए का पीजीपी कार्यक्रम प्रबंधन में क्यूएस मास्टर्स रैंकिंग 2019 के अपने दूसरे संस्करण में 135 प्रबंधन में मास्टर्स (एमआईएम) के बीच 24वें स्थान पर रहा। इसने प्रबंधन के लिए 'पूर्वछात्रों के परिणाम सूचक' में 11वें स्थान के साथ अच्छा प्रदर्शन किया है।

एफ़.टी. वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2019

पीजीपीएक्स को फाइनेंशियल टाइम्स (एफ़टी) वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2019 में शीर्ष 100 बी-स्कूलों में 47वाँ स्थान मिला। संस्थान "डॉक्टरेट संकायों" के मानदंडों में प्रथम स्थान पर रहा,और पीजीपीएक्स कार्यक्रम "वर्तमान वेतन (यूएस डॉलर)" और "कैरियर प्रगति रैंक" में पाँचवें स्थान पर रहा और 'भारित वेतन (यूएस डॉलर)' में छठें स्थान पर रहा।

आईआईएमए को "सामान्य प्रबंधन के लिए शीर्ष" के तहत सूचीबद्ध शीर्ष 10 एमबीए कार्यक्रमों में चौथा स्थान प्राप्त हुआ।

एफ़.टी. एशियापैसिफिक स्कूल रैंकिंग 2018

आईआईएमए ने सभी भारतीय बी-स्कूलों से आगे फ़ाइनेंशियल

टाइम्स (एफ़टी) एशिया प्रशांत शीर्ष 25 बिजनेस स्कूल रैंक में चौथे स्थान पर जगह बनाई। बी-स्कूल कार्यक्रमों की गुणवत्ता और विस्तार पर विचार करने के बाद यह रैंक मिलता है।

इसके विवरण **परिशिष्ट ठ** में दिए गए हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय का राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ़)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ़) के तीसरे संस्करण में संस्थान को प्रबंधन (अनुसंधान और शिक्षण संस्थान) श्रेणी में पहला स्थान दिया गया था।

संस्थान ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय रैंकिंग में लगातार शीर्ष स्थान बनाए रखा है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय सर्वेक्षण

संस्थान ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए नवप्रवर्तन उपलब्धियों पर संस्थानों की अटल रैंकिंग (एआरआईआईए) 2018-19 के प्रथम संस्करण अखिल भारतीय उच्चतर शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) के नौवें संस्करण में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता को संस्थान की अंतर्राष्ट्रीय रणनीति के हिस्से के रूप में और वैश्विक स्तर पर अपने ब्रांड और दृश्यता को मजबूत करने के उद्देश्य से अपनाया जाता है। प्रत्यायन प्रक्रिया एक विस्तृत और गहन प्रक्रिया है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रमों को वितरित करने में अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करती है।

इक्विस पुनः मान्यता

वर्ष के दौरान संस्थान ने इक्विस मान्यता की अपनी स्थिति को बनाए रखना जारी रखा। आईआईएमए को यूरोपीय प्रबंधन विकास फाउंडेशन (ईएफ़एमडी) द्वारा वर्ष 2015 में अगले पाँच वर्षों के लिए पुनः मान्यता दी गई थी। आईआईएमए भारत में पहला ऐसा प्रबंधन स्कूल था, जिसे पाँच साल के लिए मान्यता प्राप्त करने के लिए, अधिकतम विस्तार मिला है जिसके लिए इक्विस किसी संस्थान को मान्यता देता है। मार्च 2019 में, संस्थान ने औपचारिक रूप से पुनः मान्यता प्रक्रिया शुरू की और अपना आवेदन ईएफ़एमडी के समक्ष प्रस्तुत किया।

विभाग के स्तर पर गुणवत्ता के पहलुओं के बारे में आंतरिक हितधारकों के साथ सूचित करने और संलग्न करने के एक बड़े उद्देश्य के साथ, निदेशक ने सितंबर-अक्टूबर 2018 के दौरान बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की।

प्रोटोकॉल कार्यालय

वर्ष के दौरान, संस्थान विदेशी संस्थानों / अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के कई उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ उच्च शिक्षा में पहलों का समर्थन करने के लिए द्विपक्षीय वार्ताओं में संलग्न रहा।

कुछ प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडलों में शामिल हैं :

- महामहिम श्री डेनियल कारमैन, भारत में इजराइली राजदूत, साथ में श्री याकोव फिंकेलस्टाइन, इजराइल के महावाणिज्य दूत, 15 मई, 2018
- महामहिम श्री डैनी फ़ॉर, सेशेल्स गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति, 23 जून, 2018

प्रोफ़ेसर शैलेश गाँधी, डीन (कार्यक्रम) ने 3 अप्रैल, 2018 को मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर के करकमलों से पुरस्कार प्राप्त किया

इज़राइल के राजदूत महामहिम श्री डैनियल कार्मोन प्रोफ़ेसर एर्रोल डिठसूज़ा, निदेशक, आईआईएमए के साथ

महामहिम श्री डैनी फ़ोरे, माननीय राष्ट्रपति, सेशेल्स गणराज्य (पहली पंक्ति में बाईं ओर से दूसरे क्रम पर) प्रोफ़ेसर एरोल डि'सूज़ा, निदेशक, आईआईएमए के साथ (पहली पंक्ति में दाईं ओर दूसरे क्रम पर)

वर्ष के दौरान, संस्थान ने विशेष समारोहों में मुख्य वक्ताओं के रूप में राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्तियों की मेजबानी की।

इनमें से कुछ निम्नलिखित हस्तियाँ थी:

- डॉ. जैमिनी भगवती, राजदूत (सेवानिवृत्त), 17 अगस्त, 2018
- श्रीमती निर्मला सीतारमण, रक्षा मंत्री, 1 अक्टूबर, 2018
- श्रीमती मेनका गाँधी, महिला एवं बाल विकास मंत्री, 1 अक्टूबर, 2018
- माननीय श्री प्रणब मुखर्जी (भारत के पूर्व राष्ट्रपति), 17 नवंबर, 2018

9. पूर्वछात्र गतिविधियाँ

पूर्वछात्र कार्यालय विभिन्न मंचों के माध्यम से पूर्वछात्रों के साथ गहरे संबंध स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है।

आईआईएमए अल्युम्नस पत्रिका

अल्युम्नस पत्रिका *द विमवियन* के नाम से फरवरी 2019 में पुन: शुरू की गई थी। इसे *आईआईएमए अल्युम्नस* के रूप में 50 वर्ष पूरे होने पर चिह्नित किया गया था। इस पत्रिका का एक ई-संस्करण (wimwian.iima.ac.in) भी वीडियो, पॉडकास्ट, और डिजिटल सामग्री जैसे अन्य बेहतर पहुँच तथा समावेशन के साथ शुरू किया गया था। मुद्रित तथा पीडीएफ़ अद्यतन वेबसंस्करण दोनों प्रकार से पत्रिका को पूर्वछात्रों को मेल द्वारा भेजा जाता है और पत्रिका की पहुँच तथा प्रसार में सुधार लाया जाता है।

पत्रिका के प्रिंट संस्करण को अधिक पूर्वछात्र केंद्रित बनाते हुए, प्रत्येक संस्करण के लिए कहानियों को काम में लाने की एक थीम-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग किया गया है। जून 2018 के संस्करण में "पूर्वछात्र आलेख वर्तमान रुझान, अंतर्दृष्टि तथा विश्लेषण" पर ध्यान केंद्रित किया गया था। अक्टूबर 2018 का अंक पीजीपी 1991 बैच पर विशेष ध्यान देने के साथ सामुदायिक जुड़ाव के मुद्दों के विषय पर था। फरवरी 2019 संस्करण में विक्रम साराभाई पुस्तकालय की मरम्मत तथा उन्नयन और यूएमईईडी 1000 किमी साइक्लोथॉन पर प्रकाश डाला गया।

ई-संस्करण या वेब संस्करण (वेबसाइट) में शाखा / बैच गतिविधियाँ शामिल हैं, अन्य महत्वपूर्ण वीडियो, पॉडकास्ट, यूट्यूब लिंक, काम में ली गई कहानियों / नाट्यरूपकों के साथ फोटो गैलरी शामिल हैं। पिछले अंकों को आसानी से सभी पाठकों के लिए सुलभ कराने के लिए वेबसाइट पर एक समर्पित 'अभिलेखागार' अनुभाग है।

आईआईएमए पूर्वछात्र पोर्टल

पूर्वछात्र कार्यालय ने नए आईआईएमए पूर्वछात्र पोर्टल पर पूर्वछात्र वेबसाइट का उन्नयन करने के लिए अलमा कन्नेक्ट के साथ सहयोग किया जिससे नई कल्पनाओं तथा शिक्षा अधिगम की अंतक्रिया तथा विनिमय को आगे बढ़ाने छात्रों एवं संकायों को एकीकृत किया जा सके।

वर्ष के दौरान, पूर्वछात्र कार्यालय ने पीजीपी-2003, पीजीपी-एफ़एबीएम-2003, पीजीपी-2004, पीजीपी-एफ़एबीएम-2004, पीजीपी-2005, तथा पीजीपी-एफ़एबीएम-2005 के बैच के लिए आईआईएमए के ईमेल आईडी वितरित किए। कार्यालय ने एईआरसी, विकास कार्यालय तथा पीजीपी-एफ़एबीएम स्थानन समिति के लिए सत्यापित आधिकारिक खाते बनाए। कार्यालय ने बियॉन्ड माइंडफुलनेस समिट और सात पूर्वछात्र पुनर्मिलन जैसे आयोजन किए। पुनर्मिलन के दौरान पूर्वछात्रों से संपर्क करके कार्यालय 275 अभिलेख बनाने में सफल रहा। चालीस ईमेल और 140 डाक पते जो डेटाबेस में उपलब्ध नहीं थे, उन्हें अपडेट किया गया था। इस प्रकार, वर्ष के दौरान 1478 पूर्वछात्रों को सत्यापित किया गया और पूर्वछात्रों के डेटाबेस में नए जोड़े गए, जिनमें 37,550 सत्यापित पूर्वछात्र हैं।

पूर्वछात्र पहचान पत्र

सन् 2012 में पूर्वछात्र पहचान पत्र की एक नूतन अवधारणा पेश की गई थी। इस वर्ष के दौरान, 1351 पहचान पत्र जारी किए गए।

रजत जयंती पुनर्मिलन

सन् 1994 (1992-1994) के पीजीपी बैच का रजत जयंती पुनर्मिलन 22-24 दिसंबर, 2018 के दौरान आयोजित किया गया था। लगभग 77 से अधिक पूर्वछात्रों ने अपने परिवारों के साथ इस मिलन समारोह में भाग लिया था। यह मिलन समारोह मजेदार, मनोरंजन और दोस्ती के नवीनीकरण से भरपूर था। मिलन समारोह के दौरान, 1994 बैच को शिक्षा देने वाले संकाय सदस्यों को सम्मानित किया गया।

अन्य पुनर्मिलन

वर्ष के दौरान आयोजित, अन्य पुनर्मिलनों का विवरण नीचे दिया गया है :

कक्षा	बैच	पुनर्मिलन	दिनांक		उपस्थित पूर्वछात्र
			से	तक	
1989 की कक्षा	2001-2003	30 साल	07.12.2018	09.12.2018	68
1984 की कक्षा	1986-1988	35 साल	07.12.2018	09.12.2018	53
1978 की कक्षा	1995-1997	40 साल	14.12.2018	16.12.2018	79
2003 की कक्षा	2005-2007	15 साल	14.12.2018	16.12.2018	35
2009 की कक्षा	2008-2009	10 साल	21.12.2018	23.12.2018	38
2008 की कक्षा	2006-2008	10 साल	28.12.2018	30.12.2018	113
आईआईएमए के बाहर पुनर्मिलन					
1998 की कक्षा	1996-1998	20 साल	26.12.2018	28.12.2018	65
1974 की कक्षा	1972-1974	45 साल	02.02.2019	05.02.2019	65

वर्ष 2018-19 के दौरान, कुल 463 पूर्वछात्रों ने उनके बैच के पुनर्मिलन समारोह में भाग लिया।

पूर्वछात्र अकादमिक संयोजन

संबंधित क्षेत्रों में काम करने वाले कुछ पूर्वछात्रों द्वारा कई वैकल्पिक पाठ्यक्रम / अतिथि व्याख्यान दिए गए थे।

इनके विवरण नीचे दिए गए हैं :

नाम	बैच	अतिथि व्याख्यान
श्री राजेश मखीजा	पीजीपी 1992	व्याख्यान सत्र-पीजीपीएक्स
श्री डी. सुरेश	पीजीपी 1970	अध्ययन मंडली मिलन
श्री चेतन भगत	पीजीपी 1997	व्याख्यान सत्र-एईआरसी द्वारा आयोजित
श्री प्रकाश झांवर	पीजीपी 1998	व्याख्यान सत्र-एईआरसी द्वारा आयोजित
श्री प्रशांत शर्मा	पीजीपी 2006	अतिथि व्याख्यान - पीजीपी 2 पाठ्यक्रम
श्री रवि गुलाटी	पीजीपी 1991	नवप्रवर्तन वार्ता
श्री रजनीश ढाल	पीजीपी 1991	नवप्रवर्तन वार्ता
श्री श्रीधर सेतुराम	पीजीपी 1991	नवप्रवर्तन वार्ता
श्री अखिलेश तिलोटिया	पीजीपी 2004	एईआरसी मास्टर वर्ग के लिए आमंत्रण
श्री कबीर अहमद शाकिर	एमडीपी 1997	व्याख्यान श्रृंखला
श्री मृगांक परांजपे	पीजीपी 1990	अध्ययन मंडली मिलन
श्री मृगांक परांजपे	पीजीपी 1990	अध्ययन मंडली मिलन
प्रोफ़ेसर प्रदीप चिंतागुंटा	पीजीपी 1986	अच्छा करना ज्यादा अच्छा करने लायक है: विपणन साधनों का लाभ उठाना और गैर-विपणन परिणामों के लिए अंतर्दृष्टि
सुश्री सुरागा थिलकन	पीजीपी 2005	अतिथि व्याख्यान
श्री राम कुप्पुस्वामी	पीजीपी 1999	व्याख्यान सत्र
श्री सुधीर सीतापति	पीजीपी 1999	प्रेरणा श्रेणी
विविध व्याख्याता		माइंडफुलनेस इंडिया समिट - 2018
श्री एझीलारसन लोगानाथन	पीजीपी 2010	विपणन खामियों के दूर करना
प्रोफ़ेसर संजीव गोयल	पीजीपी 1985	सीमित लोगों का कानून
प्रोफ़ेसर सुनील हांडा	पीजीपी 1979	अतिथि व्याख्यान
श्री संजीव अग्रवाल	पीजीपी 1995	व्याख्यान सत्र

प्रेरण श्रृंखला

पूर्वछात्र कार्यालय ने आईआईएमए प्रेरण श्रृंखला नामक एक साल की वक्ता श्रृंखला शुरू की है। इस श्रृंखला के माध्यम से, कार्यालय अत्यधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित करने की उम्मीद रखता है, जिन्होंने अपरंपरागत माध्यम से या उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के माध्यम से उत्कृष्ट भविष्य का लक्ष्य रखा और जो छात्रों की वर्तमान पीढ़ी को प्रेरित कर सकते हैं।

इस श्रृंखला की शुरूआत सुधीर सीतापति के सत्र के द्वारा की गई थी जिसमें उन्होंने एचयूएल में उनकी परिवर्तनकारी यात्रा के बारे में तथा समग्र भारत, यूरोप, दक्षिण पूर्वी एशिया, और अफ्रीका में एक प्रबंधन प्रशिक्षु से नेतृत्व तक अपने उदय में पाँच श्रेणियों साबुन, डिटर्जेंट, चाय, कॉफी, और आइसक्रीम में काम करने की बात की। इन्हें इकोनॉमिक टाइम्स 40 अंडर फोर्टी लिस्ट में 40 सबसे प्रभावशाली युवा बिजनेस लीडर्स में से एक के रूप में नामित किया गया है।

विशेष रुचि समूह

विशेष रुचि समूह (एसआईजी) एक समुदाय है जो ज्ञान, शिक्षा अधिगम या प्रौद्योगिकी के विशिष्ट क्षेत्र को आगे बढ़ाने में एक साझा रुचि रखता है। पूर्वछात्र कार्यालय ने आईआईएमए पूर्वछात्र पोर्टल में 15 एसआईजी बनाए हैं। नए उपयोगकर्ता और पंजीकृत उपयोगकर्ता इच्छुक एसआईजी में शामिल हो सकते हैं जो उन्हें सहयोगी पूर्वछात्रों के साथ संपर्क करने / जुड़ने में मदद करेगा।

दो एसआईजी समूहों - महिला, स्वास्थ्य देखभाल, और उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र ने खुद को विकसित करने का वचन दिया है। जब तक एसआईजी विकसित होते हैं तथा कुछ अन्य संरचनाओं को औपचारिक रूप देते हैं, तब तक के लिए एक समन्वय समिति बनाई गई है

- 1-2 पूर्वछात्र एसआईजी में रुचि रखते हैं।
- 1-2 संकाय सदस्य या तो पढ़ा रहे हैं या एसआईजी संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान कर रहे हैं। ये संकाय एसआईजी से संबंधित मुद्दों पर काम करने वाले आईआईएमए के केंद्रों से संबद्ध हो सकते हैं।
- 1-2 छात्र कैंपस में छात्र क्लबों से जुड़े हैं जो ऐसी गतिविधियाँ करते हैं जो एसआईजी की भागीदारी से लाभान्वित हो सकें।

पहला महिला एसआईजी कार्यक्रम 15 दिसंबर, 2018 को मुंबई में आयोजित किया गया था। विचारों को जानने और अन्य महिला पूर्वछात्रों के साथ समय बिताने के लिए एक नेटवर्किंग समारोह (चाय-पे-चर्चा) का आयोजन किया गया था। महिला एसआईजी परामर्शन कार्यक्रम की शुरुआत मुंबई चैप्टर द्वारा मई 2019 में की गई थी। स्वास्थ्य देखभाल एसआईजी अपनी दूरदृष्टि को सिद्ध करने और ऑनलाइन माध्यम से विचारों को समन्वित करने की दिशा में काम कर रहा है।

स्वास्थ्य देखभाल एसआईजी (मुंबई) का गठन पूर्वछात्रों, छात्रों, और संकायों सहित आईआईएमए समुदाय की सरगर्मियों और प्रोन्नत स्वास्थ्य कार्यसूची का तालमेल कायम करने के लिए किया गया था। प्राथमिकताओं और कार्य योजनाओं को विकसित करने के लिए 19 जनवरी, 2019 को एक प्रारंभिक बैठक आयोजित की गई थी। इसमें 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

पूर्वछात्र सदस्यता शुल्क

हर साल, संस्थान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने वाले नए सदस्यों को पूर्वछात्रों के डेटाबेस में जोड़ा जाता है। 2018-19 के दौरान, सदस्यता शुल्क में पिछले वर्ष की (2017-18 के दौरान 118.94 लाख रुपए और 2018-19 के दौरान 499.84 लाख रुपए) तुलना में लगभग 320 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

छात्रवृत्ति और पुरस्कार

15 मार्च, 2019 को दीक्षांत समारोह से पहले, कई छात्रवृत्तियाँ / पुरस्कार दिए गए। इनके विवरण **परिशिष्ट ड1** में दिए गए हैं।

युवा पूर्वछात्र सफलता पुरस्कार

पूर्वछात्र प्रकोष्ठ द्वारा युवा पूर्वछात्र सफलता पुरस्कार उन युवा अग्रणियों को पहचान दिलाने के लिए की गई एक पहल है जिन्होंने दूसरों को प्रभावित और प्रेरित किया है। यह पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिया जाता है - कॉर्पोरेट अग्रणी; उद्यमिता; और समाज सेवा / लोक सेवा / अकादमिक / साहित्य / प्रदर्शन कला / राजनीति / खेल।

वर्ष 2018-19 के पुरस्कार प्राप्तकर्ता इस प्रकार हैं :

पूर्वछात्र का नाम	पदनाम और संगठन	श्रेणी
वैशाली रस्तोगी	प्रबंध भागीदार, प्रमुखदक्षिण पूर्व एशिया, बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप	कॉर्पोरेट अग्रणी
सुमित जालान	प्रबंध निदेशक तथा सह-प्रमुख निवेश बैंकिंग तथा पूँजी बाज़ार, क्रेडिट सुईस इंडिया	कॉर्पोरेट अग्रणी
विराज साहनी	प्रबंध निदेशक, वॉरबर्ग पिंकस	कॉर्पोरेट अग्रणी
श्रीकांत वेलमकन्नी	सह-संस्थापक, समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं कार्यकारी उपाध्यक्ष, फ़ैक्टल एनेलिटिक्स इंक.	उद्यमिता
प्रणय अग्रवाल	सह-संस्थापक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा निदेशक, फ़ैक्टल एनेलिटिक्स इंक.	उद्यमिता
डॉ. सुचित्रा सेबास्टियन	भौतिकी शास्त्र में युनिवर्सिटी रीडर, कैवेंडिश लैबोरेटरी, कैम्ब्रिज युनिवर्सिटी	शिक्षाविद

सिंक्रॉनी

सिंक्रॉनी का उद्देश्य नए आने वाले छात्रों का स्वागत करना और उन्हें जोशपूर्ण पूर्वछात्र समुदाय का हिस्सा बनाना है।

सिंक्रॉनी 2019 का आयोजन भारत में और विदेश के कई शहरों में किया गया था। इसका आयोजन मई में किया गया था। कई पूर्वछात्रों, पहले के बैचों तथा वर्तमान पीढ़ियों ने संस्थान में बिताए लम्हों को याद करके, इंटर्न एवं फ्रेशर्स को ज्ञान के शब्द सुनाए।

शाखा गतिविधियाँ

प्रतिवेदन के तहत व्यतीत इस वर्ष के दौरान, अहमदाबाद, जयपुर, मुंबई, बैंगलोर, चेन्नई, हैदराबाद, भुवनेश्वर, दुबई, पुणे, सिंगापुर और लंदन आदि स्थानों पर कई शाखाओं ने विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की।

इनके विवरण के लिए परिशिष्ट **ड2** देखें।

बाहरी संलग्नता और समुदायों तक पहुँच

स्माइल

स्माइल केंद्र का शैक्षणिक वर्ष 4 मई, 2018 को 140 छात्रों के साथ शुरू हुआ। अधिकांश छात्र वंचित समुदाय के हैं जिनकी पारिवारिक आय 20,000/ रुपए प्रति माह से कम है।

केंद्र कक्षा 6 से 12 तक के वंचित छात्रों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान करता है और किसी भी पाठ्यक्रम के बारे में बच्चे की बुनियादी स्तर की समझ को समझने के लिए केंद्र में बुनियादी मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाती है।

स्माइल केंद्र में आयोजित मुख्य गतिविधियाँ **परिशिष्ट ड3** में दी गई हैं।

ए-लीग गतिविधियाँ

ए-लीग गुजरात में 14 सुप्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों का एक सहयोगी मंच है, जो अपने घटकों की विविधता और छात्रों तथा संकाय के कौशल के स्तर के मामले में एक बड़ी क्षमता रखता है। इस केंद्र की गतिविधियाँ पहले एक त्रैमासिक समाचार पत्र तक सीमित थीं जो कुछ चुनिंदा संस्थानों के कार्यक्रमों को पुन प्रस्तुत करती थीं।

पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध समिति ने ए-लीग छात्र नेतृत्व वाली गतिविधियों के पुनरुद्धार का फैसला किया। वर्ष 2018 में उद्देश्य ऐसी पहल करना है जो दोनों एलीग में एक विश्वास को बहाल करे और उन कार्यक्रमों को व्यवस्थित करे, जो संस्थानों के बीच के तालमेल का लाभ उठाते हैं।

वर्ष के दौरान आयोजित कुछ प्रमुख गतिविधियाँ **परिशिष्ट ड4** में दी गई हैं।

सचेतन भारत शिखर सम्मेलन

डीन-पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध कार्यालय के वैश्विक भागीदारी विभाग ने भारत में विश्व भर से अग्रणी शिक्षाविदों, व्यवसायियों, कॉरपोरेटों तथा संगठनों में से प्रतिभागिता के साथ एक तंत्रिका विज्ञान, ईआई, सचेतन शिखर सम्मेलन की संभावना की अवधारणा विकसित की है। इसकी एक वैश्विक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में की गई कल्पना है। पहला कार्यक्रम नवंबर 2018 में आयोजित किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीयकरण

अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में विभिन्न पहल की गईं **(परिशिष्ट ड5)**।

संलग्नता केंद्र

पूर्वछात्रों की गतिविधियों, कार्यकारी शिक्षा और संस्थान के कार्यक्रमों को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से, प्रमुख शहरों में संलग्नता केंद्र स्थापित करने के प्रयास किए गए हैं। हालांकि, सरकारी अधिकारियों के साथ शुरुआती चर्चाओं से लग रहा था कि उम्मीद के मुताबिक मामले आगे नहीं बढ़े हैं। इस तरह की सुविधाओं की निरंतर

आवश्यकता के मद्देनजर, पूर्वछात्र कार्यालय ने पाँच शहरों में अपने सहकार्य स्थान का उपयोग करने के लिए कॉवर्क्स के साथ साझेदारी की संभावना का पता लगाया है। कुछ सुविधाओं का दौरा किया गया था और उन्होंने हमारी आवश्यकताओं को संतुष्टि से पूरा किया। मुंबई और बैंगलुरू में कॉवर्क्स सुविधाओं का उपयोग कुछ मामलों के लिए परीक्षण केसों के रूप में किया गया था। इसके बाद, संभावित संलग्नता के लिए वित्तीय और व्यावसायिक मॉडल के संबंध में चर्चा की गई। इसके अलावा, उनकी सुविधाओं का उपयोग मुंबई, बैंगलुरू और नई दिल्ली में स्वास्थ्य देखभाल एसआईजी, प्रौद्योगिकी एसआईजी, डेटा एनालिटिक्स एसआईजी, और महिला पूर्वछात्र एसआईजी की बैठकों के लिए किया गया था।

विशाल डेटा प्रयोगशाला-डेटा साझाकरण समझौता

विशाल डेटा प्रयोगशाला बड़े डेटा सेट तक की पहुँच के लिए अवसंरचना का एक महत्वपूर्ण घटक है । काम करने के लिए बड़े डेटा सेट के बिना उच्च अंत कंप्यूटिंग शक्ति और एनालिटिक्स सॉफ़्टवेयर का अधिक उपयोग नहीं किया जा सकता है। इस संबंध में संगठनों द्वारा उत्पन्न डेटा का उपयोग करने के लिए कुछ संगठनों के साथ चर्चा चल रही है। बिग डेटा लैब में रखे जाने वाले डेटा को तब संकाय और एफ़पीएम छात्रों द्वारा अपने शोध विषयों पर काम करने के लिए उपयोग में लिया जा सकता है। इस पहल की चुनौतियों में न केवल संकाय के लिए उपयोग के सही प्रकार के डेटा की पहचान करना शामिल है, बल्कि सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपयुक्त समझौतों पर काम करना भी शामिल है। संवेदनशील मुद्दे, जैसे कि डेटा के स्वामित्व, बौद्धिक संपदा अधिकार, और डेटा की गुमनामी के लिए व्यापक विचार और व्यापक समाधान की आवश्यकता है। अपने डेटा को साझा करने के लिए संगठनों के साथ संबंध बनाने के प्रयास जारी हैं; वर्तमान में हमने द्वार रिसर्च और बिग बास्केट के साथ जुड़ना जारी रखा है।

द्वार के साथ संस्थान क्षेत्रिय ग्रामीण वित्तीय सेवा (केजीएफ़एस) के प्रशासनिक डेटा के अनुसंधान के अनुकूल संस्करण की खरीद की प्रक्रिया में है। द्वार वित्तीय विकल्पों और कम आय वाले घरों के निर्णय लेने पर प्रासंगिक अनुसंधान को उत्प्रेरित कर रहा है और दुनिया भर के शोधकर्ताओं के लिए दो खुले स्रोत संसाधनों के माध्यम से इसे सुलभ बना देगा।

वर्तमान में, बिग बास्केट के साथ डेटा सुरक्षा, गोपनीयता तथा उपयोग के संदर्भ में विचारविमर्श जारी है। बिग बास्केट हमारे होस्टिंग पर्यावरण के बारे में आवश्यक तकनीकी जानकारी का विवरण साझा करेगा।

विकास कार्यालय

विकास कार्यालय पूर्वछात्रों से वित्त पोषण का समन्वय करता है।

वर्ष 2018-19 के दौरान, संस्थान को विभिन्न विकासात्मक पहल का समर्थन करने के लिए 38.4 करोड़ रुपए का योगदान/दान मिला। इसमें पिछली प्रतिबद्धताओं के हिस्से के रूप में प्राप्त 18.5 करोड़ रुपए शामिल हैं।

पीजीपी 1999 के पूर्वछात्र पीयूष मिश्रा (यूएस डॉलर 1 मिलियन) की तरफ से एक बड़ा योगदान / वायदा संस्थान में स्थित मिश्रा वित्तीय विपणन तथा अर्थव्यवस्था केंद्र के समर्थन के लिए मिला।

व्यक्तिगत पूर्वछात्रों, पूर्वछात्रों के बैचों; और कॉर्पोरेट/संगठनों द्वारा श्रेणी-वार प्रमुख योगदान को **परिशिष्ट ड6** में दिया गया है।

5 लाख रुपए और उससे अधिक के व्यक्तिगत योगदान **परिशिष्ट ड7** में दिए गए हैं।

10. अभिलेखागार

अभिलेखीय परियोजना ने संस्थान के इतिहास से जुड़ी ऐतिहासिक सामग्री का बड़ी मात्रा में पता लगाने में अच्छी प्रगति की है। बाहरी स्रोतों में बोस्टन में हार्वर्ड बिजनेस स्कूल अभिलेखागार और न्यूयॉर्क शहर के बाहर फोर्ड फाउंडेशन अभिलेखागार शामिल थे। विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यालयों में बड़ी संख्या में दस्तावेजों को डिजिटल किया गया। पूर्व संकायों और छात्रों के साथ दस वीडियो साक्षात्कारों के साथ मौखिक इतिहास परियोजना शुरू की गई थी। परियोजना के कर्मचारियों के लिए एक कार्यालय स्थापित किया गया। इस आधार कार्य के साथ, अभिलेखीय परियोजना एक समर्पित वेबसाइट और प्रदर्शन को दर्शाने वाले स्थान के निर्माण के दूसरे चरण में आगे बढ़ाए गए हैं, जो संस्थान का इतिहास दर्शाते हैं।

11. संचार विभाग

मीडिया विस्तारण

मीडिया संबंधों की गतिविधियों के हिस्से के रूप में, संचार विभाग ने क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण चैनलों को संस्थागत घटनाओं और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।

- संस्थान द्वारा उनसठ प्रेस विज्ञप्तियाँ दी गईं और तेईस प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। संस्थान को 149 विभिन्न विशिष्ट मीडिया चैनलों में दिखाया गया।
- संस्थान दैनिक भास्कर, बिज़नेसलाइन, फ़ाइनेंसियल एक्स्प्रेस, इंडियन एक्स्प्रेस तथा डीएनए के साथ संकायों के लेख के लिए संलग्न रहा। वर्ष 2018-19 के दौरान चार संकायों के लेख प्रकाशित किए गए हैं।

डिजिटल विपणन / सोशल मीडिया

वर्ष 2018-19 में, आईआईएमए के आधिकारिक फेसबुक पेज पर 3,70,250 फॉलोअर्स थे, ट्विटर पेज पर 1,74,813 फॉलोअर्स थे, लिंक्डइन अकाउंट में 1,19,591 फॉलोअर्स थे और संस्थान के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट में 17,709 फॉलोअर्स थे। संस्थान के यूट्यूब चैनल के 11,542 ग्राहक सदस्य थे और 4,85,257 लोगों ने दर्शक के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई।

संकाय विचारों, पूर्व छात्रों की बातचीत, अतिथि बातचीत, अनुसंधान सेमिनार आदि के 200 से अधिक वीडियो रिकॉर्ड किए गए और संपादित किए गए।

संकाय पॉडकास्ट

वर्ष 2018-19 में, 11 संकाय सदस्यों ने एप्पल पॉडकास्ट पूर्वावलोकन और साउंडक्लाउड पर आधिकारिक पॉडकास्ट चैनल पर व्याख्यान दिए। साउंडक्लाउड पर इस पॉडकास्ट चैनल के कुल श्रोताओं की संख्या 30,433 हो गई है। इस चैनल को एप्पल पॉडकास्ट पूर्वावलोकन में 5 में से 4.3 रेटिंग दी गई है।

डिज़ाइन

संचार विभाग ने वर्ष भर विभिन्न प्रिंट ईब्रोशर, होर्डिंग्स, स्टैंडी और सोशल मीडिया टेम्प्लेट डिजाइन करने में योगदान दिया।

संस्थान की फोटोग्राफी

सभी घटनाओं को संस्थान के फोटोग्राफर ने संचार विभाग के परामर्श से क्लिक किया था।

परिसर का दौरा

वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान में विदेशी नागरिकों, सरकारी अधिकारियों, कॉर्पोरेट और शिक्षा क्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारियों, सशस्त्र बलों, व्यवसायियों और वास्तुकला छात्रों सहित 18,098 आगंतुक थे।

12. सहायता अनुदान

वर्ष 2018-19 के दौरान, इस संस्थान ने गैरयोजना (नियमित) एवं योजना (नियमित) के अंतर्गत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से कोई भी सहायता अनुदान प्राप्त नहीं किया।

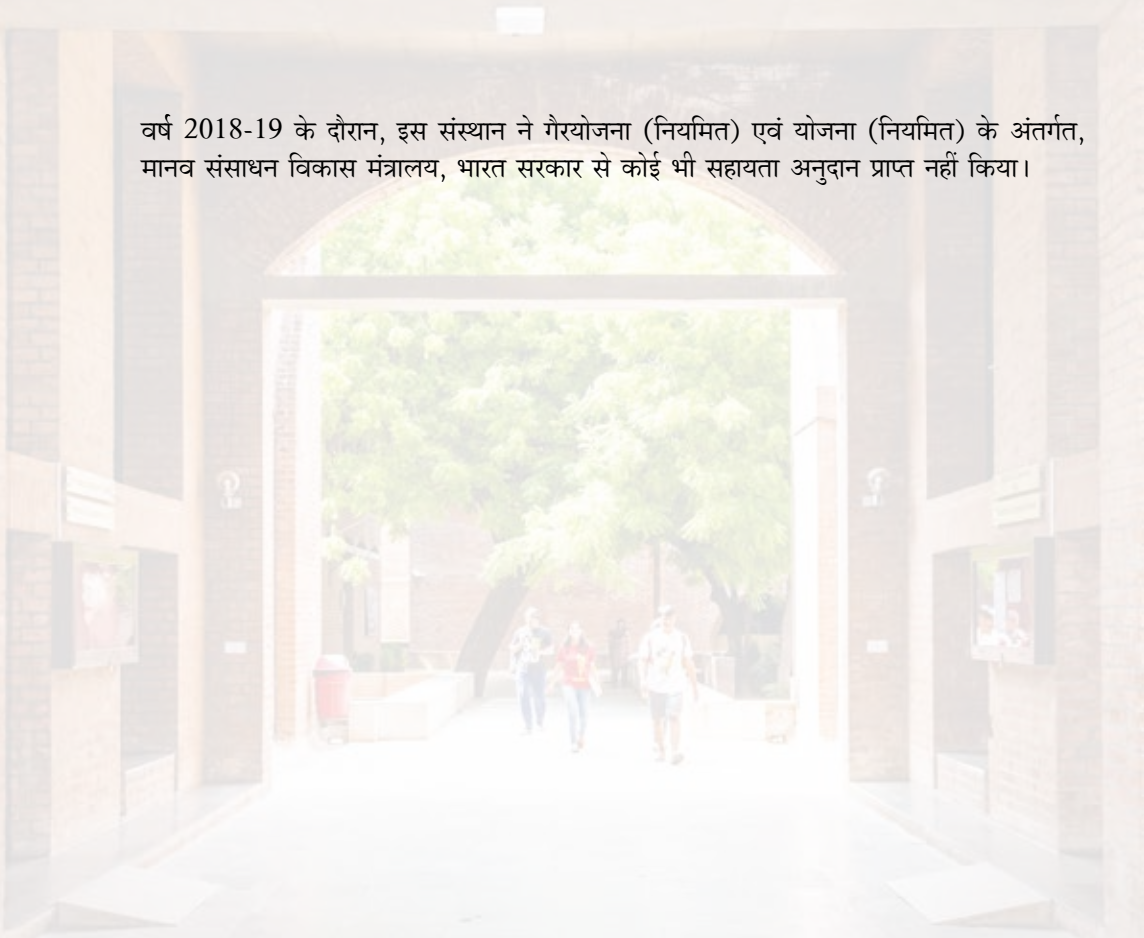

13. बुनियादी ढाँचे का विकास

विक्रम साराभाई पुस्तकालय के संरक्षण, नवीकरण और उन्नयन का काम नवंबर 2018 में संपन्न हुआ। नवीकरण की प्रक्रिया में, संरचनात्मक मरम्मत को अंजाम दिया गया, अंदरूनी अवसंरचना को उन्नत किया गया, और फर्नीचर बदला गया है।

बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी हो गई थी और पीएसपी प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को मार्च 2019 में निम्नलिखित इमारतों के नवनिर्माण के लिए आशय का पत्र जारी किया गया था -

भवन का नाम	क्षेत्रफल (वर्गफ़ुट)	आरंभ करने की तारीख	अपेक्षित कार्य समापन तारीख
नया शैक्षणिक ब्लॉक	2,36,924	1 अप्रैल, 2019	31 मार्च, 2021
जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल	56,420	1 अप्रैल, 2019	30 जून, 2020
छात्रावास (384 कमरे)	3,47,359	1 अप्रैल, 2019	31 मार्च, 2021
खेल संकुल	57,858	1 अप्रैल, 2019	31 मार्च, 2020
संकाय आवास (56 इकाई)	2,21,494	शुरू होना शेष है	दो वर्ष
कर्मचारी आवास-1 (60 इकाई)	39,556	शुरू होना शेष है	दो वर्ष
कर्मचारी आवास-2 (40 इकाई)	65,262	शुरू होना शेष है	दो वर्ष

एक बार निर्माण समाप्त होने के बाद, उपरोक्त परियोजनाओं से मौजूदा बुनियादी ढाँचे के 17 लाख वर्ग फुट में लगभग 10.79 लाख वर्ग फुट अवसंरचना जुड़ जायेगी।

मंच टॉवर के साथ-साथ नए शैक्षणिक ब्लॉक में आठ थिएटर प्रकार की कक्षाएँ, चार समतल-स्तह वाली कक्षाएँ, एक 250 सीट वाला सभागार, 28 सिंडिकेट कमरे, कार्यक्रम कार्यालय, 42 संकाय कार्यालय, पठन-कक्ष, और एक बड़ा सम्मेलन कक्ष होंगे।

नए खेल संकुल में स्विमिंग पूल, स्क्वैश कोर्ट, बहुउद्देशीय सभाखंड, योग कक्ष, जॉगिंग ट्रैक, क्रिकेट अभ्यास पिच, फुटबॉल मैदान, टेनिस कोर्ट, जूस बार, सौना सूट इत्यादि होंगे।

जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल मुख्य रूप से सार्वजनिक नीति कार्यक्रमों के लिए समर्पित होगा और इसमें दो फॉरम, एक 120 सीटों वाला वर्गखंड, साठ सीटों वाले दो वर्गखंड, एक समतल-स्तह वाला वर्गखंड, आठ संगोष्ठी कक्ष, 18 संकाय कार्यालय, छोटा पुस्तकालय, कार्यक्रम कार्यालय आदि होंगे।

14. राजभाषा कार्यान्वयन

संस्थान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार अपने दैनिक आधिकारिक कार्य में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष के दौरान, राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों, उनके तहत बनाए गए नियमों, और राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों / निर्देशों को लागू करने के लिए ठोस प्रयास किए गए।

संस्थान ने 14 से 28 सितंबर, 2018 के दौरान राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी पखवाड़ा मनाया। इसका शुभारंभ 14 सितंबर, 2018 के हिन्दी दिवस के जश्न के साथ किया गया था। इसके दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं (निबंध, काव्य प्रस्तुति, शब्दज्ञान, हिंदी सामान्य ज्ञान, हिंदी अंताक्षरी और सुलेखन) का आयोजन किया गया था। इन प्रतियोगिताओं में 350 से अधिक हिंदी भाषी और गैर-हिंदीभाषी कर्मचारी सदस्यों और संस्थान के छात्रों ने भाग लिया। समापन के दिन, सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र वितरित किए गए। विक्रम साराभाई पुस्तकालय में 25 सितंबर, 2018 को हिंदी पुस्तकों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। मानव संसाधन विकास मंत्री और माननीय गृह मंत्री के संदेश सभी सूचना बोर्डों पर प्रदर्शित किए गए थे।

संस्थान में राजभाषा के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा एवं निगरानी के क्रम में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकों का आयोजन निदेशक महोदय की अध्यक्षता में किया गया। वर्ष के दौरान चार हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिनमें 82 कर्मचारी सदस्यों ने भाग लिया था।

हिंदी पत्रिका प्रतिबिंब का आठवाँ संस्करण फरवरी 2019 में प्रकाशित किया गया और इसकी प्रति सभी आईआईएमों, आईआईटीयों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, संबंधित मंत्रालयों, शासी निकाय सदस्यों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के सभी 130 सदस्यों को भेजी गई।

15. कार्मिक

वर्ष 2018-19 के दौरान, आठ नए संकाय सदस्यों ने संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। दो संकाय सदस्य सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने के बाद सेवानिवृत्त हुए, दो संकाय सदस्यों ने त्यागपत्र दिया, एक संकाय सदस्य ने तकनीकी त्यागपत्र दिया और एक संकाय सदस्य का कार्यकाल समाप्त हुआ। तैंतीस नए कर्मचारियों ने संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। तेरह कर्मचारी सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने के बाद सेवानिवृत्त हुए, छह कर्मचारी सदस्यों ने त्यागपत्र दिया और एक कर्मचारी की कार्यावधि समाप्त हो गई, एक कर्मचारी ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का लाभ उठाया, एक कर्मचारी का निधन हो गया।

नौ संकाय सदस्यों को अनुपस्थिति की छुट्टी के लिए मंजूरी दी गई थी और तीन संकाय सदस्य अपनी अनुपस्थिति छुट्टी समाप्त होने पर फिर से संस्थान से जुड़ गए।

कर्मचारियो की संख्या के विवरण **परिशिष्ट ढ9** में उपलब्ध हैं।

उच्चतम पारिश्रमिक प्राप्तकर्ता संकाय

निम्नलिखित पाँच संकाय सदस्यों ने वर्ष 2018-19 के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक अर्जित किया है

- प्रोफ़ेसर संजय वर्मा
- प्रोफ़ेसर सुनील माहेश्वरी
- प्रोफ़ेसर शैलेष गाँधी
- प्रोफ़ेसर नेहारिका वोहरा
- प्रोफ़ेसर अमीत कर्णा

संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में इनके योगदान **परिशिष्ट ढ10** में दिए गए हैं।

अधिकारी एवं कर्मचारी विकास गतिविधियाँ

वर्ष के दौरान, अहमदाबाद प्रबंध एसोसिएशन तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए अधिकारियों और कर्मचारी सदस्यों सहित 83 कर्मचारियों को प्रायोजित किया गया।

संस्थान ने कर्मचारियों को प्रायोजित करना जारी रखा जो विभिन्न पाठ्यक्रमों में आगे बढ़ना चाहते थे।

कर्मचारियों को पुरस्कार / सम्मान

वर्ष के दौरान, संकायों तथा कर्मचारियों ने निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किए :

बीस वर्ष की सेवा पूरी करने पर प्रशंसा पुरस्कार :

- प्रोफ़ेसर सतीश वाई. देवधर
- प्रोफ़ेसर टी.टी. राम मोहन
- सुश्री मिनी नायर
- श्री प्रवीणकुमार डी. वालोदरा
- सुश्री रेशमी थॉमस
- श्री गजेन्द्र एन. लखानी
- श्री गिरीश पी. कोसंबिया

सेवानिवृत्ति पर दीर्घकालिक सेवा पुरस्कार :

- श्री एस. पन्नीरसेल्वन
- श्री सी.बी. बोरिकर
- श्री रमेशचंद्र एल. सोलंकी
- श्री एम.एस. सुदर्शनन
- श्री बालूभाई बी. खराड़ी
- श्री नाथू एल. भाटी
- श्री दोलतभाई सी. पटेल
- सुश्री लक्ष्मी डी. परेजिया
- श्री सुखदेव डी. कालमा
- श्री कमलेश जी. गाँधी
- सुश्री हर्षा सी. खत्री
- श्री सुनील के. शाह

इन कर्मचारियों के विवरण **परिशिष्ट ढ** में दिए गए हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत, वर्ष के दौरान 309 आरटीआई आवेदन और 34 प्रथम अपील प्राप्त हुई और इनके जवाब दिए गए। महीने के अनुसार इनका विश्लेषण निम्न प्रकार से है :

महीना	आरटीआई आवेदन	प्रथम अपील
अप्रैल 2018	39	7
मई 2018	35	5
जून 2018	29	2
जुलाई 2018	26	1
अगस्त 2018	21	1
सितंबर 2018	28	2
अक्टूबर 2018	27	0
नवंबर 2018	13	3
दिसंबर 2018	17	4
जनवरी 2019	39	2
फरवरी 2019	20	3
मार्च 2019	15	4
कुल	309	34

पूर्व कर्मचारी मिलन समारोह

संस्थान ने 12 दिसंबर, 2018 को पूर्व कर्मचारियों का मिलन समारोह का आयोजन किया। इस आयोजन के दौरान, कर्मचारियों ने संस्थान के निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद किया।

सेवानिवृत्ति के बाद का जीवन

संस्थान ने 20 अगस्त, 2018 को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 2018-19 में सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों या 2019-20 में सेवानिवृत्त होने जा रहे कर्मचारियों को शामिल किया गया था। इस सत्र के लिए, कर्मचारियों के जीवनसाथी को भी आमंत्रित किया गया था। प्रशिक्षण सत्र में निम्नलिखित विषय शामिल थे :

- सेवानिवृत्त हुए हैं - थके नहीं है! जीवन के प्रति दृष्टिकोण।
- सुरक्षित भविष्य : वित्तीय योजना (मेरे धन का स्वास्थ्य)।
- स्वास्थ्य प्रबंधन : स्वास्थ्य ही पूँजी है।
- आध्यात्मिकता : मानसिक शांति।

लैंगिक संवेदीकरण प्रशिक्षण सत्र

लैंगिक समस्या प्रबंधन समिति (सीएमजीआई) ने सभी कर्मचारियों के लिए एक लैंगिक संवेदीकरण प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया।

आईआईएमए माहौल सर्वेक्षण

संस्थान ने विलिस टावर्स वाटसन की मदद से, संकाय और वरिष्ठ कर्मचारी सदस्यों के बीच एक माहौल सर्वेक्षण किया। प्रमुख संगठनात्मक चुनौतियों पर धारणाओं को जानने के लिए, कर्मचारियों के खुशियों का अंदाज़ लगाने और संस्थान के लिए सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए सर्वेक्षण आयोजित किया गया था।

स्मृति मिलन

संस्थान ने पूर्व संकायों के साथ संस्थान के निम्नलिखित पूर्व संकाय सदस्यों के निधन पर स्मृति मिलन आयोजित किया गया:

- प्रोफ़ेसर द्विजेंद्र त्रिपाठी
- प्रोफ़ेसर विजय शंकर व्यास
- प्रोफ़ेसर नारायण शेठ

16. खेल एवं मनोरंजन गतिविधियाँ समिति (सारा)

परिसर में खेल गतिविधियों की देखभाल सारा समिति द्वारा की जा रही है। एक नाममात्र के सदस्यता शुल्क का भुगतान करके कोई भी कर्मचारी सारा का सदस्य बन सकता है।

संस्थान के परिसर में निम्नलिखित खेल सुविधाएँ हैं:

आउटडोर	दो टेनिस कोर्ट
	एक बास्केटबॉल कोर्ट
	वॉलीबॉल कोर्ट
	फुटबॉल का मैदान
इनडोर (खेल संकुल)	दो बैडमिंटन कोर्ट्स
	दो टेबल टेनिस कोर्ट
	एक स्क्वाश रूम
	एक स्नूकर रूम

समुदाय के लिए दो बैचों में योग कक्षाएँ फिटनेस सेंटर के पास योग कक्ष में आयोजित की जाती हैं।

सारा टेनिस कोचिंग भी प्रदान करती है।

वार्षिक खेल दिवस

सारा समिति ने सभी समुदाय सदस्यों के लिए 17 फरवरी, 2019 को वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया। इसमें सैक रेस, धीमीगति साइकल रेस, नींबू और चम्मच दौड़, तीन पैर वाली दौड़, संगीत कुर्सी, पिगी बैंकिंग जैसे खेलों का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

सारा समिति ने 21 जून, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

17. छात्र गतिविधियाँ

एबेकस - विश्लेषण क्लब

इस वर्ष में गणित / पहेली में समुदाय के भीतर और बाहर दोनों तरफ रुचि बढ़ाने के लिए नई पहलें देखी गई। सात महीने के विस्तार में लगभग 20 कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 135 प्रतिशत की बढ़त से एबेकस कार्यक्रमों में कुल प्रतिभागिता रही (वर्ष 2017 में 2000+ की प्रतिभागिता के सामने वर्ष 2018-19 में 4700+)। क्लब की राष्ट्रीय उपस्थिति को आगे बढ़ाते हुए इस बार एनालिसिस टू पेरालिसिस जैसे नए कार्यक्रमों की क्लब ने शुरूआत की। एबेकस द्वारा नॉटिलस, राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन ट्रेज़र हंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें देश भर से 1000 लोगों ने भाग लिया था।

इस साल एबेकस ने एनालिटिक्स प्रशिक्षण वर्कशॉप भी आयोजित की, जिसमें 1.3 लाख रुपए से अधिक का राजस्व उत्पन्न करने की सुविधा दी गई। (27 प्रतिभागी, प्रत्येक का पंजीकरण 5 हज़ार रुपए)। एनालिटिक्स मोर्चे पर, एबेकस ने एनालिटिक्स एरिना लॉन्च किया, जो एक व्याख्यान सत्र और ब्लॉग है जिसमें एनालिटिक्स मामलों को हल करने के लिए व्यवस्थित प्रक्रिया शामिल है।

अकादमिक परिषद

यह परिषद छात्रों और संकाय के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करती है, यह छात्रों के मामलों को प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करती है और शैक्षिक नीति-निर्माण की प्रक्रिया में भाग लेती है।

शैक्षणिक परिषद द्वारा कार्यान्वित की गई प्रमुख पहलों में से एक पहल नीलामी की बोली प्रक्रिया के पोर्टल का उन्नयन थी और इसकी लोड हैंडलिंग क्षमता 400 छात्रों तक बढ़ाना थी। कार्यक्रम में रह गई त्रुटियों से निपटने हेतु क्लेश शीट में परिवर्तन किए गए थे। काउंसिल ने शुरूसे लेकर अंत तक बोली लगाने की प्रक्रिया का आयोजन किया, जिसमें 3 सत्रों में 393 पीजीपी-2 छात्रों में 202 ऐच्छिकों का आवंटन किया गया।

पूर्वछात्र एवं बाहरी संबंध समिति (एईआरसी)

एसएसी में शामिल होने के बाद दूसरे वर्ष में पूर्वछात्र एवं बाहरी संबंध समिति ने बड़ी छलांग लगाई और आगे बढ़ी है। पहले वर्ष में विकसित और अच्छी तरह से परिभाषित प्रक्रियाओं में विभिन्न पहलें शुरू की गई, जबकि एईआरसी के दायरे को बड़ा और व्यापक बनाने के लिए नई गतिविधियाँ शुरू की गईं थीं।

आईआईएमए प्रेरण व्याख्यान श्रृंखला ने तब एक ऐतिहासिक मोड़ लिया जब डॉ. शशि थरूर के साथ छात्रों और प्रोफेसरों ने व्याख्यान में साथ में चर्चा की। मास्टरक्लास में भी सुधीर सीतापति (एचयूएल), एजहिल लोगनाथन (पी एंड जी), और अखिलेश तिलोटिया (विशेष कर्त्तव्य अधिकारी) को एक बड़े खेमे के व्याख्याताओं के रूप में देखा गया। एईआरसी यूट्यूब चैनल को इन घटनाओं की आउटरीच को बढ़ाने के लिए शुरू किया गया था - जिसमें थरूरएटआईआईएमए के साथ शुरूआत की गई थी। व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे वर्ष में कुल श्रोतागण दोगुना से अधिक हो गए थे। एईआरसी ने भी प्रयास के दोहराव को कम करने और गतिविधियों की गुणवत्ता में सुधार के लिए अन्य क्लबों के साथ तालमेल किया।

बीटा - वित्त एवं निवेश क्लब

बीटा वित्त और करियर में व्यापक रूप से आंतरिक और बाहरी पहलों के माध्यम से वित्तीय सेवा उद्योग के भीतर नेटवर्किंग के बारे में छात्र समुदाय के भीतर जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित है। बीटा अन्य प्रमुख बीस्कूलों में छात्रों को समान विचारधारा वाले व्यवसायियों के नेटवर्क बनाने के इरादे से संलग्न करता है। इस वर्ष भी अल्फा श्रृंखला - निवेश प्रबंधन पर एक श्रृंखला का उद्घाटन किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को निवेश की विभिन्न शैलियों में निवेश प्रक्रिया को समझने में मदद करना है।

कैओस - आईआईएमए में सांस्कृतिक महोत्सव

कैओस आईआईएमए में जीवन के उत्सव की भावना का प्रकटीकरण है। कैओस, भारत भर के 500 से अधिक महाविद्यालयों की प्रतिभागिता के साथ सह-अस्तित्व के माध्यम से सह-निर्माण के विमवियन के आदर्शों का अनुकरण करने की कोशिश करता है।

इस अत्यंत असाधारण कार्यक्रम को बनाने के हमारे प्रयास में, हम व्यापार में सर्वश्रेष्ठ और उससे आगे तक जुड़े हुए हैं। इस कार्यक्रम में अरमान मलिक, जोनिता गाँधी, द लोकल ट्रेन और डीजे चेतस की उपस्थिति देखी गई। पीजीपी-1 एवं पीजीपी-2 के छात्रों ने मिलकर इस महोत्सव को हमेशा की तरह शानदार बनाए रखा और उपस्थित लोगों को जीवन भर संजोने वाली यादगार पेशकश की। 1 करोड़ रुपए से अधिक के बजट के साथ, कैओस 2019 में चार दिवसीय महोत्सव के दौरान 40 से अधिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएँ, 13 कार्यशालाएँ और 4 प्रोनाइट्स (संगीत समारोह) शामिल थे।

कंप्यूटर केंद्र समिति

कंप्यूटर केंद्र समिति परिसर में आने से पूर्व नए जुड़ने वाले बैच के साथ संवाद करती है। इस समिति ने उन्हें दस्तावेजों की आवश्यकताओं के बारे में प्रभावी ढंग से संवाद करने, आगमन पर सुविधाओं पर आवश्यक जानकारी साझा करने, और कई अन्य प्रोटोकॉल के लिए एक मंच प्रदान किया है।

समिति ने एप्पल, लेनोवो, एचपी, माइक्रोसॉफ़्ट और सैमसंग उपकरणों के लिए आईआईएमए में 95 लाख रुपए के थोक सौदे आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसका आयोजन अखिल भारतीय स्तर पर किया गया था और इससे छात्रों, संकायों एवं कर्मचारियों सहित 520 से अधिक समुदाय सदस्य लाभान्वित हुए थे। सीसीसी ने सहज शिकायत पंजीकरण और समाधान के लिए आईआईएमए समुदाय को प्रभावित करते हुए एसएसी शिकायत निवारण पोर्टल को लागू किया और दायरा बढ़ाने तथा पैमाने में सुधार के लिए मौजूदा ऐप - स्टूडेंट बैच डेटा पोर्टल और सीसीसी वेबसाइट को फिर से बनाया।

परामर्श क्लब

परामर्श क्लब ने पीजीपी-1 छात्रों (कक्षा 2020) से आवेदन की रिकॉर्ड संख्या के साथ अकादमिक वर्ष शुरूकिया। इस क्लब ने वर्ष की शुरुआत एक सलाहकार के जीवन की व्याख्या करने वाले आइसब्रेकर सत्र के साथ की। क्लब की गतिविधियों के शुरुआती महीनों को पीजीपी-1 के अपने सपनों की इंटर्नशिप के करीब आने में मदद करने के आधार पर बनाया गया था और कंसल्टिंग भूमिकाओं को तैयार करने के लिए एक सी.वी. कैसे तैयार किया जाए उस पर हमारा एक सत्र था जिसमें वर्गखंड खचाखच भरा हुआ रहा था।

इस चरण के दौरान, क्लब ने स्ट्रेटगोस के साथ शुरुआत की, जो इंट्राआईआईएम परिसर पर आयोजित प्रतियोगिता है। इसमें पीजीपी-1 छात्रों को दर्शकों के सामने अपनी कल्पनाओं को प्रस्तुत करने की क्षमता के साथ-साथ अपनी समस्या के समाधान के कौशलों की जाँच करने के लिए दी गई स्थितियों के माध्यम से गुजरना था।

सांस्कृतिक और सामाजिक मामलों की समिति (कल्टकॉम)

सांस्कृतिक और सामाजिक मामलों की समिति जिसे कल्टकॉम भी कहा जाता है, परिसर में सभी मजेदार कार्यक्रमों और उत्सवों को आयोजित करने और परिसर को जीवित रखने के लिए ज़िम्मेदार है। स्वागत सप्ताह हो, प्रतिभा-नाइट, गरबा, होली, दिवाली, क्रिसमस, पोंगल, लोहड़ी, या गणेश चतुर्थी हो, हर उत्सव को कल्टकॉम ने सफलतापूर्वक संस्थान की संस्कृति में बनाए रखा है। इस वर्ष कल्चरल समिति ने परिसर पर आयोजित कार्यक्रमों के एक हिस्से के रूप में चार नए कार्यक्रम शुरूकिए और थीम-आधारित मिलन सभा/पार्टीयों का आयोजन किया (नवांगतुक पार्टी, जन्माष्टमी, मेहंदी नाइट, सर्वाइवर दिवस)।

इलोकन्स (वाग्मिता)

सार्वजनिक वक्ता क्लब इलोकन्स का लक्ष्य एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहाँ समुदाय के सभी सदस्य सार्वजनिक वक्तृत्व कला सीखने और अभ्यास करने के लिए एक साथ आ सकते हैं। इलोकन्स द्विसाप्ताहिक सत्र आयोजित करता है जिसमें तैयार भाषण, बहस, आशुभाषण और शब्द खेल जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं।

इलोकन्स विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन करता है जो छात्रों को आईआएमए में उनके स्थानन के लिए तैयार करने में मदद करता है। इलोकन्स अभ्यास के साथ छात्रों को पहचानने और उन कठिनाइयों को दूर करने में मदद करने के लिए समूह चर्चा का आयोजन करता है। इस वर्ष, क्लब ने प्रतिभागियों के लाभ बढ़ाने के लिए मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू किया। क्लब ने थीम-आधारित सार्वजनिक वक्ता सत्रों की शुरुआत की, जिससे 10 सत्रों के संचयी सत्र में 137 प्रतिशत की वृद्धि हुई, 10 सत्रों के औसत सत्र में 66 प्रतिशत तक वृद्धि हुई।

उद्यमिता कक्ष

फिर से एंत्रे सेल के लिए यह वर्ष व्यस्ततापूर्ण रहा, जो आईआईएमए समुदाय के भीतर उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत में लगा था। वर्ष की शुरुआत *यंग सीईओ* जो एक साधारण, चरण-दर-चरण सिम्युलेटेड गेम है उसके साथ की। यह गेम स्टार्ट-अप 101 (कार्यशालाओं की एक श्रृंखला) के समानांतर चल रहा था, जिसने लगभग 50 टीमों को एक मूल विचार से विकसित होने वाले उद्यमी दिमाग को विकसित करने में मदद की जो व्यापार मॉडलिंग, बी-योजना सिमुलेशन और पिचिंग तक पहुँचाता है।

इस साल 'हाउ टु स्टार्ट अ स्टार्ट-अप' श्रृंखला का दूसरा सीजन शुरू हुआ, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध उद्यमियों से संवाद किया गया। मैनेजमेंट क्लिनिक औपचारिक रूप से इस वर्ष शुरू किया गया था, जिसमें छात्रों ने स्टार्ट-अपों तथा एसएमई के साथ काम किया ताकि उन्हें आने वाली चुनौतियों का समाधान करने की विधि और संरचना का बोध हो सके।

समान अवसर छात्र समिति (ईओएससी)

समान अवसर छात्र समिति (ईओएससी) छात्रों की एक समिति है जो छात्रों को उनके शैक्षणिक और गैरशैक्षणिक (सहपाठ्यक्रम) गतिविधियों के संबंध में परिसर में समान अवसर में आने वाली चुनौती के संदर्भ में समस्याओं को सुलझाती है। यह समिति अभी नई-नई गठित हुई है जो छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए संबंधित विषयों के लिए अकादमिक वर्ष 2017-18 तथा 2018-19 में और कुछ बुनियादी ढाँचे के विकास के साथसाथ परिसर के आवश्यक क्षेत्रों में रैंप बिछाकर परिसर में आसानी से प्रवेश करने के लिए विशेष योग्यता - विकलांग - वाले छात्रों कीसहायता और सुविधा के लिए प्रयास कर रही है। यह कार्य आने वाले वर्ष में कैम्पस में प्रशासन और अवसंरचना विभाग, पुस्तकालय लेखापरीक्षा समिति, एसएओ कार्यालय तथा परिसर के अन्य विभागों के सहयोग से शुरू होगा।

इसके अलावा अन्य ईओएससी सदस्यों के साथ आउटरीच सेल के सदस्यों ने जनवरी 2018 में 'डिनर इन द डार्क' नामक एक कार्यक्रम शुरू किया था, जिसे समुदाय को विभिन्न मुद्दों के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें संवेदना जताई गई कि किसी छात्र को बहुत कम दिखता हो या दिखता ही ना हो तब किस तरह पेश आया जाए।

इक्विपोइज़ : अर्थशास्त्र क्लब

इक्विपोइज़ द्वारा आयोजित प्रमुख कार्यक्रम आरबीआई के पूर्व गवर्नर श्री वाई.वी. रेड्डी के साथ किया गया व्याख्यान सत्र था। वर्ष भर में आयोजित अन्य ट्रेडमार्क कार्यक्रम आर्थिक अड्डा था। रूपया का गिरना, आईएल एवं एफ़एस संकट तथा एनबीएफसी का भविष्य, भारतीय रिजर्व बैंक की स्वायत्तता पर तीन 'आर्थिक अड्डा' (चर्चा मंच) कार्यक्रम आयोजित किये गए थे।

कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग सिमुलेशन फॉर्मेट के आधार पर, ट्रेकक्राफ्ट के लिए एक पूरी तरह से नया गेम-फॉर्मेट 'ट्रेडक्राफ्ट', ईक्विपोइज़ के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में टीआरबीएस 2018 में डिजाइन किया गया था। क्लब इको-एल्मनेक के पहले संस्करण को भी ले आया, जो एक न्यूज़-हब है जिसमें अंतिम स्थानन के लिए एकादमिक वर्ष 2018 में भर्ती करने वाली फर्मों के नवीनतम लेख हैं। इक्विपोइज़ ने प्रीमियर लीग नीलामी के आयोजन के लिए खेल समिति के साथ समन्वय स्थापित किया जिसमें बैडमिंटन, फ्रिसबी, फुटबॉल और क्रिकेट के खेल में 250 से अधिक खिलाड़ियों की नीलामी हुई और फ्रिसबी और क्रिकेट के लिए भी नीलामी आयोजित की गई।

विनिमय परिषद

विनिमय परिषद, फिर से छात्र विनिमय कार्यक्रमों के मजबूत कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण साबित हुई है।

विदेश जा रहे विनिमय छात्र

अपने छात्रों में अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य विकसित करने के निरंतर प्रयास में, परिषद ने 80 कॉलेजों और 6 महाद्वीपों में फैले 210 से अधिक सीटें प्राप्त करने वाले आईआईएमए के इतिहास में अब तक के सबसे बड़े छात्र विनिमय कार्यक्रम पर बातचीत करने के उद्देश्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। परिषद ने यूरेल, एयर बीएनबी, विदेशी मुद्रा, यात्रा बीमा, नियो तथा आईएसआईसी के थोक सौदों का आयोजन विदेश जा रहे 140 से अधिक विनिमय छात्रों के लिए किया।

विदेश से आ रहे विनिमय छात्र

विनिमय परिषद ने अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से आ रहे 90 से अधिक विनिमय छात्रों के लिए एक सुविधा के रूप में काम किया, जिससे इन विनिमय छात्रों को भारतीय संस्कृति के लिए प्रेरित कर सके। परिषद द्वारा की गई कुछ प्रमुख पहलों में सोशल मीडिया की दृश्यता बढ़ाने के लिए डिजिटल मीडिया के रणनीतिक उपयोग - 'एक्सचेंज डायरीज़' की अवधारणा विकसित करना, इंस्टाग्राम हैंडल को एक्सचेंज छात्रों की यादों को साझा करने के लिए जोड़ना, आईआईएमए में विदेशी छात्रों के संस्थान दौरे व्यापक बनाते हुए दर्शाकर प्रचारक यूट्यूब वीडियो 'मोरी' का निर्माण करना शामिल है।

एफ़एबीएम समिति

एफ़एबीएम समिति का गठन 2016 के शैक्षणिक वर्ष में किया गया था और अब इसे 2018 सत्र से कैरियर क्लब के रूप में एसएसी द्वारा मान्यता दी गई है। समिति का मिशन और विजन छात्र समुदाय के साथ-साथ कॉर्पोरेट जगत में कार्यक्रम की दृश्यता को बढ़ाना है। हम आईआईएम अहमदाबाद में विश्व में प्रथम क्रम के खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन कार्यक्रम को बढ़ावा देने में गर्व करते हैं। क्लब ने समर्पित होकर प्रयास करने में जी-जान लगा दी है और पीजीपी एफ़एबीएम के आधिकारिक फेसबुक पेज पर 10 हज़ार से अधिक लाइक्स प्राप्त किए हैं। क्लब ने उन प्रमुख पूर्वछात्रों को आमंत्रित किया जो खाद्य, कृषि, एवं ग्रामीण उद्यमों के अपने डोमेन के विशिष्ट व्यापार जगत के अग्रणी रहे हैं।

संकाय छात्र संवाद (एफ़एसआई) सेल

यह वर्ष एफ़एसआई के लिए एक महत्त्वपूर्ण अकादमिक वर्ष था, जिसमें प्रोफ़ेसर स्वानंद देवधर के साथ 'दो पीएच.डी. की कहानी' पर अप्रकाशनीय सत्रों से शुरुआत की गई, ताकि उनसे कुछ अमूल्य जानकारी हासिल की जा सके। प्रोफ़ेसर चिन्मय तुम्बे, प्रोफ़ेसर आदित्य मोज़ेस और प्रोफ़ेसर रविचंद्रन (विदाई सत्र) के साथ कई अन्य अप्रकाशनीय सत्र आयोजित किए गए थे। क्लब के विरासत

कार्यक्रम 'संकाय छात्र मार्गदर्शन' को इस साल भी जारी रखा गया था और साथ ही 30 से अधिक संकाय सदस्यों और 100 छात्रों ने इसमें भाग लिया। यह प्रोफेसरों और आने वाले बैचों के बीच अनौपचारिक संचार को सुविधाजनक बनाने के प्रयास को पूरा करने में एक बड़ा कदम है। एफ़एसआई ने आरजेएम सभागार में 9 सितंबर, रविवार को वार्षिक शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया, जिसमें कई क्लब जैसे कि, फ़ुटलूज़, म्यूजिक क्लब,आईआईएमऐक्ट्स आदि ने भाग लिया और संकाय सदस्यों और उनके परिवारों ने एक साथ शानदार प्रदर्शन किया।

फ़िनेस

ललित कला क्लब फ़िनेस छात्रों और समुदाय को कला की खुशी, कुछ नया बनाने की खुशी, और परिसर में रंगों की सुंदरता का अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित करता है। क्लब ने इस वर्ष कई कार्यक्रम आयोजित किए। क्लब को रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करने के उद्देश्य से, क्लब ने कॉफ़ी पेंटिंग, मास्क मेकिंग, पोस्टर मेकिंग और एक गणतंत्र दिवस पर ड्राइंग प्रतियोगिता जैसे आयोजनों के माध्यम से अधिक से अधिक आईआईएमए समुदाय के सदस्यों तक पहुँचने की कोशिश की। फ़िनेस ने प्रयास और स्माइल के साथ मिलकर यह सुनिश्चित किया कि बच्चों को कला के लिए कुछ खास बढ़ावा मिले।

खाद्य एवं कृषि व्यवसाय (एफ़एबी) सेल

खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय क्लब की यात्रा पिछले साल 34 सदस्यों (नए छात्र तथा पुराने छात्र) की गतिशील एवं अद्भुत टीम के साथ शुरू हुई थी जिसने क्लब के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में कदम उठाया। एक मूलभूत उद्देश्य के साथ व्याख्यान सत्र आयोजित करने के लिए उद्योग को एफ़एबीएम कार्यक्रम से अवगत कराने के लिए और उनके साथ मजबूत संबंध बनाने का प्रयास करने के लिए, इस साल एफ़एबी क्लब ने सभी 6 व्याख्यान सत्रों का आयोजन किया, जिसमें कॉन्टिनेंटल कॉफ़ी के सीईओ का सत्र तथा उसके बाद हर्षीस इंडिया के महाप्रबंधक-विपणन के सत्र शामिल हैं।

टीआरबीएस के दौरान, क्लब ने नेस्ले के पूर्व-उपप्रमुख, टाटा ग्लोबल बेवरेज तथा मॉटल के सीईओ की मेजबानी की। इससे आगे, गॉडफ्रे फिलिप्स के उपप्रमुख-अंतर्राष्ट्रीय व्यापार द्वारा एक व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया था। इस साल एफ़एबी ने हाल ही के यूनिकॉर्न स्टार्ट-अप -बिग बास्केट के व्यवसाय प्रमुख को भी लाने में कामयाबी हासिल की, जिसके बाद परिसर में उपप्रमुख-विपणन डॉ. ओटेकर का वार्तालाप रखा गया था।

फ़ुटलूज़

फ़ुटलूज़ - आईआईएमए का डांस क्लब वर्ष 2018-19 में एक व्यापक परिवर्तन से गुजर रहा है, अंदरूनी और बाहरी दोनों तरफ से। पिछले वर्ष (पूरे वर्ष में 40 कार्यक्रम) की तुलना में कार्यप्रदर्शनों की संख्या दोगुनी होने के साथ, क्लब ने न केवल मात्रा के मामले में बल्कि अपने प्रदर्शन की गुणवत्ता में भी अपने लिए एक मानदंड स्थापित किया है। क्लब का अपने प्रदर्शनों में से एक वायरल वीडियो भी देखा गया, जिसे सोशल मीडिया चैनलों, अखबारों, सांस्कृतिक चैनलों और कई अन्य में साझा और पोस्ट किया गया है।

केओस के दौरान फ्लैश मॉब का प्रदर्शन सबसे मजेदार हिस्सा था जिसमें क्लब ने अहमदाबाद के विभिन्न हिस्सों और कॉलेजों में लगभग चार प्रदर्शन दिए। क्लब ने कई नई पहलों को भी अपनाया, उनमें से एक थी आईआईएमए समुदाय के जो सदस्य अपनी रुचि को अपनाना चाहते हैं उनके लिए निःशुल्क निरंतर सीखने के मंच के तौर पर होली पर 'रंग जमा दे' 'प्रदर्शन और नियमित सप्ताहांत नृत्य कार्यशालाओं' को आयोजित किया गया।

उद्योग संवाद मंच (एफ़आईआई)

उद्योग संवाद मंच (एफ़आईआई) आईआईएम अहमदाबाद का एक आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित छात्र परामर्श निकाय है जो छात्रों को बी-स्कूल में रहते हुए भी व्यवसायों को बदलने के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है। अपने 38वें वर्ष में, एफ़आईआई 18-19 ने 54 औद्योगिक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक निष्पादित किया और उद्योग के पास परियोजना टीमों द्वारा किए गए कार्यों के लिए शानदार सिफारिशों के अलावा कुछ भी नहीं था।

इस वर्ष एफ़आईआई ने गैर-सरकारी संगठनों को परामर्श सेवाएँ भी प्रदान कीं। इस तरह की परियोजनाएँ छात्रों को विभिन्न सामाजिक समुदायों के साथ संवाद करने और समाज में योगदान करने का अवसर प्रदान करती हैं। सेंट गोबेन ने अपशिष्ट जल और मल-जल रीसाइक्लिंग पर एफआईआई को दो परियोजनाएँ दीं।

सामान्य प्रबंधन एवं नेतृत्व प्रकोष्ठ (जीएमएलसी)

सामान्य प्रबंधन एवं नेतृत्व प्रकोष्ठ (जीएमएलसी) 2015-16 में शुरू किया गया था। एक एसआईजी से पदोन्नति के बाद एक क्लब के रूप में अपने परिचालन का पहला वर्ष होने के नाते, भविष्य के बैचों के लिए इस प्रकोष्ठ के पास उम्मीदों की एक बड़ा मार्ग दिखाने का कार्य पूरा करना था। इसकी शुरुआत 'गठबंधन' नामक एक बड़ी प्रतियोगिता के साथ हुई थी। इस प्रतियोगिता को बड़ी सफलता मिली थी और इसमें 160 से अधिक आवेदकों की भागीदारी देखी गई, जिन्हें व्यवसाय प्रबंधन के विभिन्न कार्यों का अनुभव था।

जीएमएलसी समाचारपत्र 'द राउंडटेबल' के नाम से प्रकाशित हुआ था। इसमें समाचार लेख, स्थानन अनुभव और विशेष कंपनियों से संबंधित लेखों से युक्त अनुभाग शामिल थे। स्थानन की तैयारी के लिए, क्लब ने 'अपनी कंपनी को जानें' नामक दस्तावेज तैयार किए, जो छात्रों को इंटर्नशिप के पीक ऑवर्स के दौरान अपना समय बचाने में पूरी तरह मदद करते हैं।

हेरिटेज क्लब

हेरिटेज क्लब आईआईएमए समुदाय कोदेश की संस्कृति और विविधता के करीब लाने की कोशिश करता है, तथा अहमदाबाद और गुजरात के अधिक निकट लाता है। इस वर्ष क्लब ने बड़े पैमाने पर आईआईएमए समुदाय के लिए सांस्कृतिक और विरासत के प्रदर्शन को बढ़ाने के उद्देश्य को और मजबूत किया।

ड्रम सर्कल ने इस साल दो सौ से अधिक लोगों की भारी भागीदारी देखी। इस कार्यक्रम का उत्साह कई लोगों के लिए एक पारलौकिक अनुभव था, जिन्होंने एक ड्रम नहीं मिलने पर साथ में ताली बजाना चुना। प्रसिद्ध कथक कलाकार पद्म श्री शोभना नारायण द्वारा स्पिक मेकेय प्रदर्शन ने उपस्थित 250 से अधिक छात्रों, प्रोफ़ेसरों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आइडियोज़

यह क्लब-आइडियोज़ आईआईएमए के सभी क्लबों तथा एसआईजी में सबसे नया होने के कारण और अद्वितीय 'नवप्रवर्तन' ब्रांडिंग होने के कारण सबसे अलग ही होना ही था। क्लब ने अपने काम में एक स्टार्ट-अप मानसिकता विकसित करने और उसे अपनाने की कोशिश की। पहली बार, इसने सबसे कम संभव टीम का आकार तय किया ताकि हम प्रत्येक टीम के सदस्य को आइडियोज़ में शामिल करने के लिए पर्याप्त रचनात्मक बैंडविड्थ दे सकें। और यह उस समय था जब पीजीपी-1 छात्रों के लिए सबसे छोटा प्रवेश फार्म और सबसे तेज चयन प्रक्रिया बन रही थी।

इस अवसर पर मुख्य आकर्षण टीआरबीएस के दौरान आयोजित निस्संदेह नवप्रवर्तन खेलमैदान था, जिसने हमें 2-दिवसीय प्रदर्शनी में 20-विषम नवाचारों को दिखाया, साथ ही साथ 13 नवप्रवर्तकों को अपने काम के बारे में सामाजिक प्रभाव निवेशकों के समक्ष पेश करने का अवसर दिया।

आईआईएमए सांस्कृतिक तथा नाटकीय सोसाइटी (आईआईएमएक्ट्स)

"कभी-कभी हमने आपको हम पर हँसाया और कभी-कभी हमने आपको हमारे साथ रुलाया"! इस वाक्यांश से इस वर्ष आईआईएमएक्ट्स कैसा रहा यह अंदाज़ा लगाया जा सकता है। सौभाग्य श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित, 38-सदस्यीय इस टीम ने ठंडी रातों की चुप्पी को तोड़ने के लिए अपनी आवाजें काफी बुलंद रखीं। क्लब ने इस वर्ष की शुरुआत परिस्थितिजन्य कॉमेडी, 'हू एम आई किडिंग'? से की। इस कॉमेडी ने अपने प्रदर्शन से दर्शकों को चकित कर दिया, अपनी उलझन से दर्शकों को विस्मित कर दिया, और अभिनय से जागृत कर दिया जिसने उन्हें दिल खोलकर हँसाया।

संकाय-छात्र नाटक, 'सेकर्ड कैंपस', जिसमें 9 प्रोफ़ेसर का अभिनय था और 'सेकर्ड गेम्स' मूवी का मंद स्वर था, जो एक कभी खत्म नहीं होने वाले चुटकुले और वनलाइनर्स का हाउसफुल प्रदर्शन था जिसे आरजेएम सभागार में स्टैंडिंग ओवेशन-उत्साहपूर्ण स्वागत के साथ समापन मिला। इस वर्ष का पहला प्रदर्शन जिसे सभी नए छात्रों द्वारा किया गया था वह था - हत्या की कुल्हाड़ी(एक्स ऑफ़ मर्डर), जिसमें मंच पर उन्नीस लोगों को एकसाथ अभिनय करते हुए देखा गया।

आईआईएम एली

आईआईएम एली ने जोरदार धमाके के साथ साल की शुरुआत की। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को निकट भविष्य में प्रच्छन्न करने के साथ, नए साल की शुरुआत में ही गौरव मार्च करने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता था? क्लब ने डब्ल्यूएलएस, ईओएससी, एमएडी, आईआईएमएक्ट्स तथा म्यूज़िक क्लबों के सहयोग से एलजीबीटीक्यू कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस कॉन्क्लेव को 'द इंक्लूजन वॉक' नाम दिया गया था। हम सबने - संकाय, छात्र और कर्मचारी सभी ने शामिल किए जाने के मधुर धुनों पर साथ गाना गाते हुए पोस्टर ले-लेकर परिसर के चारों ओर मार्च किया, शीर्ष अदालत से अच्छी खबर की आशा करते हुए हमें सकारात्मकता की भावनाओं ने छू लिया था।

साहित्यिक संगोष्ठी डेस्क (एलएसडी)

शब्दों में बयान करने के लिए, साहित्यिक संगोष्ठी डेस्क जिसे प्यार से सब एलएसडी बुलाते हैं, इसकी उपलब्धियाँ अनुभवात्मक उत्साह तक ले जाती हैं जिसके हम इस साल साक्षी बने रहे। प्रश्नोत्तरी, वक्तृत्व और लेखन के सभी तीन प्रकोष्ठों के साथ गतिशील तालमेल बनाते हुए, एलएसडी एक बार फिर आईआईएमए समुदाय के अधिकांश हितों को पूरा करने में सफल रहा। विवाद - एक चर्चा आधारित बहस, एक सतत लीडर बोर्ड के साथ मौलिक लेख श्रृंखला, और लोगों की रचनात्मकता के प्रवाह को देखने के लिए मेमे आधारित समारोह सहित हमने नई गतिविधियों में भाग लिया।

इस साल क्लब ने जो बेंचमार्क बनाए, उनमें से एक था - प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन और प्रोफेसर सेबेस्टियन मॉरिस के साथ छात्रों का डिबेट।

सिनेमा-और-डिजाइन (एमएडी) क्लब

एमएडी-आईआईएम अहमदाबाद के मूवीज और डिजाइन क्लब को फिल्म निर्माण से अपने क्षितिज का विस्तार करने और परिसर में पहली बार एक डिजाइन सेल को जीवंत करने के लिए पिछले साल की फिल्मों से पुनर्जीवित किया गया है, जो छात्रों को सौंदर्यशास्त्र की गहरी समझ से सुसज्जित करता है। यह क्लब पिछले वर्ष में अपने यूट्यूब चैनल के दर्शकों के साथ 23 मार्च, 2018 को 50 से बढ़ कर अब लगभग 2000 दर्शकों वाला बन गया है और चैनल को उसी समय में विमुद्रीकृत किया गया है।

सेल ने अपने क्लब के इतिहास में अपना पहला समाचार पत्र प्रारंभ किया है। डिज़ाइन सेल ने शौर्य 2018 की ब्रांडिंग में भी भाग लिया है और स्थानन सत्र के दौरान उनकी डिज़ाइन आवश्यकताओं के लिए प्लेसकॉम की मदद की है।

मीडिया प्रकोष्ठ

पिछले शैक्षणिक वर्ष में मीडिया सेल का काम आने वाले बैच के एक आधिकारिक फेसबुक समूह द्वारा बोर्डिंग के साथ शुरू हुआ। आने वाले बैच को एक स्वागत पुस्तिका और स्वागत वीडियो के माध्यम से आने वाली चीजों का आस्वादन कराया गया था। पिछले एक साल में, मीडिया सेल के आकर्षण, बुद्धि और विनोद अपने 'ब्रिक इन द वॉल' न्यूज़लेटर के माध्यम से छह बार छात्र निकाय के दरवाजे तक पहुँचा। न्यूज़लैटर ने अक्सर परिसर की भावनाओं पर कब्जा किया है और विवादास्पद विषयों को उजागर करने की माँग की है। क्लब ने ग़डबड़ी मुक्त संचार मंच के निर्माण के लिए नए स्तर पर नए सिरे से बोर्डिंग का काम किया और नए जुड़ने वाले छात्रों के लिए अत्यंत सराहनीय स्वागत वीडियो बनाया।

मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

मार्गदर्शन प्रकोष्ठ का उद्देश्य आने वाले छात्रों के लिए एक मैत्रीपूर्ण, पोषित और अनुकूल माहौल बनाना है, जो कि भविष्य में अतीत और वर्तमान की विरासत को आगे बढ़ा सकें। इस वर्ष क्लब ने 19 अद्भुत मुख्य टीमों और 110 छात्र मार्गदर्शकों के साथ शुरुआत की। हमने 2020 के बैच के लिए एक सुचारु परिवर्तन की सुविधा का आनंद लिया। आने वाले 440 से अधिक छात्रों के लिए मार्गदर्शकों को आवंटित करना और फिर उनके लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार करना, राष्ट्रव्यापी नए छात्रों-वरिष्ठ छात्रों की बैठकों का आयोजन करना, इस वर्ष के लिए चार नई पहलों की योजना बनाना और जाहिर है कि पीजीपी-1 के जीवन में स्वयं को अनुकूल बनाए उसके लिए आने वाले बैच की सकुशलता सुनिश्चित करना एक बहुत बड़ा काम था।

भोजनालय समिति

भोजनालय समिति ने इस वर्ष की शुरुआत बीकानेरवाला के उद्घाटन के साथ की, जिसे परिसर में उपलब्ध भोजन विकल्पों को और विस्तारित करने के साथ जोड़ा गया। बीकानेरवाला तैयार नाश्ते, तंदूरी आइटम और भारतीय मिठाई सहित विविध मेनू प्रदान करता है। अन्य खाद्य आउटलेट जो इस वर्ष के दौरान पेश किए गए, वे द चॉकलेट रूम, ल स्मॉग, वाइसिज़ एंड स्पाइसिज़ और जूस बॉक्स थे।

भोजनालय में, छात्रों को अपनी सदस्यता को और अधिक अनुकूलित करने की अनुमति देने के लिए इस वर्ष अधिक मासिक भोजन विकल्प जोड़े गए। कक्षा-सत्रों के दौरान विराम-समय में वर्गखंडों के बाहर फल और जूस के रूप में स्वस्थ विकल्प पेश किए गए। खाने की बर्बादी पर नज़र रखने के लिए भोजनालय में वजन करने की मशीनों को लगाया गया।

म्यूज़िक क्लब

इस वर्ष जादू की शुरुआत 'आग़ाज़' के साथ हुई जिसमें क्लब के दूसरे वर्ष के छात्र सदस्यों ने शानदार प्रदर्शन किया। यह आयोजन इतना अद्भुत था कि म्यूज़िक क्लब ने अपने परिवार में शामिल होने के इच्छुक प्रथम वर्ष के छात्रों की संख्या में वृद्धि देखी। जिस टीम को एक साथ रखा गया था, उसने अपने प्रदर्शन 'हाई होप्स' में दम-खम दिखा दिया, जो उनका पहला प्रदर्शन था। इस साल स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस समारोह में, शिक्षक दिवस कार्यक्रम में रेट्रो स्मरणांजली, स्थानन-पश्चात पार्टी में मिश्रित स्वरमाधुर्य, तथा नववर्ष पूर्वसंध्या, प्रयास की तरफ से बाल-दिवस के प्रदर्शन, और क्रिसमस संध्या पर निदेशक के निवास स्थान पर संकाय सदस्यों की तरफ से विशेष प्रदर्शन जैसे कुछ धमाकेदार प्रदर्शन देखे गए।

यह वर्ष म्यूज़िक क्लब में प्रथम वर्ष के छात्रों का रहा। पहली बार, टीम आईआईएमए कैओस में रॉक बैंड प्रतियोगिता - रॉक के ब्लिज़ार्ड्स में विजेताओं में से एक रही। नएकार्यक्रमों, जैसे कि 'म्यूज़िकोलॉजीसंगीत की विद्या-प्रश्नोत्तरी,' कराओके प्रतियोगिता 'कोरस', और 'अंताक्षरी', सभी कार्यक्रमों में छात्रों की ओर से अद्भुत प्रतिक्रिया देखी गई। फिर भी, हमारे वर्ष का शिरोमणि प्रदर्शन रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन में - 'सेरेनाद' था, जिसमें पूरे अहमदाबाद भर से दर्शकों की उपस्थिति देखी गई।

निशे

टीम निशे 2018-19, जो एक विपणन उन्मुख टीम है, उसने वर्ष भर हर संभव कड़ी मेहनत की, लोगों को प्रेरित किया ताकि आईआईएम अहमदाबाद के समुदाय को अधिक सेवा दे सकें। यह

हमारा उद्देश्य था कि पूरे वर्ष विपणन में सबसे आगे रहें। हमने यह उद्देश्य गुणवत्तायुक्त व्याख्यान सत्रों के आयोजन, राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के आयोजन और ऐसी सामग्री तैयार करके किया जिससे छात्रों को इंटर्नशिप और अंतिम स्थानन में मदद मिले सके।

दिलचस्प मार्केटिंग स्थानों के बारे में बात व्यक्त करने वाली गूगल और डिज़ाइनइट जैसी कंपनियों की मेजबानी करने के लिए निशे को सम्मानित किया गया। इस साल, हमने प्रमुख विपणन कार्यक्रम 'टीआरबीएस', कोटलर्स कॉनन्ड्रम का आयोजन किया और इनमें राष्ट्रव्यापी विशाल भागीदारी देखी गई।

ऑप्टिमा : संचालन क्लब

आईआईएमए के एक कैरियर क्लब के रूप में, ऑप्टिमा ने प्रतिष्ठित हस्तियों श्री राम कुप्पुस्वामी, वैश्विक मुख्य क्रय अधिकारी, भारती एयरटेल को नवप्रवर्तन एवं आपूर्ति उत्कृष्टता और डॉ. हिमांशु त्रिवेदी, उपप्रमुख, बोश को विनिर्माण एवं गुणवत्ता उत्कृष्टता पर आयोजित व्याख्यान सत्रों की मेजबानी करके संचालन प्रबंधन के ज्ञान केंद्र के रूप में काम किया।

ऑप्टिमा ने 2018-19 में पहली बार एक अंतर आईआईएम ए, बी और सी के बीच केस अध्ययन प्रतियोगिता शुरू की है, जिसमें तीनों परिसरों के छात्रों को एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए देखा जाएगा। क्लब ने केपीएमजी के संरक्षण में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त छह सिग्मा ग्रीन बेल्ट कार्यक्रम की सुविधा प्रदान की, जिसमें छात्र समुदाय से बड़ी संख्या में पंजीकरण देखा गया।

पैनेसिया

स्वास्थ्य सेवा क्लब पैनेसिया ने आईआईएमए समुदाय का शारीरिक कल्याण सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों का समर्थन करने के उद्देश्य से गतिविधियाँ आयोजित की। परिसर में आने से पहले पीजीपी प्रथम वर्ष बैच के साथ एक दस्तावेज़ साझा किया गया था। उस दस्तावेज में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, संपर्क सूत्र (औषधि, फ़ार्मेसी, एम्बुलेंस इत्यादि), प्रशासन द्वारा छात्र कल्याण के लिए किए गए उपायों और कुछ प्रचलित बीमारियों के खिलाफ छात्रों द्वारा लिए जाने वाले निवारक उपायों का विस्तृत विवरण था।

पैनेसिया ने परिसर में आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच अभियान, जागरूकता सत्रों, टीकाकरण अभियान और अत्यधिक रियायती चेक-अप का आयोजन किया। छात्रावासों के कमरों में मच्छरदानी लगाने के अभियान और निशुल्क लारिएगो गोलियों के वितरण के साथ, इस वर्ष वेक्टर-जनित रोगों की संख्या के मामलों में काफी कमी आई है।

परिप्रेक्ष्य (पर्स्पेक्टिव)

वर्ष 2018-19 में पर्स्पेक्टिव के लिए कई सफलताओं के साथ एक बड़ा वर्ष रहा, जैसा कि मुस्कुराहट और प्रोत्साहन में परिलक्षित होता है। क्लब को हमारे द्वारा बातचीत किए गए प्रत्येक एसएमए से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जो कार्यक्रमों के कवरेज में 15 से अधिक थी और लगभग सभी क्लब फोटो-शूट में थे। क्लब की इस वर्ष की सबसे बड़ी सफलताओं में मेस गैलरी में 50 पट्ट-स्थानों पर लगाई 350 से अधिक तस्वीरों को मिली सफलता भी थी और लाइट ग्रैफिटी सत्र में 200 से अधिकप्रतिभागियों को शामिल किया गया था, जिसे टीआरबीएस के दौरान दोहराया जाना था, जिसमें अन्य 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इसके अलावा, चार दिनों के भीतर दूसरे वर्ष के अनुभवी छात्रों के मार्गदर्शन के साथ पहले वर्ष के छात्रों द्वारा बनी फोटोग्राफरों की टीम के काम में इस साल भी पर्स्पेक्टिव द्वारा टीआरबीएस के कवरेज को देखा गया।

उत्पाद प्रबंधन और प्रौद्योगिकी क्लब

यह वर्ष उत्पाद प्रबंधन और प्रौद्योगिकी क्लब के लिए एक शानदार वर्ष था! तीस सदस्यों की हमारी टीम ने नई पहलों और समारोहों के साथ क्लब की गतिविधियों का विस्तार किया है, जो अब समुदाय में व्यापक रूप से दर्शकों तक पहुँच गया है। क्लब पहले ही दिन से मीडिया के समक्ष पीजीपी-1 छात्रों को पूर्वछात्रों के साथ ताज़ा उन्मुखीकरण सत्र के द्वारा एक नए क्लब वीडियो के साथ व्यस्त रहा था। आभासी रूप से नेट और अमेज़ॅन के शामिल होने वाली यह एक नई उत्पाद प्रबंधन व्यवसाय प्रतियोगिता है जिसने अभी तक हमारी सबसे बड़ी सफलता देखी है।

पीएम टेक क्लब ने भी बेतहाशा सफल जानकारीपूर्ण डाइजेस्ट श्रृंखला, एक नए ईएलआई5 समाचार पत्र, और एक नई क्लब वेबसाइट की शुरूआत की। इस साल, क्लब नेअनुभव रोहतगी - उत्पाद प्रबंधन निदेशक, एडोबी को आमंत्रित किया, जिन्होंने एक कैरियर के रूप में उत्पाद प्रबंधन के बारे में चर्चा की, कार्यशाला के लिए माइक्रोसॉफ्ट से पीएम की एक टीम के रूप में चर्चा की, और हमने एआई पर सत्र के लिए आईबीएम के गीता गुरनानी की भी मेजबानी की।

प्रकृति : आईआईएमए का प्रकृति और स्थिरता क्लब

प्रकृति क्लब पर्यावरण की चिंताओं के साथसाथ संसाधनों के स्थायी प्रबंधन के बारे में संवेदनशीलता के माध्यम से प्रकृति की भावना का प्रचार करने के लिए हर पल तैयार रहता है। क्लब ने आईआईएमए समुदाय के साथ-साथ बाहरी समुदाय को इस कल्याणकार्य के लिए

शामिल करने पर ध्यान केंद्रित किया है। क्लब ने डॉर्म एनर्जी वार्स, ऊर्जा की बचत के लिए छात्रावासों के बीच एक स्वस्थ प्रतियोगिता, एडॉप्ट-ए-सैपलिंग अभियान का आयोजन किया, जिसमें छात्र निकाय को 100 पौधे मुफ्त वितरित किए गए जिन्हें उन्हें पोषित करना है औरगीर वन का दौरा किया गया जिसमें 30 छात्रों को प्रकृति के साथ जुड़ने का मौका दिया गया।

प्रयास : आईआईएमए की एक सामाजिक पहल

सन् 2003 में 10 बच्चों शुरू हुए प्रयास में आज 120 बच्चों का जीवन बन रहा है। प्रयास क्लब का मिशन वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संपूर्ण बचपन प्रदान करना और सिर्फ टीम के सदस्यों द्वारा ही नहीं बल्कि पूरे आईआईएमए समुदाय के प्यार से पालना है। इस मिशन को पूरा करने के लिए, प्रयास बच्चों की स्कूल फीस को प्रायोजित करता है और शाम को उन्हें पूरक कक्षाएँ प्रदान करता है। बच्चों के समग्र विकास के लिए, प्रयास ने कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, संवादात्मक सत्र और वर्ष भर दौरे आयोजित किए। क्लब ने फिनेस क्लब के साथ मिलकर ओरिगेमी और तांग्राम पहेली कार्यशाला का आयोजन किया।

सार्वजनिक नीति क्लब

सार्वजनिक नीति क्लब ने संस्थान में नीतिगत मुद्दों की बेहतर समझ के लिए एक पर्यावरण संवाहक बनाने के उद्देश्य से पूरे वर्ष कई गतिविधियों का आयोजन किया और इस प्रकार छात्र समुदाय को नीतिगत मामलों के बारे में अधिक जानकारी देने में मदद की।

पूरे वर्ष में होने वाले कार्यक्रमों की बहुलता के साथ, क्लब ने संख्या के हिसाब से अनेक घटनाओं के आयोजन को भी देखा जो कि आईआईएमए समुदाय के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुए आयोजित किए गए थे। इसके बाद, क्लब ने देश के राजनीतिक परिदृश्य का लाभ उठाया और कई अन्य एसएमए के साथ मिलकर 'इलेक्शन वीक' के छत्र के नीचे कई कार्यक्रमों के साथ आगे आया। उपर्युक्त घटनाओं और प्रतियोगिताओं ने भागीदारी के संदर्भ में बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित किया।

शेयर

शेयर ज्ञान साझा करने के लिए एक मंच के रूप में शुरू किया गया था, और अब बड़े पैमाने पर इसकी वृद्धि हुई है, अब यह एक थिंक टैंक, एक कॉर्पोरेट प्रशिक्षण केंद्र, एक सामाजिक नेटवर्क और नवप्रवर्तक परामर्शन संगठन के बीच एक हाइब्रिड के रूप में काम कर रहा है। शेयर अपने सदस्यों को प्रशिक्षित करता है और उन्हें 15 से अधिक देशों के छात्रों से बातचीत करने के अवसर प्रदान करता है। शेयर - आईआईएमए वैश्विक शेयर की प्रमुख शाखाओं में से एक है।

आई-बैच कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, शेयर ने चीन, भारत और यूरोप की एक अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ काम किया। क्लब के सदस्य भी शेयर प्रशिक्षण कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए जिम्मेदार वैश्विक टीम का हिस्सा थे और स्थानीय कार्यक्रम के सदस्यों के साथ नए कार्यक्रम (मॉड्यूल, वेबसाइट और 360लर्निंग मंच) का पायलट परीक्षण किया और वैश्विक टीम को अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराया।

आरटीईआरसी

क्लब द्वारा की गई गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं : -

- विंटर स्कूल : आईआईएमए ने चार-दिवसीय नीति-आधारित कार्रवाई-उन्मुख कार्यक्रम विंटर स्कूल का डिज़ाइन और सफलतापूर्वक संचालन किया। इस कार्यक्रम में 40 से अधिक प्रसिद्ध संगठनों से 78 चयनित प्रतिभागियों और 12 प्रमुख वक्ताओं ने भाग लिया। अभिविन्यास कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को उनके आसपास के सामाजिक समीकरणों को समझने के लिए उपकरणों का एक बुनियादी ढाँचा देना है।
- अनुसंधान : आरटीई (शिक्षा का अधिकार) अधिनियम और प्रवेश लेने के लिए नियमों (दस्तावेजों, मानदंडों, प्रक्रिया आदि) के बारे में सभी राज्यों का एक डेटाबेस तैयार करना। विभिन्न राज्यों में कार्यरत (शिक्षा से संबंधित) विभिन्न गैरसरकारी संगठनों को सूचीबद्ध किया गया और उसे आरटीईआरसी के वेबसाइट पर अपलोड किया गया।
- समारोह : प्रयास तथा टीच फॉर इंडिया के सहयोग से एक परियोजना प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 125 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

खेल समिति

स्पॉर्ट्सकॉम ने परिसर में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के साथ अपना वर्ष शुरू किया। जूनियर-सीनियर छात्रों के बीच खेल टूर्नामेंट यलगार वर्ष का पहला कार्यक्रम था, जिसने इस वर्ष नई ऊंचाइयाँ हासिल की क्योंकि इस बार छह नए खेलों को जोड़ा गया था। कबड्डी, महिला फुटबॉल, हॉकी और खो-खो सहित इन नए खेलों ने खेलोत्सव में अतिरिक्त उत्साह भर दिया, जबकि आने वाले बैचों की तैयारी भी आगामी समारोहों में उनकी इच्छानुसार होगी। परिसर में क्रिकेट, बैडमिंटन और फुटबॉल जैसे खेलों के लिए आईआईएमए प्रीमियर लीग (आईपीएल) नामक अपनी पहली लीग भी आयोजित की गई। इस बार स्पोर्ट्सकॉम द्वारा आयोजित एक अन्य ऐतिहासिक आयोजन 1983 बैच के पूर्वछात्रों बनाम 2016 एवं 2017 के बैचों के बीच खेला गया क्रिकेट मैच था।

स्टारगेजर्स

स्टारगेजर्स एक विशेष रुचि समूह है जो शौकिया खगोल विज्ञान को बढ़ावा देता है और ब्रह्मांड विज्ञान, विज्ञान कल्पना, अंतरिक्ष तकनीक, भौतिकी, और दर्शन पर आधारित अभिनव और रोमांचक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। स्टारगेजर्स क्लब ने अनेक गतिविधियों के साथ इस वर्ष आईआईएमए समुदाय को कई कार्यक्रमों में सितारों की शूटिंग करते हुए व्यस्त रखा। इसकी शुरुआत चंद्र ग्रहण की खगोलीय घटना से हुई, जब आईआईएमए समुदाय के सदस्य बड़ी संख्या में एकत्रित होकर पृथ्वी पर चंद्र ग्रहण केसाक्षी बने। उत्साही स्टारगेज़र्स के लिए ऑन-फील्ड गतिविधियों का संचालन करते हुए, क्लब अंतरिक्ष में अनुसंधान पर मील के पत्थर-से पेचीदा लेखों को आईआईएमए समुदाय के समक्ष प्रस्तुत करने में भी सक्रिय रूप से शामिल रहा। स्पेस मेनियाक्स नामक समाचार पत्र ने अपने मौजूदा प्रदर्शनों की सूची में अधिक जानकारी जोड़ने के लिए परिसर में अंतरिक्ष प्रेमियों के लिए एक माध्यम के रूप में काम किया।

सिनर्जी

सिनर्जी एक एचआर प्रबंधन विशेष रुचि समूह है इसे वर्ष 2017 में शुरूकिया गया था। 24 सदस्यीय मजबूत टीम के साथ, सिनर्जी क्लब ने पिछले एक साल के अंदर परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया - सबसे पहले पीजीपी-1 छात्रों तथा एफ़एबीएम छात्रों के लिए उनके ग्रीष्मकालीन स्थानन हेतु एचआरक्यूस प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन। इस आयोजन में 150 से अधिक छात्रों के साथ खचाखच भरा वर्गखंड देखा गया। इस सत्र के बाद पीजीपी-1 के इच्छुक छात्रों के लिए एचआरक्यूस प्रतिपालन (मेंटरशिप) का आयोजन किया गया था। सिनर्जी ने टीआरबीएस के सहयोग से एचआरमनी, एचआर केस प्रतियोगिता का संचालन किया, जिसमें भारत के विभिन्न संस्थानों की 2044 टीमों ने भाग लिया। तीन राउंड के बाद, दो टीमों को 50,000 रुपए के कुल नकद पुरस्कार के साथ विजेताओं के रूप में घोषित किया गया था। इस घटना ने हमें सभी राउंड में से एक के दौरान साधारण-केस लिखने का रोमांचक मौका दिया।

टेडएक्स आईआईएम अहमदाबाद (रेड डॉट)

रेड डॉट, जो आईआईएमए का एसआईजी है उसका उद्देश्य विभिन्न प्रकार के विषयों पर अपने दृष्टिकोण को आवाज़ देने के लिए आईआईएमए समुदाय को शामिल करना है, लेकिन यह प्रौद्योगिकी, सामाजिक कल्याणकार्यों और नवाचार से लेकर नीति-निर्माण तक ही सीमित नहीं है। इस एसआईजी द्वारा आयोजित प्रमुख कार्यक्रम - टेडएक्सआईआईएमअहमदाबाद शिखर सम्मेलन (जुलाई 2019 में आयोजित किया जाना था), जो 'विमवियन की बात', 'प्रतिष्ठित वक्ता श्रृंखला' और 'विवाद' जैसी साल भर की घटनाओं द्वारा समर्थित था।

सोशल मीडिया गतिविधियाँ : इस एसआईजी ने हाल ही में 'रेड डॉट आईआईएम अहमदाबाद' के नाम से दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों और क्लब अपडेट के लिए अपना फेसबुक पेज शुरू किया है।

छात्र गतिविधियाँ :

विवाद - साहित्यिक संगोष्ठी डेस्क (एलएसडी) के सहयोग से रेड डॉट ने विवाद की शुरूआतकी जो एक ऐसी बहस की श्रृंखला जो समकालीन दुनिया औरहमारे तात्कालिक समाज में प्रचलित मुद्दों को संबोधित करने का प्रयास करती है।

कार्यक्रम - विवाद के दो संस्करण इस शैक्षणिक वर्ष में आयोजित किए गए हैं। विवाद-1 का आयोजन 26 जुलाई, 2018 को - 'भारत का विभाजन और बलूचिस्तान का विस्मृत प्रश्न' विषय पर किया गया था। विवाद-2 का आयोजन 27 सितंबर, 2018 को 'हिजाब या घूंघट की अवधारणा' विषय पर किया गया था।

विमवियन की चर्चा - टेडएक्स कार्यक्रम के इर्दगिर्द बनाया, विमवियन की चर्चा का उद्देश्य आईआईएमए के छात्र समुदाय के विचारों, विचारधाराओं और दर्शन को बाहर लाना है।

द रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन

इस वर्ष, हमने आईआईएम अहमदाबाद की प्रमुख प्रबंधन संगोष्ठी द रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन (टीआरबीएस) की मेजबानी 29 सितंबर से 2 अक्टूबर के दौरान की। यह महोत्सव सबसे बड़ा भारतीय प्रबंधन समारोह था - चाहे वह 16 व्यावसायिक आयोजनों के लिए 30,000 पंजीकरण के लिए हो, या 1.2 करोड़ के बजट के लिए हो, पर हम सभी अपने सीवी पर बहुत प्यार से इतराते थे, जिसके लिए प्रकोष्ठ प्रबंधकों तथा उनकी टीमों की पूरे चार महीनों की मेहनत लगी थी।

आयोजक टीम के सदस्यों ने मैट्रिक्स पार्टनर्स, एमओएसएल, फ़िनआईक्यू,जियो मनी, बीपीसीएल, सीमेन्स के साथ 430 से अधिक महाविद्यालयों से 31 हज़ार पंजीकरण हासिल करते हुए एक दिन की उत्सव अवधि में 45 से अधिक कार्यक्रमों की योजना बनाई। इस महोत्सव में पिछले वर्ष की तुलना में 30% की वृद्धि देखी गई (वर्ष 2017 में 22 हज़ार के पंजीकरण बनाम 2018 में 29 हज़ार पंजीकरण)। टीआरबीएस के दूसरे संस्करण में सामाजिक और एचआर डोमेन के अंतर्गत नए कार्यक्रम शामिल थे। इस वर्ष टीआरबीएस ने 'थिंक इक्विटी, थिंक क्यूजीएलपी' का आयोजन किया, जो कि एशिया का सबसे बड़ा स्टॉक पिच इवेंट है, जिसे 13 लाख रुपए की पुरस्कार राशि के साथ मोतीलाल ओसवाल के सहयोग में आयोजित किया गया। टीआरबीएस ने एआईबी, विश्व अर्थव्यवस्था मंच-वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरम (डब्ल्यूईएफ़), टाटा

ट्रस्ट्स सहित कई कंपनियों के साथ साझेदारी की जिससे इस महोत्सव की पहुँच और ब्रांड इक्विटी बढ़ाई जाए। टीआरबीएस मास्टर श्रृंखला - वास्तविक टीआरबीएस श्रृंखला के निर्माण के लिए एक साल लंबी व्याख्यान श्रृंखला का भी आयोजन किया गया था। बड़े खेमों के व्याख्याताओं में से कुछ इस तरह से हैं - अरुण ठुकराल (प्रबंध निदेशक और सीईओ एक्सिस सिक्योरिटीज), अश्वनी लोहानी (अध्यक्ष,भारतीय रेलवे बोर्ड, पूर्व प्रबंध निदेशक और एयर इंडिया के अध्यक्ष), और राहुल कंवल। इस महोत्सव के दौरान वास्तविक कार्यक्रमों में 14 मुख्य वक्ता सत्र देखे गए, जिनमें 4000 से अधिक दर्शकों के साथ 4 पैनल चर्चा (प्रत्येक में 4 व्याख्याता) थी।

टीआरबीएस ने इनोवेशन प्लेग्राउंड 2018 भी पेश किया, जो आईआईएमए के फुटबॉल मैदान में आयोजित 2 दिनों में 20 से अधिक जमीनी स्तर के नवप्रवर्तनों की मेजबानी करने वाली एक तरह की प्रदर्शनी है।

महिला नेतृत्व सोसायटी

वर्ष 2018-2019 महिला नेतृत्व सोसाइटी के लिए शानदार बना रहा ! लोगों के एक उत्साही और प्रतिबद्ध समूह ने कई नए कार्यक्रमों की शुरुआत की, जो अभूतपूर्व बदलावों को लेकर आए। फिर भी इस बार जिसने सबके मन मोह लिए वह भारत की रक्षामंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण की मेजबानी का रहा। इस कार्यक्रम के लिए उन्माद, उसकी सावधानीपूर्वक योजना, और आखिरकार, इस कार्यक्रम को देखने की हड़बड़ी और उत्साह सामने आए - इसने हम सभी को खुद पर बहुत गर्व महसूस कराया।

आज दुनिया की वास्तविकता यह है कि कुछ लोग वाकई दूसरों की तुलना में अधिक समान हैं। हम यदि कुछ कर सकते हैं तो वह है हजार मीलों की यात्रा पर कदम उठाते जाएँ जो इस धारणा को बदल रहा है, हमें मदद कर रहा है यह बताने में कि हम कहाँ तक जा सकते हैं और हमें कहाँ पर लड़ना चाहिए।

18. परिसर में स्थायित्व

हेरिटेज परिसर अपनी लाल ईंट की संरचनाओं के साथ और समकालीन *नव*-परिसर दर्शकों में विस्मय और आश्चर्य का मुद्दा है। प्रकाश और छाया की आपसी क्रीडा, विशाल गलियारे, विशाल प्रांगण, जंगल जैसे वृक्षों के आच्छादन, अच्छी तरह से हरेभरे लॉन, और संरचनाओं के आधार में मेहराबों की बहुलता सभी इस अनुभव में योगदान करते हैं।

पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने के लिए और लगातार बढ़ते पदचिह्नों से निपटने के लिए, स्थायित्व के प्रयास जारी हैं। चूँकि चुनौतियाँ बहुत बड़ी हैं, इसलिए परिसर निवासियों की जरूरतों और आराम से समझौता किए बिना एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है।

कुछ पहलें

आईआईएमए का छात्र-नेतृत्व वाला 'प्रकृति क्लब', 'प्रकृति एवं स्थायित्व क्लब' विभिन्न प्रयासों और अभियानों के द्वारा प्रशासन के साथ-साथ स्थायित्व और हरित पहलों के संदेश को परिसर के घर-घर तक पहुंचाने का काम करता है। कुछ उल्लेखनीय अभियान इस प्रकार हैं :

- छात्रावास ऊर्जा जंग : बिजली की खपत को कम करने के लिए और बिजली के विवेकपूर्ण उपयोग की आदत को बढ़ाने के लिए, क्लब बिजली की प्रति व्यक्ति खपत के संदर्भ में छात्रावासों को रैंकिंग प्रदान करता है।
- स्टालों के माध्यम से नियमित ई-कचरा संग्रह अभियान।
- पौधारोपण और गोद लेने का अभियान।
- साइकिलिंग आयोजनों को बढ़ावा देना।
- प्रकृति चित्रण प्रतियोगिता - निम्नलिखित की श्रेणियों में द्वि-साप्ताहिक फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन करना :

परिसर की सुंदरता,

चिंताओं को दर्शाना

- स्वच्छ्ता पखवाड़ा (स्वच्छ सप्ताह) का आयोजन आदि।
- दान से आनंद सप्ताह (अल्प एवं पुनरुपयोग अभियान) : छात्रों और समुदाय के सदस्यों ने परिवार किट, स्कूल किट और गरिमा किट सामग्री दान की, जो जरूरतमंद और गरीबों को और आपदा के क्षेत्रों में दी जाती हैं।
- संस्थान, छात्रावासों तथा आवासीय स्थानों में सूखा और गीला कचरा एकत्र करने के लिए रंग कोडित डिब्बे लगाए गए। पृथक कचरे को निम्नलिखित के माध्यम से संसाधित किया जाता है :
  - 500 लीटर क्षमता का एक कॉम्पैक्ट बायो-गैस प्लांट।
  - जैविक अपशिष्ट खाद।
  - कृमि-खाद।
  - सूखे और गीले कचरे के परिवहन के लिए अहमदाबाद नगर निगम के साथ संबंध।
- परिसर के अंदर महत्त्वपूर्ण स्थानों पर संग्रह स्थलों से अपशिष्ट पेपर एकत्र किया जाता है। इस प्रकार एकत्र किए गए पेपर को स्व-नियोजित महिला संघ (एसईडब्ल्यूए) के माध्यम से पुनर्नवीनीकरण किया जाता है।
- प्राकृतिक खाद बनाने के लिए सूखे पत्तों को एकत्र किया जाता है और खुले एकांत क्षेत्रों में रखा जाता है, और यदि आवश्यक हो, तो बाद में जैविक अपशिष्ट खाद में प्रसंस्करण किया जाता है। इस खाद और प्रसंस्कृत उत्पाद का उपयोग खाद के रूप में किया जाता है।
- मधुमक्खी के बक्से : संरक्षण के प्रयासों में मदद करने के लिए केवीआईसी (खादी ग्रामोद्योग आयोग) से मधुमक्खी के बक्से की खरीद की गई है। यह पहल इसीलिए की गई है कि कई पौधों के लिए मधुमक्खियाँ एक महत्वपूर्ण परागणक हैं और इसके कई अन्य लाभ हैं।
- पानी के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई का उपयोग किया जाता है।
- परंपरागत जल टोंटी के बजाय प्रिज्मीय टोंटी जैसे पानी की बचत करते उपकरणों का उपयोग शौचालय में किया जा रहा है। पानी के उपयोग की निगरानी और नियंत्रण के लिए छात्रावासों में पानी के मीटर लगाए गए हैं।
- पूरे परिसर में एलईडी लाइट जैसे ऊर्जा बचत उपकरण स्थापित किए गए हैं।
- जहाँ भी संभव हो, पारंपरिक एयर कंडीशनरों को वीआरएफ सिस्टम द्वारा बदल दिया गया है। सभी गेस्ट हाउस और एमएसएच-विवाहित छात्रावासों को ऊर्जा की बचत करने वाले वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर प्रदान किए गए हैं।
- छत पर लगने वाले सौर ऊर्जा जल तापन पैनलों की चालीस इकाइयाँ काम कर रही हैं। चूँकि यहाँ पूरी तरह से धूप उपलब्ध

है, इसलिए इन हीटरों की अधिकतम क्षमता का उपयोग किया जा रहा है।

- सौर ऊर्जा परियोजना : 365 केडब्ल्यूपी की अनुमानित बिजली क्षमता की छत पर लगने वाली सौर ऊर्जा परियोजना का कार्यान्वयन जारी है। 2019 के अंत तक इसके चालू होने की उम्मीद है।
- एस.टी.पी. : हेरिटेज परिसर में 20 केएलडी इकाई की स्थापना के लिए निविदाएँ मंगाई गई हैं। वर्ष 2021 के मध्य तक अपेक्षित समापन के साथ, 200 के एलडी इकाई को नए छात्रावास परियोजना के हिस्से के रूप में योजनाबद्ध किया गया है।
- माय-बाइक साइकलिंग स्टेशन द्वारा परिसर पर साइकिलिंग को बढ़ावा दिया गया है।
- स्थायित्व पर एक वेबसाइट विकसित की जा रही है।
- संस्थान सक्रिय रूप से ग्रीनमैट्रिक और एमएचआरडी की स्वच्छ्ता रैंकिंग जैसी रैंकिंग में भाग लेता है।
- नवीकरण कार्यों के दौरान स्थायित्व : पुनर्निर्मित पुस्तकालय भवन को स्मार्ट भवन अवधारणाओं के साथ शामिल किया गया है। सभी फर्श स्वचालित फायर सेंसर के साथ तैयार किए गए हैं। एयर कंडीशनिंग सिस्टम को केंद्रीकृत वीआरएफ एसी सिस्टम में बदल दिया गया है। भवन में एलईडी लाइटें लगाई गई हैं। स्वचालित द्वार संवेदक-ऑटोमैटिक डोर सेंसर दिए गए हैं।
- नवपरियोजना कार्य के दौरान स्थायित्व : परियोजना क्षेत्रों को खाली करने के लिए उन क्षेत्रों के छोटे या बड़े पेड़ों को अन्यत्र स्थानंतरित किया गया है। वृक्ष निगरानी रिपोर्ट के अनुसार स्थलांतरित पेड़ों के 132 पेडों पर नए पत्ते उग आए हैं।
- इन चल रही नई परियोजनाओं में स्मार्ट और ग्रीन बिल्डिंग पहल को शामिल किया गया है :
  - वीआरएफ एसी सिस्टम।
  - कुशल प्रकाश व्यवस्था।
  - आईजीबीसी (भारतीय ग्रीन बिल्डिंग परिषद) द्वारा अनुमोदित अधिकांश सामग्री।
  - बीआईएमएस को ऊर्जा दक्षता और बेहतर नियंत्रण के लिए सभी मापदंडों की निगरानी के लिए शामिल किया गया है।

बागों से, आवासों से, छात्र भोजनालय एवंम् अन्य खाद्य ठेलों से ऑरगेनिक वेस्ट एक जगह पर इकट्ठा किया जाता है। सोलिड वेस्ट को ऑडब्ल्युसी (ऑरगेनिक वेस्ट कम्पोस्टर) मशीन में प्रोसेस किया जाता और ऑरगेनिक खाद बनाया जाता है. बागों में इस खाद को फर्टिलाइज़र के रूप में प्रयोग में लिया जाता है । गीले वेस्ट को बोयो-गैस युनिट में डाल दिया जाता हैं ।

बायोमास का नमूना

सोलर हीटर पेनल का नमूना

19. कार्मिक कल्याण गतिविधियाँ

वार्षिक स्वास्थ्य जाँच

कल्याण समिति द्वारा संस्थान के 35 साल से अधिक आयु वाले स्थायी कर्मचारियों के लिए सामान्य स्वास्थ्य जाँच का आयोजन अप्रैल से जुलाई 2018 के दौरान स्टर्लिंग अस्पताल, अहमदाबाद में किया गया। इस गतिविधि से कुल 350 कर्मचारी और उनके जीवनसाथी लाभान्वित हुए।

आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन कक्षाएँ

कल्याण समिति ने 8 मई से 7 जून, 2018 के दौरान आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन कक्षाओं का आयोजन किया जिसमें आर्ट पॉइंट कार्यशाला, क्राफ़्ट कार्यशाला, और डान्स कार्यशाला जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। समिति ने समुदाय के बच्चों को एएमए और वीएएससीएससी में आयोजित ग्रीष्मकालीन कक्षाओं में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित किया और इन कक्षाओं में भाग लेने वाले बच्चों को 600 रुपये प्रति बच्चे के हिसाब से प्रतिपूर्ति की। इन कक्षाओं में समुदाय के इकतालीस बच्चों ने भाग लिया।

प्रोफेसर बी.एच. जाजू कल्याण समिति चिकित्सा योजना

प्रोफ़ेसर बी.एच. जाजू ने संस्थान के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिकित्सा आवश्यकताओं की पूर्ती के लिए एक फंड स्थापित करने के लिए 25,00,000 रुपए की राशि दान की थी। प्रोफ़ेसर जाजू द्वारा गठित उप-समिति चिकित्सा आवश्यकताओं की जरूरत को सत्यापित करती है और कल्याण समिति की मदद से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को राशि वितरित करती है। इस वर्ष 1,57,000 रुपए की प्रतिपूर्ति जमा बिलों के सत्यापन के बाद की गई। इस योजना में सेवानिवृत्त समूह सी और डी सीपीएफ कर्मचारियों के लिए वार्षिक सामान्य स्वास्थ्य जाँच भी प्रायोजित की गई थी। इस पहल से लगभग 13 पूर्व कर्मचारी लाभान्वित हुए।

उच्च शिक्षा ऋण

कल्याण समिति कर्मचारियों के बच्चों की उच्च शिक्षा की जरूरतों को पूरा करती है। यह समूह बी, सी, तथा डी कर्मचारियों के लिए एक ब्याजमुक्त शिक्षा ऋण योजना है। यह ऋण केवल भारत के भीतर एआईसीटीई, यूजीसी मान्यता प्राप्त कॉलेजों / विश्वविद्यालयों / संस्थानों के नियमित डिग्री / डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए उपलब्ध है।

वर्ष 2018-19 की शुरूआत से, कल्याण समिति ने कर्मचारियों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए 10 किस्तों के बदले 12 समान मासिक किस्तों में ऋण राशि की वसूली शुरू की है। पहले की परिपाटी के बजाय ऋण को एक वर्ष में दो बार वितरित किया गया।

पहले चरण में, सात सदस्यों को कुल 3,75,000 रुपए के ऋण मिले। दूसरे चरण में, चार सदस्यों को कुल 2,09,000 रुपए का ऋण वितरित किया गया।

शैक्षिक पहल : ट्यूशन कक्षाएँ आयोजित करना

कल्याण समिति ने एक गैर सरकारी संगठन, संवाद के सहयोग से समूह सी और डी कर्मचारियों के 1 से 8 तक की कक्षाओं में पढ़ाई कर रहे बच्चों के लिए नि:शुल्क ट्यूशन कक्षाओं का आयोजन किया। वर्तमान में इस पहल से 25 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।

श्री रामकृष्ण - शारदा मेडिकल फ़ंड

कल्याण समिति ने श्री रामकृष्ण शारदा मेडिकल फंड के नाम पर एक मेडिकल फंड बनाया है, जिसमें पीजीपी 1990 बैच से प्रोफ़ेसर शेखर चौधरी तथा सुश्री सरोजा द्वारा 5,00,000 रुपए का योगदान दिया गया है। इस फंड से मिलने वाले ब्याज से सेवानिवृत्त समूह सी तथा डी के कर्मचारियों और उनके जीवनसाथी के मेडिकल खर्चों की जरूरतों को पूरा किया गया। इस वर्ष, पात्र सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए 20,900 रुपए जारी किए गए थे।

INSTITUTE DAY
CELEBRATIONS
Welfare Committee
WELCOMES YOU

INSTITUTE DAY
CELEBRATIONS
WELCOMES YOU

कर्मचारी जन्मदिन समारोह

कल्याण समिति ने कर्मचारियों के जन्मदिन का जश्न उन्हें उनके जन्मदिन पर कार्ड और मिठाई के पैकेट के साथ अभिवादन करके मनाया।

गुजराती नव वर्ष समारोह

हर वर्ष कल्याण समिति गुजराती नव वर्ष का जश्न मनानेके लिए एक मिलन समारोह आयोजित करती है। इस वर्ष भी 16 नवंबर, 2018 को दीप प्राकट्य, फूलों से सजावट, आतिशबाजी, और मौजूद सभी लोगों को मिठाई पैकेट वितरित करने के साथ गुजराती नववर्ष मनाया गया था।

संस्थान दिवस समारोह

संस्थान के स्थापना दिवस को मनाने के लिए, हर वर्ष 11 दिसंबर को समारोह मनाया जाता है। समारोह के दौरान, निदेशक द्वारा मेधावी बच्चों और कर्मचारियों को उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। विभिन्न श्रेणियों में इस वर्ष 67 पुरस्कार प्रदान किए गए।

आईआईएमए समुदाय के बच्चों, कर्मचारियों और संस्थान के छात्रों द्वारा हर साल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। संस्थान में निरंतर सेवा के 15 वर्ष या उससे अधिक पूर्ण करने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए। साथ ही संस्थान में 20 साल या उससे अधिक सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

कल्याण समिति ने 8 मार्च, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। समिति ने संस्थान के सभी महिला कर्मचारियों के लिए मजेदार गतिविधियों की व्यवस्था की। गुलाब, और कार्ड वितरित किए गए थे और संस्थान में कार्यरत सभी 289 महिलाओं के लिए एक विशेष मध्याह्न भोजन का आयोजन करके मेजबानी की गई थी।

अन्य गतिविधियाँ

स्वस्थ जीवन के लिए प्राकृतिक चिकित्सा

कल्याण समिति ने निम्बा प्राकृतिक चिकित्सा इलाज ग्राम के साथ समन्वय में 17 जुलाई, 2018 को 'एक स्वस्थ जीवन के लिए प्राकृतिक चिकित्सा' पर एक सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में प्रतिभागियों को प्राकृतिक चिकित्सा प्रणालियों द्वारा जीवन शैली संबंधित विकारों को रोकने तथा उनके उपचार के बारे में सिखाया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को पोषण, संतुलित आहार, घरेलू उपचार और तनाव प्रबंधन के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करने के अलावा योग और ध्यान की प्राचीन भारतीय विज्ञान की बारीकियों से भी अवगत कराया गया।

नौकरी कौशल पर प्रशिक्षण

कल्याण समिति ने मानव विकास तथा अनुसंधान केंद्र-सेंट ज़ेवियर कॉलेज के निदेशक को 31 जुलाई, 2018 को आमंत्रित किया था और उन्होंने निम्नलिखित कार्य कौशलों में समुदाय के बच्चों प्रशिक्षण दिलाकर किस तरह सहायता की जा सकती है उस बारे में संक्षिप्त विवरण दिया था:

- बुनियादी अंग्रेजी संचार
- खुदरा प्रबंधन / आतिथ्य पर्यटन
- जीवन कौशल
- व्यक्तित्व विकास

इस प्रशिक्षण के माध्यम से, एचडीआरसी लोगों को रोजगार प्राप्त करने में भी मदद करता है। प्रशिक्षण की लागत संस्थान द्वारा पूरी की जाती है।

दंत स्वच्छता के बारे में जागरूकता पर सत्र

30 अगस्त, 2018 को एलीट डेंटल क्लिनिक के सहयोग से दंत स्वच्छता पर एक सत्र आयोजित किया गया। एलीट डेंटल केयर के डॉ. राहुल शाह और डॉ. भाविका भाटिया शाह ने सत्र का संचालन किया और निशुल्क जाँच की पेशकश की।

स्वर्ण सदस्यता : दर्पण अकादमी

संस्थान ने दर्पण अकादमी, नटारानी में एम्फीथिएटर की गोल्ड सदस्यता ली है। सदस्यता के हिस्से के रूप में, संस्थान को एक वर्ष में विभिन्न थिएटर शो के लिए 200 टिकट मिलते हैं जो कल्याण समिति द्वारा संकाय और कर्मचारी सदस्यों को वितरित किए गए थे।

श्री एम. द्वारा सत्र

सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक मार्गदर्शक, समाज सुधारक और शिक्षाविद श्री एम. ने, 8 फरवरी, 2019 को संस्थान का दौरा किया और भगवद् गीता तथा आधुनिक कॉर्पोरेट प्रबंधन के लिए उसकी प्रासंगिकता पर चर्चा की थी।

'मोटापा : आधुनिक युग का हत्यारा' विषय पर जागरूकता सत्र

कल्याणसमिति ने 22 फरवरी, 2019 को 'मोटापा: आधुनिक युग का हत्यारा' विषय पर द्वारका क्लिनिक (लिवर गैस्ट्रो, कैंसर और ओबेसिटी सर्जरी केंद्र) के साथ मिलकर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया। डॉ. अविनाश टांक ने इस सत्र का संचालन किया था।

'खगोल विज्ञान को आसान और दिलचस्प बनाने' पर सत्र

कल्याण समिति ने 27 फरवरी, 2019 को श्री सी.बी. मोढवाडिया द्वारा 'खगोलविज्ञान को आसान और दिलचस्प बनाने' पर एक सत्र आयोजित किया। श्री मोढवाडिया को खगोल विज्ञान को आम लोगों में लोकप्रिय बनाने का शौक है। इस सत्र को तीन चरणों में पेश किया गया था।

प्रस्तुतीकरण

निम्नलिखित विषयों पर 45 मिनट की प्रस्तुति :

- हमारे सितारों और नक्षत्रों को कुछ रोचक तथ्य के साथ बेहतर तरीके से जानना कि वे किस तरह से संरचनाएँ बनाते हैं।
- आकर्षक राशि पट्ट की पहचान।
- तारों के माध्यम से दिशाओं की पहचान करने का अद्भुत तरीका।
- 'राशि' के माध्यम से दिए गए मानव नामों को समझने का आसान तरीका।
- मकर संक्रांति की आकाशीय घटना के लिए आकर्षक खोजक।
- कुछ राष्ट्रों के राष्ट्रीय ध्वज में विशेष नक्षत्र का महत्व।
- शुक्र को भोर में जगाने वाले अलार्म के रूप में क्यों लिया जाता है।
- दुनिया भर में खगोल 'तीर्थ' में से कुछ की पहचान।

जीवंत आकाश

- तारों और नक्षत्रों को बहुत सरल तरीके से समझना लेकिन बहुत ही आकर्षक तरीके से।
- शायद ही कभी दिखाई देने वाले बुध को देखने का बड़ा अवसर।

10 इंच के विशाल टेलीस्कोप के साथ अवलोकन

- बेल्जियम के शाइनिंग डायमंड - सीरियस स्टार का निरीक्षण।
- ओरियन के प्रसिद्ध एम42 प्रसारित नेबुला, एक तारकीय नर्सरी जहाँ नए सितारे पैदा हो रहे हैं।
- नीला-हरा ग्रह यूरेनस।

परिशिष्ट

क

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क1: पीजीपी छात्र

	पीजीपी I	पीजीपी II
कार्यक्रम में शामिल हुए	399	393
(-) अलग हुए	1	-
(-) 2019 में पुन शामिल करने के लिए कहा / अनुमति	-	-
(+) पुनरावृत्ति करने वाले	-	-
(+) 2018 में पुन शामिल होने की अनुमति दी गई	1	
प्रथम / द्वितीय वर्ष में संख्या	**399**	**393**
(-) जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया	-	-
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	-	-
(-) अकादमिक अनुशासनहीनता के कारण एक या अधिक सत्रों के लिए निलंबन	-	4
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री और सामान्य) पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	9
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	1
(+) पूर्व वर्ष के स्नातक	-	1
(+) डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र		18
कुल प्रोन्नत / स्नातक	**399**	**398**

क2: छात्र विनिमय कार्यक्रम में आईआईएमए के छात्र

विनिमय सहभागी का नाम	वर्ष 2018-19 में जाने वाले
ऑस्ट्रेलिया	
ऑस्ट्रेलियाई ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, सिडनी	2
एशिया	
ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, क्योटो विश्वविद्यालय, जापान	3
ग्रेजुएट स्कूल ऑफ कॉमर्स (वासेदा बिजनेस स्कूल) वासेदा विश्वविद्यालय जापान	1
यूरोप	
आल्टो स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हेलसिंकी, फिनलेंड	1
कैटोलिका लिस्बन, लिस्बन, पुर्तगाल	1
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल, फ्रेडरिकबर्ग, डेनमार्क	5
ईडीएचईसी, सेडेक्स, फ्रांस	7
एमिलियन बिजनेस स्कूल, फ्रांस	6
ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	2
ईएससीपीईएपी, सेडेक्स, फ्रांस	12
ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस	7
ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस-एमएस, एमआईए (पीजीपी-एबीएम के लिए)	2

परिशिष्ट जारी

क

विनिमय सहभागी का नाम	वर्ष 2018-19 में जाने वाले
यूरोपीय बिजनेस स्कूल (ईबीएस), ओस्ट्रिच-विंकेल, जर्मनी	1
एचईसी लॉज़ेन, स्विट्ज़रलैंड	2
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, पेरिस, फ्रांस	4
एचएचएल-लीपजिग ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, लीपजिग, जर्मनी	3
आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस	3
इंस्टीट्यूटो डी एंप्रेस्सा, मैड्रिड, स्पेन (आईई बस स्कूल)	1
जोंकोपिंग इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, जोंकोपिंग, स्वीडन	4
मुन्स्टर स्कूल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, जर्मनी (एमएसबीई)	4
नॉर्वेजियन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नॉर्वे	8
एन एच एच नॉर्वेजियन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नॉर्वे (एफएबीएम)	2
एप्लाइड साइंसेज के पोफोर्हेम विश्वविद्यालय, पफ़र्जहैम, जर्मनी	5
सोलवे बिजनेस स्कूल, ब्रुसेल्स, बेल्जियम (लिबर डी का विश्वविद्यालय)	4
स्टॉकहोम स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, स्टॉकहोम, स्वीडन	3
टूलूज़ बिजनेस स्कूल, फ्रांस (ईएससीटूलूज़, सेडेक्स, फ्रांस से नाम बदला गया)	2
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो विश्वविद्यालय, इटली	4
कोलोन विश्वविद्यालय, कोलन	8
मास्ट्रिच विश्वविद्यालय, मास्ट्रिच, नीदरलैंड्स	3
मैनहेम विश्वविद्यालय, मैनहेम, जर्मनी	2
सेंट गैलेन विश्वविद्यालय, सेंट गैलेन, स्विट्ज़रलैंड	1
वियना यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिज़नस एडमिनिस्ट्रेशन, वियना, ऑस्ट्रिया	3
वारसॉ स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, पोलैंड	3
उत्तरी अमेरिका	
वाशिंगटन विश्वविद्यालय (जॉन एम. ओलिन स्कूल ऑफ बिजनेस), सेंट लुइस	1
टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन, टेक्सास (मेककॉम्बस स्कूल ऑफ बिजनेस)	1
गोज़ुइता बिजनेस स्कूल, एमोरी यूनिवर्सिटी, जॉर्जिया	1
कुल	**122**

डबल डिग्री कार्यक्रम	
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो, इटली	6
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, पेरिस, फ्रांस	3
कुल	**9**

क 3: छात्र विनिमय कार्यक्रम पर विदेशी छात्र

विनिमय सहभागी का नाम	वर्ष 2018-19 में आने वाले
एशिया	
एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, थाईलैंड	4
ग्रेजुएट स्कूल ऑफ कॉमर्स, वासेदा विश्वविद्यालय, जापान	2
जापान का अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, निगाता, जापान	1
यूरोप	
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल, फ्रेडरिक्सबर्ग, डेनमार्क	6
ईडीएचईसी, सेडेक्स, फ्रांस	7
एमिलियन बिजनेस स्कूल, फ्रांस	5
ईएससीपी-ईएपी, फ्रांस	11
ईएसएसईसी, फ्रांस	9
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, पेरिस, फ्रांस	2
एचएचएल-लीपजिग ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, लीपजिग, जर्मनी	1
मुन्स्टर स्कूल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, जर्मनी (एमएसबीई)	3
टूलूज़ बिजनेस स्कूल, फ्रांस (ईएससी-टूलूज़, सेडेक्स, फ्रांस से नाम बदला गया)	2
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो, इटली	4
कोलोन विश्वविद्यालय, कोलन, जर्मनी	5
वियना यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन, वियना, ऑस्ट्रिया	4
ईएम नोर्मंडी बिजनेस स्कूल, फ्रांस	2
कनाड़ा	
ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा	1
कुल	**69**
डबल डिग्री छात्र विनिमय कार्यक्रम	
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो, इटली	7
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, पेरिस, फ्रांस	1
ईएसएसईसी बिजनेस स्कूल, फ्रांस	1
कुल	**9**

परिशिष्ट जारी **क**

क 4 : छात्रवृत्तियाँ

उद्योग छात्रवृत्तियाँ : बैच 2017-19 (प्रथम वर्ष)

नाम	छात्रवृत्ति
शुभम गोयल	राधा और संजीव चड्ढा छात्रवृत्ति
आडवाणी मनीष सुरेश	जेट एज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
नैतिक जैन	एस.एम. शाह छात्रवृत्ति
करण त्यागी	इंफोसिस छात्रवृत्ति
केतकी गुप्ता	आईसीआईसीआई छात्रवृत्ति
क्षितिज जैन	एसबीआई म्युचुअल फंड छात्रवृत्ति
अखिल गर्ग	आईआईएमए रजत जयंती/पीजीपी87 बैच/संकाय स्मारक, ऑडको और आईआईएमए छात्रवृत्ति

आईआईएमए छात्रवृत्तियाँ

- वृंदा अरुण लोहिया
- आशीष छिल्लर
- जतिन
- मरम महीधर
- पवित्रा देवी ए.
- विभु राजीव गुप्ता
- प्रत्यूष पांडे
- अक्षिता अग्रवाल
- विभोर वर्मा
- नवीन चांगोईवाला
- रेवंत सोनी
- शुचि अग्रवाल
- आयुष सराफ

उद्योग छात्रवृत्तियाँ : बैच 2017-19 (द्वितीय वर्ष)

नाम	छात्रवृत्ति
शुभम गोयल	श्रीमती शारदा भंडारी एवं श्री पी. के. रथ
आडवाणी मनीष सुरेश	अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
क्षितिज जैन	रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
विभोर वर्मा	आलोक मिश्रा छात्रवृत्ति
प्रतीक रमेश मेनन	जेट एज सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड छात्रवृत्ति
अक्षिता अग्रवाल	एस.एम. शाह छात्रवृत्ति
शिखा गुप्ता	आईएफसीआई लिमिटेड छात्रवृत्ति
नैतिक जैन	आईएफसीआई लिमिटेड छात्रवृत्ति
विनीत गुप्ता	मोनसेंटो और आईआईएमए छात्रवृत्ति
मरम महीधर	सुरेंद्र पॉल एवं आईआईएमए छात्रवृत्ति
अखिल गर्ग	दुन ब्रैडस्ट्रीट एवं आईआईएमए छात्रवृत्ति

आईआईएमए छात्रवृत्तियाँ

- वरुण गुप्ता
- विदित गर्ग
- रेवंत सोनी
- पिंगले गौरव रेड्डी
- रजत दत्ता
- यशस्वी अजित जोशी
- मितेश कुमार
- अनिकेत लोहिया
- आशीष अमिताभ भरतवाल

परिशिष्ट जारी

क

क 5 : प्राप्त आवेदनों का तुलनात्मक चित्रण

	बैच 2019-2021				बैच 2018-2020			
श्रेणी	**पुरुष**	**महिला**	**विपरीत लिंगी**	**कुल**	**पुरुष**	**महिला**	**विपरीत लिंगी**	**कुल**
सामान्य वर्ग	94093	52397	2	146492	93468	50693		144161
नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	21310	8663	1	29974	19573	7614	19	27206
अनुसूचित जाति	9385	4044		13429	8657	3600		12257
अनुसूचित जनजाति	2347	1156		3503	2227	1085		3312
दिव्यांग	632	150	1	783	593	119		712
जीमैट/प्रवासी भारतीय	9	6		15	21	8		29
अधिसंख्यकोटा	4	5		9	4	2		6
कुल	**127780**	**66421**	**4**	**194205**	**124543**	**63121**	**19**	**187683**
प्रतिशत	**65.80**	**34.20**	**0.00**	**100.00**	**66.36**	**33.63**	**0.01**	**100.00**

क 6 : पीजीपी के लिए प्राप्त आवेदन

चरण	**लिंग / कुल**	**सामान्य वर्ग**			**आरक्षित वर्ग**				**कुल**
			जीमैट						
		कैट	**प्रवासी भारतीय**	**अधिसंख्य कोटा**	**नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग**	**अनुसूचित जाति**	**अनुसूचित जनजाति**	**दिव्यांग**	
आईआईएमए के लिए आवेदनकर्ता	पुरुष	94093	9	4	21310	9385	2347	632	127780
	महिला	52397	6	5	8663	4044	1156	150	66421
	विपरीत लिंगी	2	0	0	1	0	0	1	4
	कुल	**146492**	**15**	**9**	**29974**	**13429**	**3503**	**783**	**194205**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार	पुरुष	417	3	3	249	111	54	32	869
	महिला	133	2	3	47	40	35	9	269
	कुल	**550**	**5**	**6**	**296**	**151**	**89**	**41**	**1138**
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवार	पुरुष	404	2	3	235	106	44	29	823
	महिला	132	2	3	46	38	33	9	263
	कुल	**536**	**4**	**6**	**281**	**144**	**77**	**38**	**1086**

ख

खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ख1 पीजीपी-एफ़एबीएम के लिए प्राप्त आवेदन

वर्ग	बैच 2018-20				बैच 2019-21			
	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल
सामान्य	63381	31981	0	95362	65869	34454	1	100324
नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	14065	5086	13	19164	15836	6126	1	21963
अनुसूचित जाति	5974	2314	0	8288	6744	2648	0	9392
अनुसूचित जनजाति	1472	670	0	2142	1575	723	0	2298
दिव्यांग	422	73	0	495	431	93	0	524
कुल	**85314**	**40124**	**13**	**125451**	**90455**	**44044**	**2**	**134501**
प्रतिशत	68.01	31.98	0.01	100	67.25	32.75	0.00	100

ख2 पीजीपी-एफ़एबीएम प्रवेश : 2019-2021

विवरण	लिंग	सामान्य वर्ग	आरक्षित वर्ग					कुल
	लिंग	सामान्य	नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	जीमैट	
कैट परीक्षा में शामिल	पुरुष	99793	22954	10059	2582	688	-	136076
	महिला	57125	10085	4589	1361	166	-	73326
	विपरीत लिंगी	2	1	0	0	0	-	3
	कुल	**156920**	**33040**	**14648**	**3943**	**854**	**-**	**209405**
पीजीपी-एफ़एबीएम के लिए आवेदकों की संख्या	पुरुष	65869	15836	6744	1575	431	-	90455
	महिला	34454	6126	2648	723	93	-	44044
	विपरीत लिंगी	1	1	0	0	0	-	2
	कुल	**100324**	**21963**	**9392**	**2298**	**524**	**-**	**134501**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	164	101	37	21	8	-	331
	महिला	90	51	13	7	2	-	163
	विपरीत लिंगी	0	0	0	0	0	-	0
	कुल	**254**	**152**	**50**	**28**	**10**	**-**	**494**
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	139	88	29	12	4	-	272
	महिला	80	45	11	4	2	-	142
	कुल	**219**	**133**	**40**	**16**	**6**	**-**	**414**

परिशिष्ट जारी

ख

ख3: पीजीपी-एफ़एबीएम 2018-19 में छात्र

	पीजीपीएफ़एबीएम (2018-19)	पीजीपीएफ़एबीएम (2018-19)
कार्यक्रम में शामिल हुए	46	45
(-) अलग हुए	-	-
(-) 2017 में पुन शामिल करने के लिए कहा / अनुमति	-	-
(+) पुनरावृत्ति करने वाले	-	-
(+)2017 में पुन शामिल होने की अनुमति दी गई	-	-
प्रथम/ द्वितीय वर्ष में संख्या	**46**	**45**
(-)जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया	शून्य	शून्य
(-)जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	शून्य	शून्य
शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री और सामान्य) पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	शून्य	शून्य
शैक्षणिक अनुशासनहीनता करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	शून्य	शून्य
पूर्व वर्ष के स्नातक	शून्य	शून्य
डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	शून्य	शून्य
कुल प्रोन्नत / स्नातक	46	45

ख4 पुरस्कार एवं औद्योगिक छात्रवृत्ति

पुरस्कार / औद्योगिक छात्रवृत्ति	दाता	पुरस्कार / औद्योगिक छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता
सर्वश्रेष्ठ पीजीपी-एफएबीएम छात्रा	श्रीमती माथुर, स्वर्गीय श्री आर. सी. माथुर (पीएमए 1972) की स्मृति में	सुश्री सृष्टि सिंह
बैच का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार	सुश्री गीता गर्ग (पीजीपी-एबीएम 2015)	श्री उमंग अग्रवाल
औद्योगिक छात्रवृत्ति	श्री परमेश शाह (पीजीपी-एसपीए 1982)	सुश्री मोक्षा

ग

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ग1: छात्रों की प्रोफाइल

मापदंड	औसत
जीमैट	700
जीआरई	323
कुल कार्यानुभव	8 वर्ष 9 महीने
अंतरराष्ट्रीय कार्यानुभव	1 वर्ष 11 महीने
31 मार्च 2018 को आयु	31 वर्ष 10 महीने

- **अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन**
  - 01 (0.72%) अंतरराष्ट्रीय छात्र ऑस्ट्रेलिया से है।
  - 24 (17.39%) भारत से बाहर 11 देशों में रह रहे हैं।
  - 75 (54.35%) के पास कार्य और अध्ययन के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन है।
- **शैक्षणिक पृष्ठभूमि**
  - 14 (10.14%) ने अपने देश के बाहर से उपाधि प्राप्त की है।
  - 32 (23.19%) ने स्नातक से ज्यादा उच्च योग्यता (व्यावसायिक, अनुस्नातक) प्राप्त की है।
  - 119 (86.23%) इंजीनियर हैं।
  - 38 (27.54%) आईआईटी / एनआईटी से स्नातक हैं।
- उद्योगों में अकादमिक और शिक्षा, विज्ञापन / संचार / मीडिया / मनोरंजन, एयरोस्पेस और विमानन, कृषि, बैंकिंग वित्तीय सेवाएँ और बीमा, परामर्श, रक्षा और सुरक्षा, ऊर्जा और उपयोगिताएँ, एफएमसीजी औप उपभोक्ता ड्यूरेबल्स, सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं निर्माण, आईटी और आईटी सेवाएँ, विनिर्माण/इंजीनियरिंग, गैर सरकारी संगठन और सामाजिक सेवाएँ, फार्मा / बायोटेक / हेल्थकेयर / अस्पताल, / ईकॉमर्स, शिपिंग / परिवहन / रसद, दूरसंचार और यात्रा और आतिथ्य शामिल हैं।
- 23(16.67%) छात्राएँ हैं।

उद्योग विवरण		कार्यात्मक विवरण	
अकादमिक एवं शिक्षा	2	परामर्श	21
विज्ञापन / संचार / मीडिया / मनोरंजन	5	इंजीनियरिंग और रखरखाव	19
एयरोस्पेस और विमानन	2	संचालन	19
कृषि	1	आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	12
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा	12	आईटी आधारित अनुसंधान और विकास	10
परामर्श	11	सामान्य प्रबंधन	8
रक्षा और सुरक्षा (केंद्रीय / राज्य / स्थानीय निकाय)	1	बिक्री और विपणन	12
ऊर्जा और उपयोगिताएँ	21	गैर-आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	7
एफएमसीजी / उपभोक्ता ड्यूरेबल्स	1	गैर-आईटी आधारित अनुसंधान और विकास	6
सरकार और सार्वजनिक उपक्रम	5	वित्त एवं लेखा	5
आधारभूत संरचना और निर्माण	6	सिस्टम डिजाइनिंग	5

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ग

उद्योग विवरण		कार्यात्मक विवरण	
आईटी और आईटी सेवाएँ	29	व्यवसाय / उत्पाद विकास	3
विनिर्माण / इंजीनियरिंग	28	आईटी आधारित संचालन	3
गैर सरकारी संगठन और सामाजिक सेवाएँ	2	खरीद	3
फार्मा / बायो टेक / स्वास्थ्य / अस्पताल	1	ईआरपी पेशेवर	2
खुदरा / ईकॉमर्स	5	गुणवत्ता आश्वासन / गुणवत्ता नियंत्रण	2
शिपिंग / यातायात / रसद	1	शिक्षक / ट्रेनर / व्याख्याता / प्रोफेसर	1
दूरसंचार	4		
यात्रा और आतिथ्य	1		
कुल	**138**	**कुल**	**138**

ग2 : नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

- सीआईएनईः मितव्ययी नवाचार के लिए समुदायों और निगमों को जोड़ना
- व्यापार के लिए डेटा विज्ञान
- प्रवेश और निकासः उद्यमियों के लिए बातचीत
- मुख्य सिद्धांत एवं प्रयोग
- तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार

ग 3 : वक्ता श्रृंखला

वक्ता का नाम	पदनाम	कंपनी
राजेश मखीजा	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	एमफैसिस
धीरज अवस्थी	प्रमुख, जोखिम विश्लेषण	एचएसबीसी खुदरा बैंकिंग और धन प्रबंधन
श्रीकांत जोशी	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	एल एंड टी रियल्टी
मनीष वोरा	मुख्य वित्तीय अधिकारी	जॉनसन एंड जॉनसन
रमन रामचंद्रन	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	बीएएसएफ केमिकल इंडिया
एन. के. सिंह	अध्यक्ष	पंद्रहवाँ वित्त आयोग
रमेश नायर	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	जेएलएल इंडिया
आशीष भंडारी	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, तेल एवं गैस	जीई
सुरेश नारायणन	अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक	नेस्ले इंडिया
सिराज चौधरी	अध्यक्ष	कारगिल इंडिया
कबीर अहमद शाकिर	मुख्य वित्तीय अधिकारी	माइक्रोसॉफ्ट इंडिया
पैट्रिक रिसे	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	वोक्सवैगन
संजय मरीवाला	प्रबंध निदेशक	ओमनीएक्टीव
दीपा मलिक	पैरालम्पिक खेलों में रजत पदक विजेता	
आर.एस.सोढ़ी	प्रबंध निदेशक	गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन फेडरेशन (जीसीएमएमएफ)

घ

ई-प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

घ1 प्रवेश 2017-19

दौर	कुल
प्राप्त आवेदन (ह्यूजेस से ईपीजीपी कार्यालय को हार्ड कॉपी)	227
आई ए टी में भाग लिया	164
मान्य जीमैट	9
मान्य कैट	5
साक्षात्कार के लिए लघुसूचीकृत किया गया (कैट / जीमैट सहित)	142
साक्षात्कार में भाग लिया	117
प्रवेश की पेशकश की गई	66
स्वीकृत प्रस्ताव	53
अंत में शामिल हुए	51
2018-20 के लिए स्थगित करने के लिए आवेदन किया	2

घ2 2018-20

दौर	कुल
कुल पंजीकरण (प्रस्तुत सहित)	609
कुल प्रस्तुत	193
आई ए टी में भाग लिया	164
मान्य जीमैट	9
मान्य कैट	1
साक्षात्कार के लिए लघुसूचीकृत किया गया (कैट / जीमैट सहित)	118
साक्षात्कार में भाग लिया	109
साक्षात्कार में भाग नहीं लिया	9
प्रवेश की पेशकश की गई	78
स्वीकृत प्रस्ताव	65
शामिल हुए	62
पिछले वर्ष स्थगित	2
2019-21 के लिए स्थगित करने के लिए आवेदन किया	3

ङ

प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम

ङ 1 : स्नातक होने वाले डॉक्टरेट छात्र

नाम	विषयक्षेत्र	शोधप्रबंध शीर्षक	शोधप्रबंध परामर्शन समिति के सदस्य
अनीता केराई	व्यापार नीति	एक पारिवारिक व्यवसाय के संदर्भ में शीर्ष प्रबंधन टीम की ताकत और परिणाम	प्रोफ़ेसर चित्रा सिंगला (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अनीश सुगथन प्रोफ़ेसर राकेश बसंत
अंकुर कपूर	विपणन	उत्पाद मूल्यांकन और पसंद पर गैर-इरादतन हस्तक्षेप का प्रभाव	प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर नेहरिका वोहरा प्रोफ़ेसर अरुणा दिव्या टी.
दीपक मौन	शिक्षा में नवाचार एवं प्रबंधन	वर्चुअल स्पेस में सहयोगात्मक शिक्षण और वास्तविक कार्यस्थल पर क्षिक्षण भारत में इन-सर्विस पब्लिक-स्कूल शिक्षकों का केस	प्रोफ़ेसर विजया शेरी चंद (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा प्रोफ़ेसर राजीव शर्मा
निधि मिश्रा	संगठनात्मक व्यवहार	कार्यस्थल पर परेशान करने में माफी का प्रक्षेपवक्रः लक्ष्य का मुकाबला करने का एक आनुवांशिक घटना संबंधी अध्ययन	प्रोफेसर प्रेमिला डीक्रूज़ (अध्यक्ष) प्रोफेसर परविंदर गुप्ता प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा
क़म्बर आबिदी	वित्त एवं लेखा	विनियामक सुधार और कॉर्पोरेट दिवालियापन पुनर्गठन की स्थिति का पर्यवेक्षण	प्रोफ़ेसर सिद्धार्थ सिन्हा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर जोशी जैकब प्रोफ़ेसर कार्तिक श्रीराम
साई चितरंजन कलुबंदी	व्यापार नीति	व्यापारिक समूहों के आंतरिक बाजारों पर निबंध	प्रोफ़ेसर अमित कर्णा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अनीश सुगथन प्रोफ़ेसर राकेश बसंत
सकीना एच. पूनावाला	वित्त एवं लेखा	लेखा परीक्षा समिति और बोर्ड की संरचना पर निबंध	प्रोफ़ेसर अजय पांडेय (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर नमन देसाई प्रोफ़ेसर जोशी जैकब
समुंद्र सेन	सार्वजनिक प्रणाली समूह	भारत में उच्च शिक्षा दक्षता, गुणवत्ता और स्थिरता	प्रोफ़ेसर अभिमान दास (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर रवींद्र ढोलकिया प्रोफ़ेसर सुनील माहेश्वरी
समवेत कुरिल	शिक्षा में नवाचार एवं प्रबंधन	ऑनलाइन व्यावसायिक विकास कार्यक्रम के माध्यम से नेतृत्व व्यवहार में बदलाव 'पहचान, सामंजस्य और जानबूझकर आधारितः समुदाय' को प्रासंगिक बनाना	प्रोफ़ेसर विजया शेरी चंद (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर कथन शुक्ला प्रोफ़ेसर विशाल गुप्ता
शिवा कक्कड़	संगठनात्मक व्यवहार	कार्य प्रबंधन पर प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली की धारणा और नियामक केंद्रित प्रभाव	प्रोफेसर नेहरिका वोहरा (अध्यक्ष) प्रोफेसर विशाल गुप्ता प्रोफेसर प्रद्युम्न खोकले
सोनाली जैन	वित्त एवं लेखा	भारतीय इक्विटी डेरिवेटिव बाजारों का अध्ययन	प्रोफेसर जयंत आर. वर्मा (अध्यक्ष) प्रोफेसर शोभेश कुमार अग्रवाल प्रोफेसर अजय पांडेय
सुदीप्त मंडल	विपणन	इनकार की बेहतर समझ और ब्रांड की याददाश्त को वापस लाना	प्रोफेसर अरविंद सहाय (अध्यक्ष) प्रोफेसर अक्षय विजयालक्ष्मी प्रोफेसर प्रोमिला अग्रवाल प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी
विधि अवाशिया	सार्वजनिक प्रणाली समूह	विकास, जलवायु परिवर्तन और भारतीय शहर नीतियों को तैयार करना और उन्हें लागू करना	प्रोफेसर अमित गर्ग (अध्यक्ष) प्रोफेसर अजय पांडेय प्रोफेसर पी. आर. शुक्ला

परिशिष्ट जारी **ङ**

ङ 2: श्रेष्ठ शोध-प्रबंध पुरस्कार

छात्र का नाम	शोधप्रबंध शीर्षक	पुरस्कार राशि ₹
प्रोफेसर तीर्थ गुप्ता स्मारक पुरस्कार		
सुदीप्त मंडल (विपणन)	इनकार की बेहतर समझ और ब्रांड की याददाश्त को वापस लाना	25,000
सोनाली जैन (वित्त एवं लेखा)	भारतीय इक्विटी डेरिवेटिव बाजारों का अध्ययन	25,000
साई चितरंजन कलुबंदी (व्यापार नीति)	व्यापारिक समूहों के आंतरिक बाजारों पर निबंध	25,000
आईएफसीआई पुरस्कार		
सकीना एच. पूनावाला (वित्त एवं लेखा)	लेखा परीक्षा समिति और बोर्ड की संरचना पर निबंध	33,333
सैकत चक्रवर्ती (संगठनात्मक व्यवहार)	पूर्वसर्ग के संदर्भ में गरिमा को पुनर्परिभाषित करना भारत में सुरक्षा गार्डों पर अध्ययन	33,333
बालगोपाल गोपालकृष्णन (वित्त एवं लेखा)	वित्तीय मध्यस्थता पर निबंध	33,333
प्रथम वर्ष में शैक्षिक प्रदर्शन के लिए चौधरी-पद्मनाभन-पंत पुरस्कार		
आर. रघुराम (विपणन)		10,000

ङ 3: सम्मेलनों/ पीएच. डी. वार्तालाप / कंसोर्टियम में छात्रों की भागीदारी / पेपर प्रकाशन

सम्मेलन	
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	45
स्थानीय सम्मेलन	21
कुल सम्मेलन	66
कुल छात्रों ने भाग लिया	51
पीएच.डी. वार्तालाप / कंसोर्टियम	
अंतर्राष्ट्रीय पीएच.डी. वार्तालाप	2
स्थानीय पीएच.डी. वार्तालाप	5
कुल पीएच.डी. वार्तालाप	7
कुल छात्रों ने भाग लिया	6
पेपर प्रकाशन	
कुल पेपर प्रकाशित	16 (अ-2, ब - 7, स - 4, अन्य - 3)
शामिल छात्रों की कुल संख्या	14

च

स्नातकोत्तर एवं फेलो कार्यक्रम : छात्र संख्या

	प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	खाद्य और कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम	कुल
2009-10	602	54	80	79	815
2010-11	688	77	86	69	920
2011-12	747	78	101	73	999
2012-13	753	78	85	84	1000
2013-14	756	87	85	80	1008
2014-15	773	82	85	75	1015
2015-16	790	92	85	80	1047
2016-17	790	92	90	85	1057
2017-18	788	91	115	95	1089
2018-19	**792**	**91**	**137**	**110**	**1130**

छ

स्थानन

स्थानन के लिए प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियाँ

एस्टी एडवाइजर्स स्ट्रेटजी	मेडी असिस्ट	सर्वीफाई
इतिहाद	मूनफ्रॉग लैब्स	स्टेट स्ट्रीट
ग्रोफर्स	नेक्सट एज्यूकेशन	ट्रिविट्रोन
आईवी केप वेंचर्स एडवाइजर्स	निंजकार्ट	टीवीएल
लेनोवो	ओलम इंटरनेशनल	यूबी लिमिटेड
लेंसकार्ट	पेसीफिका	उड़ान
मैजिकब्रिक्स	पिटनी बोवेस	वर्ल्डक्वांट रिसर्च
मारुति सुजुकी	रसेल रेनॉल्ड्स	

बैच प्रोफ़ाइल

शैक्षिक पृष्ठभूमि		कार्यानुभव		प्रस्ताव स्वीकृति	
कार्य	**छात्रों काप्रतिशत**	**अवधि**	**छात्रों का प्रतिशत**	**समूह**	**स्वीकृति**
इंजीनियरिंग	74	नए	39	समूह 1	96
कला	5	0 - 1 वर्ष	16	समूह 2	73
वाणिज्य और व्यवसाय प्रशासन	16	1 - 2 वर्ष	26	समूह 3	24
अन्य	5	2 - 3 वर्ष	14	पीपीओ	122
		3 से अधिक वर्ष	5	पार्श्विक	73
				कुल	**388**

क्षेत्र / कार्य अनुसार स्थानन - 2019

क्षेत्र	अंतिम प्रस्ताव	प्रतिशत
व्यापार विकास	25	6.44
परामर्श	142	36.60
वित्त	45	11.60
सामान्य प्रबंधन	34	8.76
विपणन	61	15.72
संचालन	5	1.29
उत्पाद / श्रेणी प्रबंधन	65	16.75
सिस्टम्स / आईटी	10	2.58
अन्य	1	0.26
कुल	**388**	**100**

परिशिष्ट जारी

छ

क्षेत्रों के अनुसार प्रस्तावों का सचित्र प्रतिनिधित्व

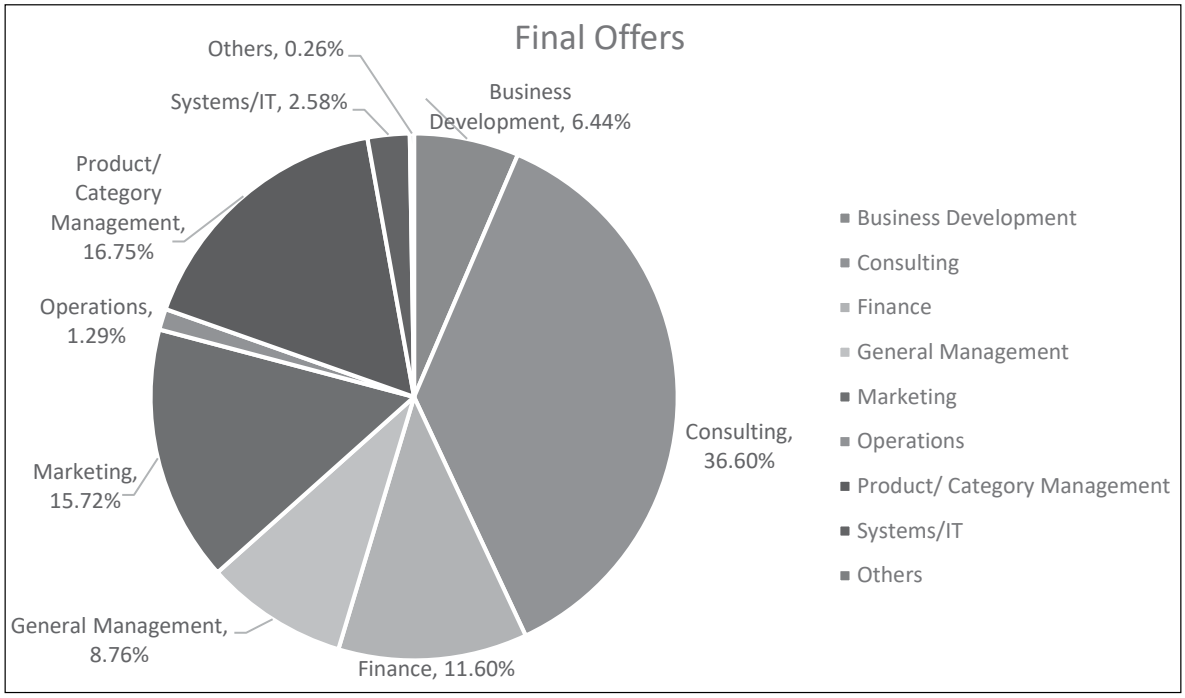

क्षेत्र / कार्य अनुसार स्थानन के पिछले तीन वर्षों के रुझान

क्षेत्र	2017		2018		2019	
	संख्या	कुल का प्रतिशत	संख्या	कुल का प्रतिशत	संख्या	कुल का प्रतिशत
बिक्री / विपणन	63	16.32	51	13.14	61	15.72
वित्त	66	17.10	52	13.41	45	11.60
आईटी / उत्पाद प्रबंधन / श्रेणी प्रबंधन	42	10.88	47	12.11	75	19.33
संचालन	20	5.18	8	2.06	5	1.29
परामर्शन	103	26.68	119	30.67	142	36.60
संगठ/ व्यवसाय विकास	27	7.00	14	3.60	25	6.44
सामान्य प्रबंधन	48	12.44	52	13.41	34	8.76
अन्य	17	4.40	45	11.60	1	0.26
कुल	**386**	**100**	**388**	**100**	**388**	**100**

परिशिष्ट जारी **छ**

कार्य अनुसार शीर्ष भर्तीकर्ता - 2019

क्षेत्र	भर्तीकर्ता	भर्ती किए गए	कुल स्वीकृति का प्रतिशत (388)
परामर्श	एक्सेंचर स्ट्रेटेजी	21	5.41%
	द बोस्टन कन्सल्टिंग ग्रुप	17	4.38%
	पी डब्लू सी	14	3.61%
	बैन एंड कंपनी	13	3.35%
	मैककिंसे एंड कंपनी	13	3.35%
बीएफ़एसआई	एवेंडस	7	1.80%
	जेपी मोरगन	5	1.29%
	एचएसबीसी	4	1.03%
	गोल्डमैन साक्स	3	0.77%
सामान्य प्रबंधन	आदित्य बिड़ला ग्रुप	7	1.80%
	आर पी जी ग्रुप	5	1.29%
विपणन	एबी इनबेव	7	1.80%
	सैमसंग	7	1.80%
उत्पाद / श्रेणी प्रबंधन	फ्लिपकार्ट	11	2.84%
	अमेज़न	10	2.58%
	माइक्रोसॉफ्ट	8	2.06%
व्यापार विकास	फिनआईक्यू	11	2.84%
इंजीनियरिंग / टेक	ब्रोसरस्टेक	6	1.55%
	टेक महिंद्रा	4	1.03%
संचालन	मेडी असिस्ट	2	0.52%

उद्यमिता

छात्र का नाम	स्टार्ट अप्स का नाम या व्यवसाय योजना का शीर्षक	स्टार्ट अप्स की वेबसाइट (यदि कोई हो)	स्टार्ट अप्स का प्रासंगिक क्षेत्र
आँचल तात्या	डेनसिटी	https://www.densiti.in/	ऑनलाइन सेवाएं
मिकुल पटेल	मूड़केफे	https://moodcafe.in/	ऑनलाइन सेवाएँ हेल्थ टेक

परिशिष्ट जारी

छ

ग्रीष्मकालीन स्थानन का क्षेत्र अनुसार वितरण

क्षेत्र	स्थानन की संख्या
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा (बीएफएसआई)	83
कंपनियों के संगठन	31
परामर्श	121
उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी)	56
उपभोक्ता सेवाएँ	3
इंजीनियरिंग / प्रौद्योगिकी	19
पर्यावरण और ऊर्जा	7
सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	4
विनिर्माण	13
मीडिया / संचार	12
ऑनलाइन सेवाएं	32
औषधि / हेल्थकेयर	5
दूरसंचार	12
कुल	**398**

स्थानन पूल का वर्गीकरण

कुल पीजीपी-एफएबीएम बैच का आकार	45
स्थानन के लिए पात्र छात्रों की कुल संख्या	45
संस्थान के माध्यम से स्थानन की मांग नहीं करने वाले छात्रों की संख्या	2
स्थानन के माध्यम से जाने वाले छात्रों की संख्या	43

विभिन्न क्षेत्रों में प्रस्ताव

क्षेत्र	छात्रों की संख्या	प्रतिशत
कृषि इनपुट	15	34.88%
बीएफ़एसआई	6	13.95%
कंपनियों के संगठन	1	2.33%
परामर्श	3	6.98%
ईकॉमर्स	2	4.65%
एफ़एमसीजी	4	9.30%
खाद्य प्रसंस्करण	2	4.65%
खाद्य उत्पादन	1	2.33%
सूचना प्रौद्योगिकी	4	9.30%
रसद	3	6.98%
विनिर्माण	1	2.33%
ऑनलाइन सेवाएँ	1	2.33%

परिशिष्ट जारी

छ

क्षेत्रों में प्रस्तावों का सचित्र प्रतिनिधित्व

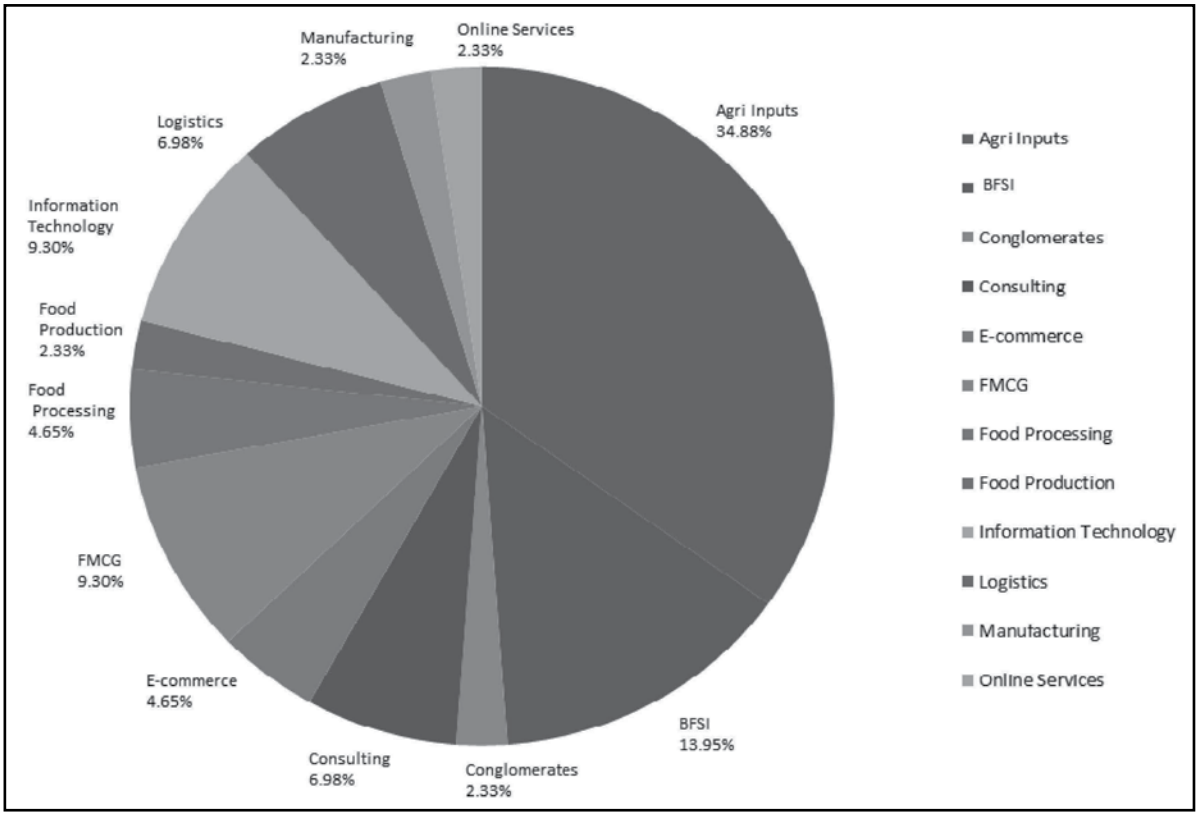

स्थानन के लिए नई कंपनियाँ

रिलायंस फाउंडेशन
तियरा एग्रोटेक
ग्रामोफ़ोन
इंडोफिल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
ख्याती
निनजकार्ट
अवर फूड्स प्राइवेट लिमिटेड
आरबीएल बैंक
वे कूल फूड्स एंड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
नेफेड

परिशिष्ट जारी

छ

संपूर्ण स्थानन पूल का वर्गीकरण

श्रेणियाँ	संख्या
1. कुल बैच संख्या	**46**
1 क. ग्रीष्मकालीन स्थानन में बैठने के लिए पात्र कुल छात्र	46
1 ख. ग्रीष्मकालीन स्थानन के लिए पात्र नहीं होने वाले कुल छात्र	00
2. ग्रीष्मकालीन स्थानन में बैठने के लिए पात्र कुल छात्र	**46**
2 क. संस्थान के माध्यम से इंटर्नशिप की माँग करने वाले	43
2 ख. संस्थान के माध्यम से इंटर्नशिप की माँग नहीं करने वाले	2
2.ग. जिन छात्रों ने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप से बाहर रहने का विकल्प चुना*	1

*छात्रों ने सीआईआईई, आईआईएमए के माध्यम से परियोजनाओं को चुना

क्षेत्र के आधार पर इंटर्नशिप का वर्गीकरण

क्षेत्र	प्रस्तावों की संख्या
कृषि इनपुट	17
बीएफ़एसआई	2
कंपनी समूह	2
परामर्शन	2
एफ़एमसीजी	7
ईकॉमर्स	2
खाद्य प्रसंस्करण	3
सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	1
ऑनलाइन सेवाएँ	4
अन्य	3*
कुल योग	**43**

*अन्य में 1 खुदरा क्षेत्र से और 2 आपूर्ति-श्रृंखला क्षेत्र से हैं

पीजीपीएक्स स्थानन पूल का वर्गीकरण

छात्रों की कुल संख्या	137
छात्रों ने स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम प्रस्ताव प्राप्त किया	114
छात्र स्वयं द्वारा ही नियुक्ति चाहते हैं (स्थानन प्रक्रिया के बाहर)	16
छात्रों ने स्वयं का उद्यम शुरूकरने के लिए स्थानन अवकाश का विकल्प चुना	1
स्वरोजगार	1
सीआईआईई - मेवरिक फैलोशिप	1
जो छात्र अपने पिछले नियोक्ता के पास वापिस गए	1
छात्रों का स्थानन शेष है	3

ज

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

प्रतिभागियों का विभाजन

कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
		सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम	3	38	122	41	201
नए कार्यक्रम	9	46	128	5	179
नियमित / दोहराए कार्यक्रम	48	401	720	33	1154
अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	2	0	0	47	47
सशस्त्र बल कार्यक्रम	1	60	0	0	60
कुल	**63**	**545**	**970**	**126**	**1641**

सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
3 टीपी : उभरते अग्रणियों का कार्यक्रम 22 जुलाई - 18 अगस्त, 2018	21	45	7	73
लघु और मझौले उद्यमों का रूपांतरण 30 सितंबर - 13 अक्टूबर, 2018	2	26	0	28
3 टीपीः वरिष्ठ अग्रणियों का कार्यक्रम 13 जनवरी - 02 फरवरी , 2019	15	51	34	100
कुल	**38**	**122**	**41**	**201**

प्रस्तुत किए गए नए कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	कुल
नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र				
रचनात्मक एवं सांस्कृतिक व्यवसाय कार्यक्रम	2	27	1	30
19 -25 अगस्त, 2018 मोड्यूल - 1				
21 -26 अक्टूबर, 2018 मोड्यूल - 2				
28- 29 जनवरी, 2019 मोड्यूल - 3				
व्यापार नीति				
संगठनात्मक विषाक्तता, स्वास्थ्य और ज्ञान (सूथ) के संकेतों पर कार्यशाला 28 अगस्त - 1 सितंबर 2018	2	12	0	14
मानव संसाधन प्रबंधन				
मानव संसाधन विश्लेषिकी 27 -29 सितंबर, 2018	12	16	1	29

परिशिष्ट जारी

ज

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	कुल
संगठनात्मक व्यवहार				
अनुसंधान एवं विकास प्रबंधन 22 -26 अक्टूबर, 2018	6	17	0	23
बातचीत विश्लेषण 12- 14 नवंबर, 2018	2	13	0	15
सूचना प्रणालियाँ				
डेटा के लिए प्रभावी डेटा विज़ुअलाइज़ेशन प्रेरित संगठन 26 -30 नवंबर, 2018	6	9	0	15
संचार				
कॉरपोरेट प्रतिष्ठा का संचार 3 -6 दिसंबर, 2018	6	15	1	22
विपणन				
फिनटेकः व्यापार मॉडल, विपणन, रणनीति और युक्तियाँ 10 -12 दिसंबर, 2018	2	15	1	18
वित्त एवं लेखा				
स्थायी वित्त 04 - 06 फरवरी, 2019	8	4	1	13
कुल	**46**	**128**	**5**	**179**

नियमित / दोहराए गए कार्यक्रमों की पेशकश

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
व्यापार नीति				
डिजाइन सोच (पहली पेशकश) 9 - 11 अप्रैल, 2018	8	16	0	24
परिवर्तनकारी नेतृत्व 28 -30 जून, 2018	6	28	1	35
अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जीतने के लिए रणनीतियाँ 9 - 11 अगस्त, 2018	3	14	0	17
युवा उद्यमी कार्यक्रम 27 अगस्त -01 सितंबर, 2018 – मोड्यूल 1 14 -19 जनवरी, 2019 – मोड्यूल 2	0	27	0	27
विकास के लिए रणनीतियाँ 3 - 07 सितंबर, 2018	11	20	1	32

परिशिष्ट जारी **ज**

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियाँ और राजनीति की प्रासंगिकता पर कार्य सम्मेलन (एओएसपीओआर) (जयपुर) 20 - 26 सितंबर, 2018	1	13	3	17
अनुबंध प्रबंधन 8- 12 अक्टूबर, 2018	12	14	0	26
नवाचार, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन 12 - 17 नवंबर, 2018	11	14	8	33
डिजाइन सोच (दूसरा प्रस्ताव) 3- 6 दिसंबर, 2018	13	15	2	30
21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व 18 - 21 दिसंबर, 2018	5	21	0	26
रणनीति कार्यान्वयन 28 जनवरी - 01 फरवरी, 2019	6	22	0	28
पारिवारिक व्यवसायः संगठन, रणनीतियाँ, अंतर्राष्ट्रीयकरण और उत्तराधिकार 20 - 22 फरवरी, 2019	5	16	0	21
संचार				
लोगों को साथ लेकर चलना : अनुनय द्वारा प्रबंध 6 - 10 अगस्त, 2018	13	16	0	29
जीत के पासः अग्रणियों के लिए संचार रणनीतियाँ 24 - 29 सितंबर, 2018	14	9	0	23
अर्थशास्त्र				
अवसंरचना और पीपीपी अधिकार प्राप्त करना 11 - 15 जून, 2018	21	1	0	22
वित्त एवं लेखा				
व्यवसाय का वित्तीय विश्लेषण 20 - 24 अगस्त, 2018	5	11	0	16
उन्नत कॉर्पोरेट वित्त 22 - 27 अक्टूबर, 2018	6	11	1	18
विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन 26 नवंबर - 1 दिसंबर 2018	8	23	0	31
निवेश के निर्णय और व्यवहार वित्त 26 - 28 दिसंबर, 2018	4	4	0	8
सामरिक लागत प्रबंधन 8 - 12 जनवरी, 2019	7	11	0	18

परिशिष्ट जारी

ज

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
सूचना प्रणालियाँ				
आईटी परियोजनाओं का प्रबंधन 20 - 25 अगस्त, 2018	6	12	0	18
सीआईओ के लिए रणनीतिक आईटी प्रबंधन 17 - 22 सितंबर, 2018	8	8	1	17
वृहद डेटा विश्लेषिकी 18 - 23 फरवरी, 2019	11	17	0	28
विपणन				
लाभ के लिए मूल्य निर्धारण 06 -10 अगस्त, 2018	8	10	1	19
विपणन में तंत्रिका विज्ञान 20 - 22 अगस्त, 2018	8	12	0	20
डिजिटल और सोशल मीडिया विपणन 4 -8 सितंबर, 2018	6	6	0	12
ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ 6 - 8 सितंबर, 2018	3	11	1	15
विपणन निर्णयों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण 10 - 15 दिसंबर, 2018	6	10	0	16
बी 2 बी विपणन 18 - 23 फरवरी, 2019	1	25	0	26
बिक्री बल प्रदर्शन को बढ़ाना 4 - 8 मार्च, 2019	2	35	0	37
संगठनात्मक व्यवहार				
नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन 17 - 21 सितंबर, 2018	16	22	0	38
पेशेवर महिलाओं के बीच नेतृत्व क्षमता और संभावनाएँ बढ़ाना 12 - 16 नवंबर, 2018	11	8	0	19
पारस्परिक प्रभाव और टीम निर्माण 21-24 जनवरी, 2019	16	22	0	38
मानव संसाधन प्रबंधन				
सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन 08 - 13 अक्टूबर, 2018	14	14	1	29
उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन 3 - 8 दिसंबर, 2018	18	9	1	28
प्रबंधकीय प्रभावकारिता 18 - 23 फरवरी, 2019	10	28	1	39

परिशिष्ट जारी **ज**

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
उत्पादन और मात्रात्मक तरीके				
राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण 7 - 11 मई, 2018	8	24	1	33
गोदाम डिजाइन और प्रबंधन 5 - 9 अगस्त, 2018	24	12	0	36
संचालन प्रबंधन के डिजाइन बुनियादी ढांचे 27- 31 अगस्त, 2018	5	7	0	12
रणनीतिक विश्लेषिकीः निर्णय लेने में विश्लेषिकी तैयारी 10 - 14 सितंबर, 2018	3	8	0	11
परियोजना प्रबंधन 17- 22 सितंबर, 2018	11	10	0	21
प्रबंधन के लिए उन्नत विश्लेषिकी 24 - 29 सितंबर, 2018	18	8	0	26
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन 18 - 23 फरवरी, 2019	2	4	9	15
कृषि प्रबंधन केंद्र				
कृषि इनपुट विपणन 21 - 26 जनवरी, 2019	4	13	0	17
ठेके पर खेती का प्रबंध 11 - 15 फरवरी, 2019	1	10	1	12
स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र				
अस्पताल प्रबंधन 18 - 23 जून, 2018	8	22	0	30
स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए डेटा विश्लेषण 26 - 30 नवंबर, 2018	8	13	0	21
रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केंद्र (आरजेएमसीईआई)				
बदलते परिवेश में स्कूलों के लिए रणनीतिक नेतृत्व 01 - 06 अक्टूबर, 2018	6	34	0	40
कुल	**401**	**720**	**33**	**1154**

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम - 17, दुबई फरवरी, 2018 - अक्टूबर, 2018	0	0	28	28
उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम - दुबई (नया) जनवरी 2018 - नवंबर 2018	0	0	19	19
कुल	**0**	**0**	**47**	**47**

झ

अनुसंधान एवं संगोष्ठियाँ

पूर्ण हुई इंटर्नशिप परियोजनाएँ

शीर्षक	संकाय मार्गदर्शक	इंटर्न का नाम
भारत में स्टार्टअप्सों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं और रणनीतियों का विश्लेषण	प्रोफेसर अमित कर्णा	प्रसाद वाजेकर
सरकारी स्कूलों और कम शुल्क वाले बजट स्कूलों की अभिभावक धारणाएँ	प्रोफेसर अंकुर सरीन	आयशा कामकोरिवाला
संरक्षण प्रेरणा सिद्धांत और परमाणु जोखिम	प्रोफेसर एम. पी. राम मोहन	आशुतोष शर्मा
सिद्धांत, अवधारणा, और न्यायिक सम्मान की प्रथा	प्रोफेसर एम. पी. राम मोहन	सिद्धार्थ रे
निर्णय समीक्षा प्रणाली का विश्लेषण	प्रोफेसर अप्रतिम गुहा	नयन रंजन,
होटल राजस्व प्रबंधन प्रणाली का डेटाबेस डिजाइनः सांख्यिकीय प्रणाली	प्रोफेसर गौतम दत्ता	इशिका मित्रा
(1) घरेलू पर्यटन व्यय पर एनएसएसओ 72वें दौर के सर्वेक्षण का उपयोग करके लंबी दूरी की यात्रा का विश्लेषण (2) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आवागमन यात्राओं के लिए पसंद के साधनों का विश्लेषण	प्रोफेसर संदीप चक्रवर्ती	विनामरा राय
भारत में काम पर लिंग	प्रोफेसर अक्षया विजयलक्ष्मी	लावण्या साईं वेदानभाटला
यह समझने के लिए क्रॉस कंट्री डेटाबेस बनाना कि किसी देश में व्यापार करने में आसानी उसके पर्यावरण प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करती है	प्रोफेसर राम मोहन आर. तुरागा	तन्मय बिचु
कृषि व्यवसाय में मूल्य श्रृंखला लिंकेज और वाणिज्यिक स्टार्टअप की भूमिका	प्रोफेसर रंजन कुमार घोष	दिव्यांश माथुर
गुजरात में तालुका स्तर पर बुनियादी सेवाओं तक पहुंच को समझने के लिए खोजपूर्ण अध्ययन	प्रोफेसर नवदीप माथुर	हस्ती मोदी
भारत में श्रम विवाद मामलों को निकालना	प्रोफेसर एम. पी. राम मोहन	शिवाली रावत
शहरीकरण और कृषि उत्पादकता	प्रोफेसर चिन्मय तुम्बे	मुस्कान चौहान
यूसीएम मॉडलिंग का उपयोग करके भारत के लिए उत्पादन अंतर का अनुमान लगाना	प्रोफेसर अभिमान दास	स्वाति सिंह
चुनावी मतदान में असममित जानकारी की भूमिका	प्रोफेसर अभिमान दास	श्रेया नागपाल
कारखाने के एक ठेकेदार की देयताएं	प्रोफेसर एम. पी. राम मोहन	ऐश्वर्या देशपांडे
आय घोषणाओं के आसपास बाजार में हेरफेर	प्रोफेसर शोभेश कुमार अग्रवाल	निमिष जैन
वित्तीय समाचार की भावना विश्लेषण के लिए डेटा टिप्पणी	प्रोफेसर अंकुर सिन्हा	सौरवज्योति गोगोई
स्कूल समेकन और स्कूल तक पहुंचः राजस्थान से साक्ष्य	प्रोफेसर अंबरीश डोंगरे	देवांक सिंघल
हाई स्कूल के छात्रों की शैक्षिक और कैरियर आकांक्षाएं	प्रोफेसर कथन शुक्ला	प्रतीक शुक्ला
नई श्रृंखलाओं के तहत जीडीपी का अनुमान-मूल्य वर्धित माप के आधार पर फिर से जाँच करना	प्रोफेसर सेबेस्टियन मॉरिस	तेजस्वी कुमारी ख़डगपुर
समीक्षक विशेषज्ञता और समीक्षा सहायक पर आकस्मिक प्रभावः कग्गल-येल्प डेटासेट से साक्ष्य	प्रोफेसर अरुणा दिव्या टी.	राजन सिंह कुशवाहा
पायथन में कम्प्यूटेशनल वित्त	प्रोफेसर जयंत आर. वर्मा और विनीत विरमानी	अगम शाह

परिशिष्ट जारी **झ**

शीर्षक	संकाय मार्गदर्शक	इंटर्न का नाम
बिजली के उपकरणों का निर्धारण	प्रोफेसर गौतम दत्ता	प्रेरणा रघुवंशी
निर्णय लेने के रूप में होश और बेहोशी का मिश्रण कैसे होता है	प्रोफेसर अरविंद सहाय	तनीषा अग्रवाल
इस्पात उद्योग के विकास का दस्तावेजीकरण	प्रोफेसर अरविंद सहाय	अदिति मुले
जल से संबंधित परियोजनाओं के लिए जीवन चक्र लागत	प्रोफेसर गौतम दत्ता	अमन मिश्रा
नेटवर्क नमूनाकरण साहित्य समीक्षा	प्रोफेसर तथागत बंद्योपाध्याय	राघव गर्ग
कमोडिटी की कीमतों पर संकेतों का पता लगाने के लिए समाचार और सोशल मीडिया की निगरानी	प्रोफेसर अंकुर सरीन	प्रीति सुमन
अहमदाबाद में अपशिष्ट संग्रहः रैग पिकर्स की भूमिका	प्रोफेसर वैभवी कुलकर्णी	शांतनु सावले
भारत में शहरी इतिहास	प्रोफेसर चिन्मय तुम्बे	तनीषा अग्रवाल
व्यवसाय और राज्य देयताः केरल में एंडोसल्फान मुद्दे के एक केस का अध्ययन	प्रोफेसर एम. पी. राम मोहन	चंद्रमणि सिरोठिया
भारत में अर्थशास्त्र में समय के साथ व्यक्तियों, क्षेत्रों और विषयों के प्रतिनिधित्व को समझनाः प्रतिष्ठित भारतीय सम्मेलनों से साक्ष्य	प्रोफेसर अंबरीश डोंगरे	वामसी अंत्यकुला
लिंग पूर्वाग्रह पर प्रयोग	प्रोफेसर जीवंत रामपाल	अनुकृति जीओल
परिवर्तन के लिए ज्ञान प्रबंधन और नवाचार (केएमआईसी)	प्रोफेसर अंकुर सरीन	प्रांजल ढाका

अप्रैल 2018 - मार्च 2019 की अवधि के दौरान आधारपत्र

आधारपत्र संख्या	शीर्षक	लेखक(कों)	विषयक्षेत्र
2018-06-01	भारत में ई-कॉमर्स ऑलिगोप्सोनिस्टिक और रिलेशनल मार्केट्सः किसानों के परिप्रेक्ष्य में भारतीय कृषि ई-मार्केट्स में लेनदेन लागत की एक अनुभवजन्य जाँच।	अर्गेडे, आशीष; लाहा, अर्नब कुमार	सीएमए
2018-07-01	राज्य के स्वामित्व वाली बैंकों में ऋणात्मक नैतिक खतराः एक उभरती अर्थव्यवस्था से सबूत	गोपालकृष्णन, बालागोपाल; जैकब, जोशी और पांडे, अजय	वित्त एवं लेखा
2018-07-02	भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर प्रस्तावित जीएसटी का प्रभाव	मॉरिस, सेबस्टियन; पांडे, अजय; अग्रवाल, सोभेश; अग्रवाल, आस्था	अर्थशास्त्र / पीएसजी
2018-10-01	विवाद पक्षपात पर मूल्य पथ का प्रभाव	बंसल, अविजित; जैकब, जोशी	वित्त एवं लेखा
2018-10-02	बिजली की खपत के संबंध में खुदरा बिजली उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया और धारणा का अध्ययन	मित्रा, कृष्णेंद्रनाथ; दत्ता, गौतम	विपणन / सार्वजनिक नीति
2018-10-03	जोखिम-संवेदनशील आधारभूत नियम और फर्मों की क्रेडिट तक पहुंचः प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव	गोपालकृष्णन, बालागोपाल; जैकब, जोशी; महापात्रा, संकेत	वित्त एवं लेखा
2018-11-01	बहुत देखभाल? भारत में प्रसव के दौरान निजी स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र और सर्जिकल हस्तक्षेप	सुराणा, मितुल; डोंगरे, अम्बरीश	अर्थशास्त्र
2018-12-01	जीआईएस पद्धति का उपयोग करके इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग बुनियादी ढांचे का इष्टतम आवंटन	कुमार, सुनील; परिहार, श्रुतिका और गर्ग, अमित	पीएसजी

परिशिष्ट जारी

झ

आधारपत्र संख्या	शीर्षक	लेखक(कों)	विषयक्षेत्र
2018-12-02	वित्तीय लागत का एक तुलनात्मक अध्ययन और इलेक्ट्रिक बस के सह लाभ के रूबरूएक पारंपरिक डीजल बस के लाभः नवी मुंबई की बसों का एक केस अध्ययन	कुमार, सुनील; गर्ग, अमित; त्रिपाठी गिरीश चंद्र	पीएसजी
2018-12-03	मिश्रित पूर्णांक रैखिक प्रोग्रामिंग का उपयोग करके इलेक्ट्रिक बसों के लिए बुनियादी ढाँचा अनुकूलन	सुनील, कुमार; जायसवाल, सचिन; गर्ग, अमित	पीएसजी
2018-12-05	कुकिंग गैस और ट्रांसफॉर्मिंग सोसाइटी के माध्यम से जीवन को रोशन करना	बख्शा, एस. के.; अग्रवाल शोभेश कुमार	पीएसजी
2019-01-01	हाल के वर्षों में राष्ट्रीय आय की वृद्धि दर में अधिक गिरावट? आउटपुट के अन्य संकेतकों के माध्यम से जीडीपी 04-05 तक पहुंचाने पर आधारित विश्लेषण	मॉरिस, सेबस्टियन; कुमारी, तेजस्वी	अर्थशास्त्र
2019-02-01	किसका सशक्तिकरण? राष्ट्रीय डिजिटल अवसंरचना और भारत का स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र	चंदवानी, राजेश; एडचेरियन, सनीश; सूद, मुकेश	सीएचएमएस
2019-03-01	क्या जीएसटी भारत में उत्पादक क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाता है? चुनिंदा राज्यों के जीएसटी के तहत कर आधार का एक नया अनुमान	मॉरिस, सेबस्टियन; पांडे, अजय; अग्रवाल, शोभेश; अग्रवाल, आस्था	अर्थशास्त्र
2019-03-02	भारत में बुनियादी ढाँचाः मुद्दे और आगे बढ़ने का रास्ता	मॉरिस, सेबस्टियन	अर्थशास्त्र/ वित्त एवं लेखा / पीएसजी
2019-03-03	सर्वर अनिश्चितता के साथ कैपेसिटेड मल्टी-पीरियड मैक्सिमम कवरिंग लोकेशन समस्या के लिए बेंडर्स अपघटन	वत्स, अमित कुमार; जायसवाल, सचिन	पी एवं क्यूएम

वर्ष 2018-19 के संस्थान द्वारा आयोजित अनुसंधान संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	विषय क्षेत्र / केंद्र
प्रोफ़ेसर मनीष पोपली आईआईएम इंदौर	अधिग्रहण में अर्हताएं : एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी के नियामक फोकस का प्रभाव	02 अप्रैल, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. समर्थ गुप्ता एनसीएईआर, दिल्ली	अच्छे प्रबंधक क्या करते हैं? भारत में एक बीमा फर्म से साक्ष्य	14 जून, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर पी. वी. विश्वनाथ पेस यूनिवर्सिटी	एसेट मार्केट, एजेंसी की समस्या और भारत में प्रारंभिक मध्यकालीन बौद्ध संघ को उपहार	21 जून, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर विशाल गुप्ता अलबामा विश्वविद्यालय	सीएफओ लिंग और वित्तीय विवरण अनियमितताएँ	04 जुलाई, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. झूमा बसक सलाहाकार मनोविश्लेषक कोलकाता	'रुग्णता और अस्तित्व की राह'	05 जुलाई, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर वेंकट वेंकटसुब्रमण्यन कोलम्बिया विश्वविद्यालय	कितनी आय असमानता उचित है? सांख्यिकीय यांत्रिकी और गेम थ्योरी से आश्चर्यजनक अंतर्दृष्टि	11 जुलाई, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर अरूप वर्मा लोयोला विश्वविद्यालय, शिकागो	प्रवासी और मेजबान देश के नागरिक : एक जटिल संबंध	13 जुलाई, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन

परिशिष्ट जारी **झ**

वक्ता	विषय	दिनांक	विषय क्षेत्र / केंद्र
प्रोफ़ेसर अनुजीत चक्रवर्ती कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस	बार-बार अपराध दोहराने वाले कैदियों की दुविधाओं में सहयोग	20 जुलाई, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर विजय चंद्रू संकाय, भारतीय विज्ञान संस्थान; अध्यक्ष, स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड	डाटा, सिस्टम और समाज : भारत में निर्णय विज्ञान के लिए एक केस	24 जुलाई, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. अर्नब बीसी जॉन्स हॉपकिंस केरी बिजनेस स्कूल, बाल्टीमोर	सांख्यिकीय यांत्रिकी और गेम थ्योरी से आश्चर्यजनक अंतर्दृष्टि	01 अगस्त, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर शीबा तेजानी न्यू स्कूल यूनिवर्सिटी	भारत की बेरोजगारी में वृद्धि : एक जाँच	06 अगस्त, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर मधु कालीमिपल्ली अलबामा विश्वविद्यालय	सीएफओ लिंग और वित्तीय विवरण अनियमितताएँ	17 अगस्त, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर सौरव भट्टाचार्य	चुनाव के एक स्थानिक मॉडल में कोंडोरसेट जूरी प्रमेय	20 अगस्त, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. शेखर तोमर आरबीआई	क्या मूल्य में कमी भुगतान योजना कार्य है? भारतीय कृषि बाजार से साक्ष्य कृषि	24 सितंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. लेस्ली ब्रिसेट जेपी टेविस्टॉक इंस्टीट्यूट, लंदन	उद्देश्यपूर्ण अनुयायी के रूप में नेतृत्व	28 सितंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर टी. कृष्ण कुमार परामर्श व्यवसाय विश्लेषक (रॉकविल एनालिटिक्स)	समय-परिवर्तनीय खपत और आय वितरण के साथ गरीबी सूचकांक	01 नवंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर मासिमो वार्ग्लिएन यूनिवर्सिटा सीए फ़ॉस्करी, वेनेज़िया	पदानुक्रमित निर्णय-निर्माण सीखने के प्रदर्शन में लगातार अंतर पैदा करता है	02 नवंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर दीपल बसक भारतीय व्यवसाय स्कूल	समन्वयन जोखिम का प्रसार	02 नवंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर राजेश उपाध्याय आईआईएम, कोझिकोड	निदेशक मंडल में वित्त संस्थानों के नामांकित प्रतिनिधि : फर्म अंतर्राष्ट्रीयकरण रणनीति पर प्रभाव	13 नवंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर अबिनाश बोराह अशोक विश्वविद्यालय	तर्कसंगत विकल्प : एक पारिस्थितिक फाउंडेशन	16 नवंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर जोनाथन गोस्लिंग एमेरिटस प्रोफेसर, एक्सेटर विश्वविद्यालय	सार्वभौमिक निगरानी और स्वास्थ्य सेवा का सैन्यीकरण : मलेरिया उन्मूलन में सशक्तिकरण, समुदाय और नेतृत्व का क्या स्थान है?	03 दिसंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर स्टीफन रॉबर्टसन, लंदन के सिटी विश्वविद्यालय में एमेरिटस प्रोफेसर	खोज : वेब पर फिर से और अब विशेष रूप से संदर्भ के साथ	10 दिसंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर निकोलस जी हॉल ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी	कार्य पैकेज साइजिंग और परियोजना प्रदर्शन	14 दिसंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. स्वाती भट्ट प्रिंसटन विश्वविद्यालय	क्या डिजिटल कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी ने मार्ग बाजारों को बदल दिया है? सहयोग या प्रतियोगिता?	18 दिसंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. अश्विनी तिवारी ह्यूस्टन-डाउनटाउन विश्वविद्यालय	दिल्ली में समावेशी शिक्षा : शिक्षकों के दृष्टिकोण और मान्यताओं को समझना	21 दिसंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन

परिशिष्ट जारी

झ

वक्ता	विषय	दिनांक	विषय क्षेत्र / केंद्र
डॉ. स्टीफन देवडोस टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी	विश्व कृषि व्यापार के प्रमुख निर्धारक	27 दिसंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. रूपी साहनी टेनेसी विश्वविद्यालय, नॉक्सविले	कर्मचारी हित के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक मॉडल	28 दिसंबर, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर राहुल मुखर्जी आईआईएम कलकत्ता	कारण का अनुमान और परिमित जनसंख्या का नमूना	17 जनवरी, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर कुमार राकेश रंजन यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड	विकेता प्रदर्शन पर तेजी से असफलता का आकस्मिक प्रभाव	18 जनवरी, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर सुगता मरजीत सामाजिक विज्ञान में अध्ययन के लिए केंद्र, कलकत्ता	धन वितरण, व्यापार और पूंजी प्रवाह का पैटर्न : केडिट मार्केट की भूमिका	21 जनवरी, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर क्रिस्टोस माविस सरे विश्वविद्यालय	क्या उम्मीदें सूचना विश्वसनीयता को दर्शाती हैं? ट`निस मैचों पर अजीब साक्ष्य	22 जनवरी, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर मनीष वर्मा मैकमास्टर यूनिवर्सिटी, कनाडा	रेल हज़रत शिपमेंट से जोखिम कम करने के लिए एक बुनियादी ढाँचा निवेश पद्धति	25 जनवरी, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. के. गणपति अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ. एमजीआर तमिलनाडु मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई	प्रबंधन विज्ञान और व्यवहार, प्रौद्योगिकी प्रदान करने में नियोजित सक्षम ग्रामीण स्वास्थ्य	04 फरवरी, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर हीरा कौल अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, मिशिगन स्टेट विश्वविद्यालय	न्यूनतम दूरी मॉडल बर्कसन माप त्रुटि मॉडल में सत्यापन डेटा के साथ जाँच	12 फरवरी, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. राधिका जोशी भारतीय विज्ञान संस्थान	क्या शैक्षणिक एकीकरण आर्थिक विभाजन को कम कर सकता है : भारत में आरटीई अधिनियम का विश्लेषण	18 फरवरी, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर चेतन घाटे भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली	भारत के लिए एक मुद्रा व्यापार चक्र मॉडल	28 फरवरी, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर मंगेश घरोटे टीसीएस रिसर्च एंड इनोवेशन लैब, पुणे	मानव संसाधन आवंटन और प्रतिभा भर्ती योजना में संचालन अनुसंधान के अनुप्रयोग	04 मार्च, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर सैम्युअल आशेर विश्व बैंक का विकास अनुसंधान समूह	भारत में अंतरजनपदीय गतिशीलता : प्रशासनिक आंकड़ों से नया अनुमान	05 मार्च, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
गैब्रिएला गोमेज़-मोंट शहरी कार्य बल	कल्पना एक लक्जरी नहीं है : मेक्सिको सिटी में ट`ांसफ़ॉर्मिंग गवर्नेंस	13 मार्च, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. रघुनाथ सिंह राव टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन	क्या गतिविधि आधारित प्रोत्साहन योजनाएँ काम करती हैं? एक बड़े पैमाने पर क्षेत्र प्रयोग से साक्ष्य	29 मार्च, 2019	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. पुनर्जित रॉयचौधरी शिव नादर विश्वविद्यालय	आर्थिक गतिशीलता की आंशिक पहचान : संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक आवेदन के साथ	17 अप्रैल, 2018	अर्थशास्त्र
डॉ. आदित्य मोसेस डॉक्टरल प्रत्याशी, आईआईएम बैंगलुरू	संगठनात्मक स्थिरता के लिए संस्थागत तर्कों का संयोजन : भारत में ईसाई मिशन अस्पतालों का केस	6 अप्रैल, 2018	मानव संसाधन प्रबंधन

परिशिष्ट जारी

झ

वक्ता	विषय	दिनांक	विषय क्षेत्र / केंद्र
डॉ. चिरंतन चटर्जी भारतीय व्यवसाय स्कूल	जब बिग वन का आगमन हुआ : भारत में इन्फ्लुएंजा के वैक्सीन बाजार में माँग की कमी और बाजार संरचना पर एक प्राकृतिक प्रयोग	10 अप्रैल, 2018	संगठनात्मक व्यवहार / अर्थशास्त्र
डॉ. सी.एस.सी. शेखर आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय	भारत में खाद्य मुद्रास्फीति और खाद्य मूल्य अस्थिरता : रूझान और निर्धारक	2 मई, 2018	सीएमए
प्रोफ़ेसर रोहित वर्मन आईआईएम कोलकाता	सम्मानजनक उपभोग की प्राथमिकता : महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा को सामान्य बनाना	29 जून, 2018	विपणन
डॉ. सी.एम. मलिश एनआईईपीए, नई दिल्ली	भारतीय उच्च शिक्षा में छात्र विविधता, समानता और समावेशी उत्कृष्टता	10 जुलाई, 2018	आरजेएमसीईआई
डॉ. शेफाली गुप्ता एमडीआई, गुड़गांव	जमीनी स्तर पर नवाचार की व्यवहार्यता और प्रसार को समझना : एक वैचारिक ढाँचा	11 जुलाई, 2018	विपणन
प्रोफ़ेसर रजत शर्मा आईआईएम, काशीपुर	स्थायी उपभोग व्यवहार को प्रभावित करने वाले मूल्य : प्रासंगिक संबंध की खोज	12 जुलाई, 2018	विपणन
सुश्री अनिन्दिता चटर्जी डॉक्टरल प्रत्याशी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय	आकांक्षा की भाषाएँ : प्रवासी घरेलू कामगारों के बीच सामाजिक गतिशीलता के माध्यम के रूप में अंग्रेजी भाषा	30 जुलाई, 2018	संचार
डॉ. देवस्मिता चक्रवर्ती वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी	सफल लोगों को कपटीपन क्यों महसूस होता है?	30 अगस्त, 2018	आरजेएमसीईआई
डॉ. तरुण जैन भारतीय व्यवसाय स्कूल	सामाजिक संपर्क और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा उपयोग	03 सितंबर, 2018	अर्थशास्त्र और जेएसडब्ल्यू एसपीपी
डॉ. अपर्णा कृष्णा विकास के लिए यथार्थ खेती, अहमदाबाद	क्या कृषि सूचना वितरण किसानों की आय में सुधार कर सकती है और पर्यावरणीय गिरावट की जाँच कर सकती है? एक बहु-अवधि प्रयोग से साक्ष्य	27 सितंबर, 2018	सीएमए
डॉ. अनिरुद्ध पंगरकर एमआईसीए, अहमदाबाद	एक उत्पाद-नुकसान संकट के दौरान सुरक्षित सीमावर्ती सेवा कर्मचारी सहायता पर कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और कॉर्पोरेट संस्कृति के प्रभाव	5 अक्टूबर, 2018	विपणन
डॉ. नवीन आंबली आईआईएम कोझिकोड	क्या उत्पाद समीक्षा वास्तव में खोज लागत को कम करती है?	8 अक्टूबर, 2018	विपणन
डॉ. सौत्रिक बसु विकास अध्ययन संस्थान, कोलकाता	एक सूखे-सहिष्णु चावल की किस्म सहभागी धान के विकास प्रक्रिया को समझना : आम जनता की अवधारणा की खोज और सामुदायिक निर्माण	8 अक्टूबर, 2018	सीएमए
श्री नवीन भारती डॉक्टरल प्रत्याशी, आईआईएम बैंगलुरू	प्रकाश की तुलना में अधिक गर्मी : एक सांख्यिकीय कलाकृति के रूप में जातीय विविधता और आर्थिक विकास के बीच संबंधों के लिए जनगणना-स्तर का साक्ष्य	29 नवंबर, 2018	जेएसडब्ल्यू एसपीपी
प्रोफ़ेसर दीपक मलघन आईआईएम बैंगलुरू	लापता विद्वान : भारतीय प्रबंधन संस्थानों में सामाजिक बहिष्करण	8 दिसंबर, 2018	पीएसजी
डॉ. ईमान मल्लिक आईआईएम रायपुर	भारतीय स्वास्थ्य सेवा उद्योगों में नौकरी के प्रदर्शन पर संगठनात्मक नागरिकता का प्रभाव : सामाजिक पूंजी की मध्यस्थता भूमिका	11 दिसंबर, 2018	मानव संसाधन प्रबंधन

परिशिष्ट जारी

झ

वक्ता	विषय	दिनांक	विषय क्षेत्र / केंद्र
डॉ. सुनील बाबू चटला राष्ट्रीय त्सिंग हुआ विश्वविद्यालय का सांख्यिकी संस्थान, ताइवान	सरलीकृत चिकने बैकफ़िटिंग के साथ अनुदैर्ध्य डेटा के लिए योगात्मक मॉडलिंग : सह-संबंध के लिए लेखांकन के दो दृष्टिकोणों की तुलना	26 दिसंबर, 2018	पी एवं क्यूएम
डॉ. सुरूचि मजूमदार ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी	मुक्त बाज़ार मीडिया, लोकतंत्र और पक्षपात : कोलकाता के अखबारों के औद्योगीकरण विरोधि विरोधों के कवरेज पर एक केस अध्ययन	26 दिसंबर, 2018	संचार
श्री मोहम्मद फवाद डॉक्टरल प्रत्याशी, आईआईएम लखनऊ	क्या भाषाई दूरी का प्रभाव सौदे की पूर्णता को पूरा करता है? सरहद पार अधिग्रहण लहरों से साक्ष्य	8 जनवरी, 2019	संगठनात्मक व्यवहार
डॉ. आशिमा सूद फैलो, भारतीय व्यवसाय स्कूल	डीरेग्यूलेशन या डिफरेंशियल रेगुलेशन? औद्योगिक क्षेत्र स्थानीय प्राधिकरण में अनौपचारिकता	16 जनवरी, 2019	पीएसजी
डॉ. तीर्थ चटर्जी अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों में भारतीय अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली	फार्म-घरेलू विविधीकरण पर प्रभाव-घरेलू आहार विविधता : भारत से साक्ष्य	17 जनवरी, 2019	सीएमए
श्री सौरव सरकार मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान, यूएसए	वोट और नीतियाँ : भारत में करीबी चुनाव से साक्ष्य	24 जनवरी, 2019	अर्थशास्त्र
डॉ. यशवंत नाम वेंकटेश्वरवरालु आरएमआईटी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया	देयता-परिश्रम, दाम लगाना (मूल्यांकन), और निवेश क्षमता का निर्माण : धन के निजी इक्विटी फंड का मामला	29 जनवरी, 2019	वित्त एवं लेखा
डॉ. प्रबीर नेगी कार्लटन विश्वविद्यालय, ओटावा, कनाडा	मोबाइल संचार और डिजिटल अर्थव्यवस्था : चीन और भारत से तुलना और सबक	5 फरवरी, 2019	आईआईटीसीओई
सुश्री विद्या वेमिरेड्डी पीएचडी प्रत्याशी, डायसन स्कूल, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, यूएसए	कृषि-पोषण कड़ियों में महिलाओं के समय की भूमिका : ग्रामीण भारत से पैनल डेटा साक्ष्य	8 फरवरी, 2019	सीएमए
प्रोफ़ेसर गौतम दत्ता आईआईएमए	ऊर्जा भंडारण, घर-आधारित नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और एक अनुकूलित गतिशील मूल्य निर्धारण योजना के साथ बिजली का खपत निर्धारण	6 मार्च 2019	पी एवं क्यूएम
सुश्री आदरिजा मजूमदार डॉक्टरेट प्रत्याशी, आईआईएम कोलकाता	ट्विटर ट्विटर, मुझे सच बता : ट्विटर गतिविधियों और कमाई प्रबंधन के बीच एसोसिएशन की जाँच करना	4 मार्च, 2019	सूचना प्रणाली
डॉ. रजनीश राय आईपीएस	तकनीकी ब्लैक बॉक्स को खोलना : सहकारी संगठनों में अंतर-संगठनात्मक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के टैसिट और इंटरएक्टिव पहलुओं की जाँच करना	5 मार्च, 2019	बीपी और पीएसजी
डॉ. दीपा मिश्रा दग्रूत स्कूल ऑफ बिजनेस, मैकमास्टर यूनिवर्सिटी, कनाडा	ओंटारियो के पील क्षेत्र में नेबरहुड और कम्युनिटीज पर ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स का प्रभाव	12 मार्च, 2019	पी एवं क्यूएम
श्री प्रणव सिंह पीएच.डी. प्रत्याशी, जिएस इलिनोइस विश्वविद्यालय का बिजनेस कॉलेज	इनसाइड जॉब : अंदरूनी सूत्रों और आय प्रबंधन द्वारा साझा प्रतिज्ञाएँ	12 मार्च, 2019	वित्त एवं लेखा

अ

प्रकाशन

पुस्तकें

अग्रवाल, ए.के. (2018). प्रबंधकों के लिए व्यावसायिक कानून : कालीदोस्कोपिक किस्से. गुड़गांव : पेंगुइन रैंडम हाउस।

अग्रवाल, ए.के. (2019). कानूनी भाषा और व्यावसायिक संचार। सिंगापुर पालग्रेव मैकमिलन. doi:https://doi.org/10.1007/978-981-13-7534-7

डीक्रूज़, पी., नोरोन्हा, ई., मेंडोंज़ा, ए., और मिश्रा, एन. (संपादक). (2018). कार्यस्थल में बदमाशी पर भारतीय दृष्टिकोण : अंतर्दृष्टि का एक दशक. सिंगापुर. doi:10.1007/978-981-13-1017-1

गर्ग, ए., अवशिया, वी., और परिहार, एस. (2018). भारतीय शहरों के भूमि उपयोग में बदलाव के रूझान - एक विहंगावलोकन अनियोजित शहरी विकास की कमजोरियाँ। नई दिल्ली : सेज प्रकाशन भारत प्राइवेट लिमिटेड

गर्ग, ए.,एस., डी., कनकल, बी., और मोहन, पी. (2018). भारत में ऊर्जा दक्षता पर अच्छा अभ्यास और सफलता की कहानियां। कोपेनहेगन ऊर्जा दक्षता केंद्र. https://orbit.dtu.dk/en/publications/good-practice-and-success-stories-on-energy-efficiency-in-india(b39788a8-aa82-494e-8833-2ddd0f33e424).html पर उपलब्ध।

गर्ग, ए., विश्वनाथन, एस.एस., और तिवारी, वी. (2018). भारत में कोयला संक्रमण : भारत के ऊर्जा संक्रमण विकल्पों का आकलन करना। आईडीडीआरआई और जलवायु रणनीतियाँ। https://www.iima.ac.in/c/document_library/get_file?uuid=e6e70a66-5dd1-4090-a470-ee8128c72096&groupId=571900&filename=Coal%20Transitions%20in%20India%202018 पर उपलब्ध।

खेरा, आर. (संपादक). (2018). आधार पर मतभेद : बड़ा डेटा बड़े भाई से मिलता है। हैदराबाद : ओरिएंट ब्लैक स्वान. https://www.amazon.co.uk/Dissent-Aadhaar-Data-Meets-Brother/dp/9352875427 पर उपलब्ध।

लाहा, ए.के. (संपादक). (2019). विश्लेषिकी और अनुप्रयोगों में प्रगति। सिंगापुर : स्प्रिंगर। doi:10.1007/978-981-13-1208-3

नारायणस्वामी, एस. (2019). नए युग की शहरी परिवहन प्रणालियाँ : एशियाई अर्थव्यवस्थाओं से मामले। न्यूयॉर्क : बिजनेस एक्सपर्ट प्रेस. https://www.businessexpertpress.com/?s=&book_author=narayanaswami-sundaravalli&post_type=product पर उपलब्ध।

पाठक, ए. (2018). अनुबंध की शर्तें सामान्य समझ हैं। गुड़गाँव : पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया।

तुम्बे, सी. (2018). भारत आगे बढ़ रहा है : प्रवासन का इतिहास। नई दिल्ली : पेंगुइन वाइकिंग।

व्यावसायिक पत्रिकाओं में लेख

एडबी, ए., भास्करभटला, ए., और चटर्जी, सी. (2018). हितधारक अभिविन्यास और बाजार प्रभाव : भारत से साक्ष्य। जर्नल ऑफ बिजनेस एथिक्स, 1-18 doi:10.1007/s10551-018-3919-x

एडबी, ए., चटर्जी, सी., ड्रेव, एम., और मिश्रा, ए. (2018). जब इससे बड़ा आया : भारत के इन्फ्लुएंजा वैक्सीन बाजारों में डिमांड शॉक और बाजार संरचना पर एक प्राकृतिक प्रयोग। उत्पादन और संचालन प्रबंधन, 28(4), 810-832. doi:https://doi.org/10.1111/poms.12948

आद्या, एस., और बनर्जी, टी. (2019). सरल यादृच्छिक नमूने के तहत परिमित जनसंख्या अनुपात के अनुमानकों की सैद्धांतिक तुलना। सांख्यिकी, कंप्यूटर और अनुप्रयोग सोसायटी, 17(1). doi:http://www.publishingindia.com/ijir/22/functioning-of-boards-in-psbs-in-india/727/5065/

अग्रवाल, ए., गुप्ता, आई., और अंकुर, एस. (2018). फुट-मार्च : किसी सार्वजनिक कारण के लिए बड़े पैमाने पर जुटाना या राजनीतिक महत्वाकांक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक उपकरण। सार्वजनिक मामलों का जर्नल ।

doi:10.1002/pa.1895

अग्रवाल, एम. (2018). एंट्रोपी-आधारित व्यक्तिपरक उपयोगिता के साथ निर्णय लेने वाला मॉडल। सूचना विज्ञान । doi: doi.org/10.1016/j.ins.2018.08.063

परिशिष्ट जारी

अ

अग्रवाल, एम. (2018). सामान्यीकृत एटिट्यूडिनल शोके इंटीग्रल। इंटेलीजेंट सिस्टम्स अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 34(5), 733-753. doi: https://doi.org/10.1002/int.22074

अग्रवाल, एम. (2018). समूह निर्णय लेने में हिचकिचाहट सूचना सेट और अनुप्रयोग। एप्लाइड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग । doi:10.1016/j.asoc.2018.10.047

अग्रवाल, एम. (2018). जोड़ीवार वरीयताओं के माध्यम से व्यवहार संबंधी निर्णय मॉडल सीखना। किबरनेट्स, 47(8), 1569-1584. doi:10.1108/K-10-2017-0396

अग्रवाल, एम. (2018). एक विकासवादी दृष्टिकोण के साथ निर्णयनिर्माता का वरीयता क्षेत्र को सीखना। आईईईई तंत्रिका नेटवर्क और लर्निंग सिस्टम पर लेनदेन, 30(3), 670-682. doi:10.1109/TNNLS.2018.2847412

अग्रवाल, एम. (2018). एंट्रोपी के माध्यम से व्यक्तिपरक उपयोगिता की मॉडलिंग करना। जर्नल ऑफ द ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी, 70(4), 634-654. doi:10.1080/01605682.2018.1457477

अग्रवाल, एम. (2018). बहुराष्ट्रीय लॉगिट मॉडल की प्राथमिकताआधारित शिक्षा। ज्ञान और सूचना सिस्टम, 59(3), 523-538. doi:https://doi.org/10.1007/s10115-018-1215-9

अग्रवाल, एम. (2019). फज़ी डिस्क्रीट चॉइस मॉडल्स का एक नया परिवार। फजी सिस्टम पर आईईईई लेनदेन । doi:10.1109/TFUZZ.2019.2902108

अग्रवाल, एम. (2019). आपूर्तिकर्ता चयन में आत्मविश्वास सॉफ़्ट सेट और अनुप्रयोग। कंप्यूटर और औद्योगिक इंजीनियरिंग, 127, 614-624. doi:10.1016/j.cie.2018.11.005

अग्रवाल, एम., हनमंडलु, एम., कीन, एम.टी., और विश्वास, के.के. (2018). अंतर्विरोधी पसंद का सहज गूढ़ तर्क मॉडल। कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में उभरते विषयों पर ईईई लेनदेन , 3(1), 85-89. doi:10.1109/TETCI.2018.2864555

एंजेली, एफ़., ईश्वरदत्त, एस.टी., जायसवाल, ए.के., और कैपल्डो, ए. (2018). भारतीय झुग्गी बस्ती में निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता : एक पिरामिड के नीचे का परिप्रेक्ष्य। स्थिरता, 10(12). doi:10.3390/su10124702

अवस्थी, पी., गोपकुमार, के.वी., गौडा, एस.के., और हलधर, टी. (2019). मानवीय कार्यों में विश्वास : एक भारतीय एनजीओ के लिए एक सामग्री विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोडक्शन रिसर्च, 57(9), 2626-2641. doi:10.1080/00207543.2019.1566652

बनर्जी, टी., और बनर्जी, ए. (2018). भारत में ऑनलाइन किराना शॉपिंग वेबसाइटों की वेब सामग्री विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एनालिटिक्स, 5(4), 61-73. doi:10.4018/IJBAN.2018100104

बसंत, आर. (2018). औद्योगिक नवाचार और सार्वजनिक नीति के बीच संबंधों की खोज : चुनौतियाँ और अवसर। विकल्प : द जर्नल फॉर डिसिजन मेकर्स, 43(2), 61-67. doi:https://doi.org/10.1177/0256090918774699

बसंत, आर., और मिश्रा, पी. (2019). सुधार के बाद की अवधि के दौरान भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में बाजार की शक्ति पर ऊर्ध्वाधर एकीकरण का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्री, कॉम्पीटिशन एंड ट्रेड, 19(4), 561-581. doi:https://doi.org/10.1007/s10842-019-00294-4

बसंत, आर., और सेन, जी. (2019). उच्च शिक्षा में कोटा आधारित सकारात्मक कार्रवाई : भारत में अन्य पिछड़े वर्गों पर प्रभाव। विकास अध्ययन जर्नल . doi:https://doi.org/10.1080/00220388.2019.1573987

बसु, एस., राव, एच.वी., और दत्ता, जी. (2018). जीवन बीमा कंपनियों के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली के साथ नई परिसंपत्ति देयता प्रबंधन मॉडल : डेटाबेस और गणितीय मॉडल के लिए इंटरफ़ेस डिजाइन मुद्दे। राजस्व प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10(34), 259-289. doi:10.1504/IJRM.2018.10016758

बीकिना, एन., तुरागा, आर.एम., और भामोरिया, वी. (2018). किसान समूह के रूप में किसान उत्पादक संगठन : भारत से एक केस अध्ययन। विकास नीति समीक्षा, 36(6), 669-687. doi:10.1111/dpr.12274

बोराह, एस., प्रज्ञा, एस., और शर्मा, ए. (2019). उभरते बाजार में ग्राहक मंथन को कम करने के लिए सेवा वसूली रणनीतियों का लाभ उठाना। जर्नल ऑफ़ द एकेडमी ऑफ़ मार्केटिंग साइंस, 1-21. doi:10.1007/s11747-019-00634-0

परिशिष्ट जारी **अ**

बोराह, एस., शर्मा, ए., कुमार, वी., यान, जे., और अधिकारी, ए. (2019). एक फर्म के पूरे खरीदार-आपूर्तिकर्ता नेटवर्क की संरचनात्मक विशेषताओं और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रदर्शन पर इसके प्रभाव को समझना। इंटरनेशनल बिजनेस स्टडीज जर्नल, 50(3), 365-392. doi:10.1057/s41267-019-00215-x

सर्नौस्कास, वी., एंगेली, एफ़., जायसवाल, ए.के., और पावलोवा, एम. (2018). शहरी मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य प्रदाता विकल्प के निर्धारक : अहमदाबाद, भारत में असतत पसंद प्रयोग के परिणाम। बीएमसी स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान, 18, 1-11. doi:10.1186/s12913-018-3264-x

चक्रवर्ती, एस. (2018). क्या भारत में राजमार्ग विकास रोजगार वृद्धि को बढ़ावा दे सकता है? परिवहन नीति, 69(0), 1-9. doi:10.1016/j.tranpol.2018.05.009

चक्रवर्ती, एस., और जोह, के. (2018). यात्रा व्यवहार पर पितृत्व का प्रभाव : कैलिफोर्निया घरेलू यात्रा सर्वेक्षण से साक्ष्य। परिवहन अनुसंधान भाग ए : नीति और अभ्यास, 120 (फरवरी), 101-115. doi:https://doi.org/10.1016/j.tra.2018.12.022

चक्रवर्ती, एस., और पेंटर, जी. (2018). अमेरिका में हाल के आप्रवासियों और शहरी पारगमन की मांग की भौगोलिक गतिशीलता : नए साक्ष्य और योजना के निहितार्थ। परिवहन अनुसंधान भाग ए : नीति, 120(0), 7182. doi:10.1016/j.tra.2018.12.019

चाँद, वी.एस., और देशमुख, के. (2018). क्या समस्या-समाधान परियोजनाओं को लागू करने से निर्णायक शैली प्रभावित होती है? स्कूल प्रबंधन समितियों में शासन क्षमताओं का विकास करना। विकास प्रभावशीलता का जर्नल, 11(1), 1-14. doi:10.1080/19439342.2018.1551920

चंदवानी, आर., और कुमार, एन. (2018). कम-संसाधन वातावरण के लिए टेलीमेडिसिन की सुविधा के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर के टांके लगाना। कम्प्यूटिंग सिस्टम में मानव कारकों पर सीएचआई सम्मेलन के प्रॉसिडींग्स में। एसीएम, न्यूयॉर्क. doi:10.1145/3173574.3173958

चिंतागुंटा, एल., राज, पी., और नारायणस्वामी, एस. (2018), संशोधन के लिए संकल्पना : एक स्मार्ट शहर के रूप में काकीनाडा। सार्वजनिक मामलों का जर्नल, 19(1). doi:10.1002/pa.1879

कॉर्नेल, डी., मेंग, जे., हुआंग, एफ., शुक्ला, के., और कोनोल्ड, टी. (2018). छात्रों को खतरे के मूल्यांकन का उपयोग करते हुए अनुशासनात्मक परिणामों में नस्लीय / जातीय समानता। स्कूल मनोविज्ञान की समीक्षा, 47(2), 183-195. doi:10.17105/SPR-2017-0030.V47-2

डैश, एस.एस., और वोहरा, एन. (2019). स्कूल के प्रिंसिपल का नेतृत्व : शिक्षकों की नौकरी की रचना, अलगावपना और प्रतिबद्धता पर प्रभाव। प्रबंधन अनुसंधान की समीक्षा, 42(3), 352-369. doi: https://doi.org/10.1108/MRR-11-2017-0384

दे व्रीज़, जे., रॉय, डी., और दे कोस्टर, आर. (2018). प्रतीक्षा करना वाजिब? रेस्तरां में प्रतीक्षा समय ग्राहक व्यवहार और राजस्व को कैसे प्रभावित करता है। संचालन प्रबंधन का जर्नल, 63, 59-78. doi:10.1016/j.jom.2018.05.001

देव, पी., और ग्रैबिस्यूवेस्की, के. (2019). अधिकता हमेशा बेहतर नहीं होती है : आतंकवाद विरोधी सुरक्षा का मामला। संघर्ष के संकल्प का जर्नल । doi:10.1177/0022002718823924

ड्रेज, जे., गुप्ता, पी., खेरा, आर., और पिमेंटा, आई. (2019). नेट कास्टिंग : खाद्य सुरक्षा अधिनियम के बाद भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 54(6). https://www.epw.in/journal/2019/6/special-articles/casting-net.html {É® ={É±É¤vÉ*

दत्ता, जी., गुप्ता, एन., मंडल, जे., और तिवारी, एम.के. (2018). प्रक्रिया उद्योगों में रणनीतिक योजना के लिए नई निर्णय समर्थन प्रणाली : कम्प्यूटेशनल परिणाम। कंप्यूटर और औद्योगिक इंजीनियरिंग, 124, 36-47. doi:10.1016/j.cie.2018.07.016

दत्ता, जी., राव, एच.वी., बसु, एस., और तिवारी, एम.के. (2018). जीवन बीमा कंपनियों के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली के साथ परिसंपत्ति देयता प्रबंधन मॉडल : कम्प्यूटेशनल परिणाम। कंप्यूटर और औद्योगिक इंजीनियरिंग, 128, 985-998. doi:10.1016/j.cie.2018.06.033

गर्ग, ए., नाग, जे., छाबड़ा, ए., और नाग, टी. (2018). भारतीय गाँवों का ऊर्जा संतुलन : सात गाँवों का एक केस अध्ययन। ऑपरेशन और स्ट्रेटेजिक प्लानिंग जर्नल, 1(1), 77-103. doi:https://doi.org/10.1177/2516600X18774196

परिशिष्ट जारी

अ

घोष, आर., और एरिकसन, एम. (2018). आपूर्ति श्रृंखला में खुदरा शक्ति के कारण खाद्य अपशिष्ट : स्वीडन से साक्ष्य। वैश्विक खाद्य सुरक्षा, 20, 1-8. doi:10.1016/j.gfs.2018.10.002

गोपाकुमार, के.वी., अवस्थी, पी., गौडा, एस.के., और हलधर, टी. (2019). मानवीय कार्यों में विश्वास : एक भारतीय एनजीओ के लिए एक सामग्री विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ प्रोडक्शन रिसर्च, 57(9), 2626-2641. doi:10.1080/00207543.2019.1566652

गोपालकृष्णन, बी., और महापात्र, एस. (2018). सुनहरे पत्ते की तरफ पलटना? वित्तीय संकट के बाद वैश्विक तरलता और उभरते बाजार केंद्रीय बैंक की स्वर्ण की माँग। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंशियल मार्केट्स, इंस्टीट्यूशंस एंड मनी, 57(नवंबर), 94-109. doi:https://doi.org/10.1016/j.intfin.2018.07.002

गुप्ता, डी., और श्रीराम, के. (5 अप्रैल, 2018). गैर-राज्य कार्यकर्ताओं से हिंसा पर सैन्य गठबंधनों में सुरक्षा व्यय का प्रभाव : भारत से साक्ष्य। विश्व विकास । doi:10.1016/j.worlddev.2018.03.004

गुप्ता, एन., दत्ता, जी., और तिवारी, एम.के. (2018). प्रक्रिया उद्योगों में रणनीतिक आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन के लिए एक एकीकृत निर्णय समर्थन प्रणाली : जिंक कंपनी का मामला। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्शन रिसर्च, 56(17), 5866-5882. doi:10.1080/00207543.2018.1456698

गुप्ता, वी. (2018). नवाचार के लिए मिले पुरस्कार कब खराब मानते हैं? कार्य प्रेरणा और नवाचार के बीच सकारात्मक संबंधों के लिए उत्प्रेरक के रूप में नेता। वर्ल्डएटवर्क जर्नल । https://worldatwork.org/journal/ {É® ={É±É¤vÉ*

जैकब, जे., देसाई, एन.के., और अग्रवाल, एस.के. (2019). बड़े 4 ऑडिट शुल्क प्रीमियम वाले कारकों की एक परीक्षा : भारत के ऑडिट बाजार से साक्ष्य। लेखा क्षितिज, 33(2), 43-58. doi:https://doi.org/10.2308/acch-52347

जैन, एस., अग्रवाल, एस., वर्मा, जे., और पांडे, ए. (2018). कमाई की घोषणाओं के बारे में सूचित ट्रेडिंग - स्पॉट, वायदा या विकल्प? फ्यूचर्स मार्केट्स की पत्रिका, 39(5), 579-589. doi:10.1002/fut.21983

जैन, एस., वर्मा, जे., और अगरवाला, एस. (2018). भारतीय इक्विटी विकल्प : मुस्कान, जोखिम प्रीमियम और दक्षता। फ्यूचर्स मार्केट्स की पत्रिका, 39(2), 150-163. doi:10.1002/fut.21971

जायसवाल, ए.के., नीरज, आर., पार्क, सी.एच., और अग्रवाल, एम.के. (2018). उभरते ऑनलाइन बाजारों में ग्राहक प्रतिधारण पर संबंधों और लेनदेन संबंधी विशेषताओं का प्रभाव। जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 92, 25-35. doi:10.1016/j.jbusres.2018.07.007

झा, जे.के., और वर्की, बी. (2018). क्या आप एक जलधारा या चैनल हैं? कार्यस्थल पर ज्ञान को छिपाने वाले व्यवहार को ट्रिगर करने वाले कारकों की खोज करना : भारतीय आरएंडडी व्यावसायीयों से साक्ष्य। जर्नल ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, 22(4), 824-849. doi:10.1108/JKM-02-2017-0048

झा, जे.के., पांडे, जे., और वर्की, बी. (2019). तरल ज्ञान श्रमिकों की कार्यसंलग्नता पर कर्मचारियों के विकास में कथित निवेश की भूमिका की जांच करना : मनोवैज्ञानिक अनुबंध के प्रभावों को मॉडरेट करना। रणनीतिक आउटसोर्सिंग जर्नल, 12(2), 225-245. doi:10.1108/JGOSS-08-2017-0026

खांडकर, वी., और गांधी, वी. (2018). भारत में हाइब्रिड चावल को अपनाने के बाद का अनुभव : किसानों की संतुष्टि और प्रगति की इच्छा। कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान की समीक्षा, 31(1), 95-104. doi:10.5958/0974-0279.2018.00009.5

खेरा, आर. (2018). आधार कार्ड बहस : समाजशास्त्री कहां हैं? भारतीय समाजशास्त्र में योगदान, 52(3), 336-342. doi:https://doi.org/10.1177/0069966718787029

कोर्ज़ोस्टामी, एम., विजयालक्ष्मी, ए., और लैक़्जनीक, आर.एन. (2018). बच्चों का मीडिया समाजीकरण : माता-पिता की चिंता और ईरान में मध्यस्थता। जर्नल ऑफ़ मार्केटिंग मैनेजमेंट, 34(9-10), 819-840. doi:10.1080/0267257X.2018.1515784

क्रे, वी., गुओ, एफ़., कोल्प, पी., विश्वनाथन, एस., गर्ग, ए., मुराटोरी, एम., ... वुरेन, डी. (2018). हुड के तहत खोज : राष्ट्रीय और वैश्विक एकीकृत मूल्यांकन मॉडल में तकनीकी-आर्थिक मान्यताओं की तुलना। ऊर्जा, 172, 1254-1267. doi:10.1016/j.energy.2018.12.131

कृष्णमूर्ति, एस. (2018). प्रभावी शुरुआत बढ़ाने की रणनीतियों के साथ खनन टॉप-के उच्च उपयोगिता वाले आइटम। अनुप्रयोगों के साथ विशेषज्ञ प्रणाली । doi:10.1016/j.eswa.2018.09.051

परिशिष्ट जारी **अ**

कुलकर्णी, वी., वोहरा, एन., शर्मा, एस., और नायर, एन. (2018). कसकर चलना : संगठनात्मक परिवर्तन के रूप में लिंग समावेश। संगठनात्मक परिवर्तन प्रबंधन की पत्रिका । doi:https://doi.org/10.1108/JOCM-05-2017-0197

लाहा, ए.के., और पुटटुंडा, एस. (2018). टैक्सीजीपीएस डेटा धाराओं के साथ वास्तविक समय स्थान की भविष्यवाणी। ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च पार्ट सी : इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, 92 (जुलाई), 298-322. doi:https://doi.org/10.1016/j.trc.2018.05.005

लाहा, ए.के., और यादव, एस.के. (2019). गैल्टनवॉटसन ब्रांचिंग प्रक्रिया के एक प्रकार में हमेशा के लिए वितरण। स्टोकेस्टिक मॉडल, 35(3), 269-283. doi:10.1080/15326349.2019.1578239

लैंबलैस, टी., रॉय, डी., और दे कोस्टर, एम. (2019). रोबोटिक मोबाइल पूर्ति प्रणालियों में इन्वेंटरी आवंटन। आईआईएसई लेनदेन, 52(1), 1-17. doi: 10.1080/24725854.2018.1560517

ली, जे., ली, ए., चट्टोपाध्याय, पी., जॉर्ज, ई., और गुप्ता, वी. (2018). टीम भावना विविधता और प्रदर्शन सामाजिक वर्ग की एकरूपता की मध्यम भूमिका। समूह की गतिशीलता सिद्धांत, अनुसंधान, और अभ्यास, 22(2), 76-92. doi:https://doi.org/10.1037/gdn0000083

लू, जेड., देब, के., और सिन्हा, ए. (2018). मजबूत और विश्वसनीय समाधान के लिए बाइलवेल ऑप्टिमाइज़ेशन में अनिश्चितता से निपटना। अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ अनसर्टेन्टी, फ़ज़ीनेस एंड नॉलेज-बेस्ड सिस्टम, 26(2), 1-24. doi:10.1142/S0218488518400093

माहेश्वरी, एस., और भट, आर. (2018). भारत में सार्वजनिक उपक्रमों में बोर्डों का कार्य। इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, 54(1). http://www.publishingindia.com/ijir/22/functioning-of-boards-in-psbs-in-india/727/5065/ पर उपलब्ध।

मित्तल, एस., गुप्ता, वी., और मोटियानी, एम. (2018). क़सब : कच्छ क्राफ्ट्सविमेन प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड। एशियन केस रिसर्च जर्नल, 61(3), 255-277. doi:https://doi.org/10.1142/S0218927518500116

मोफिदी, एस.एस., पाज़ूर, जे.ए., और रॉय, डी. (2018). समुद्र-आधारित रसद के लिए सक्रिय बनाम प्रतिक्रियाशील आदेश-पूर्ति संसाधन आवंटन। परिवहन अनुसंधान भाग ई : रसद और परिवहन की समीक्षा, 114, 66-84. doi:10.1016/j.tre.2018.02.012

नागर, एन., और आर्य, ए. (2018). आय स्टेटमेंट वर्गीकरण का स्टूअर्डशिप वैल्यू : एक अनुभवजन्य परीक्षा। लेखा, लेखा परीक्षा और वित्त का जर्नल । doi:10.1177/0148558X18793067

नागर, एन., और सेन, के. (2018). वित्तीय संकट के दौरान आय प्रबंधन रणनीतियाँ। आईयूपी जर्नल ऑफ अकाउंटिंग रिसर्च एंड ऑडिट प्रैक्टिसेस, 17(3), 52-78. https://www.iupindia.in/1807/Accounting%20Research%20and%20Audit%20Practices/Earnings-Management-Strategies.html पर उपलब्ध

नारायणस्वामी, एस. (2018). डिजिटल सोशल मीडिया : भारतीय रेलवे के प्रदर्शन की गुणवत्ता को सक्षम करना। सार्वजनिक मामलों का जर्नल, 18(4). doi:https://doi.org/10.1002/pa.1849

नारायणस्वामी, एस. (2018). भारतीय रेलवे के वाटर एटीएम : एक मूक क्रांति के कारण। विकल्प : द जर्नल फ़ॉर डिसिजन मेकर्स, 43(2), 115-120. doi:https://doi.org/10.1109/POMS.2018.8629467

नोरोन्हा, ई., चक्रवर्ती, एस., और डीक्रूज़, पी. (2018). डूइंग डिग्निटी वर्क : भारतीय सुरक्षा गार्डों का अनिश्चितता के साथ इंटरफेस। जर्नल ऑफ बिजनेस एथिक्स , 1-23. doi:10.1007/s10551-018-3996-x

नोरोन्हा, ई., डीक्रूज़, पी., और बंदे, एम.यू. (2018). नेविगेट करने की स्थिति : नीदरलैंड में भारतीय आईटी आपूर्तिकर्ताओं और कर्मचारियों के अनुभव। बिजनेस एथिक्स जर्नल । doi:10.1007/s10551-018-4071-3

पांडे, जे., सिंह, एम., और सोहनी, एस.एस. (2018). एक उभरती अर्थव्यवस्था की कठिन भौगोलिक स्थितियों में ग्रामीण महिलाओं का भावनात्मक श्रम : भारत के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की कथाएँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ वर्क ऑर्गनाइज़ेशन एंड इमोशन, 9(2), 159-186. doi:10.1504/IJWOE.2018.093302

पांडे, जे., सिंह, एम., वर्की, बी., और मावलंकर, डी. (2018). ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य को बढ़ावा देना स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की नौकरी का प्रदर्शन बढ़ाना। प्रबंधन कार्यवाही अकादमी, जुलाई 2018. https://journals.aom.org/doi/abs/10.5465/AMBPP.2018.10136abstract पर उपलब्ध

परिशिष्ट जारी

अ

पिदुन, यू., रिक्टर, ए., शोमर, एम., और कर्ण, ए. (2018). विविध कंपनियों के लिए एक नई प्लेबुक। एमआईटी स्लोन प्रबंधन की समीक्षा । https://sloanreview.mit.edu/article/a-new-playbook-for-diversified-companies/ पर उपलब्ध

पिंगाली, वी. (2018). इंटरनेट सर्च इंजन और दो तरफा बाजार : एंटीट्रस्ट विश्लेषण के लिए निहितार्थ। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 53(38). https://www.epw.in/journal/2018/38/market-power-and-competition-policy/internet-search-engines-and-two-sided.html पर उपलब्ध

पूनावाला, एस., और नागर, एन. (2018). वर्गीकरण के माध्यम से सकल लाभ में हेरफेर। जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 94, 81-88. doi:10.1016/j.jbusres.2018.09.013

राम मोहन, एम.पी. (2018). परमाणु क्षति अधिनियम, 2010 के लिए विवादास्पद नागरिक दायित्व का सामना करने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय किस व्याख्यात्मक मार्ग का अनुसरण करेगा? संविधि क़ानून की समीक्षा । doi:10.1093/slr/hmy007

रविचंद्रन, एन., वाज़यिल, जे.पी., और नारायणस्वामी, एस. (2018). कर्मचारी भविष्य निधि संगठन डिजिटल परिवर्तन द्वारा सदस्यों को सशक्त बनाना। सार्वजनिक मामलों का जर्नल, 18(4). doi:10.1002/pa.1844

रे, पी., और सिंह, एम. (2018). नए संगठनों में सहस्राब्दियों के लिए प्रभावी प्रतिक्रिया। मानव संसाधन प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय डाइजेस्ट । doi:10.1108/HRMID-09-2016-0128

रॉय, डी., और रविकुमारन, वी. (2018). सीओएनडब्ल्यूआईपी-कार्ड नियंत्रित और निर्धारित समय आधारित उत्पादन प्रणाली के डिजाइन का एक व्यापक मूल्यांकन। जर्नल ऑफ मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम्स, 50 (जनवरी), 119-134. doi:https://doi.org/10.1016/j.jmsy.2018.12.006

रॉय, डी., निगम, एस., दे कोस्टर, आर., अदन, आई., और रेजिंग, जे. (2018). मोबाइल पूर्ति प्रणालियों में रोबोट-भंडारण क्षेत्र असाइनमेंट रणनीति। परिवहन अनुसंधान भाग ई : रसद और परिवहन की समीक्षा, 122, 119-142. doi:10.1016/j.tre.2018.11.005

रॉय, एस., और बनर्जी, टी. (2019). फ़र्थ सुधार का उपयोग करके समूह परीक्षण डेटा से लॉग-ऑड अनुपात का अनुमान। बायोमेट्रिक जर्नल : जर्नल ऑफ़ मैथेमेटिकल मेथड्स इन बायोसाइंसेस, 61(3), 714-728. doi:https://doi.org/10.1002/bimj.201800125

रॉय, एस., गुहा, ए., विश्वास, ए., और ग्रेवाल, डी. (2019). उभरते बाजारों में सेलिब्रिटी समर्थन : ब्रांड के साथ या उपभोक्ताओं के साथ संरेखित ? इंटरनेशनल बिजनेस स्टडीज जर्नल , 50(3), 295-317. doi:10.1057/s41267-018-00209-1

रॉय, एस., जैन, वी., मर्चेंट, ए. और फोर्ड, जे.बी. (2019). एक सामूहिक उभरते बाजार, भारत में एड-इवोकेड नॉस्टेल्जिया को मापने के लिए एक एमिक स्केल विकसित करना। जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 99, 140-156. doi:10.1016/j.jbusres.2019.02.039

रॉय, एस., श्रीजेश, एस., और भाटिया, एस. (2019). सेवा की गुणवत्ता बनाम सेवा का अनुभव : बी 2 बी सेवाओं में परिणामी प्रभावों की एक अनुभवजन्य परीक्षा। औद्योगिक विपणन प्रबंधन , 82, 52-69. doi:10.1016/j.indmarman.2019.02.017

सेलिन, डी., कोवान, आर.एल., एडवुमी, ओ., एपोस्पोरि, ई., बोचेंटिन, जे., डीक्रूज़, पी., ... जेड्लाचर, ई. (2018). कार्यस्थल में बदमाशी में रोकथाम और हस्तक्षेप : पसंदीदा कार्रवाई पर मानव संसाधन व्यावसायीयों के प्रतिबिंब का एक वैश्विक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट । doi:10.1080/09585192.2018.1460857

सेलिन, डी., कॉवन, आर., एडवुमी, ओ., एपोस्पोरि, ई., बोचेंटिन, जे., डीक्रूज़, पी., ... जेड्लाचर, ई. (2018). दुनिया भर में कार्यस्थल बदमाशी : एक क्रॉस-सांस्कृतिक तुलना। कार्मिक समीक्षा, 48(1), 204-219. doi:10.1108/PR-03-2017-0092

सरीन, ए., और चंद, वी.एस. (2019). राज्य द्वारा संचालित महिला सशक्तीकरण का समर्थन और निरंतरता : भारत में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम से सीखना। अंतर्राष्ट्रीय विकास के क्षेत्र, 31(5), 374-392. doi:https://doi.org/10.1002/jid.3409

शोमर, एम., रिक्टर, ए., और कर्ना, ए. (2018). क्या विविधीकरण - फर्म का प्रदर्शन संबंध समय के साथ बदलते हैं? एक मेटा एनालिटिकल रिव्यू। जर्नल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, 56(1), 270-298. doi:10.1111/joms.12393

शेख, ए., शर्मा, डी., विजयलक्ष्मी, ए., और यादव, आर.एस. (2018). फ्रेंचाइज़र-फ्रैंचाइज़ी संबंधों में निष्पक्षता : एक एकीकृत परिप्रेक्ष्य। जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इंडस्ट्रियल मार्केटिंग, 33(4), 550-562. doi:10.1108/JBIM-04-2017-0093

शर्मा, ए., मोजेस, ए.सी., बोराह, एस., और अधिकारी, ए. (2018). संगठनात्मक कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी प्रदर्शन पर कार्यबल नस्लीय विविधता के प्रभाव की जांच : एक संस्थागत लॉजिक्स परिप्रेक्ष्य। जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च । doi:10.1016/j.jbusres.2018.10.018

शर्मा, डी., पांडे, एस.के., चंदवानी, आर., पांडे, पी., और जोसेफ, आर. (2018). इंटरनेट चैनल नरभक्षण और उभरते प्रदर्शन के संदर्भ में विकेता के प्रदर्शन पर इसका प्रभाव। रिटेलिंग और उपभोक्ता सेवाओं का जर्नल, 45 (सी), 179-189. doi:10.1016/j.jretconser.2018.09.005

सिंह, एम., और सरकार, ए. (2018). संरचनात्मक सशक्तिकरण और अभिनव व्यवहार के बीच संबंधों में मनोवैज्ञानिक सशक्तिकरण की भूमिका। प्रबंधन अनुसंधान की समीक्षा, 42(4), 521-538. doi:10.1108/MRR-04-2018-0158

सिंह, एम., पांडे, जे., सोहनी, एस., झा, जे., और वर्की, बी. (2018). नौकरी अंक मॉडल : नौकरियों के तुलनीय मूल्य का निर्धारण करने के लिए एक खुला स्रोत उपकरण। इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, 53(4), 711-716. http://www.i-scholar.in/index.php/ijir/article/view/178422 पर उपलब्ध

सिंह, एस. (2018). खाद्य मूल्य श्रृंखला निवेश और छोटे किसान संबंध : भारतीय अनुभव, क्षमता और नीति। विश्व खाद्य नीति, 4(2), 79-100. doi:https://doi.org/10.18278/wfp.4.2.6

सिंह, एस. (2018). ग्रामीण भारत में भूमि और आजीविका क्या खेत का आकार मायने रखता है? इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग, 32(3), 15-28. https://www.indianjournals.com/ijor.aspx?target=ijor:ijam&volume=32&issue=3s&article=002 पर उपलब्ध

सिंह, एस. (2018). दक्षता, प्रभावशीलता और स्थिरता के लिए भारत में एफपीओ को बढ़ावा देना और प्रबंधित करना : चुनौतियाँ, नीतियाँ और सर्वोत्तम अभ्यास। सहकारी परिप्रेक्ष्य, विशेषांक (सितंबर)। www.vamnicom.org पर उपलब्ध।

सिंह, एस. (2018). भारत में कृषि बाजारों में सुधार : दो मॉडल अधिनियमों की एक कहानी। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 53(15). www.epw.in पर उपलब्ध।

सिंह, एस. (2019). भारत में स्थायी कृषि विकास के लिए सामुदायिक और सामूहिक संगठन : अनुभव, चुनौतियाँ और नीति। आईजेएई, 74 (जनवरी-मार्च)। www.iseaindia.org पर उपलब्ध।

सिंह, वी.एल., और सिंह, एम. (2018). नौकरी क्राफ्टिंग का एक खराब मॉडल : नौकरी के प्रदर्शन पर कई मध्यस्थ प्रभाव। आईआईएमबी प्रबंधन समीक्षा, 30(4), 305-315. doi:https://doi.org/10.1016/j.iimb.2018.05.001

सिन्हा, ए., सौन, टी., और देब, के. (2018). द्विस्तरीय अनुकूलन समस्याओं को हल करने के लिए कस्श-कुह्न-टकर निकटता उपाय का उपयोग करना। भीड़ और विकासवादी संगणना, 44 (फरवरी), 496-510. doi:https://doi.org/10.1016/j.swevo.2018.06.004

सिन्हा, ए., वर्की, बी., और दवे, पी. (2018). प्रोजेक्ट निर्माण : आगे का रास्ता। व्यवसाय और प्रबंधन मामलों का दक्षिण एशियाई जर्नल, 7(1), 53-67. doi:https://doi.org/10.1177/2277977918759871

सुगथन, ए., भंगेल, आर., कंसल, वी., और हुल्के, यू. (2018). भारतीय बिजली संयंत्र नए सल्फर उत्सर्जन मानकों को प्रभावी ढंग से कैसे पूरा कर सकते हैं? सीमांत उन्मूलन लागत-घटता का उपयोग करके नीति मूल्यांकन । ऊर्जा नीति, 121 (सी), 124-137. doi:10.1016/j.enpol.2018.06.008

टापिया, ई., रॉय, डी., मेलासिनी, एम., और दे कोस्टर, आर. (2019). एकीकृत भंडारणक्रम पिकिंग सिस्टम : प्रौद्योगिकी, प्रदर्शन मॉडल और डिजाइन अंतर्दृष्टि। यूरोपीय जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 274(3), 947-965. doi:10.1016/j.ejor.2018.10.048

तोबे, एफ़.ए., कर्ना, ए., और सोंदरेजर, पी. (2018). आर्थिक भूगोल और उभरते बाजार समूह : बैंगलुरूमें स्थानीय और गैर-स्थानीय नेटवर्क का सह-विकासवादी अध्ययन। इंटरनेशनल बिजनेस रिव्यू । doi:10.1016/j.ibusrev.2018.03.011

तुम्बे, सी., और कृष्णकुमार, एस. (2018). बाजार से बिग बाजार तक : भारत में खुदरा बिक्री के विकास में पर्यावरणीय प्रभाव और सेवा नवाचार, सी. 1850-2015. विपणन में ऐतिहासिक अनुसंधान जर्नल, 10(3), 312-330. doi:10.1108/JHRM-12-2017-0078

परिशिष्ट जारी

अ

तुम्बे, सी., और रेल्ली, आई. (2018). बीसवीं सदी के भारत में विपणन के चार युग। विपणन में ऐतिहासिक अनुसंधान जर्नल, 10(3), 294-311. doi:https://doi.org/10.1108/JHRM-06-2017-0031

वर्की, बी. और कोर्डे, आर. (2018). भारत में न्यूनतम मजदूरी : वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएं। फोकस में नीति (आईपीसी-आईजी/यूएनडीपी), 15(2), 34-37. https://ipcig.org/pub/eng/PIF42_Minimum_ wage_global_ challenges_and_perspectives.pdf पर उपलब्ध।

वर्की, बी., कोर्डे, आर., और वढवानिया, एस. (2017). 2008-2016 के बीच भारत में कार्यकारी बोनस भुगतान पैटर्न में बदलाव : कुछ सबूत। मुआवजा और लाभ की समीक्षा, 49(2), 63-86. doi:https://doi.org/10.1177/0886368718757095

वर्तक, के., तुम्बे, सी., और भिडे, ए. (2018). ग्रामीण भारत से बड़े पैमाने पर पलायन : 1961-1987-2017 में महाराष्ट्र में कोंकण के कुंकरी गाँव का एक पुनरध्ययन। जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी इकोनॉमिक्स, 31(1), 42-62. doi:https://doi.org/10.1177/0260107918776563

विजयालक्ष्मी, ए., लिन, एम.एच., और लैक्जनिआक, आर.एन. (2018). बच्चों के इंटरनेट विज्ञापन अनुभवों का प्रबंधन : विनियमन के लिए अभिभावक वरीयताएँ। उपभोक्ता मामलों का जर्नल, 52(3), 595-622. doi:10.1111/joca.12177

विश्वनाथन, एस.एस., गर्ग, ए., तिवारी, वी., और शुक्ला, पी.आर. (2018). 2 डिग्री सेल्सियस में भारत और 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे की दुनिया : अवसर और चुनौतियाँ। कार्बन प्रबंधन । doi:10.1080/ 17583004.2018.1476588

विश्वनाथन, एस., फ्रैगकोस, पी., फ्रैगकीयाडाकिस, के., और पारूसोस, एल. (एन.डी.). भारतीय भवन क्षेत्र की ऊर्जा प्रणाली का परिवर्तन और व्यापक आर्थिक मूल्यांकन। भवन अनुसंधान और सूचना, 47(1), 38-55. doi:https://doi.org/10.1080/09613218.2018. 1516059

यादव, आर.एस., और माहेश्वरी, एस. (2019). कार्यस्थल पर आध्यात्मिकता : जैसा कि भारतीय प्रबंधकों द्वारा देखा जाता है। इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, 54(3). http://www.publishingindia.com/ijir/22/spirituality-at-workplace-as-seen-by-indian-managers/775/5384/ पर उपलब्ध।

यशवंत, बी.एस., और लाहा, ए.के. (2018). भारत में खेतीहर मजदूरों के मेहनताना राशि में असमानता : एक अंतराल-मूल्यांकित डेटा विश्लेषण। भारतीय कृषि विज्ञान जर्नल, 88 (जून)। http://epubs.icar.org.in/ejournal/index.php/IJAgS/article/ view/80644 पर उपलब्ध।

पुस्तकों में अध्याय

अढिया, एस., भट्टाचार्जी, डी., और बंद्योपाध्याय, टी. (2018). अतिजनसंख्या मापदंडों के भारित वर्गाकार अनुमान कार्य अनुमानों को डिज़ाइन करना। ए. चट्टोपाध्याय, और जी. चट्टोपाध्याय (संपादन) के, सांख्यिकी और इसके अनुप्रयोग में। स्प्रिंगर।

बंदे, एम.यू., चक्रवर्ती, एस., डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2018). बाल श्रमिकों द्वारा दुर्व्यवहार का सामना कार्यस्थल पर बदमाशी में उपन्यास क्षेत्र। पी. डी'क्रूज़, ई. नोरोन्हा, ए. मेंडोंज़ा, और एन. मिश्रा (संपादन) के, कार्यस्थल पर बदमाशी के प्रति भारतीय दृष्टिकोण : अंतर्दृष्टि का एक दशक। स्प्रिंगर।

ब्जोरकेलो, बी., थोरसन, सी., मिक्के, ई.जी. (2018). कार्यस्थल पर ध्यानाकर्षण करना और धमकाना नेताओं की भूमिका। पी. डीक्रूज़, और ई. नोरोन्हा (संपादन) के, कार्यस्थल पर बदमाशी, भावनात्मक शोषण और उत्पीड़न हैंडबुक में (वॉल्यूम 4).

कॉर्नेल, डी., और शुक्ला, के. (2018). संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत में बदमाशी और स्कूल का माहौल। पी. स्मिथ, एस. सुंदरम, बी. स्पीयर्स, सी. ब्लेया, एम. शेफ़र, और डी. संधू (संपादन) के, बदमाशी, साइबरबुलिंग और स्कूलों में छात्र भलाई यूरोपीय, ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय परिप्रेक्ष्य की तुलना। https://www.cambridge.org/core/books/bullying-cyberbullying-and-student-wellbeing-in-schools/D6BF9FDCB1B00E82C52DBBDEE4563D0B से लिया गया

डीक्रूज़, पी., नोरोन्हा, ई., और सियाल, ए. (2018). भारत में कार्यस्थल की विविधताएं एक प्रासंगिक समझ की ओर। पी. डीक्रूज़, ई. नोरोन्हा, ए. मेंडोंज़ा, और एन. मिश्रा (संपादन) के, कार्यस्थल पर बदमाशी के बारे में भारतीय दृष्टिकोण : अंतर्दृष्टि का एक दशक। स्प्रिंगर।

डीक्रूज़, पी., नोरोन्हा, ई., और स्याल, ए. (2018). भारत में कार्यस्थल की विविधताएं : एक प्रासंगिक समझ की ओर। पी. डीक्रूज़, ई. नोरोन्हा, ए. मेंडोंज़ा, और एन. मिश्रा (संपादन) के, कार्यस्थल पर बदमाशी के बारे में भारतीय दृष्टिकोण : अंतर्दृष्टि का एक दशक। स्प्रिंगर।

परिशिष्ट जारी **अ**

ध्रुव, जी., और गुप्ता, वी. (2018). एक वीयूसीए पर्यावरण में प्रभावी इंतज़ाम करना : एक अंधेर नेटवर्क से सबक। एस. धीर, और सुशील (संपादन) के, वीयूसीए मार्केट्स में लचीली रणनीतियाँ (पन्ना 89-111). सिंगापुर।

फ़ार्ले, एस., कॉइन, आई., और डीक्रूज़, पी. (2018). कार्य में साइबरबुलिंग : प्रौद्योगिकी के प्रभाव को समझना। पी. डीक्रूज़, और ई. नोरोन्हा (संपादन) के, कार्यस्थल पर बदमाशी, भावनात्मक शोषण और उत्पीड़न हैंडबुक में (वॉल्यूम 1).

गाँधी, वी., और नंबूदिरी, एन.वी. (2018). भारत में बीटी कॉटन बनाम गैर-बीटी कॉटन का अर्थशास्त्र : चार प्रमुख कपास उगाने वाले राज्यों में एक अध्ययन। एस. वर्मा, और पी.सी. बोध (संपादन), भारतीय कृषि की झलक (पन्ना 94-100). ऑक्सफोर्ड यूनिटीस प्रेस।

गाँधी, वी., जैन, डी., और अरगडे, ए. (2018). कृषि में जैव प्रौद्योगिकी : संभावना, प्रदर्शन और चिंताएं। एस. वर्मा, और पी.सी. बोध (संपादन), भारतीय कृषि की झलक (पन्ना 189-196). नई दिल्ली ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

गाँधी, वी., और नंबूदिरी, एन.वी. (2018). भारत में भागीदारी सिंचाई प्रबंधन का मूल्यांकन : आंध्र प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र का अध्ययन। एस. वर्मा , और पी.सी. बोध (संपादन) के, भारतीय कृषि की झलक (पन्ना 197-207) में। ऑक्सफोर्ड यूनिवरसिटि प्रेस।

गाँधी, वी. (2018). भारत में कृषि इनपुट : विकास, रूझान और बदलते परिदृश्य। डी. रॉय, जी. नायर, और जी. मणि (संपादन) के, ग्रामीण भारत परिप्रेक्ष्य (पन्ना 16-42) में। ऑक्सफोर्ड यूनिवरसिटि प्रेस।

गाँधी, वी. (2018). प्रभावी संस्थानों और अभिनव कृषि-व्यवसाय मॉडलों के माध्यम से बागवानी में विपणन लिंकेज बदलना। डी. मंडल, ए.सी. शुक्ला, और डब्ल्यू. सिद्दीकी (संपादन) के, ट्रेंड्स इन सस्टेनेबल हॉर्टिकल्चर, डाइवर्सिटी, प्रॉडक्शन एंड क्रॉप इंप्रुवमेंट (पन्ना 16-42) में। एप्पल अकादमिक प्रेस।

गर्ग, ए., विश्वनाथन, एस.एस., और तिवारी, वी. (2018). विभिन्न जलवायु परिवर्तन शासन के तहत उद्योग क्षेत्र में जल उपयोग आयोजन। वी. मिश्रा, और जे.आर. भट्ट (संपादन) के, भारत में जलवायु परिवर्तन और जल संसाधन (पन्ना 147 - 16 वर्ष) में। पर्यावरण, वानिकी और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय।

ह्यूगटन, के. वी., डीक्रूज़, पी., और मिश्रा, एन. (2018). कार्यस्थल पर बदमाशी, भावनात्मक दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के माहौल में टिके रहना। पी. डीक्रूज़, और ई. नोरोन्हा (संपादन) के, कार्यस्थल पर बदमाशी, भावनात्मक शोषण और उत्पीड़न हैंडबुक में (वॉल्यूम 2).

खेरा, आर. (2018). परिचय। आर. खेड़ा (संपादन) के, आधार कार्ड पर असहमति : बिग डेटा बिग ब्रदर से मिलता है। हैदराबाद : ओरिएंट ब्लैक स्वान में।

खेरा, आर. (2018). जनकल्याण पर आधार कार्ड का प्रभाव। आर. खेड़ा (संपादन) के आधार कार्ड पर असहमति : बिग डेटा बिग ब्रदर से मिलता है। हैदराबाद : ओरिएंट ब्लैक स्वान में।

खेरा, आर. (2018). आधार कार्ड और गोपनीयता। आर. खेड़ा (संपादन) के आधार कार्ड पर असहमति : बिग डेटा बिग ब्रदर से मिलता है। हैदराबाद : ओरिएंट ब्लैक स्वान में।

खेरा , आर. (2018). परिशिष्ट. आर. खेड़ा (संपादन) के आधार कार्ड पर असहमति : बिग डेटा बिग ब्रदर से मिलता है। हैदराबाद : ओरिएंट ब्लैक स्वान में।

माथुर, ए.एन. (2018). नेताओं और प्रबंधकों के लिए भगवद गीता के संदेश में उद्धार धर्मशास्त्र से रहस्योद्घाटन राजनीति। एस. धीमान, और ई. अमर (संपादन) के, भगवद गीता द्वारा प्रबंधन में। स्प्रिंगर नेचर।

मेंडोंज़ा, ए., और डीक्रूज़, पी. (2018). गंदे काम के संदर्भ में कार्यस्थल पर बदमाशी, भावनात्मक दुर्व्यवहार और उत्पीड़न। पी. डीक्रूज़, और ई. नोरोन्हा (संपादन) के, कार्यस्थल पर बदमाशी, भावनात्मक शोषण और उत्पीड़न हैंडबुक में (वॉल्यूम 4).

मेंडोंज़ा, ए., डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2018). सौंदर्य सेवा कार्यकर्ताओं का अपमानकर्ता ग्राहकों से सामना : कार्यस्थल पर बाहरी बदमाशी की अवधारणा को आगे बढ़ाना। पी. डीक्रूज़, ई. नोरोन्हा, ए. मेंडोंज़ा, और एन. मिश्रा (संपादन) के, कार्यस्थल पर बदमाशी के बारे में भारतीय दृष्टिकोण : अंतर्दृष्टि का एक दशक। स्प्रिंगर।

मिश्रा, एन., डीक्रूज़, पी., गुप्ता, पी., और नोरोन्हा, ई. (2018). क्षमा : कार्यस्थल पर बदमाशी में एक नया गतिमान। पी. डीक्रूज़, ई. नोरोन्हा, ए. मेंडोंज़ा, और एन. मिश्रा (संपादन) के, कार्यस्थल पर बदमाशी के बारे में भारतीय दृष्टिकोण : अंतर्दृष्टि का एक दशक। स्प्रिंगर।

परिशिष्ट जारी

अ

नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़, पी. (2018). भारतीय फ्रीलांसरों के ऑनलाइन श्रम बाजारों पर बदमाशी के अनुभव : अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में डिजिटल कार्यस्थलों में अंतर्दृष्टि. पी. डीक्रूज़, ई. नोरोन्हा, ए. मेंडोंज़ा, और एन. मिश्रा (संपादन) के, कार्यस्थल पर बदमाशी के बारे में भारतीय दृष्टिकोण : अंतर्दृष्टि का एक दशक। स्प्रिंगर।

राम मोहन, एम.पी. (2018). इंडियन सिविल न्यूक्लियर लायबिलिटी लॉ (सीएनएलडी अधिनियम) : अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रवचन में दुस्साहस या असाधारणवाद। एस. बर्रा, और आर. राजेश बाबू (संपादन), समकालीन अंतरराष्ट्रीय कानूनी शासन में भारत का स्थान रखना (पन्ना 307-337). नई दिल्ली : स्प्रिंगर। doi:https://doi.org/10.1007/978-81-322-3580-4_14

शारदा, के. (2018). निर्णय-निर्माण के तंत्रिका सहसंबंध : समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा। पी. रे, आर. सरकार, और ए. सेन (संपादन) के, अर्थशास्त्र, प्रबंधन और स्थिरता (पन्ना 231-264) में। सिंगापुर स्प्रिंगर। https://www.springer.com/gp/book/9789811318931 से पुनः प्राप्त

27. सिंह, एस. (2019). जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा और कुछ अलग कर दिखाना? भारतीय कपास क्षेत्र में स्थिरता मानकों का आकलन। बी. अरोड़ा, पी. बधवार, और डी. ज्योति (संपादन)। पालग्रेव मैकमिलन, चाम।

सम्मेलन और कार्यशालाएँ

आबिदी, क्यू. (13-15 दिसंबर, 2018). *गृह संस्था पूर्वाग्रह।* आईएफ़एबीएस 2018 सम्मेलन, सैंटियागो में पेपर प्रस्त ुत किया गया।

आबिदी , क्यू. (13-15 दिसंबर, 2018). *पुनर्मूल्यांकन डेलावेर*। आईएफ़एबीएस 2018 सम्मेलन, सैंटियागो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

अद्वैत, आर., और सरीन, ए. (18 नवंबर, 2018). *भारत में किशोरियों के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में आवासीय शिक्षा की स्थिति बनाना* । मुम्बई में *भिक्षु प्रयोगशाला की चौथी संगोष्ठी* में प्रस्तुत अनुसंधान पत्र।

अग्रवाल, एम. (11-14 अक्टूबर, 2018). निवेशक नेटवर्क और फर्म इम्पैक्ट पर इसका प्रभाव पेपर एसएमएस स्पेशल कॉन्फ्रेंस 2018, हैदराबाद में प्रस्तुत किया गया।

अग्रवाल, एम. (11-14 अक्टूबर, 2018). *प्लेटफ़ॉर्म इकोसिस्टम की फर्म पोजिशनिंग : एक नेटवर्क टोपोलॉजी दृष्टिकोण* । एसएमएस स्पेशल कॉन्फ्रेंस 2018, हैदराबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

अग्रवाल, एम., और हनमंडलु , एम. (28-30 जुलाई, 2018). *अनिश्चित सिस्टम के लिए बुद्धिमान नियंत्रक* । 14वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्राकृतिक संगणना, फजी सिस्टम और नॉलेज डिस्कवरी (आईसीएनसी-एफ़एसकेडी) पर हुआंगशान मेंपेपर प्रस्तुत किया गया।

अग्रवाल , एस., वोहरा, एन., और शर्मा, एस. (5-7 जुलाई, 2018). *भारत में मारवाड़ी परिवार के व्यवसाय में उत्तराधिकार एक गुणात्मक अध्ययन* । व्यवसाय और प्रबंधन में 9वीं अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान बैठक (आईआरएमबीएएम-2018), नाइस में पेपर प्रस्तुत किया गया।

अरुणा दिव्या, टी., और जोन्नालगेद्दा, एस. (दिसंबर 2018). *ऐड-ऑन सेवाओं की खरीद पर बेस सर्विस टैरिफ संरचना का प्रभाव* । क्वांटिटेटिव मार्केटिंग, बेंगलुरु में शिकागो बूथ आईआईएमबी मिनी सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

अरुणा दिव्या, टी., और जोन्नालगेद्दा, एस. (दिसंबर, 2018). *ऐड-ऑन सेवाओं की खरीद पर बेस सर्विस टैरिफ संरचना का प्रभाव* । 12वें ग्रेट लेक्स एनएएसएमईआई मार्केटिंग कॉन्फ्रेंस, चेन्नई में पेपर प्रस्तुत किया गया।

अरुणा दिव्या , टी., और जोन्नालगेद्दा, एस. (जनवरी 2019*). ऐड-ऑन सेवाओं की खरीद पर बेस सर्विस टैरिफ संरचना का प्रभाव* / एशिया-प्रशांत कंज्यूमर रिसर्च एसोसिएशन, अहमदाबाद, अहमदाबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

अरुणा दिव्या, टी., भार्गव, पी., और नारायणन, पी. (दिसंबर 2018). *जब आपने सबकुछ खो दिया हो तब किसी को कुछ देंगे : अभियोग व्यवहार पर संसाधनों की कमी का प्रभाव* । 12वें ग्रेट लेक्स एनएएसएमईआई मार्केटिंग कॉन्फ्रेंस, चेन्नई में पेपर प्रस्तुत किया गया।

अवशिया, वी., गर्ग, ए., और नासवा, पी. (18-21 जून, 2018). *आवास के लिए अचल संपत्ति की कीमतों में शहरी प्रवाह और बाजार समायोजन : अहमदाबाद, भारत से अवलोकन* । एडाप्टेशन फ्यूचर्स 2018, केप टाउन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

अवशिया, वी., गर्ग, ए., नासवा, पी. और माखशियोन्न, ए. (18-21 जून, 2018). *अनुकूलन निर्णय समर्थन विधियाँ : भारत के तीन बंदरगाहों में अनुकूलन क्रिया के लिए लागत घटता है* । एडाप्टेशन फ्यूचर्स 2018, केप टाउन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

परिशिष्ट जारी **अ**

अवस्थी, पी., और अरुणा दिव्या, टी. (जून, 2018). *लिमिटेड एडिशन प्रोडक्ट्स के लिए संगठित सेकेंडरी मार्केट्स* । 40वें इनफ़ॉर्म्स-आईएनएफ़ओआरएमएस सोसायटी फॉर मार्केटिंग साइंस एनुअल कॉन्फ्रेंस, फिलाडेल्फिया में पेपर प्रस्तुत किया गया।

बंसल, ए., और जैकब, जे. (20-22 दिसंबर, 2018). *स्वभाव पक्षपात पर मूल्य पथ का प्रभाव* । इंडिया फाइनेंस सम्मेलन, कोलकाता में पेपर प्रस्तुत किया गया।

बंसल, ए., और जैकब, जे. (9 फरवरी, 2019). *स्वभावपक्षपात पर मूल्य पथ का प्रभाव* । स्वर्ण और स्वर्ण बाजार पर आईआईएमए-आईजीपीसी सम्मेलन, नई दिल्ली में पेपर प्रस्तुत किया गया।

बंसल, ए., और जैकब, जे. (7-9 मार्च, 2019). *स्वभाव पक्षपात पर मूल्य पथ का प्रभाव* । पेपर मिडवेस्ट फाइनेंस एसोसिएशन, शिकागो में प्रस्तुत किया गया।

भद्रा, डी. (23-26 सितंबर, 2018). *एक निरंतर परिणाम पर अनुदैर्ध्य कोवरिएट प्रोफाइल के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए एक बायेसियन सेमीपैरामीट्रिक दृष्टिकोण* । पेपर एप्लाइड स्टैटिस्टिक्स 2018, लेक ब्लेड में प्रस्तुत किया गया।

भार्गव, पी., सेकरी, एस., विजयलक्ष्मी, ए., और जैन, एस.पी. (17 दिसंबर, 2018). *जब उपभोक्ताओं को अनुनय ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती है : स्वभावगत भावना विनियमन की भूमिका*। भारत में शिक्षा के लिए उत्तर अमेरिकी मार्केटिंग सोसायटी 2018, चेन्नई में पेपर प्रस्तुत किया गया।

भट्ट, ए. (11-14 अक्टूबर, 2018). *सामाजिक उद्यमों द्वारा सामाजिक प्रभाव मापन में पूंजी स्रोतों की भूमिका* । एसएमएस स्पेशल कॉन्फ्रेंस 2018, हैदराबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

भट्टाचार्य, पी., और रामपाल , जे. (21 दिसंबर, 2018). *समूहों के बीच और भीतरप्रतियोगिताएँ* । आर्थिक वृद्धि और विकास पर 14वें वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली में पेपर प्रस्तुत किया गया।

ब्रैडशॉ, सी., शुक्ला, के.डी., और बर्ग, जे. (18 मई, 2018). *अच्छा व्यवहार गेम निवारक हस्तक्षेप के छात्र परिणामों को निर्धारित करने के लिए औसत कारण प्रभाव संकलक का उपयोग करना* । पेपर प्रिवेंशन सोसाइटी रिसर्च, वाशिंगटन डीसी की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया।

चक्रवर्ती , एस. (10-14 जुलाई, 2018). *राइजहेलिंग का उदय, और शहरी गतिशीलता पर इसका प्रभाव : भारत के नए साक्ष्य* । यूरोपियन प्लानिंग स्कूल्स एसोसिएशन वार्षिक कांग्रेस 2018, गोथेनबर्ग में पेपर प्रस्तुत किया गया।

चक्रवर्ती, एस., नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़ , पी. (23-27 जुलाई, 2018). *सौदे को बेहतरीन बनाना : भारत में सुरक्षा गार्डों ने अपनी अनिश्चितता को कम किया* । पेपर आईएलईआरए वर्ल्ड कांग्रेस 2018, सियोल में प्रस्तुत किया गया।

चक्रवर्ती, एस., नरोन्हा, ई., बंदे , एम.एल., और डीक्रूज़ , पी. (25-28 जून, 2018*). भारत में बीटी कॉटन फार्मों पर नियोक्ता की शक्ति का बच्चों का चित्रण* । 36वें सम्मेलन में राजनैतिक प्रक्रिया को साकार करते हुए आईवीएसए 2018,सैकले में पेपर प्रस्तुत किया गया।

चक्रवर्ती, डी. (31 मार्च-3 अप्रैल, 2019). *दोहरा जुरमाना : झूठी दावेदार घटना से अल्पसंख्यक महिलाओं के अनुभव* । राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षण संघ अनुसंधान वार्षिक सम्मेलन, बाल्टीमोर में पेपर प्रस्तुत किया गया।

चयनिका, और सिंह, एम. (19-21 दिसंबर, 2018). *उभरते श्रम बाजार के लिए लचीला कार्यबल मॉडल* । पेपर भारतीय श्रमिक अर्थशास्त्र सोसाइटी (आईएसएलई) के 60वें वार्षिक सम्मेलन, मुंबई में प्रस्तुत किया गया।

डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (15-21 जुलाई, 2018). *ओलम्स पर भावनात्मक दुर्व्यवहार भारतीय फ्रीलांसरों से साक्ष्य*। आईएसए, टोरंटो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

डीक्रूज़ , पी., और नोरोन्हा, ई. (23-27 जुलाई, 2018). *जब पूरब पश्चिम से मिलता है : नीदरलैंड में काम करने वाले भारतीयों का अनुभव* । पेपर आईएलईआरए सम्मेलन सियोल में प्रस्तुत किया गया।

डेका, सी. (2-6 जुलाई, 2018). *पाक कला से कार्बन फुटप्रिंट में मांग और जीवन शैली का संकेत : भारतीय राज्यों में एक क्षेत्रीय तुलना* । पर्यावरण, ऊर्जा और जलवायु, पेरिस के आर्थिक मॉडलिंग में इंटरनेशनल समर स्कूल में पेपर प्रस्तुत किया गया।

देवधर, एस., और गुप्ता, एस. (30 नवंबर-02 दिसंबर, 2018). *चौकी की आँखों के तहत : क्राउडसोर्सिंग प्रतियोगिताओं में डिजिटल विजिबिलिटी का परफॉर्मेंस इम्प्लीकेशन्स* । अखिल आईआईटी इंटरनेशनल मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस 2018, रुड़की में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

परिशिष्ट जारी

अ

डोंगरे, ए., सरीन, ए., और सिंघल, के. (19-21 दिसंबर, 2018). *क्या वंचित माता-पिता के लिए समावेशन का जनादेश स्कूल की पसंद को बदल सकता है? शहरी भारत से साक्ष्य* । ग्रोथ एंड डेवलपमेंट पर 14वें वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली में पेपर प्रस्तुत किया गया।

डोंगरे, ए., सरीन, ए., और सिंघल, के. (21-22 फरवरी, 2019). *क्या वंचित माता-पिता के लिए समावेशन का जनादेश स्कूल की पसंद को बदल सकता है? शहरी भारत से साक्ष्य* । पेपर दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वार्षिक विकास अर्थशास्त्र सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

दत्ता, जी., और मित्रा , के. (17 दिसंबर, 2018). *भारत में खुदरा बिजली बाजार में गतिशील मूल्य निर्धारण की संभावनाओं को समझने के लिए एक बाजार सर्वेक्षण* । पेपर भारतीय ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी और इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, मुंबई के वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

द्विवेदी, पी. (10-14 अक्टूबर, 2018). *ब्रिटिश इंडिया के दौरान पेटेंट्स, इनोवेशन और टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस की याद आ रही है* । प्रबंधन अकादमी (एओएम) वार्षिक सम्मेलन, शिकागो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

द्विवेदी , पी. (11-14 अक्टूबर, 2018). *उभरते बाजारों में उत्पाद और प्रक्रिया नवाचार पर अनौपचारिक प्रतिस्पर्धा का प्रभाव : भारत से साक्ष्य*। एसएमएस विशेष सम्मेलन 2018, हैदराबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

द्विवेदी, पी. (11-14 अक्टूबर, 2018). *कीचड़ में कमल खिलना : खतरे की धारणा और युद्ध क्षेत्रों में नए उत्पाद का परिचय* । एसएमएस स्पेशल कॉन्फ्रेंस 2018, हैदराबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

एडचेरियन, एस., और सूद , एम. (10-14 अगस्त, 2018). *ग्रांड चैलेंज के रूप में भारत में विशिष्ट पहचान : रोबस्ट एक्शन पर्सपेक्टिव* । प्रबंधन अकादमी वार्षिक कॉन्फ्रेंस, शिकागो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

एडचेरियन , एस., कर्ना, ए., गोपालकृष्णन , बी., और रिक्टर, ए. (18-20 दिसंबर, 2018). *सही गाँठों को जोड़ना : बोर्ड के कार्यों पर कमेटी इंटरलॉक का प्रभाव* । एसएमएस विशेष सम्मेलन, हैदराबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

फ़ार्ले, एस., कॉइन, आई., और डीक्रूज़ , पी. (6-8 जून, 2018). *कार्यस्थल पर साइबरबुलिंग को समझना : अब तक हमने जो जाना उसकी समीक्षा*। आईएडब्ल्यूबीएच सम्मेलन, बोर्डो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गाँधी, वी.पी. (10-11 सितंबर, 2018). आईटी-सक्षम फार्म निर्णय लेने का समर्थन। , भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारत कृषि आउटलुक फोरम 2018 में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गाँधी, वी.पी., और जॉनसन, एन. (10-11 सितंबर, 2018). *पूर्वी भारत में जल प्रबंधन में सुधार : नए संस्थागत अर्थशास्त्र के माध्यम से असम और बिहार में भागीदारी सिंचाई संस्थानों का अध्ययन* । सीएमएआईआईएमए और कृषिकिसान अनुसंधान और कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, अहमदाबाद के कृषिआर्थिक अनुसंधान केंद्र और इकाइयों (एईआरसी/यू) के साथ संयुक्त रूप से आयोजित कृषिआर्थिक नीति और अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गाँधी, वी.पी., और जॉनसन, एन. (12-15 फरवरी, 2019). *छोटे किसानों की महत्वपूर्ण निर्णयनिर्माण और सूचना की आवश्यकता, और भारत में कृषि सूचना की उपलब्धता निर्णय, सूचना स्रोत, अंतराल और प्रभाव का विश्लेषण*। ऑस्ट्रेलियाई कृषि संसाधन और अर्थशास्त्र सोसायटी (एएआरईएस) वार्षिक सम्मेलन 2019, मेलबोर्न में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गाँधी, वी.पी., और जॉनसन, एन. (12-15 फरवरी, 2019). *पूर्वी भारतगंगा के मैदानों में जल प्रबंधन के लिए संस्थागत प्रदर्शन में सुधार : नई संस्थागत अर्थशास्त्र के माध्यम से भागीदारी सिंचाई संस्थानों का अध्ययन* । ऑस्ट्रेलियाई कृषि संसाधन और अर्थशास्त्र सोसायटी (एएआरईएस) वार्षिक सम्मेलन 2019, मेलबोर्न में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गाँधी, वी.पी. और जॉनसन, एन. (10-11 जनवरी, 2019). किसानों के लिए निर्णय उन्मुख प्रणाली किसान कॉल सेंटर (केसीसी), किसान ज्ञान प्रबंधन प्रणाली (केकेएमएस), किसान पोर्टल और एम किसान पोर्टल का अध्ययन । सीएमए-आईआईएमए और कृषि-किसान अनुसंधान और कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, अहमदाबाद के कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र और इकाइयों (एईआरसी/यू) के साथ संयुक्त रूप से आयोजित कृषि-आर्थिक नीति और अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गाँधी, वी.पी., और झांगयू, जेड (19-21 सितंबर, 2018). *भारत और चीन में खाद्य सुरक्षा को बढ़ाना : विनियमन, मानक, प्रमाणन,परीक्षण और निगरानी के लिए हाल के संस्थागत पहल का एक अध्ययन* , और उभरते हुए पाठ। फूड एनालिटिक्स, म्यूनिख में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

परिशिष्ट जारी **अ**

जॉर्ज, एन. (6-10 नवंबर, 2018). *संचालन क्षमताओं पर संगठनात्मक आकांक्षाओं के प्रभाव की जांच* । पेपर दक्षिणी प्रबंधन एसोसिएशन की वार्षिक बैठक (एसएमए), लेक्सिंगटन में प्रस्तुत किया गया।

जॉर्ज, एन., और गुप्ता, वी. (15-18 दिसंबर, 2018). *फर्म संसाधन निवेश और प्रदर्शन : प्रतिस्पर्धी प्रतिद्वंद्वियों की भूमिका* । पेपर स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट सोसाइटी स्पेशल कॉन्फ्रेंस (एसएमएस), हैदराबाद में प्रस्तुत किया गया।

गोपाकुमार , केवी, और कुलकर्णी, एम. (5-7 जुलाई, 2018). *सामाजिक उद्यम हितधारकों को कई पहचान कैसे बताते हैं?* । 34वें ईजीओएस वार्ता 2018, तेलिन में प्रस्तुत किया गया।

गोपालकृष्णन , बी., जैकब, जे., और महापात्र , एस. (17-19 दिसंबर, 2018). *जोखिम-संवेदनशील बेसल विनियम और केडिट देने के लिए फर्मों की पहुँच : प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव* । न्यूजीलैंड वित्त बैठक, क्वीन्सटाउन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गोपालकृष्णन , बी., जैकब, जे.,और महापात्र , एस. (17-19 दिसंबर, 2018). *जोखिम-संवेदनशील बेसल विनियम और केडिट देने के लिए फर्मों की पहुँच : प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव*। पेरिस वित्तीय प्रबंधन सम्मेलन, पेरिस में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गोपालकृष्णन , बी., जैकब, जे., और महापात्र , एस. (11-12 जून, 2018). *आग्नेयास्त्रों के वित्तपोषण पर रेटिंग-आकस्मिक बेसल विनियमों का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव : क्रॉसकंट्री एविडेंस* । इंटरनेशनल फाइनेंस, पॉज़्नान पर 16वें आईएनएफ़आईएनआईटीआई सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गोपालकृष्णन , बी., जैकब, जे., और पांडे, ए. (10-11 दिसंबर, 2018). *राज्य के स्वामित्व वाले बैंकों में ऋणदाता नैतिक जोखिम : उभरती अर्थव्यवस्था से साक्ष्य* । पेपर ए2018 आईएनएफ़आईएनआईटीआई एशिया-पैसिफिक सम्मेलन, सिडनी में प्रस्तुत किया गया।

गोपालकृष्णन , बी., जैकब, जे., और पांडे, ए. (20-22 दिसंबर, 2018). *राज्य के स्वामित्व वाले बैंकों में ऋणदाता नैतिक जोखिम : उभरती अर्थव्यवस्था से साक्ष्य* । इंडिया फाइनेंस कॉन्फ्रेंस, कोलकाता में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गोपालकृष्णन , बी., जैकब, जे., और पांडे, ए. (7-8 जून, 2018). *राज्य केस्वामित्व वाले बैंकों में ऋणदाता नैतिक जोखिम : उभरती अर्थव्यवस्था से साक्ष्य* । एसएसईएम यूरो सम्मेलन, लॉड्ज़ में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गोपालकृष्णन , बी., जैकब, जे., और पांडे, ए. (25-27 अक्टूबर, 2018). *राज्य के स्वामित्व वाले बैंकों में ऋणदाता नैतिक जोखिम : उभरती अर्थव्यवस्था से साक्ष्य* । बैंकिंग और वित्त, ह्यू सिटी, वियतनाम संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गोपालकृष्णन , बी., जैकब, जे., और पांडे, ए. (19-20 जनवरी, 2019). *राज्य के स्वामित्व वाले बैंकों में ऋणदाता नैतिक जोखिम : उभरती अर्थव्यवस्था से साक्ष्य* । एपीएईए डॉक्टरल सम्मेलन, चांग्शा में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गुप्ता, डी., घेरसी , एफ़., विश्वनाथन , एस., और गर्ग, ए. (9-11 नवंबर, 2018). *कम कार्बन मार्गों के साथ निरंतर विकास को प्राप्त करना : मैक्रोइकॉनॉमिक आकलन* । स्थिरता और विकास सम्मेलन, डेट्रायट में पेपर प्रस्तुत किया गया।

गुप्ता, डी., घेरसी , एफ़., विश्वनाथन , एस., और गर्ग, ए. (10-13 मार्च, 2019). *भारत के विकास और शमन पथों का मैक्रोइकॉनॉमिक मूल्यांकन* । परिदृश्य फोरम, डेनवर में प्रस्तुत किया गया पोस्टर।

गुप्ता, एस., औरतिवारी, ए.ए. (30 नवंबर-02 दिसंबर, 2018). *सफल बॉलीवुड फिल्मों में समुदायों की संरचना : अभिनेताओं और निर्देशकों के सहयोग नेटवर्क का विश्लेषण* । अखिल आईआईटी इंटरनेशनल मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस 2018, रूड़की में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

गुप्ता, एस., कुमार, पी., और परफ़िलिएवा , आई. (24-28 मार्च, 2019). *लिंक के ग्रेनुलेशन के आधार पर एक सामुदायिक जांच एल्गोरिथम* । बिग डेटा, स्मॉल डेटा, लिंक्ड डेटा और ओपन डेटा (एएलएलडीएटीए 2019) पर पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वालेंसिया में पेपर प्रस्तुत किया गया।

जैन, आर.आर. (24-27 जून, 2018). *नेशनल आइडेंटिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर में पीपीपी के लिए एक फ्रेमवर्क : डिजिटल बायोमेट्रिक आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में आधार* । पेपर 22वें आईटीएस बाईएनियल कॉन्फ्रेंस, सियोल में प्रस्तुत किया गया ।

जैन, आर.आर. (18-21 फरवरी, 2019). *स्पेक्ट्रम ट्रेडिंग में संस्थानों की भूमिका पर भारत से सबक* । द्वितीय मध्य पूर्व उत्तरी अफ्रीकी (एमईएनए) क्षेत्रीय आईटीएस सम्मेलन, असवान में पेपर प्रस्तुत किया गया।

जैन, आर.आर., जयकर , के., लियू, सी., अवीलेस , जेएम, और नेगी , पी. (24-27 जून, 2018). *मोबाइल संचार,इंटरनेट और डिजिटल अर्थव्यवस्था : कुछ प्रमुख विकासशील देशों – चीन, भारत और मैक्सिको से तुलना और पाठ* । 22वें आईटीएस द्विवार्षिक सम्मेलन, सियोल में पेपर प्रस्तुत किया गया।

परिशिष्ट जारी

अ

जैन, आर., मेंडोंज़ा , वी., वोहरा, एन., और शर्मा, एस. (31 मई-4 जून, 2018). *क्या एंटरप्रेन्योरियल लॉजिक स्टार्टअप्स के फंडिंग इवैल्यूएशन को प्रभावित करता है* । पेपर 2018 कार्यसंपन्नता सम्मेलन, बाल्टीमोर में प्रस्तुत किया गया।

जैन, एस. (9-10 जुलाई, 2018). *भारतीय इक्विटी विकल्प : मुस्कान, जोखिम प्रीमियम और दक्षता* । पेपर 2018 एपीएडी सम्मेलन, बुसान में प्रस्तुत किया गया।

जैन, एस., अग्रवाल , एस., वर्मा, जे., और पांडे, ए. (9-10 अगस्त, 2018). *कमाई की घोषणा के बारे में सूचित ट्रेडिंग – स्पॉट, वायदा या विकल्प?* । पेपर व्युत्पन्न बाजार सम्मेलन, 2018, ऑकलैंड में प्रस्तुत किया गया।

जायसवाल , ए.के., और मालोदिया , एस. (23-24 मार्च, 2019). *प्रतिवर्ती नवाचारों की पहचान, परिणाम और मध्यस्थों की पहचान करना* । एडवांस्ड रिसर्च (एएनज़ेजसीएआर 2019), मेलबर्न में तीसरे ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

झा , जे.के., सिंह, एम.,और वर्की , बी. (9-11 जनवरी, 2019). *कार्यस्थल पर नैतिकता को संस्थागत बनाने में मानव संसाधन कार्यकारियों का योगदान : एक खोजपूर्ण अध्ययन* । तीसरा एचआर डिवीजन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2019, डबलिन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

जौहर , ई., और सिंह, एम. (19-21 दिसंबर, 2018). *ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमियों के बीच लिंग आधारित असमानता को कम करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका* । पेपर भारतीय श्रमिक अर्थशास्त्र सोसाइटी (आईएसएलई) के 60 वें वार्षिक सम्मेलन, मुंबई में प्रस्तुत किया गया।

जोशी, एच., और मुखर्जी, एस. (8-11 जुलाई, 2018). *राइड-हेलिंग प्लेटफार्मों में समन्वय को समझना : एक एजेंट-आधारित दृष्टि कोण* । 29वें यूरोपीय ऑपरेशन रिसर्च सम्मेलन, वेलेंसिया में में पेपर प्रस्तुत किया गया।

जोशी, एच., कुमार, एस., और मुखर्जी, एस. (28-29 जून, 2018). *राइड-शेयरिंग प्लेटफ़ॉर्म में समन्वय तंत्र के रूप में डायनामिक प्राइसिंग मेथड्स और हीट मैप्स* । साझाकरण अर्थव्यवस्था, मैनहेम में 5वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कैकर , एन., दत्ता, जी., दास, डी., और बनर्जी, एस. (6 नवंबर, 2018). *एकाधिकार और अल्पाधिकार में बिजलीके समयउपयोग मूल्य निर्धारण के लिए गणितीय मॉडलिंग* । इंस्टीट्यूट ऑफ ऑपरेशंस रिसर्चर एंड मैनेजमेंट साइंस एनुअल मीटिंग फोनिक्स एरिजोना में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

कक्कर , एस. (7-8 दिसंबर, 2018). *इंडिविजुअल अनलर्निंग : कॉन्सेप्ट को इंडोलॉजिकल नजरिए से दोबारा जांचना । बिजनेस एंड सोसाइटी : भारतीय संस्कृति बनाम पश्चिमी संस्कृति*, कोझीकोड में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

कालूबंदी , एस.सी. (10-14 अगस्त, 2018). *क्या अतीत भविष्य की सूचना देता है?* बिजनेस ग्रुप संबद्धता और नए उद्यम का अंतर्राष्ट्रीयकरण । प्रबंधन अकादमी (एओएम) 2018 वार्षिक बैठक, शिकागो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कालूबंदी , एस.सी. (16-18 दिसंबर, 2018). *वैधता और नई उद्यम प्रगति के संक्रमण की दक्षता को प्रभावित करने वाले कारक* । एसएमएस विशेष सम्मेलन, हैदराबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कालूबंदी , एस.सी. (25-28 जून, 2018). *फर्म के जोखिम लेने पर व्यवसाय समूह संबद्धता का प्रभाव* । पेपर एआईबी 2018 वार्षिक बैठक, मिनियापोलिस में प्रस्तुत किया गया।

कालूबंदी , एस.सी., कर्ना, ए., सुगाथन , ए., और बसंत , आर. (16-18 दिसंबर, 2018). *क्या अतीत भविष्य कीसूचना देता है? व्यवसाय समूह संबद्धता और नए उपक्रमों का अंतर्राष्ट्रीयकरण* । एसएमएस विशेष सम्मेलन, हैदराबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कालूबंदी, एस.सी., सुगाथन , ए., और तुरागा, आर.एम. (22-25 सितंबर, 2018). *सीएसआर और व्यापार समूहों के आंतरिक बाजारों से अमूर्त संपत्ति : संबद्ध फर्मों के सीएसआर व्यय पर बिजनेस ग्रुपस्तर के स्पिलओवर प्रभावों का अनुभवजन्य विश्लेषण* । एसएमएस 2018 वार्षिक सम्मेलन, पेरिस में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कंदथिल , जी., वर्मा, पी., और तुरागा , आर.एम. (4-7 जुलाई, 2018). *वैश्विक पूंजीवाद के लिए एक महिला समावेशी वैकल्पिक विकल्प? केरल राज्य पहल के कार्यक्रम कुदुम्बश्री का मामला* । यूरोपीय संघ के संगठन (ईजीओएस), तेलिन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कपूर, ए., और वोहरा, एन. (10-12 जनवरी, 2019). *भाग लेना या बच निकलना! उत्पाद मूल्यांकन पर रुकावटों और विकर्षणों के विभेदक प्रभाव* । एशिया प्रशांत एसीआर सम्मेलन, अहमदाबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

परिशिष्ट जारी **अ**

केराई , ए. (13-15 दिसंबर, 2018). *सीईओ राजनीतिक विचारधारा और बढ़ती लोकलुभावनवाद की छाया में फर्म का करचोरी का व्यवहार।* पेपर यूरोपीय इंटरनेशनल बिजनेसएकेडमी कॉन्फ्रेंस, पॉज़्नम में प्रस्तुत किया गया ।

केराई , ए. (13-15 दिसंबर, 2018). *एक पारिवारिक फर्म और फर्म अंतर्राष्ट्रीयकरण के शीर्ष प्रबंधन टीम में स्ट्रक्चरल पावर एकाग्रता* । पेपर यूरोपीय इंटरनेशनल बिजनेस एकेडमी कॉन्फ्रेंस, पॉज़्नम में प्रस्तुत किया गया ।

केराई , ए. (16-18 दिसंबर, 2018). पेपर स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट सोसायटी, हैदराबाद में प्रस्तुत किया गया।

कोर्डे , आर., पारिख, डी., और वर्की , बी. (23-27 जुलाई, 2018). *लिंग वेतन अंतर की गतिशीलता और औद्योगिक संबंधों के लिए इसके निहितार्थ : भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका का तुलनात्मक अध्ययन* । पेपर 18वीं अंतर्राष्ट्रीय श्रम और रोजगार संबंध संघ (आईएलईआरए) वर्ल्ड कांग्रेस 2018, सियोल में प्रस्तुत किया गया ।

कुलकर्णी, पी. (4-6 फरवरी, 2019). *आधार कार्ड का जिज्ञासु मामला : डिजिटल निगरानी परियोजना का एक फौकोल्दियन प्रवचन विश्लेषण* । राजनीति और सार्वजनिक नीति पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कुमार, एस. (10-11 दिसंबर, 2018). *तरलता और शब्द संरचना का अनुमान : भारत का मामला* । 2018 आईएनएफ़आईएनटीआई एशिया-प्रशांतसम्मेलन, सिडनी में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कुमार, एस. (17-20 दिसंबर, 2018). *तरलता और शब्द संरचना का अनुमान : भारत का मामला* । सांख्यिकी वित्त सम्मेलन, चेन्नई में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कुमार, एस. (20-22 दिसंबर, 2018). *तरलता और शब्द संरचना का अनुमान : भारत का मामला* । इंडिया फाइनेंस कॉन्फ्रेंस, कोलकाता में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कुमार, एस. (24-26 अक्टूबर, 2018). *तरलता और शब्द संरचना का अनुमान : भारत का मामला* । 26वें ईबीईएस सम्मेलन, प्राग में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कुमारी, आर. (29 जुलाई - 3 अगस्त, 2018). 1920-60 के बीच भारत के विज्ञापन व्यवसाय का इतिहास। वर्ल्ड इकोनॉमिक हिस्ट्री कांग्रेस (WEHC), बोस्टन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कुंबागेरी, ए., और त्रिपाठी , एस. (22-24 फरवरी, 2019). ओह! यह बहुत महंगा है! यह ग्रीन होना चाहिए! पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों की हरित धारणा पर मूल्य का प्रभाव । प्रबंधन अकादमी, ऑस्टिन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

कुंबारगेरी, ए. (11-14 अक्टूबर, 2018). नवीन उत्पादों को अपनाने पर सामाजिक प्रभाव को समझना थ्योरी आधारित दृष्टिकोण का अभ्यास करें । एसएमएसस्पेशल कॉन्फ्रेंस 2018, हैदराबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

ली, एच.वाई., एंडरसन, सी., ट्रेचेंबर्ग, जे., येट्स, एम., चांग, एस., और चक्रवर्ती , डी. (08 -10 मार्च, 2019). इंपोस्टर फेनोमेनन की जटिलता में इंपोस्टर प्रकार, आयु और अन्य अंतर्दृष्टि। अंडरस्टैंडिंग इंटरवेंशन ऑन द ब्रॉडेन पार्टिसिपेशन इन साइंस करियर, बाल्टीमोर पर 11वीं कॉन्फ्रेंस में पेपर प्रस्तुत किया गया।

लिन, एम.एच., विजयलक्ष्मी , ए., और शर्मा, एस. (31 अक्टूबर - 03 नवंबर 2018). भारत में बच्चों की शिक्षा व्यय पर माँ की स्वायत्तता की भूमिका । सोसाइटी फॉर मार्केटिंग एडवांस 2018, फ्लोरिडा में पेपर प्रस्तुत किया गया।

लिन, एम.एच., विजयलक्ष्मी , ए., और शर्मा, एस. (फरवरी, 2019). बच्चों की शिक्षा पर माँ की स्वायत्तता और मीडिया पहुंच का प्रभाव। अमेरिकन मार्केटिंग एसोसिएशन - विंटर 2019 सम्मेलन, सैन डिएगो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

माहेश्वरी , जे., पालीवाल , पी., और गर्ग, ए. (2018). वाणिज्यिक भवनों में ऊर्जा क्षमता में वृद्धि भारत से उदाहरण। सतत सोसाइटी बनाने के लिए समकालीन चुनौतियाँ और भविष्यवादी दृष्टिकोण : अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऊर्जा औरबुनियादी ढांचा प्रबंधन, गाँधीनगर में पेपर प्रस्तुत किया गया।

माहेश्वरी , जे., पालीवाल , पी., और गर्ग, ए. (2018). स्मार्ट ग्रिड और माइक्रोग्रिड : प्रवृत्तियों, अवसरों और चुनौतियों की समीक्षा। रणनीतिक और तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से परिवर्तन : प्रबंधन पर निरमा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, अहमदाबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

मालोदिया , एस., और जायसवाल , ए.के. (26-28 अप्रैल, 2018). रिवर्स इनोवेशन के एंटेकेडेंट्स की पहचान करना। जैमस इंडिया सम्मेलन, हैदराबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

परिशिष्ट जारी

अ

मंडल, एस. (11-14 अक्टूबर 2018). क्या खरीदारी हमेशा उपभोग के लिए नेतृत्व करती है? लेनदेन को प्रभावित करने वाले कारक डीकपलिंग और बंडल खपत। एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर रिसर्च कॉन्फ्रेंस 2018, डलास में पेपर प्रस्तुत किया गया।

मंडल, एस., और सहाय, ए. (29 मई - 01 जून, 2018). हाँ / कैन या "नो आई कैन्ट" ब्रांड रिकॉल पर पुष्टि और नकार का प्रभाव शब्दार्थ क्रियाओं की भूमिका। 47वें यूरोपीय विपणन अकादमी वार्षिक सम्मेलन (EMAC), ग्लासगो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

माथुर , ए.एन. (11-13 अगस्त, 2018). नेपाल के संविधान में राज्य के नागरिक दायित्वों के लिए प्रतिकार शक्ति । नेपाल के नए संविधान, काठमांडू में सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

माथुर , ए.एन. (11-14 फरवरी, 2019). चार सांस्कृतिक रूप से अलग संदर्भों में संगठनात्मक विषाक्तता का मिश्रण और स्पिलओवर। एनजीबा 2019, पर्थ में प्रस्तुत किया गया।

मेंडोंका , ए., डीक्रूज़ , पी., और नोरोन्हा, ई. (6 - 8 जून, 2018). काम पर बाहरी बदमाशी की शक्ति गतिशीलता को फिर से लिखना : गंदे काम की व्यावसायिक बोली। आईएडब्लूबीएच सम्मेलन, बोर्डो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

मेंडोंज़ा , ए., डीक्रूज़ , पी., और नोरोन्हा, ई. (23 - 27 जुलाई, 2018). कई सीमांत क्षेत्रों पर काबू पाने : सौंदर्य सेवा कार्य के प्रतिष्ठित पहलुओं की भूमिका। आईएलईआरए सम्मेलन,सियोल में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

मित्तल, एच., और माथुर , एन. (4 - 6 फरवरी 2019). डिस (असेंबलिंग) स्मार्ट सिटीज पॉलिसी-मेकिंग कल्चर। राजनीति और सार्वजनिक नीति, नई दिल्ली में द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

मॉरिस, एस. (19 - 20 अप्रैल, 2018). शहरी प्रबंधन में शासन और समन्वय मुद्दे। शहरी विकास : तकनीकी समाधान और शासन चुनौतियाँ (क्षेत्रीय सूचना प्रणाली और एशियाई बुनियादी ढाँचा निवेश बैंक), अहमदाबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

मॉरिस, एस. (24 जून, 2018). अवसंरचना विकास में कानूनी, संस्थागत और नियामक मुद्दे। इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग : मुंबई के एंप्लॉयीज वेल्स ऑफ पार्टनरशिप (एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक) में पेपर प्रस्तुत किया गया।

मॉरिस, एस. (मार्च, 2018). भारत में प्राकृतिक गैस की माँग को संबोधित करते हुए - गुजरात - एक गैस आधारित अर्थव्यवस्था भारतीय राज्य इससे कैसे सीख सकते हैं, अहमदाबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

मॉरिस, एस. (14 मई,2018). आज के भारत में क्षेत्रीय विकास के मुद्दे । क्षेत्रीय विकास (क्षेत्रीय सूचना सेवा और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार), गुवाहाटी में मुख्य भाषण।

मॉरिस, एस. (4 - 5 मई, 2018). समावेशी शहरीकरण और लोगों, नीतियों और योजना के बीच सिनर्जी को पुन लागू करना । दक्षिण एशियाई शहरों के शिखर सम्मेलन 2018 - नई शहरी एजेंडा और स्थानीयकरण एसडीजी, नई दिल्ली में पेपर प्रस्तुत किया गया।

मॉरिस, एस. (02 नवंबर, 2018). भ्रष्टाचार का उन्मूलन : एक नए भारतका निर्माण। सीमा शुल्क विभाग, अहमदाबाद के सतर्कता सप्ताह समारोह में पेपर प्रस्तुत किया गया।

मॉरिस, एस. (19 जनवरी, 2019). विपणन और वैश्विक मूल्य श्रृंखला में स्थिति। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल 2019 (ग्च्क समिट), गाँधीनगर में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

नारायणन, पी. (17 दिसंबर, 2018). ऑनलाइन खरीदारी में ग्राहक परिचित और गाड़ी परिवर्तनशीलता का मौद्रिक प्रभाव। शिकागो बूथ मार्केटिंग "मिनी" सम्मेलन 2018, बेंगलुरु- आईआईएम बैंगलोर में पेपर प्रस्तुत किया गया।

नारायणस्वामी , एस. (16 - 19 दिसंबर, 2018). भारतीय रेलवे का किराया-बॉक्स राजस्व प्रबंधन। ओआरएसआई-2018, मुंबई में पेपर प्रस्तुत किया गया।

नारायणस्वामी , एस. (17 - 20 जून, 2018). डिजिटल सोशल मीडिया भारतीय रेलवे सेवाओं के प्रदर्शन की गुणवत्ता को सक्षम करना । इनफोर्मस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, ताइपे में पेपर प्रस्तुत किया गया।

नारायणस्वामी , एस. (30 अक्टूबर - 01 नवंबर 2018). उद्योग 4.0 : परिवहन क्षेत्र से परिप्रेक्ष्य। आईईओएम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रिटोरिया में पेपर प्रस्तुत किया गया।

नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़ , पी. (15 - 21 जुलाई, 2018). स्थानीय संघर्ष विकेंद्रीकरण का सामना करते हैं : गुजरात, भारत में ईंट भट्ठा श्रमिकों का आयोजन । आईएसए, टोरंटो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

परिशिष्ट जारी **अ**

नोरोन्हा, ई., डीक्रूज़ , पी., और चक्रवर्ती, एस. (23 - 27 जुलाई, 2018). इस सौदे को बेहतरीन बनाना : भारत में सुरक्षा गार्डों ने अपनी अनिश्चितता को कम किया। आईएलईआरए सम्मेलन, सियोल में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

पलविया , एस., और वर्मा , एस. (27 - 30 दिसंबर, 2018). छात्रों की सीखने की शैली पर एमबीए कार्यक्रम में ऑनलाइन तुल्यकालिक सीखने का प्रभाव । 12वें वार्षिक आईएसडीएसआई सम्मेलन, मुंबई में पेपर प्रस्तुत किया गया।

पांडे, ए. (29 मई - 01 जून, 2018). क्या खरीदारी हमेशा उपभोग के लिए नेतृत्व करती है? लेन-देन को प्रभावित करने वाले कारक डीकपलिंग और बंडल खपत। यूरोपीय विपणन अकादमी सम्मेलन (ईएमएसी) 2018, ग्लासगो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

पांडे, जे.के., सिंह, एम., और वर्की , बी. (10 - 14 अगस्त, 2018). ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य को बढ़ावा देना : स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की नौकरी का प्रदर्शन बढ़ाना। अकादमी ऑफ मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस 2018, शिकागो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

पांडे, जे., सिंह, एम., वर्की , बी., और मावलंकर , डी. (10 - 14 अगस्त 2018). ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य को बढ़ावा देना : स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की नौकरी का प्रदर्शन बढ़ाना। अकादमी ऑफ मैनेजमेंट 2018 वार्षिक बैठक, शिकागो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

राम मोहन, एम.पी. (3 - 6 अप्रैल 2018). उद्देश्य, राय और संचार : गुजरात, भारत में काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन (केएपीएस) के क्षेत्र अध्ययन से दृष्टिकोण । विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सार्वजनिक संचार 2018 : विज्ञान, कहानियाँ और समाज विज्ञान संचार की आत्मा, डुनेडिन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

रामपाल , जे. (21 जून, 2018). सीमित दूरदर्शिता संतुलन । इकोनोमेट्रिक सोसाइटी, डेविस के नॉर्थ अमेरिकन समर मीटिंग में पेपर प्रस्तुत किया गया।

रामपाल , जे. (28 - 29 मई, 2018). विपक्ष की दूरदर्शिता और इष्टतम विकल्प। यंग इकोनॉमिस्ट्स की बैठक, ब्रनो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

रे, पी., झा , जे.के. (4 - 6 सितंबर 2018). आईटी के नॉलेज शेयरिंग बिहेवियर में सक्सेस एंड इम्पीडेंस। ब्रिटिश प्रबंधन अकादमी, ब्रिस्टल में पेपर प्रस्तुत किया गया।

रेंगनाथन , के. (16 - 18 दिसंबर 2018).डिस्कवरी और क्रिएशन के बीच मिसिंग लिंक के रूप में वेंचर्स की नवीनता। स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट सोसायटी, हैदराबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

रेंगनाथन , के. (16 - 18 दिसंबर 2018). प्लेटफ़ॉर्म क्वालिटी की प्रासंगिकता को समझना एक संसाधन आधारित दृष्टिकोण। स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट सोसायटी, हैदराबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

सेखरी , एस., और कपूर, ए. (09 जनवरी, 2019). लोअर-सोशल-क्लास उपभोक्ताओं के लिए भोजन के आनंद के साधन और अभ्यास। उपभोक्ता संस्कृति सिद्धांत (गुणात्मक तरीके) कार्यशाला, अहमदाबाद में पेपर प्रस्तुत किया गया।

शाह, ए., और गर्ग, ए. (24 - 26 नवंबर 2018). शहरी हरे स्थानों के स्थानीय शीतलन प्रभाव की मात्रा - बेंगलुरु, भारत से साक्ष्य। शहरी परिवर्तन, साईटेज में पेपर प्रस्तुत किया गया।

शाह, ए., और गर्ग, ए. (28 नवंबर - 01 दिसंबर 2018). शहरी हरे स्थानों के थर्मल प्रभाव। शहरी वन, मंटोवा पर वर्ल्ड फोरम में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

शाह, पी. अग्रवाल, एच., और चंद्रशेखरन , एस. (05 - 07 सितंबर, 2018). गणित कक्षा में अनुसंधान और अभ्यास के लिए डिजिटल मीडिया और नए संज्ञानात्मक सिद्धांतों के निहितार्थ। पाँचवां ईआरएमई विषय सम्मेलन : डिजिटल एज, कोपेनहेगन में गणित की शिक्षा में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

शेख, एफ.एफ., और वर्की , बी. (13 - 15 दिसंबर 2018). एक रणनीतिक व्यापार भागीदार में एचआर का परिवर्तन : एक भारतीय व्यापार समूह का केस। छठे अखिल आईआईएम सम्मेलन, बेंगलूरू में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

शुक्ला, के.डी., चांद, वी.एस., और परमेस्वरन , पी. (नवंबर, 2018). क्या शिक्षक इनोवेटिव बिहेवियर इंफ़्लुएंस स्टूडेंट्स की लर्निंग के लिए मेटाकॉग्निटिव स्ट्रेटेजीज़ है? सिंगापुर और एशियाप्रशांत शैक्षिक अनुसंधान संघ, सिंगापुर के शैक्षिक अनुसंधान संघ की संयुक्त वार्षिक बैठक में पेपर प्रस्तुत किया गया।

सिंह, एस., क्यानोंगो , एस., और गाँधी, वी.पी. (10 - 11 जनवरी, 2018). कॉफी कैफे बाजार और ग्राहकों की संतुष्टि और घूमने फिरने वाले कारकों का अध्ययन। "कृषि-आर्थिक नीति और अनुसंधान" पर सीएमए- आईआईएमए और कृषिआर्थिक अनुसंधान केंद्र और इकाइयों, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, अहमदाबाद के साथ संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

परिशिष्ट जारी

अ

सिंह, वी. (8 - 9 फरवरी 2019).एनआरएचएम के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय का विश्लेषण। वी-सीएमटी 2019 बहुविषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मुंबई में पेपर प्रस्तुत किया गया।

सूद , के., और सेखरी , एस. (12 - 15 दिसंबर 2018). वर्तमान के खिलाफ तैरना : पतंजलि के आईकोनोस्टल पोजिशनिंग का एक केस विश्लेषण । छठे अखिल आईआईएम सम्मेलन, बेंगलूरू में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

सुराणा , एम., डोंगरे , ए. (25 जनवरी, 2019). बहुत ज्यादा देखभाल? भारत में बालजन्म के दौरान निजी स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र और सर्जिकल हस्तक्षेप । इंडियन हेल्थ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी एसोसिएशन, तिरुवनंतपुरम द्वारा आयोजित यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज को मजबूत करने पर आईएचईपीए के सातवें वार्षिक सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

सायल , ए., एवं द्विबेदी , पी. (17 - 19 दिसंबर, 2018). प्रबंधन अकादमी, तेल अवीव में पेपर प्रस्तुत किया गया।

तोमर , एन., विजयलक्ष्मी , ए., और जैन, एस.पी. (17 - 19 दिसंबर, 2018). अंधेरे का उज्ज्वल पक्ष : सूचनात्मक उत्पादों के लिए पसंद पर परिवेशी अंधकार का प्रभाव। उत्तर अमेरिकी सोसायटी फॉर मार्केटिंग एजुकेशन इन इंडिया 2018, चेन्नई में पेपर प्रस्तुत किया गया।

तुम्बे , सी. (09 नवंबर, 2018). शहरीकरण, जनसांख्यिकी परिवर्तन और भारत में शहरों का विकास। सिटीज़ एंड डेवलपमेंट, कैम्ब्रिज पर हार्वर्ड मिनीसम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

तुम्बे , सी. (14 मार्च, 2019). भारत में कॉर्पोरेट बोर्डों पर महिला प्रतिनिधित्व, सी. 1920-2019. व्यापार इतिहास सम्मेलन, काट ाजिना में पेपर प्रस्तुत किया गया।

तुम्बे , सी., कर्णा, ए., और गोपालकृष्ण , बी (01 अगस्त, 2018). बोर्ड इंटरलॉक, ग्रेट डिप्रेशन और ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस में होल्डिंग स्ट्रक्चर और फर्म का प्रदर्शन। विश्व आर्थिक इतिहास कांग्रेस, बोस्टन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

तुम्बे , सी., कर्णा, ए., और गोपालकृष्ण , बी. (10 अगस्त, 2018). बोर्ड इंटरलॉक, ग्रेट डिप्रेशन और ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस में होल्डिंग स्ट्रक्चर और फर्म का प्रदर्शन। अकादमी ऑफ मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस, शिकागो में पेपर प्रस्तुत किया गया।

वर्की , बी., कोर्डे , आर., और वधावने , एस. (23 - 27 जुलाई 2018). न्यूनतम मजदूरी कानून और चयनित एशियाई देशों के कार्यान्वयन के रुझान (और भारत का केस) में रुझान। 18वीं अंतर्राष्ट्रीय श्रम और रोजगार संबंध संघ (आईएलईआरए) वर्ल्ड कांग्रेस 2018, सियोल में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

वर्की , बी., कोर्डे , आर., ग्यूज, एम. और वधावने , एस. (23 - 27 जुलाई 2018). क्या न्यूनतम मजदूरी और जीवित मजदूरी एशियाई देशों में औद्योगिक संबंधों को प्रभावित करते हैं? 18वीं अंतर्राष्ट्रीय श्रम और रोजगार संबंध संघ (आईएलईआरए) वर्ल्ड कांग्रेस 2018, सियोल में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

वर्मा , एस. (10 - 11 दिसंबर 2018). आपूर्ति जंजीरों में मितव्ययी बुल्विप प्रभाव : मशीन लर्निंग और एन्सेम्बल मॉडल के अनुप्रयोग। बेंगलुरु में आईआईएम, बेंगलुरु के छठें द्वि-वार्षिक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

विजयलक्ष्मी , ए., लिन, एम.एच., और शर्मा, एस. (जुलाई, 2019). भारत में बच्चों की शिक्षा पर महिलाओं की स्वायत्तता का प्रभाव । चीन भारत इनसाइट्स सम्मेलन 2018, सिंगापुर में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

विजयलक्ष्मी , ए., तोमर , एन., और कपूर, ए. (17 - 19 दिसंबर 2018). कलंकित साधक और उत्पादकों का बाज़ार प्रदर्शन : बाज़ार में कलंकित पहचान का संदर्भात्मक रूपांकन। उत्तर अमेरिकी सोसायटी फॉर मार्केटिंग एजुकेशन इन इंडिया 2018,चेन्नई में पेपर प्रस्तुत किया गया।

वोहरा, एन., और शर्मा, एस. (17 - 19 दिसंबर 2018). तेजी से विकसित हो रहे पारिस्थितिकी तंत्र में इनक्यूबेटरों की भूमिका : क्या वे अप्रासंगिक हो सकते हैं? । इज़राइल, तेल अवीव में स्मॉल एओएम में पेपर प्रस्तुत किया गया।

वोहरा, एन., और शर्मा, एस. (31 मई - 04 जून 2018).व्यवसाय का लाइव एक्शन का अनुभव (ई-लेब) : उद्यमिता में एक असामान्य पाठ्यक्रम की पेशकश पर एक नोट । 2018 प्रभाव सम्मेलन, बाल्टीमोर में पेपर प्रस्तुत किया गया।

वेसनर , एम., और शुक्ला, के.डी. (09 - 12 अगस्त 2018). परिवार के प्रति समर्पण, कम अभिभावक शिक्षा, माता-पिता का पालन पोषण, और जीवन शैली । अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन, सैन फ्रांसिस्को के 126वें वार्षिक सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

ट

केस, अनुसंधान, और परामर्श

वर्ष	पूर्ण हुए केस (संचयी)	पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएँ (संचयी)	पूर्ण हुई परामर्श परियोजनाएँ (संचयी)
2008-09	3037	749	2272
2009-10	3050	791	2405
2010-11	3062	792	2510
2011-12	3068	793	2634
2012-13	3080	797	2708
2013-14	3169	814	2823
2014-15	3210	889	3356
2015-16	3849	889	3438
2016-17	3891	894	3492
2017-18	3918	901	3528
2018-19	**3977**	**909**	**3564**

ठ

वैश्विक रैंकिंग

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग : फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2018 (खुला कार्यक्रम)

FT.com FINANCIAL TIMES

Executive Education - Open - 2018

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2018	2017	2016	3-year average	School	Country
1	1	1	1	IMD	Switzerland / Singapore
2	4	9	5	University of Oxford: Saïd	UK
3	2	2	2	Iese Business School	Spain
4	3	3	3	Harvard Business School	US
5	7	11	8	Insead	France / Singapore / UAE
6	9	5	7	University of Michigan: Ross	US
7	13	15	12	Stanford Graduate School of Business	US
8	19	14	14	University of Chicago: Booth	US / UK / Singapore
9	5	4	6	University of Virginia: Darden	US
9	6	6	7	Center for Creative Leadership	US / Belgium / Singapore / Russia
11	8	13	11	ESMT Berlin	Germany
12	14	17	14	University of Pennsylvania: Wharton	US
13	10	12	12	London Business School	UK
14	12	8	11	HEC Paris	France
15	16	20	17	University of Toronto: Rotman	Canada
16	20	18	18	UCLA: Anderson	US
17	32	-	-	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China
18	23	22	21	Henley Business School	UK
19	15	10	15	Fundação Dom Cabral	Brazil
20	18	16	18	MIT: Sloan	US
21	11	7	13	Esade Business School	Spain
22	17	24	21	Columbia Business School	US
23	24	18	22	Essec Business School	France / Singapore
23	31	30	28	Thunderbird School of Global Management at ASU	US
25	22	27	25	IE Business School	Spain
25	29	31	28	Stockholm School of Economics	Sweden / Russia / Latvia
27	25	32	28	University of Cambridge: Judge	UK
28	28	38	31	University of St Gallen	Switzerland
28	33	39	33	SDA Bocconi	Italy
30	21	22	24	Ceibs	China
31	34	26	30	Queen's University: Smith	Canada
32	-	-	-	Washington University: Olin	US
33	26	25	28	Western University: Ivey	Canada / China
34	35	21	30	Kaist College of Business	South Korea
35	36	40	37	Incae Business School	Costa Rica / Nicaragua
36	39	34	36	Cranfield School of Management	UK
37	27	28	31	ESCP Europe	France / UK / Germany / Spain / Italy
37	41	48	42	Edhec Business School	France
39	43	36	39	Ashridge Executive Education at Hult	UK
40	37	29	35	Vlerick Business School	Belgium
41	48	44	44	NHH Norwegian School of Economics	Norway
42	42	37	40	Aalto University	Finland / Singapore
43	48	32	41	York University: Schulich	Canada
44	46	49	46	AGSM at UNSW Business School	Australia
45	47	44	45	Eada Business School Barcelona	Spain
45	52	46	48	Gordon Institute of Business Science at UP	South Africa
47	39	52	46	Ipade Business School	Mexico
48	56	53	52	National University of Singapore Business School	Singapore
48	48	69	55	University College Dublin: Smurfit	Ireland
50	44	42	45	Católica Lisbon School of Business and Economics	Portugal
51	48	50	50	Nyenrode Business Universiteit	Netherlands
52	38	-	-	Peking University: Guanghua	China
52	54	54	53	Insper	Brazil
54	44	46	48	University of British Columbia: Sauder	Canada
55	60	59	58	University of Alberta	Canada
56	53	41	50	Melbourne Business School	Australia
57	59	51	56	Universidad de los Andes	Colombia
57	57	63	59	Nova School of Business and Economics	Portugal
59	58	72	63	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands
60	-	-	-	WHU Beisheim	Germany
61	62	66	63	Tias Business School	Netherlands
62	61	62	62	USB Executive Development	South Africa
63	65	65	64	Solvay Brussels School of Economics and Management	Belgium
64	64	57	62	Indian Institute of Management Bangalore	India
65	55	43	54	EMLyon Business School	France
66	66	67	66	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
67	-	-	-	Rutgers Business School	US
68	63	56	62	Grenoble Ecole de Management	France
69	69	64	67	Lagos Business School	Nigeria
69	69	70	69	Porto Business School	Portugal
71	67	61	66	IAE Business School	Argentina
72	74	75	74	Frankfurt School of Finance and Management	Germany

परिशिष्ट जारी

ठ

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग : फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2018 (अनुकूलित कार्यक्रम)

FT.com FINANCIAL TIMES

Executive Education - Customised - 2018

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2018	2017	2016	3-year average	School	Country
1	1	1	1	Iese Business School	Spain
2	3	3	3	Duke Corporate Education	US / UK / Singapore / South Africa
3	2	4	3	IMD	Switzerland / Singapore
4	6	5	5	London Business School	UK
5	7	2	5	HEC Paris	France
6	9	8	8	Insead	France / Singapore / UAE
7	4	6	6	SDA Bocconi	Italy
8	13	16	12	Stanford Graduate School of Business	US
9	5	14	9	Harvard Business School	US
10	12	13	12	University of North Carolina: Kenan-Flagler	US
11	20	26	19	University of Michigan: Ross	US
12	17	15	15	Essec Business School	France / Singapore
13	-	-	-	Renmin University of China School of Business	China
14	16	28	19	Fundação Dom Cabral	Brazil
15	26	17	19	MIT: Sloan	US
16	10	7	11	Center for Creative Leadership	Americas / APAC / EMEA
16	19	20	18	Ipade Business School	Mexico
18	24	27	23	ESCP Europe	France / UK / Germany / Spain / Italy
19	8	9	12	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China
20	14	12	15	National University of Singapore Business School	Singapore
21	15	-	-	Georgetown University: McDonough	US
22	30	-	-	Emory University: Goizueta	US
23	11	20	18	ESMT Berlin	Germany
24	40	39	34	University of Pennsylvania: Wharton	US
25	23	19	22	Ashridge Executive Education at Hult	UK
26	26	23	25	University of Oxford: Saïd	UK
27	22	29	26	Edhec Business School	France
28	36	45	36	University of Tennessee: Haslam	US
29	25	32	29	Incae Business School	Costa Rica / Nicaragua
30	29	18	26	Esade Business School	Spain
31	21	10	21	Cranfield School of Management	UK
31	46	36	38	Alliance Manchester Business School	UK
33	18	11	21	Mannheim Business School	Germany
34	-	-	-	University of Arizona: Eller	US
35	38	30	34	Stockholm School of Economics	Sweden / Russia / Latvia
36	42	37	38	University of St Gallen	Switzerland
37	52	55	48	University of Cambridge: Judge	UK
38	28	31	32	Universidad de los Andes	Colombia
39	50	-	-	Warwick Business School	UK
39	32	24	32	Thunderbird School of Global Management at ASU	US
39	31	40	37	University of Virginia: Darden	US
42	45	41	43	Católica Lisbon School of Business and Economics	Portugal
43	44	42	43	EMLyon Business School	France
44	33	33	37	Vlerick Business School	Belgium
44	55	61	53	Aalto University	Finland / Singapore
46	-	-	-	Audencia Business School	France
46	35	33	38	Henley Business School	UK
48	61	50	53	Columbia Business School	US
49	53	49	50	Western University: Ivey	Canada / China
50	47	35	44	Melbourne Business School	Australia
51	41	45	46	Gordon Institute of Business Science at UP	South Africa
52	58	54	55	Eada Business School Barcelona	Spain
53	34	22	36	University of Chicago: Booth	US / UK / Singapore
54	39	51	48	York University: Schulich	Canada
55	48	38	47	Ceibs	China
56	60	-	-	City University: Cass	UK
57	63	74	65	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
58	43	42	48	Peking University: Guanghua	China
59	56	47	54	Indian Institute of Management Bangalore	India
60	51	52	54	Insper	Brazil
61	54	52	56	Irish Management Institute	Ireland
62	62	63	62	Nova School of Business and Economics	Portugal
63	66	65	65	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands

परिशिष्ट जारी

ठ

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग : फाइनेंशियल टाइम्स मास्टर्स इन मैनेजमेंट 2018 रैंकिंग

FT.com FINANCIAL TIMES

Masters in Management 2018

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2018	2017	School name	Country	Programme name
1	1	University of St Gallen	Switzerland	MA in Strategy and International Management
2	2	HEC Paris	France	HEC MSc in Management**
3	4	London Business School	UK	Masters in Management
4	5	Essec Business School	France / Singapore	MSc in Management**
5	6	ESCP Europe	FR / UK / DE / ES / IT	ESCP Europe Master in Management**
6	10	Università Bocconi	Italy	MSc in International Management
7	15	University College Dublin: Smurfit	Ireland	MSc in International Management
8	11	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands	MSc in International Management
9	9	Cems	See table note	Cems Masters in International Management
10	3	IE Business School	Spain	Master in Management
11	8	Esade Business School	Spain	MSc in International Management
12	23	Stockholm School of Economics	Sweden	MSc in International Business
13	13	WU (Vienna University of Economics and Business)	Austria	Master in International Management
14	12	University of Mannheim	Germany	Mannheim Master in Management
15	14	Imperial College Business School	UK	MSc in Management
16	7	WHU Beisheim	Germany	MSc in Management
17	16	Edhec Business School	France	Edhec Master in Management**
18	32	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China	Master of Management Science and Engineering
19	21	Indian Institute of Management Ahmedabad	India	Post Graduate Programme in Management
20	-	Kozminski University	Poland	Master in Management
21	21	Warwick Business School	UK	MSc in Management
22	-	University of Economics, Prague	Czech Republic	International Master in Management
23	28	Indian Institute of Management Calcutta	India	Post Graduate Programme in Management

परिशिष्ट जारी

ठ

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग : दी इकोनॉमिस्ट कौन सी एमबीए रैंकिंग 2018

International Rankings: The Economist Which MBA Ranking 2018

Rank	Business School	Country	Rank	Business School	Country
1	University of Chicago – Booth School of Business	United States	51	University of Pittsburgh – Katz Graduate School of Business	United States
2	Northwestern University – Kellogg School of Management	United States	52	University of California at Irvine – Paul Merage School of Business	United States
3	Harvard Business School	United States	53	Southern Methodist University – Cox School of Business	United States
4	University of Pennsylvania – Wharton School	United States	54	University of California at Davis – Graduate School of Management	United States
5	Stanford University – Graduate School of Business	United States	55	The Ohio State University – Fisher College of Business	United States
6	University of Navarra – IESE Business School	Spain	56	European School of Management and Technology – ESMT Berlin	Germany
7	University of Michigan – Stephen M. Ross School of Business	United States	57	University of Rochester – Simon Business School	United States
8	UCLA – UCLA Anderson School of Management	United States	58	University of Wisconsin-Madison – Wisconsin School of Business	United States
9	University of Virginia – Darden School of Business	United States	59	Michigan State University – Eli Broad College of Business	United States
10	Columbia Business School	United States	60	Western University – Ivey Business School	Canada
11	University of California at Berkeley – Haas School of Business	United States	61	Henley Business School	United Kingdom
12	Dartmouth College – Tuck School of Business	United States	62	International University of Monaco	Monaco
13	HEC School of Management, Paris	France	63	IE University – IE Business School	Spain
14	Yale School of Management	United States	64	Boston University – Questrom School of Business	United States
15	Duke University – Fuqua School of Business	United States	65	Durham University – Durham University Business School	United Kingdom
16	Massachusetts Institute of Technology – MIT Sloan School of Management	United States	66	York University – Schulich School of Business	Canada
17	New York University – Leonard N Stern School of Business	United States	67	Texas Christian University – Neeley School of Business	United States
18	University of Warwick – Warwick Business School	United Kingdom	68	Nanyang Technological University – Nanyang Business School	Singapore
19	INSEAD	France	69	Sun Yat-sen University – Sun Yat-sen Business School	China
20	Cornell University – Samuel Curtis Johnson Graduate School of Management	United States	70	EMLYON – EMLYON Business School	France
21	University of Florida – Warrington College of Business	United States	71	Grenoble Ecole de Management	France
22	University of Washington – Foster School of Business	United States	72	City University – Cass Business School	United Kingdom
23	University of Melbourne – Melbourne Business School	Australia	73	National University of Singapore – The NUS Business School	Singapore
24	SDA Bocconi – School of Management	Italy	74	Cranfield School of Management	United Kingdom
25	University of Texas at Austin – McCombs School of Business	United States	75	Leeds University Business School	United Kingdom
26	Vanderbilt University – Owen Graduate School of Management	United States	76	University of Edinburgh Business School	United Kingdom
27	London Business School	United Kingdom	77	HHL Leipzig Graduate School of Management	Germany
28	University of Southern California – Marshall School of Business	United States	78	University of Oxford – Saïd Business School	United Kingdom
29	Emory University – Goizueta Business School	United States	79	Macquarie Graduate School of Management	Australia
30	University of North Carolina at Chapel Hill – Kenan-Flagler Business School	United States	80	Purdue University – Krannert Graduate School of Management	United States
31	Georgia Institute of Technology – Scheller College of Business	United States	81	University of Maryland – Robert H Smith School of Business	United States
32	University of Minnesota – Carlson School of Management	United States	82	Lancaster University – Lancaster University Management School	United Kingdom
33	Carnegie Mellon University – The Tepper School of Business	United States	83	Northeastern University – D'Amore-McKim School of Business	United States
34	EDHEC Business School	France	84	George Washington University – School of Business	United States
35	IMD - International Institute for Management Development	Switzerland	85	WHU – Otto Beisheim School of Management	Germany
36	Indiana University – Kelley School of Business	United States	86	University of Birmingham – Birmingham Business School	United Kingdom
37	Washington University in St Louis – Olin Business School	United States	87	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
38	The University of Queensland Business School	Australia	88	Queen's University – Smith School of Business	Canada
39	University of Hong Kong – Faculty of Business and Economics	Hong Kong	89	Copenhagen Business School	Denmark
40	Arizona State University – W. P. Carey School of Business	United States	90	Audencia Business School	France
41	Rice University – Jesse H Jones Graduate School of Business	United States	91	University of Nottingham – Nottingham University Business School	United Kingdom
42	University of Mannheim – Mannheim Business School	Germany	92	University of St.Gallen	Switzerland
43	Hult International Business School	United States	93	ESSEC Business School	France
44	University of Georgia – Terry College of Business	United States	94	Concordia University – John Molson School of Business	Canada
45	University of Cambridge – Judge Business School	United Kingdom	95	University of Arizona – Eller College of Management	United States
46	ESADE Business School	Spain	96	The University of Liverpool – The University of Liverpool Management School	United Kingdom
47	University of Bath – School of Management	United Kingdom	97	North Carolina State University – Poole College of Management	United States
48	Georgetown University – Robert Emmett McDonough School of Business	United States	98	Case Western Reserve University – Weatherhead School of Management	United States
49	University of Notre Dame – Mendoza College of Business	United States	99	Fordham University – Gabelli School of Business	United States
50	Pennsylvania State University – Smeal College of Business	United States	100	EADA Business School Barcelona	Spain

परिशिष्ट जारी

ठ

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग : फाइनेंशियल टाइम्स ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2019

FT.com FINANCIAL TIMES **Global MBA Ranking 2019**

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

Rank in 2019	3 year average rank	School name	Country	Weighted salary (US$)	Salary percentage increase
1	1	Stanford Graduate School of Business	US	228,074	129
2	4	Harvard Business School	US	205,486	112
3	2	Insead	France / Singapore	179,661	104
4	3	University of Pennsylvania: Wharton	US	197,267	114
5	8	Ceibs	China	174,115	183
6	5	London Business School	UK	169,675	102
7	7	University of Chicago: Booth	US	185,861	126
8	10	MIT: Sloan	US	188,173	107
9	8	Columbia Business School	US	184,099	114
10	11	University of California at Berkeley: Haas	US	188,746	104
11	14	Yale School of Management	US	172,547	121
12	11	Iese Business School	Spain	151,076	128
13	24	University of Oxford: Saïd	UK	161,443	118
14	13	Northwestern University: Kellogg	US	170,830	99
15	16	Dartmouth College: Tuck	US	173,636	114
16	11	University of Cambridge: Judge	UK	163,508	98
17	20	National University of Singapore Business School	Singapore	153,216	131
18	16	HKUST Business School	China	156,202	108
19	20	HEC Paris	France	142,622	106
19	21	Duke University: Fuqua	US	163,808	111
21	19	Esade Business School	Spain	148,060	116
22	22	IMD Business School	Switzerland	151,944	76
23	30	University of Virginia: Darden	US	157,437	114
24	26	Indian School of Business	India	156,122	187
25	22	New York University: Stern	US	156,485	117
26	28	UCLA: Anderson	US	162,985	108
27	24	Cornell University: Johnson	US	162,417	112
28	26	University of Michigan: Ross	US	157,727	108
29	33	Georgetown University: McDonough	US	147,384	121
30	25	Nanyang Business School, NTU Singapore	Singapore	134,036	126
31	-	IE Business School	Spain	153,547	100
31	27	SDA Bocconi	Italy	130,628	124
33	39	Indian Institute of Management Bangalore	India	178,774	124
34	-	Fudan University School of Management	China	110,062	195
35	38	Carnegie Mellon: Tepper	US	148,892	113
36	40	Warwick Business School	UK	118,406	83
37	42	University of Texas at Austin: McCombs	US	151,235	104
38	45	Emory University: Goizueta	US	150,659	119
39	-	University of Florida: Warrington	US	121,000	151
39	45	Imperial College Business School	UK	126,873	67
41	38	University of Hong Kong	China	131,386	116
42	49	Sungkyunkwan University GSB	South Korea	131,166	100
43	-	Singapore Management University: Lee Kong Chian	Singapore	118,415	133
43	49	Indiana University: Kelley	US	137,568	122
43	61	Durham University Business School	UK	120,556	110
46	51	University of Southern California: Marshall	US	147,565	108
47	36	Indian Institute of Management Ahmedabad	India	186,170	100
48	58	University of California at Irvine: Merage	US	130,056	129

परिशिष्ट जारी

ठ

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग : क्यूएस ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2019

परिशिष्ट जारी

ठ

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग : क्यूएस प्रबंधन मास्टर्स रैंकिंग 2019

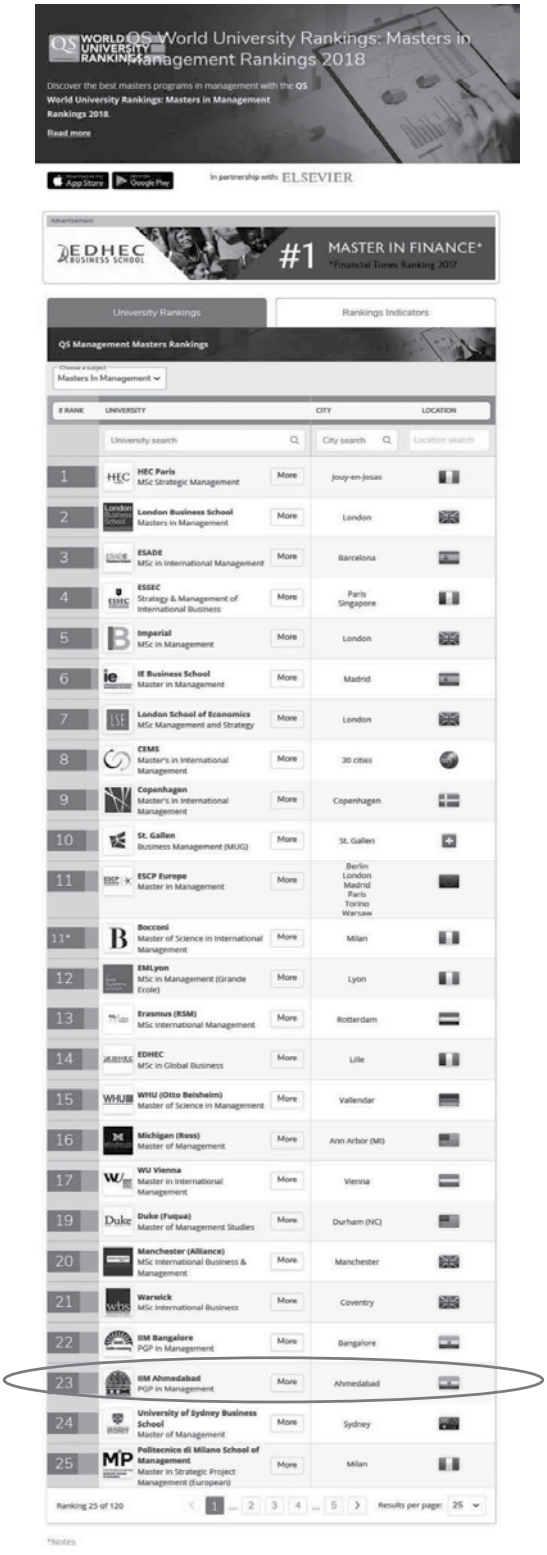

परिशिष्ट जारी ठ

फाइनेंशियल टाइम्स एशियापैसिफिक बिजनेस स्कूल 2018

Financial Times Asia-Pacific business schools 2018								
Rank in 2018	Rank in 2017	Business School	Country	MBA	EMBA #	MiM	Open Exec Ed	Custom Exec Ed
1	1	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China	8	4	1	1	2
2	2	Ceibs	China	1	3		2	5
3	3	National University of Singapore Business School	Singapore	3	8 (5)		4	3
4	4	Indian Institute of Management Ahmedabad	India	6		2	8	6
5	5	HKUST Business School	China	2	1**			
6	13	Singapore Management University: Lee Kong Chian	Singapore	13	7	7		
7	7	Nanyang Business School, NTU Singapore	Singapore	4	6			
8	6	Indian Institute of Management Bangalore	India	9		4	7	8
9	10	University of Hong Kong	China	7	11 (2)			
10=	8	Tongji University School of Economics and Management	China		15**	6		
10=	11	Melbourne Business School	Australia	16	16		6	4
12	9	CUHK Business School	China	12	9			
13	14	Indian Institute of Management Calcutta	India	17		3		
14	17	Fudan University School of Management	China	11	13 (9)			
15	12	University of Sydney Business School	Australia			5		
16		Renmin University of China School of Business (RMBS)	China	10				1
17	16	Indian School of Business	India	5				
18	20	AGSM @ UNSW Business School	Australia	15			3	
19	15	Korea University Business School	South Korea		12			
20	18	Yonsei University School of Business	South Korea		14			9
21	19	National Sun Yat-sen University	Taiwan		17	9		
22		Sungkyunkwan University GSB	South Korea	14				
23		Peking University: Guanghua	China				5	7
24		Hong Kong Baptist University School of Business	China			8		
25=		NUCB Business School	Japan		18*			
25=		Lingnan College at Sun Yat-sen University	China	18*				

Figure in brackets refers to data from second programme for schools with more than one programme ranked.

* School was ranked outside the final ranking table in 2018.

** School participated in this ranking on the basis of a joint programme only.

ड

पूर्वछात्र शाखा गतिविधियाँ

ड1 पूर्वछात्रों द्वारा छात्रवृत्ति / पुरस्कार

- **मार्टी मन्नारैया गुरुनाथ उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार अवार्ड** : यह पुरस्कार प्रोफेसर मार्टी सुब्रह्मण्यम (पीजीजी 1967-69) द्वारा श्री मार्टी मन्नारैया गुरुनाथ की स्मृति में स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार एक संकाय सदस्य को प्रदान किया जाता है, जिसने उस दीक्षांत समारोह के प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के बैच को पढ़ाया है। यह 2 लाख रू का पुरस्कार प्रोफेसर सरल मुखर्जी को दिया गया।
- **आईआईएमए पूर्वछात्र वीवीईएफ उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार** : यह पुरस्कार विद्या वर्धिनी एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है, जो आईआईएमए पूर्वछात्रों द्वारा संचालित 25 कंपनियों की एक शाखा है। उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार दो संकाय सदस्यों को दिया जाता है, जिन्हें उनके निरंतर अनुसंधान योगदान और / या एक विशिष्ट प्रकृति के महत्वपूर्ण अनुसंधान के लिए जाना जाता है। यह 2 लाख रू का पुरस्कार प्रोफेसर चिरंतन चटर्जी को दिया गया।
- **फिलिप थॉमस मेमोरियल स्ट्रेटेजीपब्लिक सिस्टम्स केस पुरस्कार** : इस पुरस्कार की स्थापना श्री फिलिप थॉमस (पीजीपी-1966) की स्मृति में प्रोफेसर ऋषिकेष टी. कृष्णन (एफपीएम-1996) द्वारा की गई है। यह पुरस्कार उन लेखक (ओं) को जाता है, जिन्होंने प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के दौरान रणनीति / व्यापार नीति और सार्वजनिक प्रणाली के क्षेत्र में एक केस लिखा है। यह 50,000 रू का पुरस्कार प्रोफेसर अरिंदम बनर्जी को दिया गया।
- **संजीव सिरपाल शैक्षणिक और रचनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार** यह पुरस्कार कनक सिरपाल (पीजीपी-1984) और दोस्तों द्वारा श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी-1984) की स्मृति में स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के प्रतिभागियों के बीच शिक्षण एवं रचनात्मकता में उत्कृष्टता को पहचानने के लिए है। सुश्री अक्षिता अग्रवाल (पीजीपी-2019) और श्री प्रत्युष पांडे (पीजीपी-2019) प्रत्येक को 2 लाख रू का पुरस्कार मिला।
- **श्री जी.सी. मितल उद्यमिता सहायता** : अंकित मितल (पीजीपी-2005) द्वारा स्थापित, 2 लाख रू की यह सहायता उन स्नातक होने वाले छात्रों के लिए है जो स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहकर अपना उद्यम शुरू करना चाहते हैं। श्री अचल तात्या (पीजीपी-2019) को 2 लाख रू का यह पुरस्कार मिला।
- **उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार** : 50,000 रू का यह पुरस्कार श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा स्थापित किया गया है, यह एक ऐसे छात्र को दिया जाता है जो अपने कार्यकाल के दौरान सभी खेलों में उत्कृष्टता का प्रदर्शन करता है। सुश्री अपराजिता शर्मा (पीजीपी-2019) और श्री आयुष अग्रवाल (पीजीपी-2019) प्रत्येक को 25,000 रू का उत्कृष्ट खेल पुरस्कार मिला।
- **श्रीमती जे. नगम्मा स्मृति पुरस्कार** : प्रमोद कुंजु (पीजीपी 1999) द्वारा स्थापित 15,000 रू का यह पुरस्कार प्रथम वर्ष के अंत में पीजीपी1 में अकादमिक रूप से श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र को दिया जाता है। श्री शुभम गोयल (पीजीपी-2019) को 15,000 रू का यह पुरस्कार मिला।
- **श्रीमती शारदा भंडारी एवं श्री पी.के.रथ छात्रवृत्ति :** इस आईस्कूल छात्रवृत्ति की स्थापना श्री शारदा भंडारी और उच्च शिक्षा के बड़े पैरोकार श्री पी. के. रथ की स्मृति में पाँच वर्ष के लिए द्वितीय वर्ष के पीजीपी छात्रों के लिए श्री समीर भंडारी (पीजीपी-1989) द्वारा की गई है। एक लाख रू की यह छात्रवृत्ति श्री शुभम गोयल (पीजीपी-2019) को प्रदान की गई।
- **रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति यह आईस्कूल छात्रवृत्ति** : सुश्री रितु बंगा (पीजीपी 1981) द्वारा पाँच वर्षों के लिए स्थापित की गई है । एक लाख रू की यह छात्रवृत्ति श्री क्षितिज जैन (पीजीपी-2019) को प्रदान की गई।
- **अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति यह आईस्कूल छात्रवृत्ति:** श्री अजय बंगा (पीजीपी-1981) द्वारा पाँच वर्षों के लिए स्थापित की गई है। एक लाख रू की यह छात्रवृत्ति श्री मनीष आडवाणी सुरेश (पीजीपी -2019) को प्रदान की गई ।
- **एस आर के पुरस्कार:** यह पीजीपीएक्स संकाय पुरस्कार श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है। वर्ष 2018-19 के लिए यह पुरस्कार प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली को मिला।
- **मदन मोहनका अनुसंधान प्रकाशन पुरस्कार :** यह संकाय पुरस्कार तेगा इंडस्ट्रीज के श्री मदन मोहनका (पीजीपी 1967) द्वारा वर्ष 2017-18 से स्थापित किया गया है। इस पुरस्कार के प्राप्तकर्ता प्रोफेसर प्रेमिला डीक्रूज़ और प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा रहे।

ड 2 : शाखा के अनुसार गतिविधियाँ

दिनांक	शाखा	आयोजन	पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणियाँ
24 फरवरी 2018	बैंगलोर	अखिल आईआईएम स्टार्टअप कॉन्क्लेव	उपलब्ध नहीं है।	स्टार्टअप कहानियाँ, उद्यमी यात्राएँ और आईआईएम बैंगलोर परिसर में अनुदान संचयन
10 मार्च 2018	बैंगलोर	पारस्परिक विचार-विमर्श	उपलब्ध नहीं है।	डीन (पूर्वछात्र और बाह्य संबंध), आईआईएमए संकाय और रॉयल ऑर्किड, मणिपाल केंद्र के वरिष्ठ पूर्वछात्र।
10 अप्रैल 2018	अहमदाबाद	पारस्परिक विचार-विमर्श सत्र	उपलब्ध नहीं है।	अगले पाँच वर्षों के लिए संस्थान के प्रति अपनी दृष्टि साझा करने पर निर्देशक प्रोफेसर एरोल डिसूजा द्वारा एक पारस्परिक विचार-विमर्श सत्र। इसके बाद पति-पत्नी के साथ रात्रिभोज किया गया।
14 अप्रैल 2018	बैंगलोर	पुस्तक विमोचन डॉ. वी. रघुनाथन	उपलब्ध नहीं है।	वे आईआईएमए में एक पूर्व संकाय थेः जम्मू में लौटें आईआईएमए परिसर में आंशिक रूप से स्थापित, सपना बुक हाउस, रेजिडेंस रोड।
14 अप्रैल 2018	कोलकाता	समिति की बैठक	10	अप्रैल 2018 में नई 10 सदस्य समिति का गठन किया गया और समिति की पहली बैठक आयोजित की गई।
24 अप्रैल 2018	बैंगलोर	कार्यशालासंरक्षण, पुनरावर्तन, प्रदूषण और झील संरक्षण	उपलब्ध नहीं है।	सामाजिक उद्यमी और उद्यम (एसईई) द्वारा आयोजित एसईई जल, आईआईएम, आईआईएमबी, आईआईटी कानपुर और आईआईटी ख़डगपुर के आईआईएम बैंगलोर परिसर में बेंगलूरु शाखा की एक स्वयंसेवी संचालित पहल है।
12 मई 2018	मुंबई	सिंक्रोनी 2018	225+	हमने इस आयोजन को 'अस्थायी-मुंबई कर (फच्चा)' और इच्छा से मुंबई कर (ट्यूचा) के लिए 'जश्न-सह-स्वागत पार्टी" में सफलतापूर्वक बदल दिया है।
19 मई 2018	दिल्ली	सिंक्रोनी 2018	150	इस आयोजन में सभी बैचों का प्रतिनिधित्व देखा गया और प्रथम वर्ष तथा दूसरे वर्ष के छात्रों की उत्साही भागीदारी देखी गई।
19 मई 2018	कोलकाता	सिंक्रोनी 2018	35	पूर्वछात्रों और फ्रेशर्स की 35 सदस्यों के रूप में उपस्थिति काफी अच्छी थी। श्री रवि टोडी, एमडी श्राची ग्रुप, ने फ्रेशर्स को संबोधित किया।
19 मई 2018	अहमदाबाद	सिंक्रोनी 2018	उपलब्ध नहीं है।	इसमें पूर्वछात्रों और 2018-20 के नए बैच की तरफ से अच्छी भागीदारी देखी गई।
20 मई 2018	हैदराबाद	सिंक्रोनी 2018	उपलब्ध नहीं है।	मस्ती से भरे परिचय और नॉस्टेल्जिक कैंपस वीडियो स्क्रीनिंग के अलावा, यह सिंक्रोनाइज़ समूह नाटकों के एक अतिरिक्त प्रारूप के साथ आया था।
25 मई 2018	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	उपलब्ध नहीं है।	काइज़न पर श्री जयंत मूर्ति की एक बातचीत 'निरंतर सुधार की कला और विज्ञान'
26 मई 2018	बैंगलोर	सिंक्रोनी 2018	उपलब्ध नहीं है।	यह रोटरी हॉल ऑफ़ फ्रेंडशिप, लावेल रोड में आयोजित की गई थी।

परिशिष्ट जारी

ङ

दिनांक	शाखा	आयोजन	पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणियाँ
26 मई 2018	चेन्नई	सिंक्रोनी 2018	100	जीवनसाथी और बच्चों सहित 100 से अधिक ने भाग लिया
06 जून 2018	लंदन	संरक्षकों और वरिष्ठ पूर्वछात्रों के साथ बातचीत	उपलब्ध नहीं है।	हमने भगवान जितेश गडिया द्वारा आयोजित हाउस ऑफ लॉर्ड्स में समुदाय में सक्रिय संरक्षकों और अन्य वरिष्ठ पूर्वछात्रों के साथ बातचीत का आयोजन किया। एक्सको के सदस्यों के अलावा, उपस्थित लोगों में डॉ. मोहन कौल, महमूद खान, सलिल शेट्टी महासचिव, एमनेस्टी इंटरनेशनल, विकास नंदा, सिदिन वाडुकुत, सुधीर डोले, सहित आईआईएमए समुदाय के शानदार समर्थकों का क्रॉस-सेक्शन शामिल था। मनीष तिवारी और भारतीय उच्चायोग के सैकत सेन शर्मा। सत्र संस्थान की प्राथमिकताओं और कैसे शाखा तथा लंदन संरक्षक समुदाय संस्थान की दृष्टि और प्राथमिकताओं के साथ मदद कर सकता है पर केंद्रित था।
07 जून 2018	लंदन	प्रोफेसरों के साथ सत्र	उपलब्ध नहीं है।	शाखा ने तुलसी नायडू (पीजीपी 96)-सीईओ ज्यूरिख बीमा, यूके के समर्थन से लंदन शहर के बीचों-बीच प्रोफेसरों के साथ एक सत्र आयोजित किया। यह कार्यक्रम संकायों के साथ एक स्पष्ट और खुली चर्चा के साथ पूर्वछात्रों के लिए विशेष सत्र था। हमने शाखा और संस्थान की आकांक्षाओं तथा समुदाय कैसे मदद कर सकता है पर चर्चा की। चर्चा में पिछले दिनों उठाए गए कई विषय शामिल थे।
15 जून 2018	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	उपलब्ध नहीं है।	डी सुरेश (लोकप्रिय रूप से सौर सुरेश के रूप में संबोधित) द्वारा एक चर्चा 'ग्रीन पहल के माध्यम से ऊर्जा स्वतंत्रता' पर की गई।
20/21जून 2018	लंदन	ब्रिटेन-भारत नेतृत्व कॉन्क्लेव	1 1	आईआईएमए पूर्वछात्र लंदन शाखा को लंदन के बाहरी इलाके में बकिंघमशायर के लैटिमर हाउस के शांत स्थान पर आयोजित ब्रिटेन-भारत नेतृत्व कॉन्क्लेव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस आयोजन स्थल पर कौन कौन लोग थे, इनमें ब्रिटेन और भारत के वित्त, उद्योग और कानूनी उद्योग से मंत्री तथा संसद के सदस्य शामिल थे। इस सम्मेलन में ब्रिट `न और भारत के पूर्वछात्रों से उनकी पेशेवर क्षमताओं में महत्वपूर्ण भागीदारी थी।
29 जून 2018	दिल्ली	पूर्वछात्र मिलन	35	दिल्ली शाखा ने अपने नियमित एसेक्स फार्म के पूर्वछात्रों से मुलाकात जारी रखी, जो पिछले साल जून में लंबे अंतराल के बाद आयोजित की गई थी।
जुलाई 2018	मुंबई	प्रबंध समिति का ऑनलाइन चुनाव		पहली बार आईआईएमएएए-मुंबई की प्रबंध समिति के सदस्य ऑनलाइन वोटिंग के माध्यम से चुने गए। कुछ तकनीकी ग़डबड़ियों के बावजूद, स्वदेशी रूप से विकसित मंच ने नामांकन, पंजीकरण, सत्यापन, मतदान और परिणामों की पूरी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया।

परिशिष्ट जारी **ङ**

दिनांक	शाखा	आयोजन	पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणियाँ
06 जुलाई 2018	मुंबई	पुस्तक विमोचन	60	प्रोफेसर प्रदीप खंडवाला (पूर्वनिदेशक, आईआईएमए) द्वारा पुस्तक 'फास्ट फॉरवर्ड फॉर सिविलेशनल ग्रेटनेस एजेंडा फॉर इंडिया' में कहा गया है कि हम एक बेहतर समाज का निर्माण करते हैं जो लोकतांत्रिक भी हो और एक बाजार अर्थव्यवस्था भी। विशेष रूप से, भारत के लिए हम अपनी महानता के लिए अपनी खोज में क्या विकल्प चुनते हैं और हमारे समय की अशांति के बावजूद, मानवता, रचनात्मकता और प्रदर्शन उत्कृष्टता सुनिश्चित करते हैं।
27 जुलाई 2018	दिल्ली	पूर्वछात्र मिलन	35	शाखा ने गुड़गांव में अन्य पूर्वछात्रों के साथ बैठक आयोजित की, जिसमें सभी बैचों ने भाग लिया था। इस आयोजन में पीजीपीएक्स बैचों के पूर्वछात्रों की भी भागीदारी देखी गई।
27 जुलाई 2018	अहमदाबाद	दर्शन और स्वदेशी प्रथा	उपलब्ध नहीं है।	डॉ. अश्वनी महाजन, राष्ट्रीय सह-संयोजक, स्वदेशी जागरण मंच द्वारा एक वार्ता
12 अगस्त 2018	अहमदाबाद	एजीएम	उपलब्ध नहीं है।	रात के खाने के बाद मनोरंजन कार्यक्रम के साथ केंसविले गोल्फ क्लब में परिवारों के साथ एक अच्छे कार्यक्रम में भाग लिया।
12 अगस्त 2018	शिकागो	निदेशक के साथ बैठक		शिकागो शाखा ने 2018 का पहला आयोजन आईआईएमए निदेशक-प्रोफेसर एर्रोल डिसूजा के साथ गलीचेर सेंटर, बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस में आयोजित किया।
15 अगस्त 2018	लंदन	लंदन लॉन्चपैड	50	यह यूके में आईआईएम अहमदाबाद के पूर्वछात्रों द्वारा एक इवेंट शोकेसिंग स्टार्टअप है, जिसमें साल भर बैचों के पूर्वछात्रों और दोस्तों ने भाग लिया। यह उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र विशेष रुचि समूह (एसआईजी) के साथ किए गए गठबंधन शाखा की पहली घटना थी जो लक्षित उद्यमी थे जो इस मंच का उपयोग अपने स्टार्टअप, अन्य समान विचारधारा वाले उद्यमियों के साथ नेटवर्क बनाने, संभावित ग्राहकों के लिए मेंटरशिप, संचार चैनल या यहाँ तक कि धन उगाने के लिए कर सकते थे और साथ ही आईआईएमए समुदाय का लाभ उठा सकते थे। समारोह में, आईआईएमए पूर्वछात्र लंदन ने भारतीय उच्चायोग (सुश्री विशाखा यदुवंशी द्वारा प्रस्तुत) और फिक्की यूके (परम शाह, फिक्की यूके निदेशक द्वारा प्रतिनिधित्व) के साथ टेकएक्सचेंज 2018 के लिए अपनी साझेदारी की घोषणा की। इस दिन ने आईआईएमए एंजल के आधिकारिक लॉन्च को चिह्नित किया नेटवर्क, यह एक ऐसा मंच जो समुदाय को कौशल प्रदान करने के साथ मेंटरशिप प्रदान करने और बढ़ते स्टार्टअप्स की सहायता करने में मदद करेगा।

परिशिष्ट जारी

ड

दिनांक	शाखा	आयोजन	पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणियाँ
25 अगस्त 2018	चेन्नई	एजीएम 2018	उपलब्ध नहीं है।	टर्म रिपोर्ट की प्रस्तुति, ऑडिटेड बैलेंस शीट, विशेष प्रस्तावों को पारित करना। राममूर्ति श्रीनिवासन (पीजीपी 99) के नेतृत्व में एक नई कार्यकारी समिति का चुनाव किया गया
सितम्बर 2018	मुंबई	एजीएम	25	लंबे अंतराल के बाद, आईआईएमएएए-मुंबई ने आईएमसी में अपना पहला एजीएम (राज नायर पीजीपी 71की मदद द्वारा) आयोजित किया।
04 सितम्बर 2018	अहमदाबाद	चर्चा	उपलब्ध नहीं है।	मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के एमडी, मृगांक प्रांजेप पीजीपी 90 ने, 'पूंजी और कमोडिटी बाजार में उभरते मुद्दे' पर एक चर्चा आयोजित की।
10 सितम्बर 2018	मुंबई	व्याख्यान	60+	संस्थान ने एचयूएल के सहयोग से, प्रोफेसर प्रदीप चिंतागुंटा (पीजीपी-86) और बूथ बिजनेस स्कूल, शिकागो में प्रतिष्ठित प्रोफ़ेसर को 'डूइंग गुड इज़ फ़ॉर वेलिंग लीवर मार्केटिंग टूल्स एंड इनसाइट्स फ़ॉर नॉनमार्केटिंग रिजल्ट्स' - पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया।
22 सितम्बर 2018	मुंबई	प्रोफेसर ए के जैन सम्मान समारोह	200+	एक ऐसा समारोह जिसने प्रोफ़ेसर ए के जैन को उनकी 47 वर्षों की लंबी अकादमिक पारी के लिए संकाय के रूप में शानदार श्रद्धांजलि अर्पित की।
29 सितम्बर 2018	बैंगलोर	दूसरा एसआईजी महिला पूर्वछात्र मिलन	उपलब्ध नहीं है।	यह कोवर्कस, अलसूर में आयोजित किया गया था
29 सितम्बर 2018	चेन्नई	आईआईटीएमएए संगम	उपलब्ध नहीं है।	आईआईटी मद्रास एलुमनी एसोसिएशन कॉन्क्लेव (29 सितंबर 2019) आईआईटीएमएए के साथ सहयोग से आयोजित किया गया।
अक्टूबर 2018	सिंगापुर	महाभोज	80+	भारत के उच्चायुक्त, जावेद अशरफ (पीजीपी 86) और उनकी पत्नी ग़जाला ने, उपस्थित लोगों, पूर्वछात्रों और जीवन साथी के लिए अपने सुदंर घर पर एक विशाल रात्रिभोज की मेजबानी की। डॉ. एर्रोल डिसूजा ने संस्थान के लिए पूर्वछात्र विभिन्न तरीकों से कैसे वापिस दे सकते हैं और संस्थान के प्रति अपने दृष्टिकोण को साझा किया । इसके बाद एक छोटे समूह ने अगले दिन दोपहर के भोजन के लिए धन उगाहने पर ध्यान केंद्रित किया।

परिशिष्ट जारी **ङ**

दिनांक	शाखा	आयोजन	पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणियाँ
अक्टूबर 2018	सिंगापुर	जीवन हैक्स और विरासत	30	हमारे दूसरे आयोजन 'विशेषज्ञों के साथ शाम' ने पूर्वछात्रों को इच्छाशक्ति, वैश्विक संपत्ति, बीमा और विरासत योजना के विशेषज्ञों के साथ जुड़ने में मदद की। टोरस वेल्थ के संस्थापक मनदीप नलवा (पीजीपी 94) ने इस समारोह की योजना बनाने में मदद की, जिसने पूर्वछात्रों को इन कुछ कठिन मुद्दों को हल करने में मदद की।
अक्टूबर 2018	सिंगापुर	अग्रणियों के साथ दोपहर का भोजन	22	प्रसिद्ध लेखक, गुरुचरण दास ने 'लिविंग ए लाइफ बनाम मेकिंग लिविंग' और एक व्यक्ति के परिवार के प्रति कर्तव्य और किसी के प्रति अपने कर्तव्य के बीच संतुलन पर बात की। हमने पिछले कुछ वर्षों में भारत की प्रगति पर भी चर्चा की। यह विचारों और दर्शनों का एक स्वतंत्र और स्पष्ट आदान-प्रदान था, जिसने प्रतिभागियों को ताज़ा और नए दृष्टिकोणों पर विचार प्रकट करने का मौका दिया।
05 अक्टूबर 2018	चेन्नई	त्रैमासिक निवास	उपलब्ध नहीं है।	अनौपचारिक रूप से एक पब में मुलाकात
05 अक्टूबर 2018	दिल्ली	संगीतमय कार्यक्रम	50	एलकेपी में कैंपस की यादों को ताजा करने के लिए, शाखा ने गुड़गांव के सुंदर डीएलएफ गोल्फ कोर्स में संगीत संध्या का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न बैचों के पूर्वछात्रों से प्रदर्शन किया।
08 अक्टूबर 2018	बैंगलोर	मासिक संवाद श्रृंखला	उपलब्ध नहीं है।	मोनिका शर्मा, चेतना पूर्ण स्पेक्ट्रम प्रतिक्रिया पर कट्टरपंथी परिवर्तनकारी नेतृत्व की लेखक
26 अक्टूबर 2018	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	उपलब्ध नहीं है।	'कॉरपोरेट गवर्नेंस एंड पीपीपी प्रोजेक्ट्स, आईएलएफएस से सबक' श्री डी सी अंजारिया (आईआईएमए-68) द्वारा एक वार्ता
26 अक्टूबर 2018	अहमदाबाद	पूर्व दिवाली मिलन समारोह	उपलब्ध नहीं है।	पूर्व दिवाली मिलन समारोह और परिवारों के साथ रात्रिभोज
30/31 अक्टूबर 2018	बैंगलोर	इंडिया आईओटी नेक्स्ट 2018 वैश्विक शिखर सम्मेलन	उपलब्ध नहीं है।	'भारत के आईओटी हिस्से को ऊपर उठाना' भारतीय इलेक्ट्रॉनिक और सेमीकंडक्टर एसोसिएशन के साथ साझेदारी में
नवंबर 2018	मुंबई	दूसरी एसआईवाईएलआई कार्यशाला	70+	"थैंक यू इंडिया रिसर्च फाउंडेशन" द्वारा समर्थित आईआईएमएएएमुंबई ने दूसरी कार्यशाला का आयोजन किया। एसआईवाईएलआई और आईआईएमए को रणनीतिक टाई-अप करने के लिए उत्सुकता है तथा इस रोमांचक स्थान में प्रगति और पारस्परिक शक्तियों का लाभ उठाने में रुचि व्यक्त की है।

परिशिष्ट जारी

ङ

दिनांक	शाखा	आयोजन	पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणियाँ
12 नवंबर 2018	चेन्नई	पारस्परिक विचारविमर्श	उपलब्ध नहीं है।	एक नए भारत के लिए कार्यात्मक शासन अर्थशास्त्र की राजनीति-एमएमए के साथ सहयोग
17 नवंबर 2018	चेन्नई	स्टार्टअप ध्यान केंद्रित	उपलब्ध नहीं है।	भारत में अरुण नटराजन, वेंचर इंटेलिजेंस द्वारा वेंचर कैपिटल निवेश-औपचारिक अध्यक्ष समारोह
24 नवम्बर 2018	बैंगलोर	मासिक संवाद श्रृंखला	उपलब्ध नहीं है।	बी. मुथुरमन, टाटा स्टील के पूर्व एमडी और उपाध्यक्ष बीसीआईसी की साझेदारी में
30 नवंबर 2018	बैंगलोर	एसआईजी स्वास्थ्य देखभाल	उपलब्ध नहीं है।	यह कोवर्कस, कोरामंगल में आयोजित किया गया था
30 नवंबर 2018	मुंबई	उम्मीद 1000 साइक्लोथॉन	उपलब्ध नहीं है।	आईआईएमएएए-हैदराबाद द्वारा आयोजित एक सामाजिक रूप से प्रभावशाली समारोह आईआईएमएएए - मुंबई और आईआईएमएएए -बैंगलोर द्वारा समर्थित था। 'उम्मीद 1000' लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आरबीएल बैंक की एक सीएसआर पहल है।
01 दिसम्बर 2018	बैंगलोर	एसआईजी उद्यमी	उपलब्ध नहीं है।	यह कोवर्कस, कोरामंगल में आयोजित किया गया था
दिसम्बर 2018	मुंबई	महिला एसआईजी	10	इच्छुक पूर्वछात्र महिलाओं को एक साथ लाने के लिए और पूर्वछात्र महिलाओं की रुचि वाले विचारों का पता लगाने के लिए तथा एक मुख्य समूह बनाने के उद्देश्य से एक त्वरित मिलन समारोह का आयोजन किया गया।
10 दिसम्बर 2018	बैंगलोर	उम्मीद 2018	उपलब्ध नहीं है।	उद्भव स्कूल, हैदराबाद के लिए धन जुटाने आईआईएमएएए, हैदराबाद शाखा के साथ संयुक्त रूप से आयोजित मुंबई से बेंगलूरु तक की साइक्लोथॉन का समापन समारोह।
14 दिसम्बर 2018	चेन्नई	त्रैमासिक निवास	उपलब्ध नहीं है।	अनौपचारिक रूप से एक पब में मुलाकात
15 दिसम्बर 2018	दिल्ली	वार्षिक महा समारोह	220+	इंडसइंड और एमप्लस द्वारा प्रायोजित इस समारोह का आमंत्रण केवल दिल्ली शाखा के लिए प्रमुख समारोह रहा। इसने आईआईए ए के पूर्वछात्रों द्वारा शुरू किए गए चुनिंदा स्टार्टअपों को अपने काम के बारे में संक्षेप में बात करने और बड़े पूर्वछात्र निकाय तक पहुँचने का अवसर प्रदान किया। सभा ने स्वर्गीय श्री आर. जयरामन (पीजीपी 70) को एक मार्मिक श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका विशेष रूप से दिल्ली में पूर्वछात्र निकाय के लिए अद्वितीय योगदान रहा है।
10 जनवरी 2019	चेन्नई	पुस्तक विमोचन चर्चा	उपलब्ध नहीं है।	आर गोपालकृष्णन द्वारा एमएमए के सहयोग से 'द मेड इन इंडिया मैनेजर', पुस्तक विमोचन चर्चा

परिशिष्ट जारी **ङ**

दिनांक	शाखा	आयोजन	पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणियाँ
11 जनवरी 2019	पुणे	पुणे में आईआईएम	उपलब्ध नहीं है।	पुणे में आईआईएम के 16 वें सत्र की मेजबानी की गई। यह आयोजन प्रत्येक महीने के दूसरे शुक्रवार को शाम 7-9 बजे से शहर के दो हिस्सों के बीच शहर के विभिन्न हिस्सों से पूर्वछात्रों को भाग लेने के लिए सक्षम बनाने के लिए बारी-बारी से आयोजित किया जाता है।
12 जनवरी 2019	मुंबई	पाँचवां वार्षिक पारिवारिक मिलन	उपलब्ध नहीं है।	यह वर्ष का वह समय है जब हम अपने विस्तारित पूर्व छात्र परिवार के सदस्यों को एक शाम प्रदान करते हैं, जो मज़ेदार, मनमोहक और मनोरंजन से भरपूर होती है। इस आयोजन की योजना बच्चों और जीवनसाथी और बुजुर्ग सदस्यों की अपेक्षाओं का ध्यान रखने तक विस्तारित है।
16 जनवरी 2019	पुणे	एसएमई संस्थापकों का कॉन्क्लेव	उपलब्ध नहीं है।	उन्होंने एमसीसीआईए के साथ एसएमई संस्थापकों के कॉन्क्लेव की सहमेजबानी की।
18 जनवरी 2019	दिल्ली	त्रैमासिक मुलाकात	उपलब्ध नहीं है।	बैचों की उपस्थिति के साथ एक अनौपचारिक बातचीत ने, एक-दूसरे के साथ जुड़ने और अपनी कहानियों को साझा करने में मदद की। इस समारोह को बड़ा बनाने और इस समारोह के अगले चरणों के लिए योजना बनाने के वादे के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।
19 जनवरी 2019	बैंगलोर	मासिक संवाद श्रृंखला	उपलब्ध नहीं है।	बीसीआईसी की साझेदारी में टोयोटा इंडिया के उपाध्यक्ष, शेकर विश्वनाथन
19 जनवरी 2019	मुंबई	स्वास्थ्य देखभाल एसआईजी	25	स्वास्थ्य देखभाल एसआईजी के लिए दृष्टि और सह-विकसित प्राथमिकताओं तथा कार्ययोजनाओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से लगभग 25 पूर्वछात्र एकत्रित हुए। प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली विशेष रूप से मुंबई आए और कार्यवाही का मार्गदर्शन किया।
24 जनवरी 2019	मुंबई	पुस्तक विमोचन	120+	एक अनूठा पुस्तक विमोचन : 'द मेड इन इंडिया मैनेजर' इस कार्यक्रम का आयोजन आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और हैचेट इंडिया के साथ संयुक्त रूप से किया गया था। इसमें पूर्व लेखकों, - श्री आर. गोपालकृष्णन और डॉ. रंजन बनर्जी सहित पूर्वछात्र पैनलिस्ट प्रकाश अय्यर (पीजीपी 86) और हरीश भट (पीजीपी 87) को सुनने का अवसर मिला।
05 फरवरी 2019	चेन्नई	पारस्परिक विचारविमर्श	उपलब्ध नहीं है।	राष्ट्रीय सुरक्षा परिप्रेक्ष्यः आगे का रास्ता-एमएमए के साथ सहयोग

परिशिष्ट जारी

ङ

दिनांक	शाखा	आयोजन	पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणियाँ
08 फरवरी 2019	अहमदाबाद	बातचीत	उपलब्ध नहीं है।	'धर्म और जाति द्वारा भारतीय जनसांख्यिकीय के कुछ आयामों की खोज' प्रोफेसर राकेश बसंत द्वारा दिया गया व्याख्यान
11 फरवरी 2019	सिंगापुर	वार्षिक आम बैठक		वार्षिक आम बैठक 11 फरवरी, 2019 को हुई थी। सिंगापुर में सभी पूर्वछात्रों को आमंत्रित किया गया था।
16 फरवरी 2019	मुंबई	परिसर में विमोचन	उपलब्ध नहीं है।	परिसर में स्वास्थ्य देखभाल एसआईजी की औपचारिक शुरुआत के साथ प्रारंभिक बैठक आयोजित की गई। अधिकांश शुरुआती प्रतिभागियों ने इस बैठक में भाग लिया और प्रत्येक से विचार सुझाव एकत्र किए गए थे। पहुँच को विस्तारित करने के लिए, परिसर में उपस्थित शाखा प्रतिनिधियों (एक अलग बैठक के लिए आमंत्रित) को भी समूह विचार-विमर्श में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया।
22 फरवरी 2019	चेन्नई	औपचारिक अध्यक्ष कार्यक्रम	उपलब्ध नहीं है।	दीपक जयरामन (पीजीपी) द्वारा नेतृत्व, कैरियर परिवर्तन और योजना पर व्याख्यान श्रृंखला
22 फरवरी 2019	कोलकाता	परस्पर संवादात्मक सत्र	40	प्रोफेसर एर्रोल डिसूजा, निर्देशक आईआईएमए के साथ एक परस्पर संवादात्मक सत्र 22 फरवरी को आयोजित किया गया था। लगभग 40 पूर्वछात्रों ने इस जीवंत चर्चा में भाग लिया।
08 मार्च 2019	अहमदाबाद	प्रस्तुतीकरण	उपलब्ध नहीं है।	'बिग डेटा, एआई तथा मशीन लर्निंग और कैसे प्रौद्योगिकी प्रबंधन / शासन को पुनर्व्यवस्थित कर रहा है' पर एक प्रस्तुति का आयोजन किया गया।
14 मार्च 2019	चेन्नई	पुस्तक विमोचन	उपलब्ध नहीं है।	भारत के सबसे सफल उपभोक्ता ब्रांड के अंदर टाइटन-एमएमए के साथ सहयोग
16 मार्च 2019	बैंगलोर	मासिक संवाद श्रृंखला	उपलब्ध नहीं है।	श्रीधर वेंकट, सीईओ अक्षय पात्र फाउंडेशन बीसीआईसी के साथ साझेदारी में
22 मार्च 2019	चेन्नई	त्रैमासिक निवास	उपलब्ध नहीं है।	अनौपचारिक रूप से एक पब में मुलाकात

ड 3: बाहरी संबंध और पहुँच

शैक्षणिक वर्ष के दौरान स्माइल केंद्र द्वारा आयोजित की गई प्रमुख गतिविधियाँ नीचे सूचीबद्ध हैं :

स्वयंसेवकों द्वारा उपचारात्मक शिक्षा और परामर्श

इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों के विकास में समग्र सुधार प्रदान करना है। इसने छात्रों को कई स्कूल-स्तरीय प्रारंभिक परीक्षाओं में भाग लेने में मदद की है जो व्यक्तिगत विकास के लिए फायदेमंद साबित हुई हैं।

बुनियादी मूल्यांकन परीक्षा

मुख्य पाठ्यक्रम की ओर बढ़ने से पहले उनकी मूल बातें जाँचने के लिए स्माइल छात्रों के लिए एक बुनियादी मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की गई थी । इससे उन छात्रों पर अधिक ध्यान देने में मदद मिली जिन्हें विशेष ध्यान देने की आवश्यकता थी।

क्लास में मार्गदर्शन

शिक्षकों द्वारा दी जाने वाली अधिक प्रभावी और कुशल गुणवत्ता युक्त शिक्षा का लाइव डेमो प्रदान करने के लिए,शिक्षकों को इन-क्लास मार्गदर्शन से गुजरना पड़ा, इन-क्लास मेंटरिंग प्रथम विशेषज्ञों द्वारा शिक्षकों के प्रदर्शन की जाँच की गई थी।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

छात्रों के लिए कई पाठ्येतर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं

- **स्वतंत्र सोच कार्यशाला :** परिसर के छात्र बच्चों से मिलने के लिए आए और एक स्वतंत्र सोच कार्यशाला का आयोजन किया, जहाँ बच्चों को एक विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने थे। इससे बोलने के डर पर काबू पाने के साथ-साथ कल्पना शक्ति के निर्माण में मदद मिली।
- **शिल्पकला कार्यशाला :** बच्चों को क्राफ्ट पेपर दिये गए और उन्हें अपनी पसंद का एक पक्षी, नाव, ड्राइंग, 4 x 4 गेम, आदि कुछ भी बनाने के लिए कहा गया था।
- **नृत्य कार्यशाला** : बच्चों के एक समूह ने अपने पसंदीदा गीतों की ताल पर तालियां बजाईं। इससे उन्हें अपने कौशल की खोज करने में मदद मिली जो एक मूल्यवर्धन था।
- **कौशल समूह द्वारा ड्राइंग प्रतियोगिता**
- **संगीत कार्यशाला :** छात्र स्वयंसेवकों ने बच्चों को गिटार बजाना सिखाया,
- **स्पंज / स्प्रे पेंटिंग**

सामुदायिक सहभागिता गतिविधियाँ

- **स्कूल के दौरे :** स्कूल के दौरे यह समझने के लिए किए जाते हैं कि छात्र स्कूलों से बाहर क्यों निकल रहे हैं, जो स्कूल स्तर पर बच्चे के प्रदर्शन को प्रभावित करने वाला मुख्य कारक, और सामाजिक संरचना में एक बच्चे की शिक्षा के लिए बाधा साबित होता है।
- **सामुदायिक दौरे :** इनका उद्देश्य माता-पिता से जुड़ना और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता को समझाना है।
- **अभिभावक बैठकें** : अभिभावकों के साथ विचार-विमर्श किया जाता है। यह शिक्षकों और छात्रों के बीच एक सेतु बनाने में भी मदद करता है।
- **स्वयंसेवक संलग्नता :** विभिन्न गतिविधियों और खेलों के साथ नियमित सत्र लेकर कई स्वयंसेवकों ने योगदान दिया है और इस प्रकार सीखने को आसान बनाने की कोशिश की जा रही है।

स्माइल में आने वाले बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए साप्ताहिक ड्राइंग कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

ड 4 : ए-लीग गतिविधियाँ

निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियाँ शुरूकी गईं :

- **एक संचार चैनल की स्थापना:** प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत संस्थानों और नियमित कॉल पर जाकर, एईआरसी ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई सूचना विषमता नहीं है और संस्थान जुड़ाव महसूस करते हैं और जानते हैं कि संस्थान की ओर से प्रयास किया जा रहा है।
- **ए-लीग व्यावहारिक एवं क्रियाशील :** संभवतः अब तक की गई सभी एलीग गतिविधियों में ए-लीग के छात्रों को सामाजिक उद्यमिता परियोजनाओं का विस्तार करने के लिए सबसे महत्वाकांक्षी, एईआरसी की व्यावहारिक एवं क्रियाशील पहल रही है। इन परियोजनाओं में भारत भर से प्राप्त नवोदित उद्यमियों को अपने विचारों को बढ़ाने में मदद करने के लिए, आवेदन की एक उच्च संख्या को आकर्षित किया और इसका आईआईएमए रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन के वार्षिक उत्सव प्रबंधन में एक निष्कर्ष देखेंगे।
- **प्रतिनिधि बैठक :** विचारों की प्रक्रिया और अधिक भागीदारी की प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए, एईआरसी ने ए-लीग छात्र प्रतिनिधियों की औपचारिक बैठक की। यह देखा गया कि विभिन्न संस्थानों को ए-लीग से अलग-अलग उम्मीदें थीं, और इसलिए एक आकार सभी में फिट बैठता है, दृष्टिकोण प्रभावी नहीं होगा। भाग लेने के लिए प्रोत्साहन के साथ सभी घटनाओं का लगातार और उचित संचार, ए-लीग गतिविधियों को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।
- **समारोह समन्वय :** अन्य संस्थानों के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे गरबा रात, दिवाली समारोह आदि का आयोजन किया जाना है। निरंतर प्रयासों से एकजुटता की भावना पैदा होगी।

दूसरे सत्र में संयुक्त गतिविधियों की मेजबानी से सहयोग में वृद्धि देखी गई न केवल संस्थान, बल्कि अन्य संस्थानों ने भी ए-लीग भीड़ के लिए समारोहों को अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए पहल की है।

- **डॉ. थरूर एट आईआईएमए** - नवंबर की शुरुआत में 150 से अधिक एलीग छात्रों को एईआरसी ने मार्की इवेंट दिखाया।
- **एसपीआईसी एसएसीएवाई नाइट** - एईआरसी ने, हेरिटेज क्लब के सहयोग से, पद्म श्री शोवना नारायण के शानदार प्रदर्शन पर ए-लीग के छात्रों की मेजबानी की।
- **आईआईएमए मास्टरक्लास** - तीन मास्टरक्लास सत्रों के लिए-अखिलेश तिलोटिया (भूतपूर्व बीसीजी, पूर्व-कोटक, भारत सरकार के विशेष कर्तव्य के अधिकारी), मिकाल हॉलस्ट्रप (सहसंस्थापक, डेजिग्नीट) और और सुधीर सीतापति (कार्यकारी निदेशक, एचयूएल) ए-लीग के छात्रों ने बड़ी संख्या में प्रदर्शन किया और प्रासंगिक सवालों के साथ सत्र में योगदान दिया।
- **आईआईएमए में एक दिन** - प्रयास के इतिहास में पहली बार, एलीग संस्थानों को संस्थान में एक दिन बिताने के लिए आमंत्रित किया गया था। 90 छात्रों को तीन प्रोफेसरों के व्याख्यान के साथ एक आईआईएमए छात्र का अनुभवप्रदान किया गया ।
- **युवा और सत्य** - इस एक तरह के कार्यक्रम में सुरु जग्गी वासुदेव के साथ एक औपचारिक और एक अनौपचारिक सत्र में 250 से अधिक ए-लीग के छात्रों और संकाय सदस्यों की भागीदारी देखी गई।
- **एईआरसी-वाग्मिता समारोह**श्री मुदित यादव (टेडएक्स वक्ता) के साथ उन छात्रों की बहुत सक्रिय भागीदारी देखी गई जिनके प्रश्न वक्ता की सामग्री के पूरक थे।
- **एईआरसी सार्वजनिक नीति क्लब समारोह** - फिरोज वरुण गाँधी के साथ में ए-लीग के छात्रों ने सांसदों के सामाजिक-राजनीतिक सवालों के जवाब देखे गए।
- दिसंबर में, एईआरसी ने समान अवसर छात्रों की समिति (विकलांग व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर) और आईआईएम सहयोगी (सक्षम-सोशल कॉन्क्लेव; एलजीबीटीक्यू स्क्रीनिंग) द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के लिए ए-लीग संस्थानों को निमंत्रण दिया।

सचेतन भारत शिखर सम्मेलन

संस्थान भारत में दुनिया भर के प्रमुख शिक्षाविदों, व्यवसायियों, कॉरपोरेट्स और अन्य संगठनों की भागीदारी से एक न्यूरोसाइंस, ईआई, सचेनत शिखर सम्मेलन के आयोजन की अवधारणा विकसित कर रहा है। मालिक / भागीदार के रूप में संस्थान के साथ संभवतः एक वैश्विक वार्षिक आयोजन के रूप में इसकी कल्पना की गई है।

इन वर्षों में, संस्थान ने इनकैंपस केंद्रों की स्थापना, नीतियों, लैंगिक समानता पर पहल, समावेशिता, एलजीबीटीक्यू अधिकार, आदि सहित कई मुद्दों पर निश्चित कदम उठाए हैं। समग्र पेशकश प्रदान करते समय यह उपाय संस्थान के मुख्य क्षेत्रों जैसे उच्चक्रम प्रदर्शन और नेतृत्व से सीधे जुड़ा हुआ है।

इस समय में, यह मुद्दा उच्च प्रदर्शन उपायों का एक उपयुक्त परिणाम है। जबकि संस्थान हर साल करीब छह सौ छात्रों को तैयार करता है और कुछ ही छात्र सफलता की ऊँचाइयों को प्राप्त करते हैं। अब यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है कि उच्चक्रम उपलब्धि और सफलता, और असाधारण नेतृत्व न केवल ज्ञान और कौशल से प्रवाहित होता है , लेकि,वे विशेषताएँ जो इनको पार करती हैं जैसे कि सफलता और असफलता से निपटने की क्षमता, सामंजस्य बिठाने की क्षमता, अपने आप को और अपने आसपास के लोगों को जागरूक करने की क्षमता, दूसरों से संबंधित होने की क्षमता और लोगों को साथ लेकर चलना, आदि हैं।

इस शिखर सम्मेलन में डॉ. रिच फर्नांडीज (एसआईवाईएलआई, पूर्वगूगल सीईओ), डॉ. क्रिस्टोफर विलार्ड (न्यूरोसाइंटिस्ट एंड साइकोलॉजिस्ट, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में फैकल्टी और लेखक), डॉ. मैथ्यू लिपिपकॉट (अनुसंधान के उपाध्यक्ष और बिजनेस सॉल्यूशंस, डैनियल गोलेमैन इमोशनल इंटेलिजेंस कोचिंग एंड ट्रेनिंग प्रोग्राम्स), और डॉ. पीट हैमिल (स्ट्रोज़ी इंस्टीट्यूट) सहित कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं ने भाग लिया। शिखर सम्मेलन के बाद, हमें उपरोक्त सभी वक्ताओं से सहयोग करने में रुचि की अभिव्यक्ति मिली है।

ड 5: अंतर्राष्ट्रीयकरण

संस्थान के कार्यक्रमों और गतिविधियों के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में कई पहल की गईं।

कनाडा-भारत केंद्र

कनाडाई प्रधानमंत्री के दौरे ने इस यात्रा के द्वारा उत्पन्न की गति का लाभ उठाने के लिए एक अवसर प्रदान किया। संस्थान ने कनाडा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कनाडा सरकार की भागीदारी में संस्थान में कनाडा भारत केंद्र स्थापित करने के संबंध में एक चर्चा शुरू की है। यह दोनों देशों से संबंधित प्रबंधन, व्यापार, अर्थव्यवस्था और व्यापार से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह नॉलेज हब और लीडरशिप हब के रूप में काम करेगा, जिसकी परिकल्पना अभिनव समाधान और ज्ञान सृजन के लिए केंद्र के रूप में की जाएगी।

जुलाई में टोरंटो और ओटावा में प्रांतीय स्तर और संघीय स्तर पर कई राजनेताओं और कनाडाई सरकार के अधिकारियों के साथ अनुवर्ती बैठकें आयोजित की गईं। दोनों स्तरों पर जुड़ाव आवश्यक था क्योंकि शिक्षा कनाडा में एक प्रांतीय विषय है (संघीय स्तर पर कोई समकक्ष मंत्रालय नहीं है) जबकि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग संघीय सरकार के दायरे में आते हैं। जिनके साथ बैठकें / चर्चाएँ हुईं, उनमें से कुछ ये हैं

- सुश्री दीपिका दमेर्ला, पूर्व मंत्री ओंटारियो प्रांतीय संसद।
- श्री दीपक आनंद, ओंटारियो प्रांतीय संसद के सदस्य।
- सुश्री लिंडा जेफरी, मेयर, सिटी ऑफ़ ब्रैंपटन।
- श्री नीरज भल्ला, निदेशक, निर्वाचन क्षेत्र मामलों के लिए नवदीप बैंस के संघीय मंत्री, नवाचार, विज्ञान और आर्थिक विकास मंत्री।
- श्री परविंदर सचदेवा, संघीय मंत्री नवदीप बैंस, नवाचार, विज्ञान और आर्थिक विकास मंत्री के वरिष्ठ नीति सलाहकार।
- श्री आरोन बेली, सचिव, स्पॉटलाइट इंडिया, नवाचार, विज्ञान और आर्थिक विकास।
- श्री स्कॉट मैकलियोड, व्यापार आयुक्तभारत और पाकिस्तान, दक्षिण एशिया प्रभाग, वैश्विक मामले कनाडा।
- श्री फ्रैंक ले, उप निदेशक, विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार प्रभाग, वैश्विक मामले कनाडा।
- गैरी कॉमरफोर्ड, अध्यक्ष, न्यासी बोर्ड, ब्रॉक विश्वविद्यालय।
- शेल्डन लेवी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नेक्स्ट कनाडा।
- टोरंटो विश्वविद्यालय, कार्लटन विश्वविद्यालय, एमएआरएस, कनाडा इंडिया बिजनेस काउंसिल, इंडो कनाडा चेंबर ऑफ कॉमर्स, कनाडा भारत विश्वविद्यालय आदि से कई अन्य।

परिशिष्ट जारी

ङ

अधिसंख्य कोटा, संकाय सहयोग, संस्थागत सहयोग : कनाडा

कनाडा इंडिया फाउंडेशन (सीआईएफ) ने कनाडा के प्रधानमंत्री के प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में संस्थान का दौरा किया। यात्रा से उत्पन्न गति का लाभ उठाने के अवसर का उपयोग करते हुए, बाहरी भागीदारी विभाग ने सीआईएफ के साथ एक ऐसी व्यवस्था बनाने के लिए बातचीत की, जिसमें सीआईएफ आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कनाडा के विश्वविद्यालयों और संस्थान के साथ परामर्श में अनुकूलित अन्य हितधारकों के साथ पाँच क्षेत्र विशिष्ट बैठकों की व्यवस्था करने की आवश्यकता थी।

सीआईएफ ने हमारी आवश्यकताओं के अनुसार और उच्च शिक्षा फोरम के हिस्से के रूप में कार्यक्रमों को संरचित किया और बाद में श्री अनुराग चौधरी (प्रमुख-पूर्व छात्र और बाहरी भागीदारी) के लिए, टोरंटो विश्वविद्यालय, कैरलटन विश्वविद्यालय, रायर्सन यूनिवर्सिटी, ब्रॉक विश्वविद्यालय, शेरिडन कॉलेज, जॉर्ज ब्राउन कॉलेज और अन्य के अधिकारियों के साथ बैठकें आयोजित की। उपलब्ध समय के भीतर मैकगिल और यूबीसी जैसे अन्य लोगों के साथ बैठकें आयोजित नहीं की जा सकीं। इसने हमें पीजीपी, पीजीपीएक्स, और सीआईआईई सहित कई कार्यक्रमों के लिए संकाय और अनुसंधान सहयोग का पता लगाने और संभावनाओं का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान किया। वर्तमान में टोरंटो विश्वविद्यालय, कार्लटन विश्वविद्यालय और ब्रॉक विश्वविद्यालय के साथ चर्चा चल रही है।

स्थानीय समाचार पत्रों और रेडियो चैनलों का उपयोग व्यापक भारतीय-कनाडाई समुदाय तक पहुँच बनाने के लिए किया गया था। इसके एक हिस्से के रूप में, 10 मिनट के रेडियो प्रसारण में संस्थान और अधिसंख्य कोटा के बारे में बात की। इस कोटे पर एक संक्षिप्त लेख को भी शामिल किया गया था, जिसका उस क्षेत्र में बड़ा प्रचलन है।

कनाडा शाखा

कनाडा में बसे पूर्वछात्रों द्वारा दिखाए गई अत्यंत रुचि के कारण, पूर्वछात्र कार्यालय इन्हें एक शाखा स्थापित करने में मदद कर रहा है। पूर्वछात्रों ने इस शाखा की जिम्मेदारियों को निभाने में रुचि दिखाई है।

पीजीपीएक्स - अंतर्राष्ट्रीय विसर्जन कार्यक्रम

पीजीपीएक्स कार्यक्रम के प्रवेश में वृद्धि के साथ, विदेशी विश्वविद्यालयों / संस्थानों के साथ अतिरिक्त साझेदारी स्थापित करने के बारे में अच्छे अंतर्राष्ट्रीय विसर्जन की पेशकश करना आवश्यक हो गया है। संस्थान ने 12 स्कूलों के साथ चर्चाएँ शुरूकी हैं:

- कनाडा (मैकगिल विश्वविद्यालय, सौदर स्कूल ऑफ बिजनेस, स्कुलिच स्कूल ऑफ बिजनेस, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय)
- ऑस्ट्रेलिया (ऑस्ट्रेलियाई ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न)
- चीन (गौंघुआ स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, पेकिंग यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फुडन यूनिवर्सिटी)
- सिंगापुर (नानयांग बिजनेस स्कूल)
- यूरोप (टिलबर्ग यूनिवर्सिटी नीदरलैंड, ईएम नोर्मंडी फ्रांस)
- यूके (लिवरपूल विश्वविद्यालय)

प्रबंधन में पीएच.डी. कार्यक्रम - अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग और इंटर्नशिप

विदेशी संगठन छात्रों के लिए पीएच.डी. के अवसर पैदा करने और विश्वविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय इंटर्नशिप के लिए जाने का लाभ उठाने तरफ ध्यान आकर्षित कर रहे हैं क्योंकि वर्तमान प्रक्रिया कुछ सहयोग और अवसरों के साथ असंरचित है। लिवरपूल विश्वविद्यालय, न्यूकैसल विश्वविद्यालय और हिरोशिमा विश्वविद्यालय के साथ चर्चा चल रही है।

हिरोशिमा विश्वविद्यालय ने 2 सप्ताह से 6 महीने तक की अवधि के अनुसंधान में संलग्न होने के लिए पूर्ण वित्त पोषण के साथ पहल का समर्थन करने के लिए दो छात्रों का चयन किया है।

दुबई केंद्र

डीन पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध कार्यालय, प्रमुख-रणनीतिक संवर्धन एवं विकास के साथ काम कर रहा है ताकि विकास योजना तैयार की जा सके और क्षेत्र में पूर्वछात्रों तक पहुँच सकें। प्रमुख-एसजीडी की ओर से, कार्यालय उन पूर्वछात्रों का चयन करके उन तक पहुँच बना रहा है जो सरकार और कॉर्पोरेट्स में उपयुक्त प्रशिक्षण प्रदान करने की स्थिति में हो सकते हैं ताकि वे नेतृत्व प्रशिक्षण संबंधी अवसरों का पता लगा सकें।

परिशिष्ट जारी
ड

विदेशी संस्थानों के साथ सहयोग

सरे बिजनेस स्कूल के साथ संस्थान की साझेदारी को 11 मार्च, 2019 को औपचारिक रूप से अध्यक्ष और वी सी प्रोफेसर जीक्यू मैक्स लू द्वारा हस्ताक्षरित किया गया था। समझौता ज्ञापन अनुसंधान अनुदान, अनुसंधान अनुदानों के लिए बोली लगाने और संकाय, पीएच.डी. तथा मास्टर के छात्रों के आदान-प्रदान / पारस्परिक यात्राओं को बढ़ाने की अनुमति देता है।

मई की शुरुआत में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों के दौरे के दौरान, कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों के संबंध में संभावित सहयोग का पता लगाया गया था।

पिछली तिमाही के दौरान, नियोमा बिजनेस स्कूल के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा, विशेषकर उद्यमिता के क्षेत्रों में भागीदारी का पता लगाने के लिए आयोजित की गई।

वर्तमान में, एफपीएम छात्रों की गतिशीलता का पता लगाने के लिए न्यूकैसल विश्वविद्यालय और लिवरपूल विश्वविद्यालय के साथ चर्चा चल रही है।

ड 6: व्यक्तिगत पूर्वछात्रों, पूर्वछात्र बैचों और कॉर्पोरेट / संगठनों द्वारा योगदान

नाम	उद्देश्य	राशि (₹)
2018-19 में व्यक्तिगत पूर्वछात्रों से योगदान		
पीयूष मिश्रा (पीजीपी 1999)	वित्तीय बाजारों और अर्थव्यवस्था के लिए मिश्रा केंद्र	7,09,60,000
अरुण दुग्गल (पीजीपी 1974)	अभी प्रस्तावित किया जाना है	3,00,00,000
सुमित राजपाल (पीजीपी 1998)	अभी प्रस्तावित किया जाना है	70,96,363
पूर्व वायदों और पूर्व समझौता ज्ञापनों के अनुसार पूर्वछात्रों से व्यक्तिगत योगदान		
पी पी गुप्ता (पीजीपी 1974)	डी-6 पी पी गुप्ता छात्रावास (19 जून, 2017 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार)	2,00,00,000
सुकुमार श्रीनिवास (पीजीपी 1983)	डी-18 सुकुमार श्रीनिवास डॉर्म (12 अगस्त, 2017 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार)	1,75,00,000
प्रोफेसर दीप्ति और सुभाष भटनागर (पीजीपी 1970 और एफीएम 1975)	स्टाफ मनोरंजन क्लब (5 जनवरी, 2018 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार)	20,00,000
दीपक गुप्ता (पीजीपी 1985)	योग्यता-सह-माध्यम छात्रवृत्ति	6,50,000
2018-19 में कॉर्पोरेट्स के माध्यम से नई भागीदारी के अनुसार योगदान		
वायाकॉम 18 मीडिया प्रा. लिमिटेड	अमेरिकी उपभोक्ता अनुसंधान सम्मेलन - एशिया प्रशांत संस्करण-2019	10,00,000
मिरे एसेट फाउंडेशन इंडिया	दो एफपीएम छात्रवृत्तियाँ	7,00,000
पूर्व वायदों और पूर्व समझौता ज्ञापनों के अनुसार कॉर्पोरेट्स के माध्यम से योगदान		
टीसीएस फाउंडेशन	विक्रम साराभाई लाइब्रेरी को टीसीएस फाउंडेशन द्वारा पुनर्स्थापित और उन्नत किया गया	9,00,00,000
जेएसडब्ल्यू	जेएसडब्ल्यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी	2,50,00,000
कैडिला हेल्थकेयर लि.	डी-3 जॉयडस डॉर्म (27 सितंबर, 2017 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनके अनुसार)	1,75,00,000
आरबीएल बैंक	सीआर-1 आरबीएल बैंक क्लासरूम (5 मार्च 2017 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार)	1,25,00,000

परिशिष्ट जारी

ड

बैचों से योगदान		
पीजीपी 2002 बैच	भार रहित अनुदान	2,88,40,742
1994 बैच	संकाय विंग 1 और प्रवेश कार्यालय की तरफ योगदान	2,47,97,202
2008 बैच	परामर्श सेवा और एफपीएम छात्र सम्मेलन भागीदारी समर्थन	1,15,79,604
1983 बैच	1983 की कक्षा बैच का सीआर-6	83,46,720
1998 बैच कॉर्पस	अभी प्रस्तावित किया जाना है	67,93,000
1968 का बैच	एफपीएम कार्यालय	51,97,120
1989 बैच	प्रोफेसर ए.के. जैन केस पुरस्कार	15,48,716
पूर्वछात्र	प्रोफेसर ए.के. जैन विपणन स्वर्ण पदक	11,50,000
पीजीपी 1991	सीपएफ के तहत सेवानिवृत्त समूह सी तथा डी कर्मचारियों के लिए चिकित्सा सहायता में योगदान	6,45,600
पूर्वछात्रों से दान	सामान्य उद्देश्य	1,05,001
एफपीएम पूर्वछात्र	एफपीएम पुरस्कार निधि	17,000
कुल योग		**38,39,27,068**

ड 7: व्यक्तिगत योगदान 5 लाख रू और उससे अधिक

नाम	बैच	राशि (₹)
रवि सारथी	1968	7,09,600
थेकेमदोम नारायणन रामास्वामी	1968	6,00,000
डेविड इय्युनी	1968	5,00,000
राजन स्वरूप	1983	25,00,000
सुदीप नंदी	1983	25,00,000
विवेक मुंद्रा और हर्षवर्धन हिम्मतसिंगका	1983	13,00,000
चंदू नायर	1983	5,00,000
सुकुमार श्रीनिवास	1983	5,00,000
वेंकट वेंकटरामन	1987	5,99,612
रमेश श्रीनिवासन	1994	70,96,362
अमित कानुड़िया	1994	10,00,000
मनदीप सिंह नलवा	1994	10,00,000
सुवोजय सेनगुप्ता	1994	10,00,000
विद्या वसानिया और होमियार वसानिया	1994	10,00,000
जगरेश राणा	1994	7,09,600

परिशिष्ट जारी **ङ**

नाम	बैच	राशि (₹)
आनंद राधाकृष्णन	1994	6,00,000
मुकेश कुमार छगनलाल दवे	1994	6,00,000
जी रवींद्र रेड्डी	1994	5,00,000
गीता जैन	1994	5,00,000
जी.वी. गिरि	1994	5,00,000
हृषिकेश परांदेकर	1994	5,00,000
जावा सिंह	1994	5,00,000
के. सुकुमार	1994	5,00,000
कृष्णामूर्ति श्रीराम	1994	5,00,000
मीनाक्षी नेवतिया	1994	5,00,000
नरसिम्हन ईस्वर	1994	5,00,000
नवीन विश्वनाथ	1994	5,00,000
निखिल प्रसाद ओझा	1994	5,00,000
राजा शेखर रेड्डी	1994	5,00,000
रोली गोयल जिंदल	1994	5,00,000
श्रीकांत वेलमकन्नी	1998	15,00,000
रेन्नी थॉमस	1998	10,00,000
आनंद व्यास	1998	5,00,000
ससि किरन सुनकारा	1998	5,00,000
धीरज पोद्दार	2002	25,00,000
उत्सव गर्ग	2002	25,00,000
कुणाल मैनी / मेलिंडा चेन	2002	22,97,393
अनुज भारतीय	2002	22,18,805
नितिन जिंदल	2002	17,06,274
मोहित खुराना	2002	15,00,000
सचिर लाहोटी	2002	15,00,000
तुषार कुमार	2002	13,34,769
दिनेश गोयल	2002	10,00,000

परिशिष्ट जारी

ङ

नाम	बैच	राशि (₹)
नवीन वेंकटरमणि	2002	10,00,000
संध्या चंद्रशेखर	2002	10,00,000
विकास गुप्ता और मुकेश गुप्ता	2002	10,00,000
पंकज अरोड़ा	2002	7,09,600
सुमित छाबड़ा	2002	6,35,539
विक्रम सोनी	2002	6,34,568
श्वेता आनंद अरोड़ा	2002	6,00,000
हिमांशु सन्वालका	2002	5,00,000
लेन वर्गीस जॉर्ज	2002	5,00,000
नितिन अग्रवाल	2002	5,00,000
पंकज दुहन	2002	5,00,000
अर्जुन शेट्टी	2008	12,00,000
अक्षय नटराजन	2008	10,19,981
जयंत पी. रमन	2008	10,00,000
अरुण बालाकृष्णन	2008	7,09,600
निकिता जैन	2008	5,00,000

ढ

कार्मिक

ढ1 नई नियुक्तियाँ

संकाय

• स्वानंद देवधर	सूचना प्रणाली
• रीतिका खेड़ा	अर्थशास्त्र एवं सार्वजनिक प्रणाली समूह
• सौरव बोरहा	विपणन
• सुभदीप रॉय	विपणन
• आदित्य मोसस	मानव संसाधन प्रबंधन
• चिरंतन चटर्जी	व्यापार नीति एवं अर्थशास्त्र
• हरि नागराजन	कृषि प्रबंधन केंद्र
• देवस्मिता चक्रवर्ती	आरजेएमसीईआई

स्टाफ

• श्री सुधीश नांबियाथ	प्रमुख-आईजीपीसी
• श्री अश्विन सुहास जोशी	प्रमुख, रणनीतिक विकास और व्यवसाय विकास, ईईपी
• श्री संजय कुमार त्रिपाठी	संबंध प्रबंधक, पीजीपीएक्स
• सुश्री पूजा सेली	अधिकारी, ईईपी
• श्री सौरभ सोनी	इलेक्ट्रिकल इंजीनियर
• श्री विनय चौहान	प्रबंधक, संविदा
• श्री श्रेयस भंडारी	जूनियर इंजीनियर-सिविल (बिल्डिंग)
• श्री अभिषेक आर. मौर्या	कार्यक्रम समन्वयक, ईईपी
• श्री संजय दर्शन	कार्यक्रम समन्वयक, ईईपी
• सुश्री नम्रता मौलिक कंसारा	कार्यक्रम समन्वयक, ईईपी
• श्री हेमलकुमार वाजा	प्रशासनिक सहायक, ईईपी
• सुश्री देवीना सिंह शेखावत	सोशल मीडिया समन्वयक, ईईपी
• श्री ध्यानेश व्यास	वेब सहायक, पूर्वछात्र कार्यालय
• श्री विमल प्रमोदभाई पटेल	लेखा सहायक, ईईपी
• सुश्री स्वाथी गुरुमूर्ति	ग्राहक लेखा सहयोगी (संबंध और एमआईएस), ईईपी
• सुश्री अंजना सुरेश	कार्यक्रम समन्वयक, ईईपी
• श्री स्वेतांगकुमार पंचाल	विपणन सहायक, ईपीजीपी
• सुश्री अंशु तिवारी	कार्यक्रम समन्वयक, ईईपी
• सुश्री शगुफ्ता कुरैशी	विपणन सहायक, ईईपी
• सुश्री काव्या सजवान	कार्यक्रम समन्वयक (ईलर्निंग), ईईपी
• सुश्री शैली पटेल	प्रोजेक्ट फैसिलिटेटर, ईईपी
• श्री प्रतीक जॉन चौहान	कार्यक्रम समन्वयक, ईईपी
• श्री जय अल्केशकुमार वोरा	कार्यालय सहायक (आईटी), पीजीपीएक्स
• सुश्री विधी पी. कोटक	संकाय सचिव / लिपिक सहायक
• सुश्री आनल पंकजकुमार शाह	लिपिक सहायक, भंडार एवं क्रय कार्यालय
• सुश्री रिद्धिका ठाकर	संकाय सचिव / लिपिक सहायक
• सुश्री देवल ओझा	लिपिक सहायक, पीजीपी कार्यालय / संकाय सचिव
• श्री अक्षय एस. हंसराजानी	लिपिक सहायक, मानव संसाधन कार्यालय
• सुश्री वैशाली पारेख	लिपिक सहायक, निदेशक कार्यालय
• सुश्री हेना नायर	लिपिक सहायक / संकाय सचिव

- श्री राहुल परसानी — लिपिक सहायक, एफपीएम कार्यालय
- श्री संदीप जयदेवभाई पटेल — लिपिक सहायक, गृह प्रबंध कार्यालय
- सुश्री निधि सोमन — लिपिक सहायक, ई-पीजीपी कार्यालय

ढ 2 त्यागपत्र / समयावधि पूर्ण / तकनीकी त्यागपत्र

संकाय

- प्रोफेसर वेगार्ड इवरसन — 30 जून, 2018 को त्यागपत्र दिया
- प्रोफेसर आशीष जलोटे परमार — 13 जुलाई, 2018 को कार्यकाल पूर्ण
- प्रोफेसर जी. रघुराम — 21 फरवरी, 2019 को तकनीकी त्यागपत्र
- प्रोफेसर धीरज शर्मा — 28 फरवरी, 2019 को त्यागपत्र समझा गया

स्टाफ

- श्री दीपक मोतीरमानी — 29 जून, 2018 को त्यागपत्र
- श्री भास्करन एन. — 01 अक्टूबर, 2018 को त्यागपत्र
- श्री चंद्रेश शाह — 08 अक्टूबर, 2018 को त्यागपत्र
- सुश्री रुचि अग्रवाल — 12 नवंबर, 2018 को त्यागपत्र
- सुश्री साक्षी माहेश्वरी — 28 फरवरी, 2019 को त्यागपत्र
- श्री नवीनचंद्र पटेल — 31 मार्च, 2019 को त्यागपत्र
- श्री रंगनाथन सौरीराजन — 31 मार्च, 2019 को कार्यकाल पूर्ण

संस्थान सभी उपरोक्त सदस्यों को अपनी शुभकामनाएँ प्रदान करता है।

ढ 3 सेवानिवृत्ति

इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित संकाय सदस्य सेवानिवृत्त हुए :

- प्रोफेसर रवींद्र ढोलकिया — 30 अप्रैल, 2018 को सेवानिवृत्त
- प्रोफेसर एन. रविचंद्रन — 30 सितंबर, 2018 को सेवानिवृत्त

निम्नलिखित कर्मचारी वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए :

- श्री सुदर्शनन एम. एस. — 31 मई, 2018 को सेवानिवृत्त
- श्री बालूभाई बदाजी खराड़ी — 31 मई, 2018 को सेवानिवृत्त
- श्री नाथू एल. भाटी — 31 मई, 2018 को सेवानिवृत्त
- श्री दोलतभाई छमाभाई पटेल — 30 जून, 2018 को सेवानिवृत्त
- श्री सुखदेव डी. कलमा — 31 जुलाई, 2018 को सेवानिवृत्त
- श्री कमलेश जी. गाँधी — 31 अगस्त, 2018 को सेवानिवृत्त
- सुश्री हर्षा चिनुभाई खत्री — 31 अगस्त, 2018 को सेवानिवृत्त
- श्री सुनील कल्याणभाई शाह — 30 सितंबर, 2018 को सेवानिवृत्त
- श्री हीरा पुना सोलंकी — 31 जनवरी, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री मन्नालिल पेल्ली बेबी — 28 फरवरी, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री उपेंद्रकुमार पी. पंड्या — 31 मार्च, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री अजय एन. सुथार — 31 मार्च, 2019 को सेवानिवृत्त
- श्री बदाभाई आर. राठौड़ — 31 मार्च, 2019 को सेवानिवृत्त

संस्थान इन्हें इनकी दीर्घकालीन, समर्पित और विशिष्ट सेवा के लिए धन्यवाद देता है।

ढ 4 स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

स्टाफ

• सुश्री लक्ष्मी डी. परजिया स्वेच्छा से 16 जुलाई, 2018 को सेवानिवृत्त

ढ 5 स्वर्गवास

• श्री दीपक भोजक 15 मार्च, 2019 को स्वर्गवास

संस्थान इनकी असामयिक मृत्यु पर गहरी सहानुभूति व्यक्त करता है।

ढ 6 अनुपस्थिति की स्वीकृति

• प्रोफेसर विजय पॉल शर्मा को 01 जून, 2016 से 31 मई, 2021 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
• प्रोफेसर जी रघुराम को 22 फरवरी, 2017 से 21 फरवरी, 2019 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
• प्रोफेसर धीरज शर्मा को 01 मार्च, 2017 से 28 फरवरी, 2019 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
• प्रोफेसर कीर्ति शारदा को 01 जुलाई, 2017 से 30 जून, 2018 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
• प्रोफेसर टी. बंद्योपाध्याय को 14 मई, 2018 से 29 जून, 2018 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
• प्रोफेसर अभिमान दास को 19 अगस्त, 2018 से 30 सितंबर, 2018 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
• प्रोफेसर चिरंतन चटर्जी को 26 अगस्त, 2018 से 7 सितंबर, 2019 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
• प्रोफेसर देबजीत रॉय को 1 सितंबर, 2018 से 30 जून, 2019 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
• प्रोफेसर अप्रतिम गुहा को 18 फरवरी, 2019 से 17 फरवरी, 2021 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।

स्टाफ

• श्री मल्लिकार्जुन डोरा को 3 सितंबर, 2018 से एक वर्ष के लिए बिना वेतन के छुट्टी दी गई।

ढ 7 फिर से शामिल हुए

संस्थान के निम्नलिखित संकाय सदस्य वेतन के बिना छुट्टी का लाभ लेने के बाद फिर से शामिल हुए :

• प्रोफेसर कीर्ति शारदा
• प्रोफेसर तथागत बंद्योपाध्याय
• प्रोफेसर अभिमान दास

ढ 8 पदोन्नति एवं वित्तीय उन्नयन

संकाय

• प्रोफेसर सुंदरवल्ली नारायणस्वामी को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
• प्रोफेसर पृथा देव को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
• प्रोफेसर अंकुर सरीन को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
• प्रोफेसर अमित गर्ग को वेतन स्तर 15 में रखा गया है।

स्टाफ

• डॉ. मुकेश शर्मा
• श्री हरीश के. राठौड़
• सुश्री उमा भास्करन
• सुश्री सुगता एं नायर
• श्री टी. प्रसाद
• श्री अजय सुथार
• श्री हिमांशु भट्ट
• श्री चंद्रशेखर सोलंकी
• श्री उर्मिल अंजारिया
• सुश्री सावित्रीअम्मा पी.

परिशिष्ट जारी

ढ

- श्री अनिल एम. चौबल
- श्री प्रहलाद एस. पटनी
- सुश्री विजी बीजोय
- श्री बुधाभाई एस. वाघेला
- सुश्री जया दिनेश नायर
- श्री अभिजीत दिलीपसिंह महिडा
- श्री विजयकुमार आर. मिश्रा
- श्री अशोक बोरिचा
- श्री शेख मोहम्मद अकबर जी.
- सुश्री सुजाता जयप्रकाश
- श्री कृतग्न जी. पटेल
- श्री किरीट नरसिंहभाई गोसालिया
- श्री प्रकाश बी. राठौड़
- श्री अशोक वाघेला
- श्री बालूभाई बी. खराड़ी
- श्री मनीष एन. नायर
- श्री नरेश चौधरी
- श्री संजयसिंह आर. सिंह

स्टाफ (वित्तीय उन्नयन)

- श्री सुदर्शनन एम. एस.
- श्री उपेंद्रकुमार पी. पंड्या
- सुश्री पुष्पा हरिहरन
- श्री खोडाभाई मकवाना
- श्री लक्ष्मणसिंह राजपूत
- श्री कनाभाई देवाभाई भट्टी
- श्री एस. बाबू
- श्री राजकुमार पासी
- श्री हीरा पूना सोलंकी
- श्री दिलीप एम. परमार

ढ 9 कार्मिक संख्या

वर्ष	संकाय	शैक्षणिक सहयोगी	प्रशासनिक कर्मचारी	कुल
2009-10	92	68	329	489
2010-11	88	71	327	486
2011-12	88	66	316	470
2012-13	85	70	291	446
2013-14	90	65	269	424
2014-15	95	72	286	453
2015-16	98	68	289	391
2016-17	94	64	293	451
2017-18	98	75	289	462
2018-19	**96**	**80**	**303**	**479**

परिशिष्ट जारी

ढ

ढ 10 संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में उच्चतम पारिश्रमिक और उनके योगदान वाले संकाय

प्रोफेसर संजय वर्मा

1. दीर्घ अवधि के निम्न कार्यक्रमों में पढ़ाया :

अ. एमबीए (दो वर्ष का कार्यक्रम) - 3

ब. पीएच.डी. - 1

स. एएफपी - 3

2. निम्नलिखित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में पढ़ाया :

अ. ओईपी, सीईपी और मिश्रित शिक्षण कार्यक्रमों के लिए संकाय अध्यक्ष / सहअध्यक्ष - 17

ब. संकाय सदस्य (ओईपी की संख्या) - 18

स. संकाय सदस्य (सीईपी की संख्या) - 31

3. अनुसंधान और प्रकाशन :

पंजीकृत केसों की संख्या - 4

4. अन्य :

अ. कॉर्पोरेट या शैक्षणिक बोर्डों की सदस्यता - 3

ब. आईआईएमए में प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ

- सदस्य - ईईपी समिति
- सदस्य - एफआरसी विपणन क्षेत्र
- प्रवेश साक्षात्कार - एफपीएम

प्रोफेसर सुनील माहेश्वरी

1.दीर्घ अवधि के निम्न कार्यक्रमों में पढ़ाया :

अ. एमबीए (दो वर्ष का कार्यक्रम) - 5

ब. एमबीए (कार्यकारियों के लिए एक वर्ष का कार्यक्रम) - 4

स. ईपीजीपी -1

2. निम्नलिखित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में पढ़ाया :

अ. ओईपी, सीईपी और मिश्रित शिक्षण कार्यक्रमों के लिए संकाय अध्यक्ष / सह-अध्यक्ष - 12

ब. संकाय सदस्य (ओईपी की संख्या) - 16

स. संकाय सदस्य (सीईपी की संख्या) - 24

3. पीएच.डी. कार्यक्रम में योगदान :

अ. शोधप्रबंध सलाहकार समिति सदस्य - 1

4. अनुसंधान और प्रकाशन :

अ. पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या - 2

5. सलाहकार सेवाएँ : 2

अ. जल संसाधन मंत्रालय में पुनर्गठन - केंद्रीय जल आयोग

ब.एनटीपीसी स्कूल ऑफ बिजनेस के लिए सलाह और विकास के तरीके

6. अन्य :

अ. कॉर्पोरेट या शैक्षणिक बोर्डों की सदस्यता - 3

ब. आईआईएमए में प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ

- ईपीजीपी कार्यकारी समिति के सदस्य
- मानव संसाधन प्रबंधन विषय क्षेत्र के अध्यक्ष
- प्रवेश साक्षात्कार - ईपीजीपी, एफपीएम

परिशिष्ट जारी **ढ**

प्रोफेसर शैलेष गाँधी

1. दीर्घ अवधि के निम्न कार्यक्रमों में पढ़ाया :

अ. एमबीए (दो वर्ष का कार्यक्रम) - 4

ब. एमबीए (कार्यकारियों के लिए एक वर्ष का कार्यक्रम) - 4

स. एएफपी - 1

2. निम्नलिखित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में पढ़ाया :

अ. ओईपी, सीईपी और मिश्रित शिक्षण कार्यक्रमों के लिए संकाय अध्यक्ष / सह-अध्यक्ष - 12

ब. संकाय सदस्य (ओईपी की संख्या)- 17

स. संकाय सदस्य (सीईपी की संख्या) - 30

3. अन्य :

अ. कॉर्पोरेट या शैक्षणिक बोर्डों की सदस्यता - 6

ब. आईआईएमए में प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ :

- डीन (कार्यक्रम)
- प्रवेश साक्षात्कार : पीजीपी, पीजीपीएक्स
- ईआरपी परियोजना
- रैंकिंग - एनआईआरएफ, एफटी, क्यूएस, अन्य

प्रोफेसर नेहारिका वोहरा

1. दीर्घ अवधि के निम्न कार्यक्रमों में पढ़ाया :

अ. एमबीए (दो वर्ष का कार्यक्रम) - 10

ब. एमबीए (कार्यकारियों के लिए एक वर्ष का कार्यक्रम) - 1

स. पीएच.डी. - 3

द. ईपीजीपी -2

ई. एफडीपी - 1

2. निम्नलिखित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में पढ़ाया :

अ. ओईपी, सीईपी और मिश्रित शिक्षण कार्यक्रमों के लिए संकाय अध्यक्ष / सह-अध्यक्ष - 15

ब. संकाय सदस्य (ओईपी की संख्या) - 13

स. संकाय सदस्य (सीईपी की संख्या) - 35

3. पीएच.डी. कार्यक्रम में योगदान :

अ. शोधप्रबंध सलाहकार समिति सदस्य - 2

4. अनुसंधान और प्रकाशन :

अ. पंजीकृत केसों की संख्या - 2

ब. पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या - 2

स. प्रकाशित पुस्तकें - 1 (संगठनात्मक व्यवहार का 18वाँ संस्करण। एस रॉबिन्स और टीए जज के साथ सह-लेखक)

5. सलाहकार सेवाएँ : 4

अ. आईआईएम इंदौर में संकाय पदोन्नति के लिए समीक्षक

ब. एआईटी बैंकॉक के लिए शोधप्रबंध की जाँच

स. गोवा विश्वविद्यालय के लिए शोधप्रबंध की जाँच

द. आईआईएम कोझिकोड के लिए शोधप्रबंध की जाँच

6. अन्य :

अ. कॉर्पोरेट या शैक्षणिक बोर्डों की सदस्यता - 10

ब. पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों की सदस्यता

- मनोवैज्ञानिक अध्ययन के एसोसिएट संपादक
- मानव संसाधन प्रबंधन आधारित साक्ष्य का संपादकीय सलाहकार बोर्ड
- भारतीय व्यापार अनुसंधान जर्नल का संपादकीय सलाहकार बोर्ड

स. आईआईएमए में प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ :

- अध्यक्ष - सीआईआईई पहल
- बोर्ड सदस्य - सीआईआईई पहल
- प्रवेश साक्षात्कार : पीजीपी, पीजीपीएक्स, एफपीएम
- सदस्य पुस्तकालय समिति
- एसपीसीडीसी के लिए मार्गदर्शक

प्रोफेसर अमित कर्णा

1.दीर्घ अवधि के निम्न कार्यक्रमों में पढ़ाया :

अ. एमबीए (दो वर्ष का कार्यक्रम) - 5

ब. एमबीए (कार्यकारियों के लिए एक वर्ष का कार्यक्रम) - 2

स. पीएच.डी. - 1

2. निम्नलिखित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में पढ़ाया :

अ. ओईपी, सीईपी और मिश्रित शिक्षण कार्यक्रमों के लिए संकाय अध्यक्ष / सह-अध्यक्ष - 18

ब. संकाय सदस्य (ओईपी की संख्या) - 16

स. संकाय सदस्य (सीईपी की संख्या) - 29

3. पीएच.डी. कार्यक्रम में योगदान :

अ. शोध-प्रबंध सलाहकार समिति सदस्य - 1

4. अनुसंधान और प्रकाशन :

अ. पंजीकृत केसों की संख्या - 2

ब. पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों की संख्या - 3

परिशिष्ट जारी **ढ**

5. अन्य :

अ. कॉर्पोरेट या शैक्षणिक बोर्डों की सदस्यता - 01

ब. पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों की सदस्यता

- प्रबंधन पत्रिका (एफटी 50)
- जर्नल ऑफ वर्ल्ड बिजनेस
- लंबी दूरी की योजना
- विकल्प में एसोसिएट संपादक-निर्णय निर्माताओं के लिए एक पत्रिका
- विकल्प में एसोसिएट संपादक-एशिया बिजनेस स्टडीज की पत्रिका

स. आईआईएमए में प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ :

- व्यापार नीति विषय क्षेत्र-अध्यक्ष
- बोर्ड सदस्य - सीआईआईई पहल
- प्रवेश साक्षात्कार पीजीपी, एफपीएम
- सदस्य पीजीपी कार्यकारी समिति
- सदस्य ईईपी समिति
- अध्यक्ष - स्थानन समिति
- सदस्य विकल्प कार्यकारी समिति
- सदस्य - सीएसी
- सदस्य - निदेशक और संकाय की समीक्षा के लिए सुझाव देने वाली समिति

ण

शासक मंडल

अध्यक्ष

श्री कुमार मंगलम बिड़ला
अध्यक्ष, आदित्य बिड़ला समूह, मुंबई

सदस्य

आर. सुब्रमण्यम
सचिव
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली
(12 नवंबर, 2018 तक)

संजय कुमार सिन्हा, आईएफएस
संयुक्त सचिव, (प्रबंधन एवं भाषा)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

अंजू शर्मा
प्रमुख सचिव
(उच्च एवं तकनीकी शिक्षा)
शिक्षा विभाग
गुजरात सरकार, गाँधीनगर

डॉ. नवीनचंद्र शेठ
कुलपति
गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
अहमदाबाद
(30 जुलाई, 2018 तक)

टी. वी. राव
अध्यक्ष, टीवीआरएलएस
अहमदाबाद
(21 दिसंबर, 2018 तक)

अशांक देसाई
संस्थापक एवं पूर्वअध्यक्ष
मास्टेक लिमिटेड, मुंबई

डॉ. हसित जोशीपुरा
सदस्यकार्यकारी प्रबंधन समिति एवं प्रमुखकॉर्पोरेट केंद्र
लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड
मुंबई

रूपा कुडवा
सहभागी एवं प्रबंध निदेशक
ओमिड्यार नेटवर्क इंडिया एडवाइजर्स प्रा. लिमिटेड, मुंबई

सदस्य

प्रदीप के. चिंतागुंटा
जोसेफ टी. एवं बर्निस एस. लुईस
विशिष्ट सेवा विपणन के प्रोफेसर
शिकागो विश्वविद्यालय
बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस
अमेरीका

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड
अहमदाबाद

तथागत बंद्योपाध्याय
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंधन संस्थान
अहमदाबाद

विजया शेरी चंद
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंधन संस्थान
अहमदाबाद

किरण कर्णिक
पूर्व अध्यक्ष, नैसकॉम
नई दिल्ली
(27 सितंबर, 2018 तक)

डॉ. श्रीकांत एम. दातार
लेखांकन के आर्थर लोव्स डिकिंसन प्रोफेसर
हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए
(27 सितंबर, 2018 तक)

सुनील कांत मुंजाल
अध्यक्ष
हीरो एंटरप्राइज
नई दिल्ली

अलका भरूचा
सहभागी
भरूचा एंड पार्टनर्स
मुंबई

परिशिष्ट जारी

ण

सदस्य
काकु नखाटे अध्यक्ष एवं देश प्रमुख (भारत) बैंक ऑफ अमेरिका, एन.ए. मुंबई
संजीव डांगी उत्तर भारत अध्यक्ष दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई), नई दिल्ली

सदस्य
एर्रोल डिसूज़ा निदेशक भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
सचिव **कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद

त

प्रशासन, संकाय, अधिकारी एवं अनुसंधान स्टाफ

प्रशासन

निदेशक

एर्रोल डिसूज़ा
पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

डीन (संकाय)

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच.डी. (कलकत्ता विश्वविद्यालय)

डीन (कार्यक्रम)

शैलेश गाँधी
फेलो (आईआईएमए)

डीन (पूर्व छात्र एवं बाह्य संबंध)

राकेश बसंत
पीएच.डी. (गुजरात विश्वविद्यालय)

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
एम.ई. (पुणे), वित्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर (मुंबई विश्वविद्यालय), व्यवसाय प्रशासन में कार्यक्रम (आईआईएमए), पीएमआई का व्यवसायिक परियोजना प्रबंधन (पीएमपी), संकाय सदस्य

पुस्तकालयाध्यक्ष

अनिल कुमार एच.
पीएच.डी. (म.स.विश्वविद्यालय)
संकाय सदस्य

संकाय

व्यापार नीति

अजीत नारायण माथुर
पीएच.डी. (आईआईएस, बैंगलोर)

अखिलेश्वर पाठक
पीएच.डी. (एडिनबर्ग विश्वविद्यालय)

अमित कर्णा
फेलो (आईआईएमए)

अनीश शुगथन
फेलो (आईआईएमबी)

अनुराग के. अग्रवाल
एल.एल.एम. (हार्वर्ड), एल.एल.डी. (लखनऊ विश्वविद्यालय)

आशीष जलोटे परमार
पोस्ट डॉक्टरल (डेल्फ़्ट विश्वविद्यालय)
पीएचडी (डेल्फ़्ट यू विश्वविद्यालय)

चिरंतन चटर्जी
पीएच.डी. (करनेगी मेलों विश्वविद्याल)

चित्रा सिंगला
फेलो (आईआईएमबी)

एम. पी. राम मोहन
पीएच.डी. (आईआईटी, ख़डगपुर)

मुकेश सूद
फेलो (आईआईएमबी)

सुनील शर्मा
फेलो (आईआईएमए)

कृषि प्रबंधन केंद्र

हरि नागराजन
पीएच.डी. (ओक्लाहोम विश्वविद्यालय)

पूर्णिमा वर्मा
पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरूविश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

रंजन कुमार घोष
पीएच.डी. (हम्बोल्ट विश्वविद्यालय, बर्लिन)

सुखपाल सिंह
पीएच.डी. (आईएसईसी, बैंगलोर)

वसंत पी. गाँधी
पीएच.डी. (स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय)

विजय पॉल शर्मा
पीएच.डी. (एनडीआरआई करनाल)

संचार

आशा कौल
पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर)

मीनाक्षी शर्मा
पीएच.डी. (क्वींसलैंड विश्वविद्यालय)

वैभवी कुलकर्णी
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

परिशिष्ट जारी

त

अर्थशास्त्र

अभिमान दास
पोस्टडॉक्टरल रिसर्च फेलो (एमआईटी, यूएसए)
पीएच.डी. (आईआईपीएस, मुंबई)

अनिन्दय चक्रवर्ती
पीएच.डी. (बोस्टन विश्वविद्यालय)

चिन्मय तुम्बे
फेलो (आईआईएम बैंगलोर)

चिरंतन चटर्जी
पीएच.डी. (करनेगी मेलों विश्वविद्याल)

एर्रोल डिसूजा
पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

जीवंत रामपाल
पीएच.डी. (ओहायो स्टेट विश्वविद्यालय)

पृथा देव
पीएच.डी. (न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय)

राकेश बसंत
पीएच.डी. (गुजरात विश्वविद्यालय)

रवींद्र एच. ढोलकिया
पीएच.डी. (म.स. विश्वविद्यालय)

रीतिका खेडा
पीएच.डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय)

संकेत मोहपात्रा
पीएच.डी. (कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क)

सतीश देवधर
पीएच.डी. (ओहायो स्टेट विश्वविद्यालय)

सेबस्टियन मॉरिस
फेलो (आईआईएमसी)

श्रुति शर्मा
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

वेगार्ड इवर्सन
पीएच.डी. (कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय)

विश्वनाथ पिंगाली
पीएच.डी. (नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय)

वित्त एवं लेखा

अजय पांडेय
फेलो (आईआईएमए)

जयंत आर. वर्मा
फेलो (आईआईएमए)

जोशी जेकब
फेलो (आईआईएमएल)

नमन देसाई
पीएच.डी. (फ्लोरिडा विश्वविद्यालय)

नीरव नागर
फेलो (आईआईएमसी)

शैलेश गाँधी
फेलो (आईआईएमए)

सिद्धार्थ सिन्हा
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

सोभेश कुमार अग्रवाल
फेलो (आईआईएमए)

टी.टी. राम मोहन
पीएच.डी. (स्टर्न स्कूल, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय)

विनीत विरमानी
फेलो (आईआईएमए)

मानव संसाधन प्रबंधन

आदित्य मोसेस
फेलो (आईआईएमबी)

बीजू वर्की
फेलो (एनआईबीएम, पुणे)

मंजरी सिंह
फेलो (आईआईएमसी)

मिगुएल सर्रियन
पीएचडी (स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल, यूके)

प्रोमिला अग्रवाल
पीएच.डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय)

राजेश चंदवानी
फेलो (आईआईएमबी)

सुनील कुमार माहेश्वरी
फेलो (आईआईएमए)

सूचना प्रणालियाँ

कविता रंगनाथन
पीएच.डी. (शिकागो विश्वविद्यालय)

मनीष अग्रवाल
पीएच.डी. (आईआईटी, दिल्ली)

रेखा जैन
पीएच.डी. (आईआईटी, दिल्ली)

सम्राट गुप्ता
पीएच.डी. (फेलो, आईआईएमएल)

संजय वर्मा
फेलो (आईआईएमसी)

श्रीकुमार कृष्णमूर्ति
फेलो (आईआईएमएल)

स्वानंद देवधर
पीएच.डी. (मिनेसोटा विश्वविद्यालय)

परिशिष्ट जारी **त**

विपणन

अक्षया विजयालक्ष्मी
पीएच.डी. (आयोवा विश्वविद्यालय)

आनंद कुमार जायसवाल
फेलो (एक्सएलआरआई)

अरिंदम बनर्जी
पीएच.डी. (स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयोर्क)

अरुणा दिव्या टी.
फेलो (आईआईएम बैंगलोर)

अरविंद सहाय
पीएच.डी. (टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन)

धीरज शर्मा
पीएच.डी. (लुइसियाना तकनीकी विश्वविद्यालय)

सौम्या मुखोपाध्याय
पीएच.डी. (नानयांग टेक्नोलोकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर)

सौरव बोराह
फेलो (आईआईएमबी)

सुभदीप रॉय
पीएच.डी. आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, देहरादून

संगठनात्मक व्यवहार

अमित नंदकियोलयार
पीएच.डी. (आयोवा विश्वविद्यालय)

अर्नेस्टो नोरोन्हा
पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुंबई)

जॉर्ज कंडाथिल
पीएच.डी. (कॉर्नेल विश्वविद्यालय)

के. वी. गोपाकुमार
फेलो (आईआईएम बैंगलोर)

कीर्ति शारदा
फेलो (आईआईएमसी)

नेहारिका वोहरा
पीएच.डी. (मनिटोबा विश्वविद्यालय)

परविंदर गुप्ता
पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर)

प्रद्युमन खोखले
फेलो (आईआईएमए)

प्रेमिला डीक्रूज़
पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुंबई)

विशाल गुप्ता
फेलो (आईआईएमएल)

उत्पादन एवं मात्रात्मक विधियाँ

ए.के. लाहा
पीएच.डी. (आईएसआई, कलकत्ता)

अंकुर सिन्हा
पीएच.डी. (अल्टो विश्वविद्यालय, फिनलैंड)

अप्रतीम गुहा
पीएच.डी. (कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय)

चेतन सोमन
पीएच.डी. (ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय)

देबजीत रॉय
पीएच.डी. (विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय)

धीमन भद्रा
पीएच.डी. (फ्लोरिडा विश्वविद्यालय)

दिप्तेश घोष
फेलो (आईआईएमसी)

गौतम दत्ता
पीएच.डी. (नार्थवेस्टन विश्वविद्यालय)

कार्तिक श्रीराम
फेलो (आईआईएमबी)

एन. रविचंद्रन
पीएच.डी. (आईआईटी, मद्रास)

प्रहलाद वेंकटेशन
पीएच.डी. (केस वेस्टर्न रिजर्व विश्वविद्यालय)

सचिन जायसवाल
पीएच.डी. (वाटरलू विश्वविद्यालय)

सरल मुखर्जी
फेलो (आईआईएमसी)

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच.डी. (कोलकाता विश्वविद्यालय)

सार्वजनिक प्रणाली समूह

अमित गर्ग
फेलो (आईआईएमए)

अंकुर सरीन
पीएच.डी.(शिकागो विश्वविद्यालय)

जी. रघुराम
पीएच.डी. (नार्थवेस्टन विश्वविद्यालय)

रीतिका खेडा
पीएच.डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय)

नवदीप माथुर
पीएच.डी. (रट्गेर्स विश्वविद्यालय)

राम मोहन तुरागा
पीएच.डी. (जॉर्जिया तकनीकी संस्थान, अटलांटा)

संदीप चक्रवर्ती
पीएच.डी. (दक्षिणी कैलिफ़िर्निया विश्वविद्यालय)

सुंदरवल्ली नारायणस्वामी
पीएच.डी. (आईआईटी, बॉम्बे)

परिशिष्ट जारी

त

रवि मथाई शैक्षिक नवाचार केंद्र

अंबरीश डोंगरे
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय)

देवास्मिता चक्रवर्ती
पीएच.डी. (वर्जीनिया विश्वविद्यालय)

कथन शुक्ला
पीएच.डी. (वर्जीनिया विश्वविद्यालय)

पी.जी. विजय शेरी चंद
पीएच.डी. (गुजरात विश्वविद्यालय)

सहायक संकाय

ए.के. जैन

ब्रृज कोठारी

बी.एच. जाजू

दीप्ति भटनागर

के.वी. रमणी

लील मोहन

मुकुल वसावड़ा

स्मिता प्रेमचंदर

अधिकारी

अभिजीत जगम
बी.टेक., मार्केटिंग एवं एचआरएम में स्नातकोत्तर
प्रबंधक - ईआरपी

अजीत मोटवानी
बी.टेक. (आईआईटी कानपुर), एमबीए
प्रमुख - विकास

अल्बर्ट जेवियर
बी.एससी./एमएलएम/पीजीडी आईआरपीएम/एमबीए
प्रबंधक - विकासकार्यकारी शिक्षा

अंशुल महेता
बी.ई., एम.बी.ए., एल.एल.बी.
अधिकारी - मानव संसाधन

अनुराग चौधरी
बी.ए., प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, एमबीए
प्रमुख - पूर्वछात्र एवं बाहरी साझेदारी

अविनाश जी. लाड
एमबीए (गुजरात)
बीई (इलेक्ट्रिकल) (सौराष्ट्र)
प्रबंधक - विद्युत

भास्करन आर.
एम.ए.
कार्यक्रम अधिकारी,
छात्र गतिविधि कार्यालय

कर्नल विश्वजीत मंडल
बी.टेक./एम.ई./उन्नत विद्युत/मेकेनिकल इंजीनियरिंग
प्रमुख - इंजीनियरिंग एवं परियोजनाएँ

दीपक भट्ट
पीजीडीएम, एचआरएम में डिप्लोमा, विदेश व्यापार में डिप्लोमा, ईपीएचआरएम, पीजीडीटी एंड डी
प्रबंधक - संचार

दीपक मोतीरमानी
बी.ई., एमबीए
प्रबंधक - केस केंद्र

दिनेशकुमार डी. जोशी
मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
व्यवसाय प्रबंधन में डिप्लोमा
बी. ए.
गृह प्रबंधन अधिकारी

इशिता निलेश सोलंकी
सामाजिक संप्रेषण एवं जनसंचार में डिप्लोमा (महाराष्ट्र)
ग्रामीण विकास प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (आईआरएमए)
एचआरएम में विशेषज्ञता डिप्लोमा (इग्नू)
मुख्य प्रबंधक - प्रत्यायन एवं रैंकिंग

जतिन एम. नागोरी
एम.कॉम, एल.एल.बी. (गुजरात)
निर्यात विपणन प्रबंधन में डिप्लोमा (आईआईई, बड़ौदा)
प्रबंधक - पीजीपीएक्स

जयंत भट्ट
एम.एससी. (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा (एस.पी.यू.)
प्रबंधक आईटी - वेब सेवाएँ

कलापी चेतनभाई शाह
सनदी लेखाकार
अधिकारी - वित्त

कमलेश गाँधी
बी.ई. (सिविल) (गुजरात)
प्रबंधक - परियोजनाएँ, संपत्ति एवं रखरखाव

कौशिक डी. भट्ट
एम.कॉम, एल.एल.बी. तीय
लेखा अधिकारी

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
बी. कॉम., एसीएस
मुख्य प्रबंधक, लेखा

मोहन पालीवाल
एम.कॉम, (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (गुजरात विद्यापीठ)
प्रबंधक - आईटी(शैक्षणिक सेवाएँ)

लेफ्टिनेंट कमांडर मोनिका दत्ता
एम.एससी. (भौतिक विज्ञान)
प्रबंधक - निदेशक कार्यालय

डॉ. मुकेश शर्मा
एम.ए. (लोक प्रशासन) (राजस्थान विश्वविद्यालय)
एम.ए. (हिंदी) (उस्मानिया विश्वविद्यालय)
एम.फिल. (कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय)
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)
प्रबंधक - हिंदी

परिशिष्ट जारी

त

एन. भास्करन
बी.टेक., प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा, एमबीए
अधिकारी - कार्यकारी शिक्षा

नवीनचंद्र पटेल
बी.कॉम., सी.ए.
मुख्य प्रबंधक - वित्त एवं लेखा

नीरज जैन
बी.ई. (आईआईटी रूड़की)
मुख्य प्रबंधक - सीआईआईई

पंकजकुमार के. भट्ट
एम.कॉम.
प्रबंधक - लेखा

प्रदोष वी. थिया
बी. ए.
सुविधा अधिकारी

प्रणय श्रीवास्तव
बी.टेक. (सिविल) (अवध)
एमबीए (निरमा विश्वविद्यालय)
मुख्य प्रबंधक - परियोजना, संपत्ति एवं रखरखाव

प्रवीण जी. क्रिश्चियन
एम.कॉम, एल.एल.बी. (द्वितीय)
कार्यक्रम अधिकारी, पीजीपी - एफएबीएम

पूजा सेली
बीए, पीजीडीबीए
अधिकारी, ईईपी

पुष्पा हरिहरन
एम.ए.
मा.सं.प्र. / डीएमएस डिप्लोमा
सामग्री प्रतिकृति अधिकारी

रामचंद्रन के.वी.
बी.कॉम. (मद्रास)
पी.जी. डिप्लोमा एचआरएमऔर कार्मिक (एम्स, चेन्नई)
कंप्यूटर एपलीकेशन में डिप्लोमा (अहमदाबाद)
प्रबंधक - मानव संसाधन

रंगनाथन सौरीराजन
बी.ई., पीजीडीएम
प्रमुख - कार्यकारी शिक्षा

रवींद्रनाथ एन. पंड्या
बीएससी (भौतिक विज्ञान),
ईडीपी और कंप्यूटर प्रबंधन में डिप्लोमा
व्यवसाय उद्यमिता में डिप्लोमा
प्रबंधक - भंडार एवं क्रय

स्ची अग्रवाल
बी.ए., पीजीडीआरएम
प्रबंधक - भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र

एस. भट्टाचार्य
बी.एससी. (कोलकाता विश्वविद्यालय)
संबंध प्रबंधक

एस.एन. राव
एम.एससी. (सांख्यिकी)
एडवांस कंप्यूटिंग में डिप्लोमा
प्रमुख - मानव संसाधन

समीर शेठ
सनदी लेखाकार
प्रबंधक - पीजीपी

संजय कुमार त्रिपाठी
एम.ए., पीजीडीएमएम
संबंध प्रबंधक - पीजीपीएक्स

संतोष परब
बी.ई. (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)
प्रमुख - आईटी

सौरभ सोनी
बी.ई.
विद्युत इंजीनियर

श्रीनिवास संधिकर
बी. टेक.
प्रबंधक - संपदा

सुदर्शनन एम.एस.
एम.ए.(लोक प्रशासन) (अन्नामलाई)
प्रवेश अधिकारी

सुधीश नांबियाथ
बी.ए., पीजीडीबीए
प्रमुख - आई जी पी सी

सुनील कुमार गर्ग
एम.एससी. (उदयपुर)
एमबीए (इग्नू)
मुख्य प्रबंधक -आईटी सेवाएँ

सुनील के. शाह
बी. कॉम.
लेखा अधिकारी

यू.बी. भावसार
एम.कॉम, इंटर सीए ग्रुप1
कार्यक्रम अधिकारी - कार्यकारी शिक्षा

वाढेर हरेंद्र जे.
बी.ई. (सिविल) (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)
एमबीए (गुजरात विश्वविद्यालय)
मुख्य प्रबंधक - इंजीनियरिंग सेवाएँ एवं संपदा

विक्टर परेरा
एम.ए.
प्रबंधक - पूर्वछात्र संबंध

विनय चौहान
बी.ई., एमबीए
प्रबंधक, संविदा
एम.एससी. (उदयपुर)

पुस्तकालय

हीरल टी. पटेल
पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर (गुजरात विश्वविद्यालय)
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

मुरलीधरन के.एन.
एम. लिब. एससी. (इग्नू)
बी.कॉम. (गुजरात विश्वविद्यालय)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

डॉ. यू.पी. पंड्या
बी.एससी. (सौराष्ट्र विश्वविद्यालय)
एल.एल.बी (गुजरात विश्वविद्यालय)
डी.एल.पी. (गुजरात विश्वविद्यालय)
एम. लिब.एससी. (इग्नू)
पीएच.डी. (उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

स्थायी अनुसंधान कर्मचारी

श्रुति दवे
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)

सोनल कुरैशी
एम.बी.ए., एल.एल.बी. (गुजरात विश्वविद्यालय)

सत्यमेव जयते

भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - ३८० ००९

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Audit (Central)
Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

सेवा में,
भारत सरकार के सचिव,
मानव संसाधन विकास विभाग मंत्रालय,
माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग,
कमरा नंबर 529 शास्त्री भवन, 'सी' विंग,
नई दिल्ली - 110001

संख्याके.ले.प. (व्यय)/एसएआर/आईआईएम/अहमदाबाद/2018-19/ओडब्ल्यू-375
दिनांकः 13/11/2019

विषयः भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के वर्ष 2018-19 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदय,

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2018-19 के लिए वार्षिक खातों की लेखा परीक्षा 22.07.2019 से 05.08.2019 के दौरान भारत के लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (डीपीसी) के अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अधीन की गई।

निम्नलिखित दस्तावेजों को इसके साथ भेजा जा रहा है :

1) वर्ष 2018-19 के लिए पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं अनुलग्नक-क।

2) भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2018-19 के वार्षिक लेखाओं की प्रमाणित प्रतिलिपि।

कृपया लेखा परीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने की व्यवस्था की जाए एवं जिस दिनांक को यह प्रतिवेदन लोकसभा एवं राज्यसभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, उसकी सूचना इस कार्यालय को लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की मुद्रित प्रति के साथ दी जाए, तथा उसकी एक प्रति, भारत के लेखानियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, नई दिल्ली को पृष्ठांकित की जाए।

कृपया इस प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किए जाने से पहले तक 'गोपनीय' समझा जाए।

हस्ताक्षरित/-
उप निदेशक/आ.रा.ले.प. एवं के.ले.प. (व्यय)

संलग्नक : उपर्युक्त

प्रतिलिपि : निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रापुर, अहमदाबाद-380015

वार्षिक लेखाओं एवं पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रमाणित प्रति संलग्न है, जिसे संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने तक गोपनीय समझा जाए।

जिस दिन, लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की मुद्रित प्रति के साथ, यह पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखी जाए, उस दिनांक की सूचना, लेखापरीक्षा कार्यालय को दी जाए। मुद्रित प्रतिवेदन में प्रधान निदेशक, लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का नाम उनके पदनाम के साथ अंकित किया जाए।

हस्ताक्षरित/-
उप निदेशक/आ.रा.ले.प. एवं के.ले.प. (व्यय)

फोन / Phone : 079-26561282, 26561382, 26405882, फेक्स / Fax : 079-26560134, E-mail : pdacahmedabad@cag.gov.in

31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के लेखाओं पर भारतीय लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

हमने भारतीय प्रबंध संस्थानों के अधिनियम 2017 के अनुच्छेद 23(3) के साथ पठित लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के अधीन 31 मार्च 2019 के अनुसार, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के संलग्न तुलन पत्र और 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय तथा प्राप्ति एवं भुगतान के खातों की लेखापरीक्षा की है। इन वित्तीय विवरणों के प्रति उत्तरदायित्व, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के प्रबंधवर्ग का है। हमारा उत्तरदायित्व, हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण विधियों के साथ अनुरूपता, लेखाकरण के मानदंडों तथा प्रकटीकरण मानकों, आदि के संबंध में, इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (एसएआर) में, केवल लेखाकरण समाधान पर महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ समाविष्ट हैं। कानून, नियम एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन, आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखापरीक्षा टिप्पणियाँ, यदि कोई हैं, तो उन्हें निरीक्षण प्रतिवेदनों / लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से, पृथक रूप से दर्शाया गया है।

3. हमने यह लेखापरीक्षा, भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की अपेक्षा होती है कि हम यह तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएँ और लेखापरीक्षा करें कि ये वित्तीय विवरण, गलत बयानी से मुक्त हैं। किसी भी लेखापरीक्षा के अंतर्गत, जाँच के आधार पर, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटन शामिल होते हैं। प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधवर्ग द्वारा लगाए गए महत्त्वपूर्ण अनुमानों के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी लेखापरीक्षा में शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा, हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4. हमारे लेखापरीक्षण के आधार पर, हम प्रतिवेदित करते हैं कि :

   i. हमने वे सभी सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे संपूर्ण ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे।

   ii. इस प्रतिवेदन में वर्णित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

   iii. हमारी राय में, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद द्वारा समुचित लेखा बहियाँ और अन्य प्रासंगिक अभिलेख अनुरक्षित किए गए हैं, हमारे द्वारा इन बहियों की जाँच करने से प्रतीत हुआ है।

   iv. हम आगे बताते हैं कि

टिप्पणियाँ :

क. तुलन पत्र - शून्य

ख. आय एवं व्यय खाते

ख.1 व्यय - मूल्यह्रास व्यय (अनुसूची 19) 2.58 करोड़ रुपए

एमएचआरडी द्वारा परिभाषित वार्षिक खातों की महत्वपूर्ण लेखा नीतियों की अनुसूची 23 के अनुसार कम संचित मूल्यह्रास लागत पर अचल संपत्तियों का मूल्य लगाया गया है और अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास को सीधी रेखा विधि पर (स्ट्रेट लाइन मेथड) प्रदान किया जाना है।

हालाँकि, आईआईएमए ने मुख्य परिसर के भवन को छोड़कर आयकर (आईटी) अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट दर पर मा.सं.वि.मं के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया है और मूल्यह्रास लिखित कम मूल्य (डब्ल्यूडीवी) पद्धति से बताया है।

इसके परिणामस्वरूप, अचल संपत्तियों की अधिक-बयानी और 1.88 करोड़ रुपयों के मूल्यह्रास कीकमी हुई है। नतीजतन, इसी राशि से अधिशेष पर अधिक-बयानी दी गई थी।

ख.2 व्यय

अकादमिक व्यय (अनुसूची 15) 63.64 करोड़ रु.

इसमें वर्ष 2018-19 में आईआईएमए के पुस्तकालय के लिए खरीदे गए सामयिक पत्रों और डेटाबेस की लागत 8.29 करोड़ रुपये शामिल हैं।

नोट 4.2 के अनुसार, अनुसूची-23 - महत्त्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ, केन्द्रीय उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित वित्तीय विवरणों के प्रारूपों के अनुसार के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स (ई-जर्नल) को पुस्तकालय की पुस्तकों से अलग रखा गया है क्योंकि इनकी पहुँच ऑनलाइन सुविधा से प्राप्त की जा सकती है। ई-पत्रिका मूर्त रूप में नहीं हैं, लेकिन अस्थायी रूप से पूँजीकृत और व्यय के महत्व को देखते हुए तथा अकादमिक और अनुसंधान कर्मचारियों द्वारा अर्जित सतत ज्ञान से प्राप्त लाभ के संदर्भ में हैं। पुस्तकालय की पुस्तकों के संबंध में प्रदान 10% मूल्यह्रास के मुकाबले ई-पत्रिकाओं के संबंध में मूल्यह्रास 40% की उच्च दर पर प्रदान किया गया है।

फिर भी, इस वर्ष सामयिक पत्रों और डेटाबेस (ई-सामग्री के रूप में प्राप्त) की खरीद पर खर्च किए गए 8.29 करोड़ रुपए को पूंजीगत व्यय के तहत दर्शाने के बजाय राजस्व व्यय के रूप में दर्शाया गया है। इसके अलावा, संस्थान ने इसके लिए कोई लेखांकन नीति नहीं बनाई है।

इसके परिणामस्वरूप शैक्षणिक व्यय में 8.29 करोड़ रुपये की अधिकबयानी आई है और अचल संपत्तियों के तहत 4.97 करोड़ रुपये (8.29-3.32) की कमी हुई है तथा 3.32 करोड़ रुपए के मूल्यह्रास / परिशोधन की कमी और 4.97 करोड़ रुपए के अधिशेष की अधिक-बयानी हुई है।

ग सामान्य

ग.1 देनदारों और लेनदारों से शेष की पुष्टि की अप्राप्ति

संस्थान ने देनदारों और लेनदारों से शेष की पुष्टि प्राप्त नहीं की है।

घ. सहायता अनुदान

पिछले वर्ष के अव्ययित सहायता अनुदान में शेष राशि 1.93 करोड़ रुपए थी। वर्ष 2018-19 के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान की राशि 3.90 करोड़ रुपए थी और इस पर 16.17 लाख रुपए का ब्याज अर्जित किया गया। संस्थान 3.90 करोड़ रुपए की धनराशि का उपयोग कर सकता है। सहायता अनुदान की वर्ष के अंत में शेष राशि 2.09 करोड़ रुपए थी।

ङ. लेखापरीक्षा का कुल प्रभाव

इस लेखापरीक्षा का कुल प्रभाव यह है कि संपत्ति में 3.09 करोड़ रुपये की कमी दर्शाई गई है और वर्ष के दौरान अधिशेष मे 6.85 करोड़ रुपये अधिक-बयानी से दर्शाए गए हैं।

1. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम सूचना देते हैं कि इस प्रतिवेदन में दर्शाए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते लेखाबहियों के अनुरूप हैं।

   i. हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणियों के अनुसार तथा उपरोक्त महत्तवपूर्ण मामलों के संदर्भ से और इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के अनुलग्नक में दर्शाए गए अन्य मामलों के अधीन सामान्यतः भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं

   ii. जहाँ तक यह भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के मामलों की स्थिति से संबंधित 31 मार्च 2019 के तुलन पत्र से संबंधित हैं और जहाँ तक यह इस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते के अधिशेष से संबंधित हैं।

भारत के लेखा नियंत्रक व महालेखा परीक्षक की ओर से एवं कृते

हस्ताक्षरित/-

स्थान : अहमदाबाद
दिनांक : 13.11.2019

प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा (केन्द्रीय)

अनुलग्नक-क (लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के लिए)

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा (आईए) प्रणाली की उपयुक्तता:** आईआईएम में कोई आंतरिक लेखापरीक्षा अनुभाग नहीं है और वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान ने आंतरिक लेखापरीक्षा के रूप में सनदी लेखाकारों को नियुक्त किया है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता:** आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्नलिखित के संदर्भ में पर्याप्त है :

   (क) आज तक संस्थान में कोई भी आंतरिक लेखापरीक्षा अनुभाग गठित नहीं किया गया है।

3. **अचल सम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली:** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जाता है।

4. **वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली:** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जाता है।

5. **वैधानिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता:** संस्थान वैधानिक देय राशियों को जमा कराने में नियमित रहा है।

हस्ताक्षरित/-
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी/सीए (ई)

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

31 मार्च 2019 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रु. में)

निधियों का स्रोत		अनुसूची	31.03.2019 को शेष राशि	31.03.2018 को शेष राशि
निधियों का स्रोत				
कॉर्पस / पूंजीगत राशि		1	1,89,88,42,594	1,66,74,73,414
निर्दिष्ट / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि		2	7,16,68,94,205	5,73,91,73,552
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान		3	4,36,12,00,803	4,40,73,53,476
	कुल		**13,42,69,37,602**	**11,81,40,00,442**
अचल संपत्तियाँ				
वास्तविक संपत्तियाँ		4	50,58,79,675	42,09,24,093
अमूर्त संपत्तियाँ		4	40,29,012	51,14,621
पूंजीगत कार्य प्रगति पर		4	14,83,32,173	7,00,71,606
निवेश				
दीर्घकालिक		5	10,72,20,55,137	8,24,58,86,317
वर्तमान संपत्तियाँ		6	99,21,96,697	2,05,87,81,023
ऋण, अग्रिम एवं जमा		7	1,05,44,44,909	1,01,32,22,782
	कुल		**13,42,69,37,602**	**11,81,40,00,442**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ		22		
खातों के नोट्स		23		

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी
फर्म पंजीकरण नं. 006711एन / एन 500028
सनदी लेखाकार

अरविंद मोदी
सहभागी
सदस्यता संख्या 112929

दिनांक : 29.06.2019
स्थान : अहमदाबाद

एर्रोल डीसूजा
निदेशक

मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
मुख्य प्रबंधक लेखा

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते

(राशि रु. में)

विवरण	अनुसूची	2018-19	2017-18
आय			
अकादमिक प्राप्तियाँ	8	2,30,99,29,173	2,09,58,74,959
अनुदान / सब्सिडी	9	3,26,70,503	2,50,96,967
निवेश से आय	10	4,86,94,339	4,83,11,542
अर्जित ब्याज	11	1,90,34,150	1,65,34,318
अन्य आय	12	22,33,03,238	24,13,21,123
पूर्व अवधि की आय	13	1,18,99,223	
कुल (क)		**2,64,55,30,625**	**2,42,71,38,909**
व्यय			
कार्मिक भुगतान एवं लाभ (प्रतिष्ठान व्यय)	14	95,72,05,445	76,50,93,817
अकादमिक व्यय	15	63,63,55,564	55,42,63,135
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	16	13,76,93,638	15,55,07,550
यातायात खर्चे	17	2,59,805	2,93,678
मरम्मत एवं रखरखाव	18	12,92,03,726	9,50,10,706
अवमूल्यन / परिशोधन	19	2,57,54,217	4,03,96,003
अन्य खर्चे	20	10,87,250	
कुल (ख)		**1,88,75,59,645**	**1,61,05,64,889**
शेषराशि (कम) / व्यय से अधिक आय(कअख)		75,79,70,980	81,65,74,021
निर्दिष्ट निधि में हस्तांतरण	21	75,00,00,000	71,00,00,000
शेष के नाते अधिशेष / (कमी) पूंजीगत निधि में लाया गया		**79,70,980**	**10,65,74,021**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	22		
खातों के नोट्स	23		

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी
फर्म पंजीकरण नं. 006711एन / एन 500028
सनदी लेखाकार

अरविंद मोदी
सहभागी
सदस्यता संख्या 112929

दिनांक : 29.06.2019
स्थान : अहमदाबाद

एर्रोल डीसूजा
निदेशक

मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
मुख्य प्रबंधक लेखा

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 1 -कॉर्पस / पूंजीगत निधि

(राशि रु. में)

क्रम संख्या	विवरण			खरीदी गई संपत्तियाँ / प्राप्त दान							31.03.2019 को शेष राशि
		01.04.2018 को शेष राशि	अनुदान में से (भारत सरकार / राज्य सरकार)	निर्धारित निधि में से	प्रायोजित परियोजनाओं में से	दान / उपहार	ब्याज	अन्य	वर्ष के दौरान (चुकाए गए) / जमा किए		
1	कॉर्पस निधि	1,22,62,86,555					10,26,40,185		5,00,00,000	(क)	1,37,89,26,740
2	पूंजीगत निधि	40,39,82,056		7,56,66,800	18,59,495	8,46,39,635		9,17,92,920		(ख)	46,97,72,387
								-45,48,468		(ग)	
								34,211		(घ)	
3	आय और व्यय खाता	3,21,95,862						45,48,468	79,70,948	(ङ)	4,47,15,279
4	आईआईएमए सोसाइटी सदस्यता निधि	50,08,940					4,19,248				54,28,188
	कुल	**1,66,74,73,414**		**7,56,66,800**	**18,59,495**	**8,46,39,635**	**10,30,59,433**	**9,18,27,131**	**5,79,70,948**		**1,89,88,42,594**
	पिछले वर्ष	1,38,89,56,658	7,490	3,15,31,910	28,76,602	4,38,56,382	9,64,43,355	1,631	10,38,02,647		1,66,74,73,414

क) आय और व्यय खाते से कॉर्पस फंड में विनियोजन

ख) मूल्यह्रास (चालू वर्ष) की सीमा तक आय और व्यय खाते में हस्तांतरित

ग) मूल्यह्रास की सीमा तक आय और व्यय खाते में स्थानांतरित (पिछले वर्ष 2014-15 से संबंधित)

घ) एसेट्स की बिक्री से कैपिटल फंड में हस्तांतरित

ङ) आय और व्यय खाते से स्थानांतरित चालू वर्ष के लिए शेष अधिशेष

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 2 - निर्धारित कोष

(राशि रु. में)

विवरण	01.04.2018 को शेष राशि	प्राप्त योगदान	अन्य अर्जित आय	निवेश पर ब्याज आवंटन	निधि खातों के भीतर आंतरिक अंतरण	आय एवं व्यय खाते से स्वीकृत	अन्य समायोजन		पूंजीगत व्यय	राजस्व व्यय / मंजूर की गई परियोजनाएँ	31.03.2019 को शेष राशि
सीएमए कार्यक्रम के लिए निधि	5,39,94,674	–	19,75,024	53,66,513	–	–	63,29,497	(क)		63,314	6,76,02,394
पूर्व छात्र गतिविधियों के लिए निधि	6,21,39,227	60,25,000	4,13,501	53,17,085	–	–	–		–	23,24,825	7,15,69,988
कंप्यूटर पर खर्च के लिए निधि	31,70,07,139	–	–	2,60,05,722	–	5,00,00,000	–		7,56,66,800	–	31,73,46,061
छात्र कल्याण कोष	3,95,85,487	1,18,98,898	16,05,281	33,01,885	–	–	–		–	1,03,56,008	4,60,35,543
परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि	2,96,06,10,038	–	–	24,77,96,361	-80,043	60,00,00,000	–		–	–	3,80,83,26,356
नवप्रवर्तन एवं उष्मायन केंद्र	1,16,41,083	–	–	5,85,691	–	–	–		–	7,90,608	1,14,36,166
अनुसंधान, प्रकाशन और प्रमुख क्षेत्र निधि	52,65,71,812	10,03,49,945	89,02,538	4,12,20,856	-1,96,176	5,00,00,000	29,29,035	(ख)	–	3,85,33,947	69,12,44,063
परिवहन अग्रिम निधि	79,59,427	–	1,54,302	6,72,071	–	–	–		–	–	87,85,800
मकान निर्माण अग्रिम निधि	7,09,09,706	–	5,28,146	59,72,939	–	–	–		–	–	7,74,10,791
संकाय, अधिकारी एवं कर्मचारी विकास एवं कल्याण निधि	32,46,80,059	4,54,82,483	–	2,47,95,291	–	–	–		–	3,77,84,470	35,71,73,363
अध्यक्ष निधि	6,47,51,825	72,94,304	–	54,95,277	–	–	-55,916	(ग)	–	66,98,574	7,07,86,916
बंदोबस्ती निधि (अनुसूची 2 क)	52,26,69,176	8,90,601	–	4,26,53,761	-9,20,257		–		–	89,02,249	55,63,91,032
दान निधि			–			–	–		–	–	–
परिसर एवं अवसंरचना विकास	42,67,47,108	26,43,51,842		5,01,75,271	1,06,71,627	–	–		8,40,82,582	55,20,147	66,23,43,119
अनुसंधान एवं प्रकाशन	3,42,11,379	–	–	28,77,985	2,76,219	–	–		–	4,50,000	3,69,15,583
छात्र सहायता	17,71,53,696	15,60,480	–	1,43,03,542	66,378	–	–		–	80,17,131	18,50,66,965
कर्मचारी कल्याण	1,37,95,365	20,10,000	–	15,15,330	30,60,325	–	–		5,57,053	24,98,744	1,73,25,223
संकाय पुरस्कार, अध्येतावृत्ति	51,11,125	1,00,000	–	4,28,499	–	–	–		–	1,00,000	55,39,624
अन्य	11,96,35,226	5,93,34,059	–	1,12,30,335	-1,28,78,073	–	–		–	17,26,329	17,55,95,218
कुल	**5,73,91,73,552**	**49,92,97,612**	**1,35,78,792**	**48,97,14,414**	**–**	**70,00,00,000**	**92,02,616**		**16,03,06,435**	**12,37,66,346**	**7,16,68,94,205**
पिछले वर्ष	4,46,86,88,090	31,39,11,315	5,46,67,054	40,59,09,267	–	66,00,00,000	-3,78,810		7,53,88,292	8,82,35,071	5,73,91,73,552

द्वारा प्रस्तुत	01.04.2018 को शेष राशि	31.03.2019 को शेष राशि
नकद एवं बैंक शेष		
निवेश	5,73,91,73,552	7,16,68,94,205

ब्याज अर्जित किया परंतु देय नहीं है

अन्य समायोजनों के लिए नोट

(क) सीएमए केंद्र की पिछले वर्ष की कमी को वर्तमान वर्ष के अधिशेष अनुदान से लिया गया है

(ख) फुटकर केडिट अधिशेष खाते में पडे अज्ञात केडिट अधिशेष को अनुसंधान एवं प्रकाशन कोष में हस्तांतरित किया गया है

(ग) पिछले वर्षों में आवंटित अतिरिक्त ब्याज को निधि से वापस ले लिया है

अनुसूची 2 क बंदोबस्ती निधि

अध्यक्ष निधि

(राशि रु. में)

क्रमांक	बंदोबस्ती का नाम	01.04.2018 को शेष राशि		वर्ष के दौरान प्राप्य		कुल		वर्ष के दौरान वस्तु पर व्यय	31.03.2019 को शेष राशि		कुल
		बंदोबस्त	संचित ब्याज	बंदोबस्त	ब्याज	बंदोबस्त	संचित ब्याज		बंदोबस्त	संचित ब्याज	
1	अध्यक्ष निधि	23,30,62,112	8,20,07,638	-	2,54,71,836	23,30,62,112	10,74,79,474	61,51,557	23,30,62,112	10,13,27,917	33,43,90,029
	कुल	**23,30,62,112**	**8,20,07,638**	**-**	**2,54,71,836**	**23,30,62,112**	**10,74,79,474**	**61,51,557**	**23,30,62,112**	**10,13,27,917**	**33,43,90,029**

क्रमांक	नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान वृद्धि		वर्ष के दौरान व्यय		हस्तांतरण		समापन		कुल
		दान	ब्याज	दान	ब्याज	दान	ब्याज	दान	ब्याज	दान	ब्याज	
1	दान-रघुनंदन एवं अप्रमेय का वर्गखंड-2 आईएमडीसी	5,00,00,000	78,42,181		48,41,391	-	-	-	-	5,00,00,000	1,26,83,572	6,26,83,572
2	बंदोबस्ती पीजीपी 1992 बैच क्लासरूम मुख्य परिसर सीआर4	2,57,19,326	31,94,068	1,00,001	22,84,915	-	-	8,19,327	1,00,930	2,50,00,000	53,78,053	3,03,78,053
3	डॉर्म 1 के लिए प्रोफ़ेसर कमला चौधरी डॉर्म दान (नीचे नोट देखें)	3,49,89,512	72,13,242	-	35,33,111	-	(3,947)	-	-	3,49,89,512	1,07,50,300	4,57,39,812
4	आईआईएमबेरिक्स निधि उद्यमशीलता को समर्थन करने केलिए आईआईएमए को दान	4,41,14,764	84,07,479	-	43,30,720	-	15,62,536	-	-	4,41,14,764	1,11,75,663	5,52,90,427
5	आईआईएमए और एसआरके व्याख्यान श्रृंखला के लिए दान	1,43,86,652	31,92,637	-	14,54,936	-	6,30,907	-	-	1,43,86,652	40,16,666	1,84,03,318
6	एसआरके विशिष्ट पीजीपीएक्स संकाय पुरस्कार के लिए दान	28,00,000	4,29,987	-	2,68,955	-	2,00,000	-	-	28,00,000	4,98,942	32,98,942
7	बंदोबस्ती-निधि पीजीपी 1991 चिकित्सा समर्थन सेवानिवृत्ति समूह सी एवं डी-सीपीएफ़	31,25,266	2,92,849	7,90,600	3,10,279	-	2,61,196	-	-	39,15,866	3,41,932	42,57,798
8	एंडोमेंट मदन मोहनका अनुसंधान एवं प्रकाशन पुरस्कारसंकाय एवं एफ़पीएम	17,00,000	1,91,463	-	1,57,618	-	1,00,000	-	-	17,00,000	2,49,081	19,49,081
	कुल	**17,68,35,520**	**3,07,63,906**	**8,90,601**	**1,71,81,925**	**-**	**27,50,692**	**8,19,327**	**1,00,930**	**17,69,06,794**	**4,50,94,209**	**22,20,01,003**
	महायोग	**40,98,97,632**	**11,27,71,544**	**8,90,601**	**4,26,53,761**	**61,51,557**	**27,50,692**	**8,19,327**	**1,00,930**	**40,99,68,906**	**14,64,22,126**	**55,63,91,032**

नोट वर्ष के दौरान व्यय में वर्तमान वर्ष का खर्च 6,541/ रू पिछले वर्षो में खर्च 10,488/ रू से संबंधित है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 3 - वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

(राशि रु. में)

विवरण			31.03.2019 को शेष राशि	31.03.2018 को शेष राशि
क.	**वर्तमान देनदारियाँ**			
	1	कर्मचारी से जमा राशि	88,000	2,00,000
	2	छात्रों से जमा राशि	20,645,972	1,98,04,614
	3	जमा अन्य (ईएमडी, सुरक्षा जमा सहित)	41,153,619	3,69,83,124
	4	विविध लेनदार		
		सामान एवं सेवाओं के लिए	10,80,86,668	12,48,52,727
		अन्य (पूंजीगत कार्यों के लिए)	8,88,97,183	5,14,38,200
	5	अग्रिम में प्राप्त शुल्क	36,48,08,386	39,79,78,477
	6	वैधानिक देयताएँ		
		अतिदेय	5,89,03,487	-
		अन्य	5,89,03,487	8,16,86,342
	7	अन्य वर्तमान देयताएँ		
		वेतन	3,21,88,176	2,67,48,993
		पेंशन	1,63,63,338	93,01,311
		प्रायोजित परियोजनाओं / कार्यक्रमों (अनुसूची 3 क) के लिए प्राप्तियाँ	36,72,44,141	32,32,56,921
		प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति (अनुसूची 3 ख) के लिए प्राप्तियाँ	17,45,500	92,93,440
		अनुपयुक्त अनुदान (अनुसूची 9)	2,09,31,229	1,93,14,597
		छात्रों को वापसी योग्य सेवा कर / जीएसटी (पीजीपीएक्स)	9,60,50,422	9,36,20,422
		छात्र लेखा	3,30,69,355	1,05,07,791
		छात्र समारोह	2,91,90,746	2,95,51,331
		अन्य देनदारियाँ	5,21,86,561	5,85,22,459
		कुल क	**1,33,15,52,784**	**1,29,30,60,749**
ख	**प्रावधान**			
	1	सेवानिवृत्ति पेंशन	2,49,01,10,371	2,42,46,43,000
	2	संचित छुट्टी नकदीकरण	21,65,43,067	22,05,48,000
	3	ग्रेचुइटी	18,25,03,748	20,88,28,000
	4	7वें केंद्रीय वेतन आयोग का बकाया भुगतान	1,63,43,089	14,59,86,392
	5	अन्य	12,41,47,745	11,42,87,336
		कुल ख	**3,02,96,48,020**	**3,11,42,92,728**
		कुल (क+ख)	**4,36,12,00,803**	**4,40,73,53,476**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 3 क - प्रायोजित परियोजनाएँ / कार्यक्रम

(राशि रु. में)

क्रमांक	विवरण	01.04.2018 को शेष राशि		वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान नामे	31.03.2019 को शेष राशि	
		जमा	नामे			जमा	नामे
1	मुक्त नामांकन कार्यक्रम	6,86,76,200	16,48,188	465,410,536	414,548,873	121,881,825	3,992,150
2	अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	6,26,48,984	4,94,786	633,766,298	595,688,194	101,008,461	776,159
3	परामर्शी परियोजनाएँ	14,74,50,511	39,88,659	110,761,155	170,010,590	93,525,311	9,312,894
4	अनुसंधान परियोजनाएँ	3,19,68,871	27,62,655	49,870,516	38,627,820	41,763,582	1,314,671
5	कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन	87,57,850	4,50,685	36,605,437	39,381,460	8,056,946	2,180,882
6	अन्य परियोजनाएँ / कार्यक्रम	49,25,553	11,92,326	4,472,821	5,441,798	2,419,328	-
	कुल	**32,44,27,968**	**1,05,37,299**	**1,300,886,764**	**1,263,698,735**	**368,655,452**	**17,576,756**
घटायाः अग्रिम रसीदों पर एकत्रित जीएसटी जिसके लिए चालान अभी तक नहीं लिया गया हैं		11,71,047	–	–	–	14,11,311	–
	कुल योग	**32,32,56,921**	**1,05,37,299**	**1,300,886,764**	**1,263,698,735**	**3,67,244,141**	**1,75,76,756**

अनुसूची 3 ख - प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियाँ

(राशि रु. में)

क्रमांक	प्रायोजक का नाम	01.04.2018 को शेष राशि		वर्ष के दौरान लेनदेन		31.03.2019 को शेष राशि	
		जमा	नामे	जमा	नामे	जमा	नामे
1	आईआईएम छात्रवृत्ति	8,03,500	–	17,72,000	17,72,000	8,03,500	-
2	केंद्र सरकार	84,89,940	–	9,42,000	84,89,940	9,42,000	-
3	उद्योगों से छात्रवृत्ति	–	–	–	–	–	–
	कुल	**92,93,440**	**–**	**27,14,000**	**1,02,61,940**	**17,45,500**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 4 - अचल संपत्तियाँ

(राशि रु. में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01.04.2018 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31.03.2019 के अनुसार	01.04.2018 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31.03.2019 के अनुसार	31/03/2019 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	1,07,00,489	–	–	1,07,00,489	–	–	–	–	1,07,00,489	1,07,00,489
2	इमारतें	1,30,15,52,633	3,56,28,772	–	1,33,71,81,405	1,07,78,34,656	5,59,18,751	–	1,13,37,53,407	20,34,27,998	22,37,17,977
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	8,97,04,156	2,10,76,590	–	11,07,80,746	6,25,41,398	40,94,024	–	6,66,35,422	4,41,45,324	2,71,62,758
4	संयंत्र और मशीनरी	14,97,834	–	–	14,97,834	5,41,667	1,43,426	–	6,85,093	8,12,741	9,56,167
5	कार्यालय उपकरण	18,41,77,566	2,37,53,100	9,35,307	20,69,95,359	14,17,33,838	84,66,307	7,22,698	14,94,77,447	5,75,17,912	4,24,43,728
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	1,16,88,801	7,64,879	–	1,24,53,680	26,29,373	14,44,132	–	40,73,505	83,80,175	90,59,428
7	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	18,71,17,232	7,72,74,602	1,43,63,335	25,00,28,499	16,51,74,214	3,01,74,429	1,43,61,123	18,09,87,520	6,90,40,979	2,19,43,018
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	22,05,68,490	3,74,49,785	2,31,654	25,77,86,621	14,14,30,422	1,20,02,240	1,22,689	15,33,09,973	10,44,76,648	7,91,38,068
9	वाहन	49,43,453	1,15,108		50,58,561	23,20,779	4,13,892	–	27,34,671	23,23,890	26,22,674
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	14,72,94,887	42,34,678	3,526	15,15,26,038	14,41,15,101	23,59,477	2,059	14,64,72,519	50,53,519	31,79,785.91
	कुल (क)	**2,15,92,45,539**	**20,02,97,514**	**1,55,33,822**	**2,34,40,09,231**	**1,73,83,21,446**	**11,50,16,678**	**1,52,08,569**	**1,83,81,29,556**	**50,58,79,675**	**42,09,24,093**
	पिछले वर्ष	2,05,63,62,313	10,97,73,425	68,90,199	2,15,92,45,539	1,65,43,26,119	9,01,65,078	61,69,751	1,73,83,21,446	42,09,24,093	40,20,36,193
11	पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)	7,00,71,606	19,88,11,055	12,05,50,488	14,83,32,173	–	–	–	–	14,83,32,173	7,00,71,606
	पिछले वर्ष	3,26,35,516	10,27,00,546	6,52,64,456	7,00,71,606	–	–	–	–	7,00,71,606	3,26,35,516

क्रमांक	अमूर्त संपत्ति	कुल संपत्ति				ऋण परिशोधन				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01.04.2018 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31.03.2019 के अनुसार	01.04.2018 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31.03.2019 के अनुसार	31.03.2019 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार
12	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	1,20,76,404	14,44,850	–	1,35,21,254	69,61,783	25,30,459	–	94,92,242	40,29,012	51,14,621
	कुल (ग)	**1,20,76,404**	**14,44,850**	**–**	**1,35,21,254**	**69,61,783**	**25,30,459**	**–**	**94,92,242**	**40,29,012**	**51,14,621**
	पिछले वर्ष	87,43,655	33,32,749	–	1,20,76,404	39,59,484	30,02,299	–	69,61,783	51,14,621	47,84,171
	महायोग (क+ख+ग)	**2,24,13,93,549**	**40,05,53,419**	**13,60,84,310**	**2,50,58,62,657**	**1,74,52,83,229**	**11,75,47,137**	**1,52,08,569**	**1,84,76,21,798**	**65,82,40,859**	**49,61,10,319**
	पिछले वर्ष	2,09,77,41,484	21,58,06,720	7,21,54,655	2,24,13,93,549	1,65,82,85,603	9,31,67,377	61,69,751	1,74,52,83,229	49,61,10,319	43,94,55,880

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 4 क - अचल संपत्तियाँ–योजना

(राशि रु. में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01.04.2018 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31.03.2019 के अनुसार	01.04.2018 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31.03.2019 के अनुसार	31.03.2019 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार
1	इमारतें	27,89,61,053			27,89,61,053	19,72,97,668	2,60,85,572		22,33,83,239	5,55,77,814	8,16,63,386
2	विद्युत स्थापना और उपकरण	2,75,44,040			2,75,44,040	1,48,84,129	12,65,991		1,61,50,120	1,13,93,920	1,26,59,911
3	कार्यालय उपकरण	3,62,75,328		1,40,986	3,61,34,342	3,16,42,281	6,89,711	1,06,015	3,22,25,977	39,08,365	46,33,047
4	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	1,55,02,029		97,860	1,54,04,169	1,54,44,816	22,285	97,860	1,53,69,841	34,328	57,213
5	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	5,46,95,093			5,46,95,093	3,35,24,378	21,17,071		3,56,41,449	1,90,53,644	2,11,70,715
6	पुस्तकालय की पुस्तकें	5,82,83,316			5,82,83,316	5,82,83,316			5,82,83,317	0	0
	कुल	**47,12,60,859**		**2,38,846**	**47,10,22,013**	**35,10,76,587**	**3,01,81,230**	**2,03,875**	**38,10,53,942**	**8,99,68,071**	**12,01,84,271**
	पिछले वर्ष	47,17,02,391	7,490	4,49,022	47,12,60,859	32,06,99,926	3,07,70,650	3,93,989	35,10,76,587	12,01,84,272	15,10,02,465

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 4ख - अचल संपत्तियाँ–अन्य

(राशि रु. में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01.04.2018 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31.03.2019 के अनुसार	01.04.2018 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31.03.2019 के अनुसार	31.03.2019 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	1,07,00,489			1,07,00,489			-	-	1,07,00,489	1,07,00,489
2	इमारतें	1,02,25,91,580	3,56,28,772	-	1,05,82,20,352	88,05,36,989	2,98,33,180	-	91,03,70,168	14,78,50,184	14,20,54,592
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	6,21,60,116	2,10,76,590	-	8,32,36,706	4,76,57,269	28,28,033	-	5,04,85,302	3,27,51,404	1,45,02,847
4	संयंत्र और मशीनरी	14,97,834		-	14,97,834	5,41,667	1,43,426	-	6,85,093	8,12,741	9,56,167
5	कार्यालय उपकरण	14,79,02,238	2,37,53,100	7,94,321	17,08,61,017	11,00,91,557	77,76,596	6,16,683	11,72,51,470	5,36,09,547	3,78,10,681
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	1,16,88,801	7,64,879	-	1,24,53,680	26,29,373	14,44,132	-	40,73,505	83,80,175	90,59,428
7	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	17,16,15,203	7,72,74,602	1,42,65,475	23,46,24,330	14,97,29,398	3,01,51,544	1,42,63,263	16,56,17,679	6,90,06,651	2,18,85,805
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	16,58,73,397	3,74,49,785	2,31,654	20,30,91,528	10,79,06,044	98,85,169	1,22,689	11,76,68,524	8,54,23,004	5,79,67,353
9	वाहन	49,43,453	1,15,108	-	50,58,561	23,20,779	4,13,892	-	27,34,671	23,23,890	26,22,674
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	8,90,11,570	42,34,678	3,526	9,32,42,722	8,58,31,784	23,59,477	2,059	8,81,89,202	50,53,520	31,79,786
	कुल (क)	**1,68,79,84,681**	**20,02,97,514**	**1,52,94,976**	**1,87,29,87,218**	**1,38,72,44,859**	**8,48,35,449**	**1,50,04,694**	**1,45,70,75,614**	**41,59,11,604**	**30,07,39,821**
	पिछले वर्ष	1,58,46,59,922	10,97,65,935	64,41,177	1,68,79,84,681	1,33,36,26,193	5,93,94,428	57,75,762	1,38,72,44,859	30,07,39,821	25,10,33,729
11	पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)	7,00,71,606	19,88,11,055	12,05,50,488	14,83,32,173		-	-		14,83,32,173	7,00,71,606
	पिछले वर्ष	3,26,35,516	10,27,00,546	6,52,64,456	7,00,71,606		-	-	-	7,00,71,606	3,26,35,516

क्रमांक	अमूर्त संपत्ति	कुल संपत्ति				ऋण परिशोधन				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01.04.2018 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31.03.2019 के अनुसार	01.04.2018 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31.03.2019 के अनुसार	31.03.2019 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार
12	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	1,20,76,404	14,44,850		1,35,21,254	69,61,783	25,30,459	-	94,92,242	40,29,012	51,14,621
	कुल (ग)	**1,20,76,404**	**14,44,850**		**1,35,21,254**	**69,61,783**	**25,30,459**	-	**94,92,242**	**40,29,012**	**51,14,621**
	पिछले वर्ष	87,43,655	33,32,749		1,20,76,404	39,59,484	30,02,299	-	69,61,783	51,14,621	47,84,171
	महायोग (क + ख + ग)	**1,77,01,32,690**	**40,05,53,419**	**13,58,45,464**	**2,03,48,40,645**	**1,39,42,06,642**	**8,73,65,908**	**1,50,04,694**	**1,46,65,67,856**	**56,82,72,789**	**37,59,26,048**
	पिछले वर्ष	1,62,60,39,093	21,57,99,230	7,17,05,633	1,77,01,32,690	1,33,75,85,677	6,23,96,727	57,75,762	1,39,42,06,642	37,59,26,048	28,84,53,416

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 5 - पूर्वनिर्धारित / बंदोबस्ती निधि से निवेश

(राशि रु. में)

क्रमांक	विवरण	31.03.2019 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार
	दीर्घकालिक		
1	केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	5,81,29,88,000	5,81,29,88,000
2	राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	1,57,08,55,880	17,79,04,000
3	बॉड्स	2,00,85,35,250	1,29,03,73,000
4	बैंकों एवं एनबीएफ़सी के साथ सावधि जमा	1,32,24,42,496	96,46,21,317
		10,71,48,21,626	**8,24,58,86,317**
	निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किया गया प्रीमियम (परिपक्वता अवधि पूरी होने पर खारिज किया गया)	7,233,511	
	कुल	**10,72,20,55,137**	**8,24,58,86,317**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 6 - मौजूदा संपत्तियाँ

(राशि रु. में)

क्रमांक	विवरण	31.03.2019 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार
1	**स्टॉक**		
	क) विद्युत सामग्री	14,24,028	12,83,190
	ख) साहित्य सामग्री	30,17,431	23,71,973
	ग) अन्य	13,28,938	6,55,156
		57,70,397	**43,10,319**
2	**नकद और बैंक शेष**		
	क) अनुसूचित बैंकों के साथ		
	चालू खातों में		
	रूपया खाता	6,59,04,199	29,08,88,115
	एफसी खाते	22,82,257	12,29,231
	सावधि जमा खातों में	60,12,81,878	1,19,25,98,541
	बचत खातों में	31,66,96,522	56,95,31,594
		98,61,64,856	**2,05,42,47,481**
	ख) हस्तगत नकद	10,000	15,941
	ग) हस्तगत स्टेम्प	2,51,444	2,07,282
	कुल	**99,21,96,697**	**2,05,87,81,023**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 7 - ऋण, अग्रिम एवं जमा

(राशि रु. में)

क्रमांक	विवरण		31.03.2019 के अनुसार		31.03.2018 के अनुसार	
1	**कर्मचारियों को अग्रिम(ब्याज रहित व्यवहार)**					
	क)	त्यौहार	-		1,43,100	
	ख)	अन्य	37,46,208	37,46,208	28,33,325	29,76,425
2	**अग्रिम एवं नकद या प्रकार की अन्य वसूली योग्य राशि या मूल्य प्राप्त करने वाली राशि**					
	क)	अन्य को अग्रिम	2,37,51,208		1,33,14,375	
	ख)	छात्र	11,91,763		8,01,417	
	ग)	आईआईएम नागपुर	-		25,385	
	घ)	पेंशन वसूली	-		30,55,149	
	ङ)	जीएसटी / सेवा कर निविष्ट जमा प्राप्य	3,83,08,235		80,83,381	
	च)	विरोध प्रदर्शन के तहत भुगतान किया सेवा कर (पीजीपीएक्स)	9,60,50,422		9,36,20,422	
	छ)	आयकर और जीएसटी नियम के तहत टीडीएस प्राप्य	24,86,96,597		19,05,10,142	
	ज)	मांग आदेशों के लिए सेवा कर भुगतान (पिछले वर्षों के लिए)	4,13,30,816	44,93,29,041	4,02,59,025	34,96,69,296
3	**पूर्वदत्त व्यय**					
	क)	बीमा	7,14,012		10,94,463	
	ख)	अन्य खर्च	1,59,02,937	1,66,16,949	1,72,45,915	1,83,40,378
4	**जमा**					
	क)	टेलीफोन	20,528		20,528	
	ख)	बिजली	65,48,551		65,48,551	
	ग)	गैस जमा	23,38,250		22,88,250	
	घ)	अन्य सुरक्षा जमा	3,83,461	92,90,790	3,18,733	91,76,062
5	**उपार्जित आय**					
	क)	निवेश पर	36,50,54,281		38,78,89,130	
	ख)	अन्य (अवास्तविक आय शामिल है)	19,28,30,884	55,78,85,165	23,46,34,192	62,25,23,322
6	**अनुदान / प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त अन्य मौजूदा परिसंपत्तियाँ**					
	क)	प्रायोजित परियोजनाओं में नामे शेष	1,75,76,756		1,05,37,299	
	ख)	प्राप्य अनुदान	-	1,75,76,756		1,05,37,299
		कुल		**1,05,44,44,909**		**1,01,32,22,782**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 8 - अकादमिक प्राप्तियाँ

(राशि रु. में)

विवरण	2018-19	2017-18
छात्रों से फीस		
अकादमिक		
1. शिक्षण शुल्क	98,73,83,020	88,23,68,919
2. प्रवेश शुल्क	1,12,79,897	92,84,991
3. नामांकन फीस	3,94,733	6,43,456
4. शैक्षणिक सहायता	27,19,63,928	24,06,39,193
5. अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम	2,41,06,326	1,99,80,795
कुल (क)	**1,29,51,27,904**	**1,15,29,17,354**
परीक्षाएँ		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्ककेट (कुल)	2,17,27,948	3,57,24,413
2. मार्क शीट, सर्टिफिकेट फीस	27,13,222	30,86,582
कुल (ख)	**2,44,41,170**	**3,88,10,995**
अन्य शुल्क		
1. जुर्माना / विविध फीस	65,65,920	21,80,517
2. चिकित्सा शुल्क	25,52,470	25,26,671
3. छात्रावास शुल्क	9,36,63,164	8,84,32,434
4. भोजनालय प्रभार	1,13,76,000	84,28,500
कुल (ग)	**11,41,57,554**	**10,15,68,122**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियाँ		
(क) कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम		
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क	37,97,91,346	35,56,55,753
2. स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम के लिए पंजीकरण शुल्क	48,96,95,606	44,23,24,045
	86,94,86,952	**79,79,79,798**
(ख) पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक कर्मचारी)	67,15,593	45,98,690
कुल (घ)	**87,62,02,545**	**80,25,78,488**
महायोग (क + ख + ग + घ)	**2,30,99,29,173**	**2,09,58,74,959**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 9 - अनुदान / सबसिडियाँ (प्राप्त किए गए स्थिर अनुदान)

(राशि रु. में)

विवरण	भारत सरकार		कुल	भारत सरकार		कुल 2017-2018
	एफ़पीएम	सीएमए	2018-2019	एफ़पीएम	सीएमए	
शेष अग्रेनित	1,93,14,597		1,93,14,597	1,77,37,715	50,96,967	2,28,34,683
जुड़ेः वर्ष के दौरान प्राप्त / प्राप्य अनुदान		3,90,00,000	3,90,00,000		2,00,00,000	2,00,00,000
जुड़ेः वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	16,16,632		16,16,632	15,76,882		15,76,882
कुल	**2,09,31,229**	**3,90,00,000**	**5,99,31,229**	**1,93,14,597**	**2,50,96,967**	**4,44,11,565**
घटायाः धनवापसी						
शेष	**2,09,31,229**	**3,90,00,000**	**5,99,31,229**	**1,93,14,597**	**2,50,96,967**	**4,44,11,565**
घटायाः पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग में लिया						
शेष	**2,09,31,229**	**3,90,00,000**	**5,99,31,229**	**1,93,14,597**	**2,50,96,967**	**4,44,11,565**
घटायाः राजस्व व्यय के लिए उपयोग (क)	-	3,26,70,503	3,26,70,503		2,50,96,967	2,50,96,967
घटाया : वर्ष 2017-18 के राजस्व व्यय में कमी के लिए उपयोग किया गया	-	63,29,497	63,29,497			
अग्रेनित शेष (ख)	**2,09,31,229**		**2,09,31,229**	**1,93,14,597**		**1,93,14,597**

क. आय और व्यय खाते में अनुदान आय के रूप में दिखाया गया

ख. अनुसूची 3 में तुलन पत्र में वर्तमान देयताओं के तहत दिखाया गया

अनुसूची 10 - निवेश से आय

(राशि रु. में)

विवरण		2018-19	2017-18
1. ब्याज			
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर		54,35,96,300	44,96,42,957
ख. अन्य बॉन्ड		16,51,65,587	10,91,42,757
2. सावधि जमा पर ब्याज		17,41,69,776	23,05,83,116
	कुल	**88,29,31,663**	**78,93,68,830**
घटाया			
1. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि पर हस्तांतरित किया गया		48,97,14,414	40,59,09,267
2. परियोजना खाते में हस्तांतरित		11,83,609	13,99,642
3. अनुदान खाते में हस्तांतरित		16,16,632	15,76,882
4. कॉर्पस निधि में हस्तांतरित		10,30,59,433	9,64,43,355
5. सेवानिवृत्ति लाभ खाते के लिए प्रावधान में हस्तांतरित		23,86,63,237	23,57,28,142
	कुल	**83,42,37,325**	**74,10,57,288**
	कुल	**4,86,94,339**	**4,83,11,542**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 11 - अर्जित ब्याज

(राशि रु. में)

विवरण	2018-19	2017-18
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर	1,90,34,150	1,65,34,318
कुल		**1,65,34,318**

अनुसूची 12 - अन्य आय

(राशि रु. में)

विवरण	2018-19	2017-18
क. भूमि एवं भवनों से आय		
1. छात्रावास कक्ष किराया	60,86,857	41,65,923
2. लाइसेंस शुल्क	24,46,174	22,88,871
3. सभागार / खेल मैदान / कन्वेंशन सेंटर, आदि का किराया शुल्क	1,11,48,625	1,20,82,959
4. सुविधाएँ (एमडीसी / आईएमडीसी / नव परिसर आदि)	2,02,92,548	2,09,92,800
कुल क	**3,99,74,204**	**3,95,30,553**
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	-	
कुल ख	-	
ग. अन्य		
1. परामर्शन से आय	9,35,50,745	7,71,81,327
2. परामर्शन परियोजनाओं से शेष वापसी	-	
3. अनुसंधान परियोजनाओं से आय	2,31,11,947	2,58,67,424
4. स्थानन शुल्क	4,83,46,925	4,50,29,260
5. छात्रवृत्तियाँ	-	
6. आरटीआई शुल्क	210	308
7. रॉयल्टी से आय	-	
8. निवेश पर ब्रोकरेज	-	1,38,02,800
9. संपत्ति की बिक्री / निपटान पर लाभ-खुद की परिसंपत्तियाँ	3,64,254	
10. विविध प्राप्तियाँ (निविदा फार्म, वेस्ट कागज, आदि की बिक्री)	1,16,95,613	2,12,28,243
11. संपत्ति की बिक्री की सीमा तक वापसी मूल्यह्रास निधि	-	
12. स्टेंसिल सामग्री की बिक्री	62,59,340	57,48,224
13. टीडीएस वापसी पर ब्याज	-	1,29,32,985
कुल ग	18,33,29,034	20,17,90,571
कुल (क+ख+ग)	**22,33,03,238**	**24,13,21,123**

अनुसूची 13 - पूर्व अवधि आय

(राशि रु. में)

विवरण	2018-19	2017-18
1. शैक्षणिक प्राप्तियां (परियोजना / कार्यक्रम)	1,18,99,223	-
2. निवेश से आय	-	-
3. ब्याज अर्जित किया	-	-
4. अन्य आय	-	-
कुल	**1,18,99,223**	-

अनुसूची 14- कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)

(राशि रु. में)

विवरण	शैक्षिक	अशैक्षिक	अविभाज्य	2018-19	2017-18
योजनेतर					
क) वेतन एवं मजदूरी	27,92,13,064	21,28,56,853	-	49,20,69,917	39,44,83,917
ख) भत्ते एवं बोनस	-	9,84,971	-	9,84,971	11,11,730
ग) भविष्य निधि में योगदान	44,76,437	34,12,592	-	78,89,029	59,67,845
घ) कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-	1,05,57,743	1,05,57,743	83,54,739
ङ) सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ(देखें अनुसूची 14 क)	1,67,44,720	1,27,65,264	-	2,95,09,984	1,36,37,878
च) एलटीसी सुविधा	27,43,425	33,88,072	-	61,31,497	36,12,340
छ) चिकित्सा सुविधा	18,05,000	61,10,706	-	79,15,706	82,41,424
ज) बाल शिक्षा भत्ता	9,58,050	34,76,957	-	44,35,007	22,98,078
झ) 7वैं केंद्रीय वेतन आयोग का बकाया	-	-	-	-	7,19,092
कुल क	**30,59,40,696**	**24,29,95,415**	**1,05,57,743**	**55,94,93,854**	**43,84,27,043**
अन्य स्थापना खर्च					
क) सीएमए प्रोजेक्ट	1,57,24,400	1,12,76,233	-	2,70,00,633	2,24,31,300
ख) परामर्श परियोजनाएँ	5,22,61,412	84,27,005	-	6,06,88,417	5,14,61,686
ग) अनुसंधान परियोजनाएँ	16,81,796	93,11,214	-	1,09,93,010	1,16,65,061
घ) केंद्र गतिविधियाँ	-	13,25,649	-	13,25,649	6,19,687
ङ) स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	17,22,65,343	1,44,36,277	-	18,67,01,620	15,56,92,897
च) मुक्त नामांकन कार्यक्रम	9,77,00,254	1,33,02,008	-	11,10,02,262	8,47,96,143
कुल ख	**33,96,33,205**	**5,80,78,386**	**-**	**39,77,11,591**	**32,66,66,774**
कुल	**64,55,73,901**	**30,10,73,801**	**1,05,57,743**	**95,72,05,445**	**76,50,93,817**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 14 क - कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

(राशि रु. में)

विवरण	पेंशन	ग्रेचुइटी	छुट्टी नकदीकरण	2018-19	2017-18
1.04.2018 को अथशेष	2,42,46,43,000	20,88,28,000	22,05,48,000	2,85,40,19,000	2,81,68,80,238
जोड़ेनिधि में जमा ब्याज	20,27,57,286	1,74,62,941	1,84,43,010	23,86,63,237	23,57,28,142
कुल (क)	**2,62,74,00,286**	**22,62,90,941**	**23,89,91,010**	**3,09,26,82,237**	**3,05,26,08,380**
घटायावर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	19,25,62,493	1,29,64,781	89,68,696	21,44,95,970	19,55,46,080
31.03.2019 को उपलब्ध शेष राशि ग (क-ख)	2,43,48,37,793	21,33,26,160	23,00,22,314	2,87,81,86,267	2,85,70,62,300
बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2019 को आवश्यक प्रावधान (घ)	**2,48,37,14,866**	**18,25,03,748**	**21,65,43,067**	**2,88,27,61,681**	**2,85,40,19,000**
आंतरिक अनुमान के अनुसार 31.03.2019 को आवश्यक प्रावधान (ङ)*		**34,81,760**	**29,13,744**	**63,95,504**	
31.03.2019 को आवश्यक कुल प्रावधान (च)	**2,48,37,14,866**	**18,59,85,508**	**21,94,56,811**	**2,88,91,57,185**	**2,85,40,19,000**
क. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (ङ-ग)	**4,88,77,073**	**(2,73,40,652)**	**(1,05,65,503)**	**1,09,70,918**	**(30,43,300)**
ख. नई पेंशन योजना के लिए योगदान				1,80,84,454	1,63,26,811
ग. सेवानिवृत्ति पर गृहनगर यात्रा				4,54,612	3,54,367
कुल (क+ख+ग)				**2,95,09,984**	**1,36,37,878**

***नोट:** 31 मार्च 2019 को संस्थान के पूर्व कर्मचारी बनने वाले कर्मचारियों के लिए प्रावधान और उस तिथि के अनुसार उन्हें देय राशि

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 15 - अकादमी खर्च

(राशि रु. में)

	विवरण	2018-19	2017-18
	योजनेतर		
	क शैक्षणिक व्यय		
क)	सम्मेलनों में क्षेत्र कार्य / भागीदारी	44,45,122	28,39,032
ख)	अभ्यागत संकायों को भुगतान	2,68,65,773	3,17,78,442
ग)	प्रवेश व्यय	1,24,34,899	1,32,57,042
घ)	दीक्षांत व्यय	32,76,105	42,38,607
ङ)	स्टाइपेंड / मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति	13,34,25,631	11,22,54,054
च)	पुस्तकें और केस सामग्री	4,47,76,776	3,27,99,389
छ)	बिजली-छात्र	1,32,45,899	91,31,975
ज)	चिकित्सा खर्च	28,18,944	28,65,735
झ)	विविध व्यय	1,66,01,809	1,61,61,238
ञ)	स्थानन व्यय	1,30,83,319	87,68,575
ट)	छात्र विनिमय कार्यक्रम	4,28,868	2,70,991
ठ)	अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन	1,12,57,195	1,01,39,963
ड)	पुस्तकालय खर्च	8,38,63,005	7,11,73,297
ढ)	विपणन, संवर्धन एवं विकास व्यय	6,79,431	26,46,422
	कुल क	**36,72,02,776**	**31,83,24,762**
	ख अन्य परियोजनाएँ / कार्यक्रम व्यय		
क)	मुक्त नामांकन कार्यक्रम	7,10,57,246	6,17,99,208
ख)	कार्यशालाएँ, सम्मेलन आदि	41,03,419	1,35,41,964
ग)	स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	5,10,51,325	4,75,50,532
घ)	परामर्श परियोजनाएँ	1,05,43,353	78,93,653
ङ)	संकाय विकास कार्यक्रम	31,06,248	22,72,249
च)	अनुसंधान परियोजनाएँ	93,90,634	79,64,448
छ)	सीएमए अन्य व्यय	56,69,870	26,65,667
ज)	केंद्र गतिविधियाँ	4,74,978	6,17,401
झ)	संकाय एवं व्यावसायिक विकास व्यय	99,38,494	55,72,684
	कुल ख	**16,53,35,566**	**14,98,77,806**
	ग सामान्य व्यय-उपयोग में ली गई सुविधाएँ		
क)	गृह व्यवस्थापन शुल्क	3,79,71,688	3,71,98,245
ख)	भोजनालय शुल्क	4,95,08,541	3,50,46,120
ग)	बिजली शुल्क	1,16,16,324	96,91,704
घ)	मरम्मत एवं रखरखाव (भवन, फर्नीचर एवं उपकरणों से संबंधित)	12,37,499	18,89,826
ङ)	विविध व्यय	34,83,171	22,34,672
		10,38,17,223	**8,60,60,567**
	कुल (क+ख+ग)	**63,63,55,564**	**55,42,63,135**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 16 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(राशि रु. में)

विवरण		2018-19	2017-18
योजनेतर			
क. बुनियादी ढाँचा			
क) बिजली और पावर		1,90,01,648	1,59,24,633
ख) जल प्रभार		39,35,283	82,84,255
ग) बीमा		12,10,026	11,57,105
घ) किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)		68,62,420	59,34,594
	कुल क	**3,10,09,377**	**3,13,00,587**
ख. संचार			
क) डाक और स्टेशनरी		1,28,595	1,35,529
ख) टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट शुल्क		60,42,916	66,10,923
	कुल ख	**61,71,511**	**67,46,452**
ग. अन्य			
क) मुद्रण और स्टेशनरी		50,94,536	21,65,761
ख) यात्रा और परिवहन व्यय		2,17,59,279	1,89,38,666
ग) आतिथ्य		50,89,949	48,71,544
घ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		7,00,000	6,53,000
ङ) व्यावसायिक / कानूनी शुल्क		68,34,551	47,38,756
च) विज्ञापन और प्रचार		14,02,652	26,92,532
छ) सुरक्षा प्रभार		2,48,68,766	2,27,93,456
ज)जी.एस. टी. संस्थान द्वारा वहन किया गया		1,98,07,099	3,77,48,368
झ) कार्मिक भोजनालय व्यय		21,03,737	20,03,240
ञ) विविध व्यय		95,80,879	2,01,14,245
ट) संपत्तियों की बिक्री पर नुकसान		-	3,63,445
ठ) बैंक आयोग		5,72,798	3,77,498
ड) पूर्वछात्र खर्चे		26,98,503	
	कुल ग	**10,05,12,750**	**11,74,60,510**
	कुल (क+ख+ग)	**13,76,93,638**	**15,55,07,550**

अनुसूची 17 - परिवहन व्यय

(राशि रु. में)

विवरण		2018-19	2017-18
योजनेतर			
1 वाहन (संस्थान के स्वामित्व वाले)			
क) चालू खर्च		1,73,944	1,82,808
ख) मरम्मत और रखरखाव		39,674	56,718
ग) बीमा खर्च		46,187	54,152
	कुल	**2,59,805**	**2,93,678**

अनुसूची 18 - मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि रु. में)

विवरण	2018-19	2017-18
योजनेतर		
क) इमारतें	4,21,64,835	1,75,48,685
ख) फर्नीचर एवं फिक्स्चर	9,89,945	12,31,255
ग) कार्यालय उपकरण	81,93,001	62,78,926
घ) कंप्यूटर	89,08,975	1,03,95,542
ङ) संपत्ति रखरखाव	6,89,46,970	5,95,56,298
च) पुस्तकालय	-	-
कुल	**12,92,03,726**	**9,50,10,706**

अनुसूची 19 - मूल्यह्रास / परिशोधन

(राशि रु. में)

विवरण	2018-19	2017-18
मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास	11,50,16,678	9,01,65,078
अमूर्त संपत्तियों का परिशोधन	25,30,459	30,02,299
	11,75,47,137	9,31,67,377
घटाया - पूंजी निधि से हस्तांतरित	9,17,92,920	5,27,71,374
कुल	**2,57,54,217**	**4,03,96,003**

अनुसूची 20 - अन्य खर्चे

(राशि रु. में)

विवरण	2018-19	2017-18
योजनेतर		
क) अपरिवर्तनीय शेष खारिज किया गया	10,87,250	-
कुल	**10,87,250**	-

अनुसूची 21 - नामित निधि में हस्तांतरण

(राशि रु. में)

विवरण	2018-19	2017-18
क) आईआईएमए कॉर्पस निधि	5,00,00,000	5,00,00,000
ख) परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि	60,00,00,000	15,00,00,000
ग) ग्रुप मेडिक्लेम तथा सावधि बीमा निधि	-	21,00,00,000
घ) अनुसंधान, प्रकाशन और प्रमुख क्षेत्र निधि	5,00,00,000	10,00,00,000
ङ) कंप्यूटर व्ययों के लिए निधि	5,00,00,000	20,00,00,000
कुल	**75,00,00,000**	**71,00,00,000**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 22 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा परंपरा

जर्नलों तथा सामयिकी पत्रिकाओं और कर्मचारियों के विकास भत्ते के लिए अपनाई जाने वाली लेखांकन परंपराओं को छोड़कर ऐतिहासिक लागत प्रथा, तथा लेखांकन प्रोद्भवन विधि के तहत सामान्यतः भारतीय स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (आईजीएएपी) के अनुसार और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा अधिसूचित लेखांकन मानकों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार किए गए हैं।

वित्तीय विवरण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए बृहत् रूप से निर्धारित प्रारूप के आधार पर व्यापक रूप से तैयार किए गए हैं।

2. अनुमानों का उपयोग

प्रतिवेदन अवधि के दौरान वित्तीय विवरणों को तैयार करने में आय और व्यय की तारीख के अनुरूप भारतीय जीएएपी के अनुसार प्रबंधकों को समीक्षाधीन अवधि के दौरान संपत्ति और देनदारियों (आकस्मिक देयताओं सहित) की प्रतिवेदित मात्रा में अनुमानों और मान्यताओं के लिए प्रबंधन की आवश्यकता है।

प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरणों की तैयारी में प्रयुक्त अनुमान विवेकपूर्ण और उचित हैं। लेखा के अनुमान प्रत्येक अवधि में परिवर्तनशील हो सकते हैं। वास्तविक परिणाम उन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं। अनुमानों के आस-पास की परिस्थितियों में बदलाव के बारे में संचालनकर्ता जागरूक बन जाते हैं इसलिए अनुमानों में उचित परिवर्तन किए जाते हैं। अनुमान में परिवर्तन वित्तीय विवरणों में उस अवधि के दौरान प्रतिबिंबित होता है, जिसमें परिवर्तन किए जाते हैं और यदि सामग्री है, तो उनके प्रभाव वित्तीय विवरणों के नोट्स में प्रकट होता है।

3. वस्तुसूची मूल्यांकन

वस्तुसूची में भंडार, लेखन-सामग्री और उपभोग्य वस्तुएँ शामिल हैं और लागत के निचले स्तर या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर मूल्यांकित हैं। लागत में खरीद की लागत और संबंधित प्रत्यक्ष लागत शामिल है। भारित औसत विधि का उपयोग करने पर वस्तुसूची की लागत लाई गई है।

4. अचल संपत्तियाँ

मूर्त संपत्तियाँ

मूर्त अचल संपत्ति कम लागत संचित मूल्यह्रास पर दर्शायी गई हैं और क्षतियाँ, यदि कोई हैं तो, उन पर दर्शायी गई हैं। अचल संपत्तियों के अधिग्रहण की लागत में भाड़ा, शुल्क और कर तथा परिसंपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित अन्य आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्यय और अपेक्षित उपयोग के लिए अपनी कार्यशील स्थिति में लाने के लिए व्यय शामिल हैं।

निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालन व्यय, पूंजीगत परिसंपत्तियों के मूल्य का हिस्सा हैं।

उपहार / दान के माध्यम से प्राप्त मूर्त परिसंपत्तियों का मूल्यांकन इसी रूप में पूंजीगत निधि में किया जाता है।

निर्धारित निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से बनी परिसंपत्तियाँ, जहाँ संस्थान में निहित ऐसी संपत्तियों का स्वामित्व, पूंजीगत निधि के लिए केडिट द्वारा स्थापित किया गया है और उन्हें संस्थान की मूर्त संपत्ति के साथ विलय कर दिया गया है।

अमूर्त संपत्तियाँ

अमूर्त संपत्तियाँ अधिग्रहण की उनकी लागत, कम संचित ऋण मुक्ति और हानि नुकसान को घटाकर बताई गई हैं। अमूर्त संपत्ति वहाँ समझना है, जहाँ यह संभव है कि भविष्य में आर्थिक लाभ संपत्ति के कारण उद्यम बनेंगे और जहाँ इसका मूल्य / लागत विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

संस्थान सॉफ्टवेयर निधि बनाता है और संबंधित कार्यान्वयन लागत को बढ़ाता है जहाँ इसके यथोचित अनुमान हैं कि सॉफ्टवेयर में एक स्थायी उपयोगी जीवन का फायदा मिल सके।

5. मूल्यह्रास

मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास

भवनों पर मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है, जबकि अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान किया गया है। मूल्यह्रास की दरें, मुख्य परिसर के भवनों के अलावा, आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट के अनुसार हैं। इस मामले में, जहाँ आवासीय और गैर आवासीय भवनों के अलगअलग आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं और भवन का बड़ा हिस्सा आवासीय प्रयोजन के लिए है, वहाँ मूल्यह्रास की दर 5% लागू की गई है, जबकि गैर आवासीय भवनों के लिए आयकर अधिनियम द्वारा नियत दर 10% है।

परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास जहाँ मदवार वास्तविक लागत 5,000/ रु. के बराबर या उससे कम हैं, वहाँ उसे कम मूल्य की संपत्ति माना गया है और यह 100% की दर से प्रदान की गई है।

अचल परिसंपत्तियों से संबंधित पूंजी अनुदानों / निधियों (सरकारी और गैर-सरकारी) को आस्थगित आय के रूप में मान्यता दी गई है और इसे आय एवं व्यय खाते में लिया गया है। अर्थात् दीर्घ अवधियों में पूंजीगत अनुदानों / निधियों को उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास लगाया गया है। **अन्य खातों के नोट्स के लिए नोट 7 भी देखें।**

अमूर्त आस्तियों की ऋणमुक्ति

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को 40% (पिछले वर्ष 40%)की दर से परिशोधित ऋणमुक्त किया गया है।

6. निवेश

'दीर्घकालिक निवेश' के रूप में वर्गीकृत निवेशों को लागत पर लगाया गया है। अस्थायी के अलावा, ह्रास के प्रावधान, ऐसे निवेशों को लागत में लाने के लिए किए हैं।

निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किए गए प्रीमियम को परिपक्वता तारीख तक यथानुपात परिशोधित कर दिया गया है।

7. निर्धारित / बंदोबस्ती निधियाँ

निर्धारित

दीर्घ अवधि की निधियों को विशिष्ट उद्देश्य के लिए निर्धारित किया गया है और इन्हीं को बैंकों के साथ सरकारी प्रतिभूतियों, बांड और सावधि जमा में निवेश किया गया है। निवेशों से आय निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित निधियों में जमा की जाती है क्योंकि संस्थान के पास निवेशों का एक बड़ा समूह है। व्यय और अग्रिम को इन निधि में नामे किया जाता है। परिसंपत्तियाँ निर्धारित निधियों से बनाई गई हैं जहाँ संस्थान का स्वामित्व निहित है, और इन्हें पूंजीगत निधि के बराबर राशि जमा करके संस्थान की संपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है। संबंधित निधियों में शेष राशि को आगे बढ़ाया गया है और निवेशों तथा उपार्जित ब्याज द्वारा परिसंपत्तियों का प्रतिनिधित्व किया गया है।

बंदोबस्ती निधि

विभिन्न व्यक्तिगत दाताओं, ट्रस्टों एवं अन्य संगठनों से प्राप्त वित्तपोषण ही बंदोबस्ती निधि है, जो अध्यक्षनिधि और पदकों एवं पुरस्कार के लिए स्थापित किया जाता है। इसी को बैंकों के साथ सरकारी प्रतिभूतियों, बॉन्ड और सावधि जमाओं में निवेश किया गया है।

निवेश से प्राप्त आय औसत मासिक निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित निधियों में जमा की जाती है क्योंकि संस्थान के पास निवेश का एक समूह है और प्रत्येक कोष में औसत मासिक अंतः शेष के अनुपात में इन्हें आवंटित किया जाता है। संबंधित बंदोबस्ती निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से पदकों और पुरस्कारों पर व्यय किया जाता है और शेष राशि को आगे बढ़ाया गया है।

अध्यक्ष-निधि के संबंध में, ब्याज आय की कमी के मामले में बंदोबस्ती निधि का कार्पस इस्तेमाल किया जा सकता है। शेष राशियों को निवेश और उपार्जित ब्याज के रूप में दर्शाया जाता है।

8. राजस्व मान्यता

नामांकन फीस को छोड़कर 'कार्यकारी पाठ्यक्रम के लिए पीजीपी' छात्रों की फीस जो रसीद के आधार पर प्राप्त होती है उसे प्रोद्भवन के आधार पर मान्यता प्राप्त है और 'आस्थगित शुल्क' को छात्रों द्वारा उनके प्रवेश नहीं लेने की पुष्टी के आधार पर गिना जाता है।

आजीवन सदस्यता शुल्क पूंजीगत प्राप्ति के रूप में माने गए हैं और कॉर्पस / पूंजीगत निधि के तहत दर्शाए गए हैं।

भूमि और भवन, स्थानन शुल्क, अन्य विविध प्राप्तियाँ और निवेश पर ब्याज से प्राप्त आय को प्रोद्भवन आधार पर गिना गया है।

वर्ष के अंत में चालू अनुसंधान, परामर्शन, सीईई और ओईपी परियोजनाओं से आय को संबंधित परियोजना के तहत वर्ष के दौरान किए गए खर्च की सीमा तक आय एवं व्यय खाते में मान्यता दी गई है, क्योंकि संस्थान के शेयर और परियोजना से आय के संकायों के शेयर परियोजना बंद होने तक निश्चित नहीं होते हैं।

दान, बीमा दावे से प्राप्तियाँ और कैट फीस से अंशदान, प्राप्ति के आधार पर गिना गया है।

9. निवेश पर ब्याज

निधि के प्रशासन के लिए वर्ष के दौरान अर्जित कुल ब्याज का 1% समायोजित करने के बाद वर्ष के दौरान औसत मासिक निवेश पर अर्जित औसत ब्याज की औसत दर के आधार पर निर्धारित, बंदोबस्ती तथा अन्य निधियों में निवेश पर ब्याज को संबंधित निधि खाते में आवंटित किया जाता है। ऐसी राशि को आय एवं व्यय खाते में ब्याज से आय के रूप में दर्शाया गया है।

कॉरपस निधि में से निवेश पर ब्याज और कोई अतिरिक्त निवेश को आय एवं व्यय खाते में ब्याज से आय के रूप में दर्शाया गया है।

10.विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किए गए लेन-देनों की गणना, लेन-देन की नियत तिथि पर प्रचलित विनिमय दर पर की गई है। इस अवधि के दौरान अदा की गई विदेशी मुद्रा के लेनदेन के संबंध में होने वाले कुल विनिमय लाभ या हानि को आय एवं व्यय खाते में दर्शाया गया है।

11.सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों की गणना, सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर की गई है।

नियत परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को पूंजी अनुदान के रूप में माना गया है और निर्धारित निधि शीर्ष के तहत दिखाया गया है।

नियत परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को, आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा आय एवं व्यय खाते में परिसंपत्तियों को उपयोगी जीवनकाल पर एक व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर लिया गया है अर्थात् पूंजीगत अनुदान को आय में उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास हुआ है।

राजस्व व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदानों को अधिकतम उपयोग किया गया है, जैसे उन्हें वर्ष की आय के रूप में माना गया है।

अप्रयुक्त अनुदानों को आगे बढ़ाया गया है और तुलन पत्र में देयता के रूप में दर्शाया गया है।

12.प्रायोजित परियोजनाएँ

जारी प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को अन्य देयताएँ - वर्तमान देयताएँ शीर्षक के तहत जारी प्रायोजित परियोजनाओं के सामने प्राप्तियाँ शीर्षक में दर्शाया गया है। ऐसी परियोजनाओं के लिए जब भी व्यय किया जाता है / ऐसी परियोजनाओं के लिए अग्रिम भुगतान किया जाता है, तब ये व्यय/अग्रिम भुगतान संबंधित परियोजना खाते के खर्चे में लिखा जाता है।

13.सेवानिवृत्ति लाभ

परिभाषित लाभ योजना के तहत सभी पात्र कर्मचारियों को भविष्य निधि (प्रोविडेंट फंड), एक परिभाषित योगदान योजना और ग्रेच्युटी एवं सेवानिवृत्ति पेंशन से लाभ प्राप्त हुआ। कर्मचारियों को छुट्टी नकदीकरण के रूप में अनुपस्थिति की भरपाई करने का भी अधिकार है।

नियत दरों पर नियमित योगदान भविष्य निधि में किया जाता है। ग्रेचुइटी, सेवानिवृत्ति पेंशन और कर्मचारियों के लिए संचित छुट्टी का प्रावधान अनुमानित लाभ दायित्व विधि (पीबीओ विधि) का उपयोग करके किया गया है।

14.आय कर

आयकर अधिनियम की धारा 10(23सी)(vi) के तहत इस संस्थान की आय आयकर से मुक्त है, इसीलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

आयकर पुनर्प्राप्ति योग्य निवेश, व्यावसायिक शुल्क और प्लेसमेंट आय पर ब्याज से कटौती करने से संबंधित है।

15.प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ और आकस्मिक संपत्तियाँ

माप में पर्याप्त अनुमानित आकलन से संबंधित प्रावधानों को मान्यता प्राप्त है, जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होते हैं और यह संभावित है कि संसाधनों का उत्प्रवाह होगा। जिन प्रावधानों के भुगतान करना जरूरी था उन्हें नियमित रूपसे समीक्षित किया गया है और दायित्व के मौजूदा सर्वोत्तम अनुमानों को प्रतिबिंबित करने के लिए जहाँ आवश्यक रहा वहाँ उन्हें समायोजित किया गया है।

जहाँ कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं बनाया जा सकता है, वहाँ आकस्मिक दायित्व के रूप में प्रकटीकरण किया गया है। जहाँ एक संभावित दायित्व या वर्तमान दायित्व है जिसके संबंध में संसाधनों के उत्प्रवाह की संभावना बहुत कम है, वहाँ कोई प्रावधान या प्रकटीकरण नहीं किया गया है। आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी गई है लेकिन एक नोट के माध्यम से खातों में उनका खुलासा किया गया है। वित्तीय विवरणों में आकस्मिक संपत्तियों को न तो मान्यता प्राप्त है और न ही स्पष्ट किया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 23 : खातों के लिए अन्य नोट

1. आकस्मिक देयताएँ

(क) सेवा कर की मांग विवाद में है

11,325.63 लाख रुपए (पिछले वर्ष 11,305.73 लाख रुपए)

(ख) संस्थान के खिलाफ दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है

शून्य रुपए (पिछले वर्ष शून्य रुपए)

(ग) विद्युत ड्यूटी (कर)

34.69 लाख रुपए (पिछले वर्ष 34.69 लाख रुपए)

(घ) श्रम न्यायालय और उच्च न्यायालय में कर्मचारियों से संबंधित लंबित केस

न्यायालय का नाम	केसों की संख्या	केसों का संक्षिप्त विवरण	राशि
श्रम न्यायालय	5	आवेदक सेवा की निरंतरता के साथ पिछले पूरे वेतन की मांग कर रहा है। आवेदक निश्चित अवधि के लिए वेतन और मंहगाई भत्ते की मांग कर रहा है और साथ ही संस्थान का स्थायी कर्मचारी बनने की मांग कर रहा है।	निश्चित नहीं कहा जा सकता।
उच्च न्यायालय	6	याचिकाकर्ता ने सेवा की निरंतरता के साथ पिछले पूर्ण वेतन और अपनी सेवाओं की बर्खास्तगी को चुनौती देते हुए श्रम न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है।	निश्चित नहीं कहा जा सकता।

2. अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध

अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध (अग्रिम का कुल) 28,090.20 लाख रुपए (पिछले वर्ष 675.12 लाख रुपए) हैं, जिसका उपयोग परिसर एवं अवसंरचना निधि से किया जाएगा।

3. वर्तमान परसंपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का सामान्य कार्य व्यापार के दौरान वसूली पर मूल्य, कम से कम तुलन पत्र में दर्शायी गई कुल राशि के बराबर है। मौजूदा परिसंपत्तियों, वर्तमान देनदारियों, ऋणों और अग्रिमों में शेष राशि पुष्टि के अधीन हैं।

4. कराधान

संस्थान ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10(23सी) (vi) के अधीन, आयकर मुख्य आयुक्त कार्यालय, अहमदाबाद कार्यालय से पत्र संख्या CC-IV/ABD/10 (23C) cell/10 (23C) (vi) IIM/2010-11/1305 दिनांक 31.01.2011 के अनुसार आयकर में छूट प्राप्त कर ली है। यह जब तक प्रभावी रहेगी तब तक किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा वापिस नहीं ली जाती है।

संस्थान को पूरी तरह धर्मार्थ मंडल के रूप में पहचाना जाता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12ए(ए) के तहत संस्थान का पंजीकरण किया गया है।

5. विदेशी मुद्रा में व्यय

(रु. लाखों में)

विवरण	2018-2019 रु.	2017-2018 रु.
क) विदेशी यात्रा	164.27	59.13
ख) पुस्तकें और केस सामग्री	810.20	317.42
ग) अन्य	110.71	185.24

6. विदेशी मुद्रा में आय

(रु. लाख में)

विवरण	2018-2019 रु.	2017-2018 रु.
क) परियोजना, कार्यक्रम, दान और फीस से आय	869.83	932.15
ख) स्थानन आय	26.11	23.02

7. भवनों का मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है, जबकि अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास आयकर अधिनियम,1961 में निर्दिष्ट के अनुसार किया गया है। यह मूल्यह्रास मानव संसाधन विकास मंत्रालय की दरों के अनुरूप नहीं है। उक्त तरीके के प्रभाव को निर्धारित नहीं किया जा सकता है क्योंकि संपत्तियाँ बहुत पुरानी है और उनकी पूंजीकरण की तारीख आदि के बारे में विवरण उपलब्ध नहीं हैं।

8. शुरूआती वर्षों में संस्थान ने भारत सरकार और गुजरात सरकार से प्राप्त अनुदानों का उपयोग करके पूंजीगत संपत्ति का निर्माण किया था। हालांकि इन वर्षों में परिसंपत्तियों का इससे अधिक मूल्यह्रास किया गया था, अनुदान राशि को किसी विशेष संपत्ति के रूप में अनुदान को लिंक नहीं करने के कारण आय और व्यय खाते (मूल्यह्रास के अनुपात में) में स्थानांतरित नहीं किया गया था। वर्ष के दौरान, वित्त समिति ने इन अनुदानों को चरणबद्ध तरीके से 10 वर्षों के अंतराल में आय और व्यय खाते में चुकता करने का निर्णय लिया है। तदनुसार, इस प्रभाव के कारण वर्तमान वर्ष के लिए मूल्यह्रास व्यय **161.97 लाख** रुपए से कम है।

9. संस्थान ने पीजीपीएक्स पाठ्यक्रम के छात्रों से जुटाए सेवाकर के लिए सेवाकर विभाग के विरोध के तहत **24.31लाख** रुपए (पिछले वर्ष 208.60लाख रुपए) जमा किए हैं। 31 मार्च 2019 तक **960.50 लाख** रू के बकाया भुगतान को अनुसूची-7 में विरोध के तहत सेवाकर (जीएसटी) भुगतान (पीजीपीएक्स) के रूप में दर्शाया गया है और तदनुसार इसे अनुसूची-3 में छात्रों को सेवाकर/जीएसटी प्रतिदेय (पीजीपीएक्स) के रूप में प्रकट किया गया है। इसी राशि को जब भी, जैसे ही इस विवाद का समाधान कर लिया जाता है तभी एवं वैसे ही समायोजित/वापिस कर दिया जाएगा।

10. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा दिए गए लेखांकन और प्रस्तुतीकरण मानदंडों के आधार पर वर्तमान वर्ष की प्रस्तुति की पुष्टि के लिए पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनःगठित/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी
फर्म पंजीकरण नं. 006711एन / एन 500028
सनदी लेखाकार

एर्रोल डीसूजा
निदेशक

अरविंद मोदी
सहभागी
सदस्यता संख्या 112929

मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
मुख्य प्रबंधक लेखा

दिनांक : 29.06.2019
स्थान : अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

(राशि रु. में)

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
I. अथ शेष			I. व्यय		
क) नकद शेष	15,941	25,000	क) स्थापना व्यय	87,66,90,798	66,43,78,956
ख) बैंक में शेष			ख) अकादमिक व्यय	36,75,93,121	32,65,53,467
1. स्मये खातों में	29,08,88,115	4,79,62,667	ग) प्रशासनिक व्यय	14,67,87,493	15,76,81,401
2. जमा खातों में	1,19,25,98,541	97,43,69,398	घ) परिवहन व्यय	2,59,805	2,93,678
3. बचत खाते	56,95,31,594	17,05,88,128	ङ) मरम्मत एवं रखरखाव	12,88,23,275	9,54,07,702
4. एफ़सी खातों में	12,29,231	13,158	च) पूर्व अवधि व्यय	–	–
ग) हस्तगत स्टेम्प	2,07,282	4,72,429			
II. प्राप्त अनुदान			II. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के लिए भुगतान	12,37,66,346	8,82,28,969
क) भारत सरकार से	3,90,00,000	2,00,00,000		–	–
ख) राज्य सरकार से	–	–		–	–
ग) अन्य स्रोतों से	–	–			
III. अकादमिक प्राप्तियाँ	1,41,24,55,759	1,39,12,93,803	III. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के लिए भुगतान	65,55,59,526	54,35,33,361
IV निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से प्राप्तियाँ	51,28,76,404	36,85,78,368	IV प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति के लिए भुगतान	1,02,61,940	79,85,200
V प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं से प्राप्तियाँ	1,06,93,45,450	92,38,83,132	V. निवेश एवं जमा किए गए		
			क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के अलावा	4,06,43,60,436	2,63,21,92,087
			ख) अपने स्वयं की निधि के अलावा (अन्य निवेश)	–	–
VI प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति से प्राप्तियाँ	27,14,000	93,56,800	VI. अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमाराशि	–	–
VII निवेशों से आय			VII. अचल परिसंपत्तियों एवं जारी पूंजीगत कार्यों पर व्यय		
क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	78,48,11,257	58,26,96,491	क) अचल संपत्तियाँ	8,11,91,876	4,78,41,718
ख) अन्य निवेश	–		ख) पूंजीकार्य प्रगति में (पूंजीगत अग्रिम सहित)	19,88,11,055	10,27,00,546
VIII ब्याज प्राप्त हुआ	–		VIII वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान	–	–
क) बैंक जमा	12,08,99,339	17,73,12,679	क) दी गई जमाराशियाँ	10,71,791	4,02,59,025

(राशि रु. में)

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ख) ऋण एवं अग्रिम	–	–	ख) जमा राशि का पुनर्भुगतान	1,12,000	1,70,000
ग) बचत बैंक खाते	1,90,34,150	1,65,34,318	ग) वैधानिक देयताओं में वृद्धि	5,30,07,709	(6,10,98,537)
IX निवेश नकदीकरण	1,58,81,91,616	1,73,07,10,951	IX अनुदान की धनवापसी	–	–
X अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा			X जमा एवं अग्रिम		
			क) सुरक्षा जमा	1,14,728	12,18,535
XI. अन्य आय			XI अन्य भुगतान		
क) भूमि एवं इमारतों से आय	3,99,74,204	4,53,83,884	क) व्यापक ऋणदाता और ऋण एवं अग्रिम	-	-
ख) अन्य	6,63,02,088	9,87,41,799	ख) कर्मचारियों को अग्रिम (शुद्ध)	7,69,783	2,32,661
			ग) स्टॉक में परिवर्तन	14,60,078	(12,37,760)
			घ) टीडीएस प्राप्य में वृद्धि/कमी	5,81,86,456	(82,57,260)
XII जमा एवं अग्रिम			XII अन्य भुगतान		
क) प्राप्त जमानती धन राशि	50,11,853	67,11,741			
ख) सुरक्षा जमा	–	–	क) विविध लेनदारों एवं अन्य देयताओं में वृद्धि	(3,95,12,394)	(12,75,62,706)
ग) कर्मचारियों को ऋण	–	–			
XIII विविध प्राप्तियाँ (वैधानिक प्राप्तियाँ)	–	–			
XIV अन्य प्राप्तियाँ	–	–	XIII समापन शेष		
क) प्रावधानों में परिवर्तन	–	–	क) नकद शेष	10,000	15,941
ख) विविध लेनदार एवं अन्य देयताएँ			ख) बैंक शेष		
ग) संपत्ति की बिक्री	6,55,296	3,57,003	i. रुपये खातों में	6,59,04,199	29,08,88,115
			ii. जमा खातों में	60,12,81,878	1,19,25,98,541
			iii. बचत खाते	31,66,96,522	56,95,31,594
			iv एफ़सी खातों में	22,82,257	12,29,231
			ग) हस्तगत स्टेम्प	2,51,444	2,07,282
कुल	**7,71,57,42,121**	**6,56,49,91,747**	**कुल**	**7,71,57,42,121**	**6,56,49,91,747**

कृते टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी
फर्म पंजीकरण नं. 006711एन / एन 500028
सनदी लेखाकार

एर्रोल डीसूजा
निदेशक

अरविंद मोदी
सहभागी
सदस्यता संख्या 112929

मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
मुख्य प्रबंधक लेखा

दिनांक : 29.06.2019
स्थान : अहमदाबाद

स्वर्ण पदक विजेता 1966 से 2019 तक

1966
- दिवान अरुण नंदा
- सी. के. प्रह्लाद
- लक्ष्मी प्रसाद वेपा

1967
- विजय भार्गव
- जयंत कुमार डे

1968
- जोह्न सायस केमिलस
- ग्रेम्मा कस्तूरी जयरामन
- बीजी के. कुरियन
- रवि वी. सारथी

1969
- पृथ्वी नाथ शेठ
- एम. जी. सुब्रामणियम
- वीरराघवन वी.
- वेणुगोपाल एस.

1970
- टी. के. बालाजी
- भरतकुमार जे. मेहता
- पॉल माम्पिल्ली
- अशोक केवलचन्द वोरा

1971
- हर किशन लाल अग्रवाल
- प्रदीप कुमार भार्गव
- अरुण पी. पांडे
- ऑड्री इग्नेशियस रेबेलो

1972
- वेनबक्कम एस. कृष्णन
- एस. रामकृष्णन
- एस. उमापति
- विजय सागर

1973
- सुदिप्तो भट्टाचार्य
- कृष्णास्वामी मोहन
- विलास के. रजवाड़े
- उत्पल सेन गुप्ता

1974
- राजीव बर्मन
- जनार्दनमोहन जी. राव
- रवि आर.
- एस. रविचन्द्रन

1975
- आर. बालगंगाधरन
- एस. बालासुब्रामणियन
- राज कुमार साह
- श्रीधर एस.

1976
- गौतम चक्रवर्ती
- श्रीकान्त पी. पांडे
- रीटा मोहन
- सुधर कृष्णमूर्ति

1977
- मनविन्दर सिंह बंगा
- लक्ष्मी चंद भंडारी
- हेमन्त शाह
- बी. रामास्वामी (एसपीए)

1978
- बी. अनन्तराम
- श्रीकान्त माधव दातार
- संदीप माथुर
- वसन्त प्रकाश गाँधी (एसपीए)

1979
- श्री के. चन्द्रशेखर
- मेहर करण सिंह
- विजय श्रीरंगन

1980
- संजय भार्गव
- विपुल प्रसाद जैन
- श्रीधर शेषाद्री

1981
- आलोक अग्रवाल
- राजीव कपूर
- विजय महाजन
- वी. एस. सीताराम

1982
- जगमोहन सिंह राजू
- शशि कान्त सचदेवा
- जयन्त राम वर्मा

1983
- प्रकाश मिरचन्दानी
- आशिष नन्दा
- रामकुमार एस.
- सुरेश मदान (एसपीए)

1984
- सुनील गुलाटी
- पप्पू जगदीश राव

1985
- हर्ष लाल
- कादम्बी पी. जनार्दन
- श्रीनाथ मुखर्जी

1986
- अनिल आहूजा
- राजीव आहूजा
- देविना मेहरा

1987
- हरीश आर. भाट
- वेंकटेश नरसियाह
- रघुराम जी. राजन

1988
- राजीव अग्रवाल
- संजय गुप्ता
- सौरभ गर्ग

1989
- आर. सुब्रामणियन
- के. आर. एस. जामवाल
- सचित जैन

1990
- विपिन गुप्ता
- मोनिष कुमार
- मिलिंद शहाणे

1991
- अग्रवाल विजय
- एस. नागराजन

1992
- चेतनकुमार बी. शाह
- संजीव छाबरा
- विवेक रस्तोगी

1993
- संजय कुमार जैन
- गौतम कुमरा
- रोहित चटर्जी

1994
- ह्रषिकेश बी. परान्देकर
- एस. रमेश
- आनंद संघी

1995
- आशुतोष पाढ़ी
- नितिन मल्हान
- संजय पुरोहित

1996
- समित ए. पारेख
- भुपेन्दर सिंह
- पूर्वा इन्दुरकर

1997
- राजीव ई. के.
- रजत भार्गव
- संदीप गुप्ता

1998
- सुमत राजपाल
- अविनाश अग्रवाल
- विपुल बंसल

1999
- अमित बोरडिया
- अनुपम मोर्टिन्स
- प्रशांत

2000
- प्रियंका अरोडा
- सुरेन्द्र कुमार जैन
- शिशिर आर. मांकड

2001
- कृष्णा वाय. एस. आर.
- भारद्वाज वी. टी.
- आनंद श्रीधरन

2002
- विकास गुप्ता
- मणिकन्दन नटराजन
- मोहित खुराना
- सुमन एन थॉमस (पीजीपी-एबीएम)

2003
- अमर मखीजा
- रामनाथ बालासुब्रामणियन
- नितिन दहिया
- रामप्रसाद बी. के. (पीजीपी-एबीएम)

2004
- मुकुंदन डी.
- जी. वी. रविशंकर
- के. एन. रामगणेश
- ध्रुद ज्योति बनर्जी (पीजीपी-एबीएम)

2005
- फिलिप टी. जेकब
- मनोज गुप्ता
- गौरव सहगल

2006
- कनिष सरीन
- विषय ग्रोवर
- अंकुर साबू
- अमित जानी (पीजीपी-एबीएम)

2007
- मयंक रावत
- सुमित कुमार
- बाला वामसी ततवर्ती
- जेम्स बीसोन (पीजीपीएक्स)

2008
- कपिल मोदी
- जी. अर्जुन
- प्रतीक जैन
- सहलीन गर्ग (पीजीपीएक्स)
- सैयद अली मुर्तज़ा रिज़वी (पीजीपी-पीएमपी)

2009
- गगनदीप सिंह
- अभिषेक वर्मा
- इशांत गोयल
- सौरी गुदलावालेत्ती (पीजीपीएक्स)
- राकेश रंजन (पीएमपी)

2010
- सम्राट अशोक लाल
- रोहन चौधरी
- हिमांशु शर्मा
- विनोद कुमार रामचन्द्रन (पीजीपीएक्स)
- संजीत कुमार पांडे (पीजीपी-पीएमपी)

2011
- श्री जयदीप शंकर जगन्नाथन
- श्री मयंक कुकरेजा
- श्री मोहित गर्ग
- श्री राहुल (पीजीपीएक्स)

2012
- श्री गौरव जगदीश सिंघल
- श्री नेहुल मल्होत्रा
- श्री आदित्य खंडेलिया
- श्री शिवराम रामाकृष्णन (पीजीपीएक्स)

2013
- निखिल अग्रवाल
- अनिकेत तलवाई
- सुमित सोमानी
- शशांक राठी (पीजीपी-एबीएम)
- आदित्य बंसल (पीजीपीएक्स)

2014
- हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा
- संचित बंसल
- प्रशांत सरकार
- आदित्य किरण परांजपे (पीजीपीएक्स)

2015
- अग्रवाल राहुल सतीश
- रक्षित यू. अग्रवाल
- अभिनव गुप्ता
- सिद्धार्थ अग्रवाल (पीजीपी-एबीएम)
- अंशुल श्रीवास्तव (पीजीपीएक्स)

2016
- आयुष अग्रवाल
- शाह आशय सुभाष
- अनुराग अग्रवाल
- प्रसन्ना वेंकटेशन श्रीनिवासन अय्यंगर (पीजीपीएक्स)

2017
- आशीष खुल्लर
- आकाश गुप्ता
- सम्यक डागा
- मिहिर पारेख (पीजीपीएक्स)

2018
- प्रखर बालासुब्रमण्यन
- अनुराग पोद्दार
- सौम्यो माधब मित्रा
- श्रीहरि सुमाइथंगी जानकीराम (पीजीपीएक्स)

2019
- शुभम गोयल
- अडवाणी मनीष सुरेश
- क्षितिज जैन
- मोक्षा (पीजीपी-एफ़एबीएम)
- रोनित भट्टाचार्य (पीजीपीएक्स)

दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथिगण

1966 श्री एम. सी. चागला
1967 डॉ. विक्रम साराभाई
1968 श्रीमती इन्दिरा गाँधी
1969 डॉ. करन सिंह
1970 श्री एल. के. झा
1971 श्री धर्म वीर
1972 श्री सी. सुब्रामणियम
1973 श्री डी.पी. धर
1974 प्रोफेसर नुरुल हसन
1975 श्री टी.ए. पाई
1976 डॉ. वी. एम. दंडेकर
1977 श्री एम.एस. स्वामीनाथन
1978 श्री एच. एम. पटेल
1979 श्री वी. जी. राजाध्यक्ष
1980 जस्टिस श्री एम. हिदायतुल्लाह
1981 श्री केशुब महिन्द्रा
1982 श्रीमती शारदा मुखर्जी
1983 श्री नानी पालखीवाला
1984 श्री पी.एल. टंडन
1985 श्री के. सी. पंत
1986 श्री हितेन भाया
1987 डॉ. राजा रमन्ना
1988 श्री वी. कुरियन
1989 श्री ए.एस. गांगुली
1990 श्री रुसी मोदी
1991 श्री सरुप सिंह
1992 श्री राजमोहन गाँधी
1993 श्री पी. वी. नरसिम्हा राव
1994 डॉ. मनमोहन सिंह
1995 श्री सेम पित्रोडा
1996 श्री ए. एम. एहमदी
1997 श्री अदी गोदरेज
1998 श्री विक्रम लाल
1999 श्री के. बी. दादीशेठ
2000 श्री आर. के. लक्ष्मण
2001 डॉ. देश देशपांडे
2002 श्री अज़ीम प्रेमजी
2003 डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
2004 डॉ. बिमल जालान
2005 श्री रघुराम राजन
2006 श्री एम. एस. बंगा
2007 श्री पी. चिदम्बरम्
2008 श्री मोंटेक सिंह अहलुवालिया
2009 श्री दीपक पारेख
2010 डॉ. सी. रंगराजन
2011 डॉ. मनमोहन सिंह
2012 श्री के. वी. कामथ
2013 श्री एल. एन. मित्तल
2014 श्री आनंद महिन्द्रा
2015 श्री अजय बंगा
2016 श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य
2017 सुश्री शिखा शर्मा
2018 डॉ. जन्मेजय सिन्हा
2019 प्रोफ़ेसर कौशिक बसु